
शिक्षा निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

सहायक सामग्री
(2016-2017)

कक्षा - बारहवीं
राजनीति विज्ञान

Support Material - 2016-17

राजनीति विज्ञान

कक्षा-बारहवीं

Team Members

S.No.	Name	Designation	School	School ID
1.	Dr. Kanchan Jain (Group leader)	Principal	GGSSS, No-2, B.Blk, Yamuna Vihar, D-53	1104027
2.	Ms. Veena Mavi	Lect. (Pol. Sci.)	GGSSS, Janta Flats, Nand Nagri, Delhi-94	1106115
3.	Mr. Subodh Kumar	Lect. (Pol.Sci.)	G.Co.Ed SV Kailash Encl. Saraswati Vihar	1411005
4.	Mr. Krishan Mohan Tripathi	Lect. (Pol.Sci.)	GBSSS, Old Seema Puri, Delhi	1106009
5.	Mr. Ashok Kr. Rana	Lect. (Pol. Sci.)	GBSSS, Gokalpur Vill. Delhi- 53	1104004
6.	Mr. Shyam Kishore Gupta	Lect. (Pol. Sci.)	RPVV, Gandhi Nagar Delhi-31	1003261
7.	Ms. Sudha Rani Jain	Lect. (Pol. Sci.)	M.B.P.B.M. SKV, Shahdara, Delhi-32	1105110
8.	Mr. Vishal Aggarwal	Lect. (Pol. Sci.)	GSBV, No-1, B-Blk. Yamuna Vihar D-93	1104001
9.	Mr. Arun Kumar	Lect. (Pol. Sci.)	GBSSS, Shastri Park Delhi-53	1105011

The weightage or the distribution of marks over the different dimensions paper shall be as follows:-

1. Weightage of Content

Part A: Contemporary World Politics

Units		Marks
1.	Cold War Era	14
2.	The End of Bipolarity	
3.	US Hegemony in World Politics	
4.	Alternative Centres of Power	16
5.	Contemporary South Asia	
6.	International Organizations	10
7.	Security in Contemporary World	
8.	Environment and Natural Resources	10
9.	Globalization	
Total		50

Part B : Politics in India since Independence

Units		Marks
10.	Challenges of Nation-Building	16
11.	Era of One Party Dominance	
12.	Politics of Planned Development	
13.	India's External Relations	6
14.	Challenges to the Congress System	12
15.	Crisis of the Democratic Order	
16.	Rise of Popular Movements	16
17.	Regional Aspirations	
18.	Recent Developments in Indian Politics	
Total		50

2. Weightage of Difficulty Level

Estimated difficulty level	Percentage
Difficult	20%
Average	50%
Easy	30%

3. Scheme of Options :

There is internal choice for long answer questions.

Map question has choice only with another map.

There are three passage-based or picture-based questions.

4. In order to assess different mental abilities of learners, question paper is likely to include questions based on passages, visuals such as maps, cartoons, etc. No factual question will be asked on the information given in the plus (+) boxes in the textbooks.

QUESTION PAPER DESIGN 2016-17										
POLITICAL SCIENCE			Code No. 028				CLASS-XII			
Time: 3 Hours			Max. Marks: 100							
S. No	Typology of Questions	Learning Outcomes & Testing Skills	Very Short Answer (1 Mark)	Very Short Answer (2 Marks)	Short Answer (4 Marks)	Long Answer I (5 Marks) based on Passages and Pictures	Map Question Picture based interpretation (5 Marks)	Long Answer II (6 Marks)	Marks	% weight age
1	Remembering- (Knowledge based Simple recall questions, to know specific facts, terms, concepts, principles, or theories; Identify, define, or recite, information)	<ul style="list-style-type: none"> Reasoning Analytical Skills Critical thinking 	-	1	2	-	-	2	22	22%
2	Understanding- (Comprehension - to be familiar with meaning and to understand conceptually, interpret, compare, contrast, explain, paraphrase information)		2	-	2	1	-	1	21	21%
3	Application (Use abstract information in concrete situation, to apply knowledge to new situations; Use given content to interpret a situation, provide an example, or solve a problem)		1	1	-	1	1	2	25	25%
4	High Order Thinking Skills (Analysis & Synthesis- Classify, compare, contrast, or differentiate between different pieces of information; Organize and/or integrate unique pieces of information from a variety of sources) (includes Map interpretation)		1	2	1	1	-	1	20	20%
5	Evaluation- (Appraise, judge, and/or justify the value or worth of a decision or outcome, or to predict outcomes based on values)		1	1	1	-	1	-	12	12%
Total			1x5=5	2x5=10	4x6=24	5x3=15	5x2=10	6x6=36	100	100%

Note: Care is to be taken to cover all chapters.

राजनीति विज्ञान

कक्षा - बारहवीं

समकालीन विश्व राजनीति

प्रथम पुस्तक

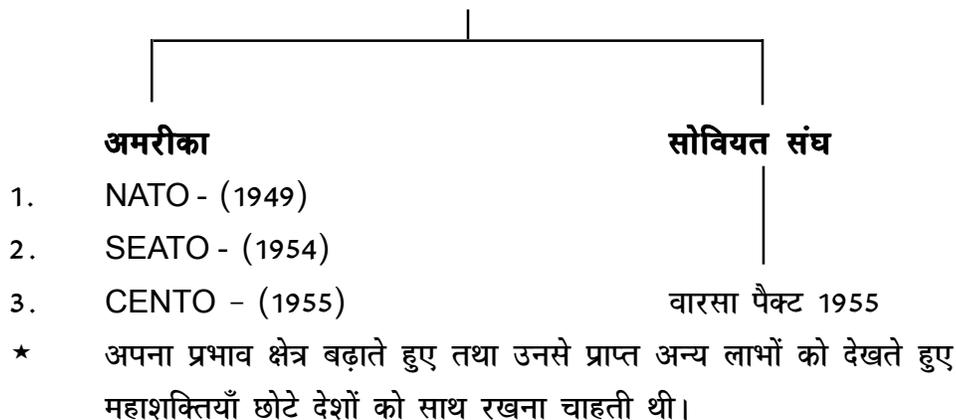
भाग - 1

शीतयुद्ध का दौर

स्मरणीय बिन्दु :- द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से अब तक की

- ★ वैश्विक घटनाओं का अध्ययन समकालीन विश्व राजनीति के विषय है।
- ★ प्रथम विश्व युद्ध- 1914 से 1918 तक
द्वितीय विश्व युद्ध - 1939 से 1945 तक
- ★ द्वितीय विश्व युद्ध के गुट
 - 1) मित्र राष्ट्र - सोवियत संघ, फ्रांस, ब्रिटेन संयुक्त राज्य अमेरिका
 - 2) धुरी राष्ट्र - जर्मनी, जापान, इटली।
- ★ द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति पर दो महाशक्तियों का उदय हुआ - पूंजीवाद विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने वाले संयुक्त राज्य अमेरिका और समाजवादी विचारधारा के सोवियत संघ का।
- ★ अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए दोनों ही महाशक्तियों ने अन्य देशों के साथ संधियाँ की।

सैन्य संधि संगठन



-
- ★ छोटे देश भी सुरक्षा, हथियार और आर्थिक मदद की दृष्टि से महाशक्तियों से जुड़े रहना चाहते थे।
 - ★ परमाणु सम्पन्न होने के कारण दोनों ही महाशक्तियों में रक्त रंजित युद्ध के स्थान पर प्रतिद्वन्द्विता तथा तनाव की स्थिति बनी रही। जिसे शीत युद्ध कहा गया।

 - ★ महाशक्तियों को छोटे देशों से लाभ -
 - 1) छोटे देशों के प्राकृतिक संसाधन प्राप्त करना।
 - 2) सैन्य ठिकाने स्थापित करना।
 - 3) आर्थिक सहायता प्राप्त करना।
 - 4) भू-क्षेत्र (ताकि महाशक्तियाँ अपने हथियारों और सेना का संचालन कर सकें)।

 - ★ शीतयुद्ध के दायरे -1 1948 में बर्लिन की नाकेबंदी
 - 2) 1950 में कोरिया संकट
 - 3) 1954-1975 तक वियतनाम में अमेरिकी हस्तक्षेप
 - 4) 1956 - हंगरी में सोवियत संघ का हस्तक्षेप
 - 5) 1962 - क्यूबा मिसाइल संकट

 - ★ दो ध्रुवीयता को चुनौती - गुट निरपेक्ष आंदोलन एशिया और अफ्रीका के नव स्वतंत्र राष्ट्रों के समक्ष अपनी स्वतंत्रता एवम् प्रभुसत्ता को बनाए रखने का तीसरा विकल्प था - गुट निरपेक्ष आंदोलन में शामिल हो जाना।
 - ★ गुट निरपेक्ष आन्दोलन का पहला सम्मेलन 1961 में बेलग्रेड (यूगोस्लाविया की राजधानी) में हुआ। जिसकी नींव 1955 में एफ्रो एशियाई सम्मेलन में रखी गई थी। (बांडुंग सम्मेलन) इस आन्दोलन के संस्थापक देश व नेता थे -

संस्थापक नेता	संस्थापक देश
1. पं. जवाहर लाल नेहरू	भारत
2. कर्नल नासिर	मिस्र

3.	डा. सुकर्णो	इन्डोनेशिया
4.	मार्शल टीटो	यूगोस्लाविया
5.	वामे एनक्रूमा	घाना

★ नव अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था (N.I.E.O) 1972 में U.N.O के व्यापार एवम् विकास आंदोलन (UNCTAD) में विकास के लिए एक नई व्यापार नीति का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया ताकि धनी देशों द्वारा नव स्वतंत्र गरीब देशों का शोषण न हो सके।

टुवार्ड्स अ न्यू ट्रेड पॉलिसी फॉर डेवलेपमेंट (विकास के लिए नई व्यापारिक नीति की ओर) एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

★ भारत और शीतयुद्ध- शीतयुद्ध के दौरान भारत ने नव स्वतंत्र देशों का नेतृत्व किया तथा अपने राष्ट्रीय हितों को पूरा किया। और दोनों महाशक्तियों के मतभेदों को भी दूर करने का प्रयास किया।

★ शस्त्र नियंत्रण संधियाँ :-

1. L.T.B.T. सीमित परमाणु परीक्षण संधि - 5 अगस्त 1963
2. SALT सामरिक अस्त्र परिसीमन वार्ता - 1) 26 मई 1972
2) 18 जून 1979
3. START - सामरिक अस्त्र न्यूनीकरण संधि - 1) 31 जुलाई 1991
2) 3 जनवरी 1993

N.P.T - परमाणु अप्रसार संधि - 1 जुलाई 1968

(पांच परमाणु सम्पन्न देश ही परमाणु परीक्षण कर सकते थे अन्य देश नहीं।)

एक अंकीय प्रश्न :-

1. वाक्य को सही करके लिखें - अमेरिका ने पूँजीवादी देशों को लेकर 1949 में वारसा संधि की।
2. N.P.T. / NATO का शब्द विस्तार लिखे।
3. किन्हीं दो धुरी देशों के नाम बताएँ।
4. ऐसे दो मित्र देशों के नाम बताएँ बाद में जिनके मध्य शीतयुद्ध हुआ।
5. अमेरिका ने द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान के किन दो शहरों पर परमाणु बम गिराए थे ?
6. परमाणु बमों के गुप्त नाम क्या थे ?

द्विअंकीय प्रश्न :-

1. शीत युद्ध से क्या तात्पर्य है ?
2. गुट निरपेक्षता से क्या अभिप्राय है ?
3. नव अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था का प्रमुख लक्ष्य क्या था ?
4. भारत सीटो तथा नाटो का सदस्य क्यों नहीं बना ?
5. अस्त्र नियंत्रण हेतु महाशक्तियों ने किन दो संधियों पर हस्ताक्षर किए ?
6. अपरोध किसे कहते हैं ?
7. क्यूबा मिसाइल संकट के समय USA तथा USSR का नेतृत्व कौन कर रहा था ?
8. देतान्त (Detente) का अर्थ स्पष्ट करें।
9. निःशस्त्रीकरण का क्या अर्थ है ?

चार अंक के प्रश्न

1. महाशक्तियाँ छोटे देशों को अपने साथ क्यों रखती थीं ?
2. 'क्यूबा मिसाइल संकट शीतयुद्ध का चरम बिन्दु था' स्पष्ट करें ?
3. गुट निरपेक्षता की नीति के चार सिद्धांत लिखे।
4. नव अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था क्या है ? इसकी दो विशेषताएँ बतायें।

पाँच अंक के प्रश्न :- निम्न अवतरण को पढ़ें तथा उत्तर दें :-

यह आंदोलन मौजूदा असमानताओं से निपटने के लिए एक वैकल्पिक विश्व व्यवस्था बनाने और अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था को लोकतंत्रधर्मी बनाने के संकल्प पर टिका है। अपने आप में ये विचार बुनियादी महत्व के हैं और शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद भी प्रासांगिक हैं।

- 1) यहाँ किस आन्दोलन की बात हो रही है? 1
- 2) शीतयुद्ध की समाप्ति से क्या अभिप्राय है? 2
- 3) आज भी इस आन्दोलन की प्रासांगिकता (उपयोगिता) किन बुनियादी मूल्यों को लेकर है? 2

छः अंकीय प्रश्न :-

1. द्विध्रुवीय विश्व के उदय के क्या कारण थे? दोनों शक्ति गुटों के बीच शीतयुद्ध सम्बंधी दायरे कौन-कौन से थे?
2. शीतयुद्ध काल में दोनों महाशक्तियों ने एक तरफ तो हथियारों की होड़ की तथा दूसरी ओर हथियार सीमित करने के लिए संधियाँ कीं। क्यों?
3. शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद क्या गुट निरपेक्षता की नीति प्रासंगिक अथवा उपयोगी है? स्पष्ट करें।
4. शीतयुद्ध के परिणामों का वर्णन करें।
5. शीतयुद्ध के तनाव को कम करने में भारत ने क्या भूमिका निभाई?

मानचित्र अभ्यास कार्य :-

1. संसार के मानचित्र में चार-चार देश दिखाएँ / चिन्हित करें :-
 - 1) पहली दुनिया 2) दूसरी दुनिया 3) तीसरी दुनिया
2. यूरोप के मानचित्र में
 - 1) नाटो के चार सदस्य देश चिन्हित करें।
 - 2) एक गुट निरपेक्ष देश
 - 3) वारसा संधि के दो सदस्य देश।

एक अंकीय उत्तर :-

1. नाटो संधि की।
2. NATO - उत्तर अटलांटिक संधि संगठन
3. NPT - परमाणु अप्रसार संधि
4. सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका
5. हिरोशिमा, नागासाकी
6. लिटिल ब्वॉय, फ़ैटमैन

द्विअंकीय उत्तर :-

1. शीतयुद्ध से अभिप्राय है कि परमाणु महाशक्ति होने के कारण दोनों ही महाशक्तियों (USA, USSR) में सीधे रक्त रंजित युद्ध के स्थान पर प्रतिद्वंद्विता तथा तनाव की स्थिति बनी रही।
2. दोनों महाशक्तियों में से किसी के भी गुट में शामिल न होने की नीति ही गुट निरपेक्षता है।
3. अल्पविकसित देशों का अपने संसाधनों पर नियंत्रण होगा तथा पश्चिमी देशों के बाजारों तक उनकी पहुँच होगी।
4. भारत किसी भी महाशक्ति के गुट का सदस्य नहीं बनना चाहता था। स्वतंत्र नीति बनाए रखने के कारण भारत सीटो, नाटो जैसी सैनिक संधियों में शामिल नहीं।
5. L.T.B.T., SALT, START.
6. अपरोध अर्थात् रोक और संतुलन। जब दोनों पक्ष विनाश करने में समर्थ हो तो कोई भी पक्ष युद्ध का खतरा नहीं उठाना चाहता।
7. U.S.A. जॉन एफ कैनेडी U.S.S.R. निकिता ख़ुश्चेव।
8. देतान्त का अर्थ है शिथिलता। अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में U.S.A. और U.S.S.R. की तनाव शिथिलता के लिए इस शब्द का प्रयोग किया जाता है।
9. निःशस्त्रीकरण का अर्थ है परमाणुवक तथा अन्य हथियारों को सीमित या समाप्त करना।

चार अंक के प्रश्नों के उत्तर :-

2. 1962 में सोवियत संघ ने क्यूबा में परमाणु मिसाइलें तैनात कर दी और अमेरिका निशाने की सीमा में आ गया। पर अमेरिकी राष्ट्रपति कैंनेडी की जवाबी कार्यवाही के बाद सोवियत संघ ने मिसाइलें हटा ली। दोनों महाशक्तियों के मध्य तनाव और प्रतिद्वंद्विता ने युद्ध का रूप नहीं लिया। क्यूबा मिसाइल संकट शीतयुद्ध का चरम बिंदू कहलाता है।
3.
 - 1) स्वतंत्र विदेश नीति
 - 2) महाशक्तियों के गुटों से अलग रहना
 - 3) साम्राज्यवाद का विरोध करना।
 - 4) विश्व शांति व सह अस्तित्व
 - 5) रंगभेद का विरोध करना।
 - 6) आपसी विवादों को बातचीत से सुलझाना।
 - 7) U.N.O. में विश्वास।
4. अल्पविकसित देशों द्वारा अपना आर्थिक तथा टिकाऊ विकास करना दो विशेषताएँ :-
 - 1) अल्प विकसित देशों का अपने प्राकृतिक साधनों पर नियंत्रण हो।
 - 2) अल्प विकसित देशों की अन्तरराष्ट्रीय आर्थिक संगठनों में भूमिका बढ़े।

5 अंकों के प्रश्न के उत्तर :-

1. गुट निरपेक्ष आंदोलन
2. सोवियत संघ के विघटन के बाद शीत युद्ध समाप्त हो गया।
3. क) मौजूदा असमानताओं से निपटने के लिए।
ख) अन्तरराष्ट्रीय व्यवस्था को लोकतंत्र धर्मी बनाना।

6 अंकीय उत्तर :-

1. दोनों महाशक्तियाँ विश्व में अपना प्रभाव, वर्चस्व बढ़ाना चाहती थी। अपनी सैन्य शक्ति, परमाणु ताकत, वैचारिक धारणा को बढ़-चढ़ कर दिखाना चाहती थी।

2. हथियारों की होड़ :-

- 1) अपना वर्चस्व स्थापित करना।
- 2) अति उत्तम तकनीक के हथियार बनाना।
- 3) ज्यादा ताकत के परमाणु बम बनाना।

नियंत्रण :-

- 1) दोनों को ही अपने नष्ट होने का भय।
- 2) हथियार निर्माण के धन को बचाना।
- 3) शस्त्र परिसीमन संधिया की।

3. गुट निरपेक्षता की नीति की प्रासंगिकता।

- 1) विकासशील की नीति की प्रासंगिकता
- 2) NIEO को लागू करना।
- 3) अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपनी पहचान तथा अस्तित्व बनाना।
- 4) अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों में विकसित देशों के वर्चस्व को चुनौती देना।
- 5) गरीब देशों के आर्थिक शोषण के विरुद्ध एकजुटता।
- 6) विश्वशांति तथा निःशस्त्रीकरण लागू करना।

4. शीत युद्ध के परिणाम

- 1) दो ध्रुवीय विश्व का उदय
- 2) सैन्य संधियों का गठन
- 3) गुट निरपेक्ष आंदोलन का उदय।
- 4) हथियारों की होड़ शुरू
- 5) महाशक्तियों की होड़ से वैज्ञानिक एवम् तकनीकी क्षेत्र में प्रतियोगिता।
- 6) U.N.O. की कार्यकुशलता में कमी।

- 5.
- 1) गुट निरपेक्ष आंदोलन का नेतृत्व।
 - 2) सैन्य गुटों में शामिल नहीं
 - 3) वैश्विक समस्याओं पर स्वतंत्र विचार।
 - 4) क्षेत्रीय संगठन निर्माण
 - 5) महाशक्तियों से मित्रतापूर्ण संबंध
 - 6) अन्तर्राष्ट्रीय संगठन को मजबूत करने में सहायक।

दो ध्रुवीयता का अंत

- ★ शीतयुद्ध के प्रतीक 1961 में बनी बर्लिन की दीवार को 9 नवंबर 1989 को जनता द्वारा तोड़ दिया गया।
- ★ 25 दिसम्बर 1991 को सोवियत संघ का विघटन हो गया।

सोवियत संघ का जन्म, व्यवस्था (प्रणाली)

- ★ 1917 की रूसी बोलशेविक क्रांति के बाद समाजवादी सोवियत गणराज्य संघ (U.S.S.R.) अस्तित्व में आया।

सोवियत प्रणाली :-

- 1) सोवियत प्रणाली पूंजीवादी व्यवस्था का विरोध तथा समाजवाद के आदर्शों से प्रेरित थी।
- 2) सोवियत प्रणाली में नियोजित अर्थव्यवस्था थी।
- 3) कम्युनिस्ट पार्टी का दबदबा था।
- 4) न्यूनतम जीवन स्तर की सुविधा
- 5) बेरोजगारी न होना।
- 6) उन्नत संचार प्रणाली।
- 7) मिलिक्यत का प्रमुख रूप राज्य का स्वामित्व
- 8) उत्पादन के साधनों पर राज्य का नियंत्रण था।

दूसरी दुनिया - पूर्वी यूरोप के देशों को समाजवादी प्रणाली की तर्ज पर ढाला गया था, इन्हें ही समाजवादी खेमे के देश या दूसरी दुनिया कहा गया।

मिखाइल गोर्बाचेव - 1980 के दशक में मिखाइल गोर्बाचेव ने राजनीतिक सुधारों तथा लोकतांत्रिकरण को अपनाया उन्होंने पुर्नरचना। (पेरेस्त्रोइका) व खुलापन (ग्लासनोस्त) के नाम से आर्थिक सुधार लागू किए)

सोवियत संघ समाप्ति की घोषणा - 1991 में बोरिस येल्टसिन के नेतृत्व में पूर्वी यूरोप के देशों ने तथा रूस, यूक्रेन व बेलारूस ने सोवियत संघ की समाप्ति की घोषणा की।

★ CIS (स्वतंत्र राज्यों का राष्ट्रकुल) बना 15 नए देशों का उदय।

सोवियत संघ के विघटन के कारण :-

1. नागरिकों की राजनीतिक और आर्थिक आंकाक्षाओं को पूरा न कर पाना।
2. सोवियत प्रणाली पर नौकरशाही का शिकंजा।
3. कम्युनिस्ट पार्टी का अंकुश।
4. संसाधनों का अधिकतम उपयोग परमाणु हथियारों पर।
5. प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे में पश्चिम के मुकाबले पीछे रहना।
6. रूस की प्रमुखता।
7. गोर्बाचेव द्वारा किए गए सुधारों का विरोध होना।
8. अर्थव्यवस्था गतिरुद्ध व उपभोक्ता वस्तुओं की कमी।
9. राष्ट्रवादी भावनाओं और सम्प्रभुता की इच्छा का उभार।

सोवियत संघ के विघटन के परिणाम :-

1. शीतयुद्ध का संघर्ष समाप्त हो गया।
2. एक ध्रुवीय विश्व अर्थात् अमरीकी वर्चस्व का उदय।
3. हथियारों की होड़ की समाप्ति
4. सोवियत खेमे का अंत और 15 नए देशों का उदय।
5. रूस सोवियत संघ का उत्तराधिकारी बना।
6. विश्व राजनीति में शक्ति संबंध परिवर्तित हो गए।
7. समाजवादी विचारधारा पर प्रश्नचिन्ह या पूँजीवादी उदारवादी व्यवस्था का वर्चस्व।

शॉक थेरेपी :- शाब्दिक अर्थ है आघात पहुँचाकर उपचार करना। साम्यवाद के पतन के बाद सोवियत संघ के गणराज्यों को विश्व बैंक और अन्तर्राष्ट्रीय

मुद्रा कोष द्वारा निर्देशित साम्यवाद से पूंजीवाद की ओर संक्रमण (परिवर्तन) के मॉडल को अपनाते को कहा गया। इसे ही शॉक थेरेपी कहते हैं।

शॉक थेरेपी की विशेषताएँ :-

1. मिलिक्यत का प्रमुख रूप निजी स्वामित्व।
2. राज्य की संपदा का निजीकरण।
3. सामूहिक फार्म की जगह निजी फार्म।
4. मुक्त व्यापार व्यवस्था को अपनाना।
5. मुद्राओं की आपसी परिवर्तनीयता।
6. पश्चिमी देशों की आर्थिक व्यवस्था से जुड़ाव।
पूंजीवाद के अतिरिक्त किसी भी वैकल्पिक व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया गया। परंतु शॉक थेरेपी के परिणाम सुखद नहीं रहे।
1. पूर्णतया असफल, रूस का औद्योगिक ढांचा चरमरा गया।
2. रूसी मुद्रा रूबल में गिरावट।
3. समाज कल्याण की पुरानी व्यवस्था नष्ट।
4. 90 प्रतिशत उद्योगों को निजी हाथों या कम्पनियों को कम दामों (औने-पौने) दामों में बेचा गया जिसे इतिहास की सबसे बड़ी गराज सेल कहा जाता है।
5. आर्थिक विषमता बढ़ी।
6. खाद्यान्न संकट हो गया।
7. माफिया वर्ग का उदय।
8. कमजोर संसद व राष्ट्रपति को अधिक शक्तियाँ जिससे सत्तावादी राष्ट्रपति शासन।

संघर्ष व तनाव के क्षेत्र - पूर्व सोवियत संघ के अधिकांश गणराज्य संघर्ष की आशंका वाले क्षेत्र हैं। इन देशों में बाहरी ताकतों की दखलंदाजी भी बढ़ी है। रूस के दो गणराज्यों चेचन्या और दागिस्तान में हिंसक अलगाववादी आन्दोलन चले। चेकोस्लोवाकिया दो भागों - चेक तथा स्लोवाकिया में बंट गया।

बाल्कन क्षेत्र :- बाल्कन गणराज्य यूगोस्लाविया गृहयुद्ध के कारण कई प्रान्तों में बँट गया। जिसमें शामिल बोस्निया - हर्जेगोविना, स्लोवेनिया तथा क्रोएशिया ने अपने को स्वतंत्र घोषित कर दिया।

बाल्टिक क्षेत्र :- बाल्टिक क्षेत्र के लिथुआनिया ने मार्च 1990 में अपने आप को स्वतंत्र घोषित किया। एस्टोनिया, लताविया और लिथुआनिया 1991 में संयुक्त राष्ट्रसंघ के सदस्य बने। 2004 में नाटो में शामिल हुए।

मध्य एशिया :- के ताजिकिस्तान में 10 वर्षों तक यानी 2001 तक गृहयुद्ध चला। अज़रबैजान, अर्मेनिया, यूक्रेन, किरगिस्तान, जार्जिया में भी गृहयुद्ध की स्थिति हैं।

मध्य एशियाई गणराज्यों में पेट्रोल के विशाल भंडार है। इसी कारण से यह क्षेत्र बाहरी ताकतों और तेल कंपनियों की प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा भी बन गया है।

पूर्व साम्यवादी देश और भारत :-

1. पूर्व साम्यवादी देशों के साथ भारत के संबंध अच्छे हैं, रूस के साथ विशेष रूप से प्रगाढ़ है।
2. दोनों का सपना बहुध्रुवीय विश्व का है।
3. दोनों देश सहअस्तित्व, सामूहिक सुरक्षा, क्षेत्रीय सम्प्रभुता, स्वतंत्र विदेश नीति, अन्तर्राष्ट्रीय झगड़ों का वार्ता द्वारा हल, संयुक्त राष्ट्रसंघ के सुदृढीकरण तथा लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं।
4. 2001 में भारत और रूस द्वारा 80 द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर
5. भारत रूसी हथियारों का खरीददार।
6. रूस से तेल का आयात।
7. परमाण्विक योजना तथा अंतरिक्ष योजना में रूसी मदद।
8. कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के साथ उर्जा आयात बढ़ाने की कोशिश।

1945 से 1991 भारत के संबंध सोवियत संघ से मधुर रहे हैं। परन्तु 1991 से अब तक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए भारत रूस के साथ-साथ अमरीका से भी अपने संबंध मधुर बनाने का प्रयास कर रहा है।

एक अंक वाले प्रश्न :-

1. द्विध्रुवीयता का अर्थ बताएँ।
2. बर्लिन की दीवार का प्रतीक थी।
3. समाजवादी सोवियत गणराज्य कब अस्तित्व में आया ?
4. दूसरी दुनिया किसे कहा जाता है ?
5. CIS का पूरा नाम लिखे।
6. बर्लिन की दीवार कब गिराई गई ?
7. USSR का उत्तराधिकारी किसे बनाया गया।
8. सोवियत संघ में सुधारों की किस नेता ने शुरुआत की।
9. चेकोस्लोवाकिया किन दो भागों में टूटा था ?
10. सोवियत संघ द्वारा नाटो के विरोध में कब व कौन सा सैन्य गठबंधन बनाया था ?
11. सर्वप्रथम सोवियत संघ से अलग होने वाले गणराज्यों के नाम लिखे।
12. रूस के किन दो गणराज्यों में अलगाववादी आन्दोलन चले।
13. सोवियत राजनीतिक प्रणाली की विचारधारा पर आधारित थी।
14. सोवियत संघ कितने गणराज्यों को मिलकर बना था ?

2 अंकीय प्रश्न :-

1. शॉक थेरेपी से क्या अभिप्राय है ?
2. सोवियत संघ से अलग हुए किन्हीं दो मध्य एशियाई देशों के नाम बताएँ।
3. ताजिकिस्तान में हुआ गृहयुद्ध कितने वर्षों तक चलता रहा और यह गृह युद्ध कब समाप्त हुआ।
4. कालक्रमानुसार लिखे - अफगान संकट, रूसी क्रांति, बर्लिन की दीवार का गिरना, सोवियत संघ का विघटन।

-
5. सुमेलित करें
शॉक थेरेपी — सोवियत संघ का उत्तराधिकारी।
रूस — सैन्य समझौता
बोरिस येल्त्सिन — आर्थिक मॉडल
वारसा — रूस के राष्ट्रपति
 6. इतिहास की सबसे बड़ी गराज़ सेल किसे और क्यों कहा जाता है ?
 7. शॉक थेरेपी के दो परिणाम बताओ।
 8. ग्लासनोस्त को स्पष्ट करें।
 9. पेरेस्त्रोइका को स्पष्ट करें।

चार अंकीय प्रश्न :-

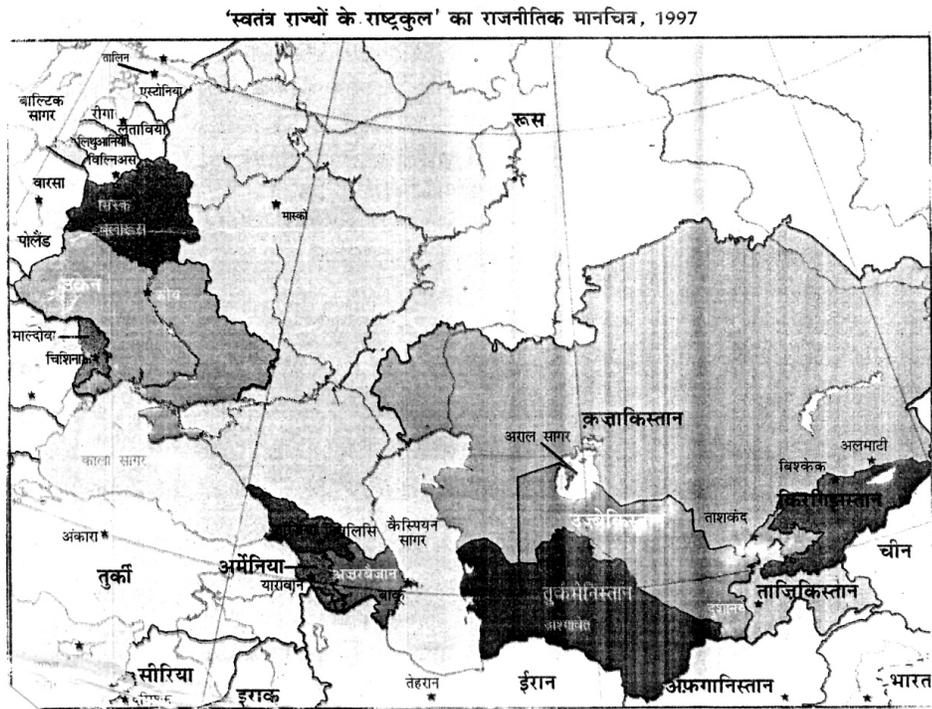
1. सोवियत संघ के विघटन के चार कारण बताएँ।
2. साम्यवादी सोवियत अर्थव्यवस्था तथा पूँजीवादी अमेरिकी अर्थव्यवस्था में चार अंतर बताएँ।
3. गोर्बाचेव तो रोग का निदान ठीक कर रहे थे व सुधारों का प्रयास भी ठीक था, फिर भी सोवियत संघ का विघटन क्यों हुआ ?
4. भारत जैसे देश के लिए सोवियत संघ के विघटन का परिणाम क्या हुआ ?
5. सोवियत संघ का अंत समाजवाद का अंत नहीं है ? स्पष्ट करें।
6. क्या शॉक थेरेपी साम्यवाद से पूँजीवाद की ओर संक्रमण का सबसे बेहतर तरीका थी। तर्क दे।

पाँच अंक वाले प्रश्न :-

1. रूसी मुद्रा के मूल्य में नाटकीय ढंग से गिरावट आयी। मुद्रास्फीति इतनी ज्यादा बढ़ी कि लोगों की जमापूँजी जाती रही। सामूहिक खेती की प्रणाली समाप्त हो चुकी थी तथा लोगों को खाद्यान्न की सुरक्षा मौजूद नहीं थी। 1999 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद 1989 की तुलना में कहीं नीचे था। निजीकरण ने नई विषमताओं को जन्म दिया। आर्थिक विषमता और बढ़ गयी।

- 1) रूसी मुद्रा का नाम क्या है ? 1
- 2) सामूहिक खेती प्रणाली क्या होती है ? 2
- 3) नई आर्थिक नीति का जनता पर क्या प्रभाव पड़ा ? 2

2. स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रकुल के किन्हीं पांच राज्यों को मानचित्र में दिखाएँ।



6 अंकीय प्रश्न :-

1. क्या आप मानते हैं कि सोवियत संघ के विघटन के बाद भारत को अपनी विदेश नीति बदल लेनी चाहिए तथा रूप जैसे परम्परागत मित्र की जगह अमेरिका से दोस्ती करने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए ?
2. सोवियत संघ के विघटन के परिणाम लिखिये।
3. पूर्व सोवियत संघ के गणराज्यों में संघर्ष और तनाव की स्थिति बनी रहती थी। इस पर अपने विचार लिखे।

1 अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. विश्व में सत्ता के दो केन्द्रों (ध्रुवों) का होना। संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सोवियत संघ।
2. शीतयुद्ध
3. 1917
4. पूर्वी यूरोप के समाजवादी खेमे के देशों को।
5. स्वतन्त्र राज्यों का राष्ट्रकुल-कॉमनवेल्थ ऑफ इंडिपेनडेंट स्टेट्स
6. 9 नवम्बर 1989
7. रूस
8. मिखाइल गोर्बाचेव
9. चेक तथा स्लोवाकिया
10. वारसा पैक्ट, 1955
11. रूस, यूक्रेन
12. चेचन्या, दागिस्तान
13. समाजवाद
14. पन्द्रह

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. आघात पहुँचाकर उपचार करना। साम्यवाद से पूंजीवाद की ओर संक्रमण का विशेष मॉडल।
2. ताजिकिस्तान, यूक्रेन, जार्जिया।
3. 10 वर्षों तक, 2001 में।
4. रूसी क्रांति, अफगान संकट, बर्लिन की दीवार का गिरना, सोवियत संघ का विघटन।
5. शॉक थेरेपी — आर्थिक मॉडल
रूस — सोवियत संघ का उत्तराधिकारी
बोरिस येल्तसिन — रूस के राष्ट्रपति
वारसा — सैन्य समझौता

-
6. शॉक थैरेपी मॉडल को अपनाने पर रूस के 90 प्रतिशत उद्योगों को निजी हाथों या कंपनियों को औने-पौने दामों पर बेचा गया। यही इतिहास की बड़ी गराज सेल।
 7.
 - 1) रूसी मुद्रा रूबल के मूल्य में गिरावट।
 - 2) पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था चरमरा गई।
 - ★ ग्लासनोस्त का अर्थ उदारवाद, खुलापन।
 - ★ पेरेस्ट्रोइका का अर्थ है पुर्नरचना, गोर्बाचेव सोवियत व्यवस्था को आधुनिक सामाजिक लोकतंत्र रूप देना चाहते थे।

चार अंकीय उत्तर :-

1. स्मरणीय बिन्दू देखे।

2. सोवियत अर्थव्यवस्था	अमेरिका की अर्थव्यवस्था
1) राज्य द्वारा पूर्ण रूपेण नियंत्रित	1) राज्य का न्यूनतम हस्तक्षेप
2) योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था	2) स्वतंत्र आर्थिक प्रतियोगिता पर आधारित
3) व्यक्तिगत पूंजी का अस्तित्व नहीं	3) व्यक्तिगत पूंजी की महत्ता।
4) समाजवादी आदर्शों से प्रेरित	4) अधिकतम लाभ के पूंजीवादी सिद्धांत।
5) उत्पादन के साधनों पर राज्य का स्वामित्व।	5) उत्पादन के साधनों पर बाजार का नियंत्रण।

3. गोर्बाचेव ने लोगों के आक्रोश को कम करने व अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए प्रशासनिक ढांचे में ढील देने का निश्चय किया। परंतु व्यवस्था में ढील देते ही नागरिकों की अपेक्षाओं का ज्वार उमड़ पड़ा। जिस पर काबू पाना कठिन हो गया। कुछ आलोचकों के अनुसार गोर्बाचेव की कार्य पद्धति तीव्र नहीं थी। एक बार स्वतंत्रता का स्वाद चखने के बाद जनता ने साम्यवाद की ओर लौटने से इंकार कर दिया।

-
4. भारत जैसे विकासशील देशों में सोवियत संघ के विघटन के परिणाम-
 - 1) विकासशील देशों की घरेलू राजनीति में अमेरिका को हस्तक्षेप का अधिक अवसर मिल गया।
 - 2) कम्यूनिस्ट विचारधारा को धक्का।
 - 3) विश्व के महत्वपूर्ण संगठनों पर अमेरिकी प्रभुत्व (I.M.F., World Bank)
 - 4) बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भारत व अन्य विकासशील देशों में अनियंत्रित प्रवेश की सुविधा।
 5. सोवियत संघ का अंत समाजवाद का अंत नहीं है। एक विचारधारा रूप में समाजवाद अभी भी कायम बदलते समय व परिस्थितियों के अनुसार अपने को ढालकर अभी भी विश्व के कई देशों में व्यवस्था कायम है।
 5. नहीं, परिवर्तन तुरंत किए जाने की अपेक्षा धीरे-धीरे होने चाहिए थे। वहाँ की परिस्थितियाँ अचानक आघात सहन करने की नहीं थी।

पाँच अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. रूबल
2. भूमि पर राज्य का स्वामित्व व नियंत्रण। कृषि कार्य राज्य के लोगों द्वारा किया जाना - सामूहिक खेती प्रणाली।
3. आर्थिक विषमता का बढ़ना, खाद्यान्न सुरक्षा समाप्त।

मानचित्र :-

- 1) रूस 2) कजाकिस्तान 3) अजरबैजान 4) बेलारूस 5) ताजिकिस्तान

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. अन्तर्राष्ट्रीय जगत में न कोई स्थायी शत्रु होता है और न ही स्थायी मित्र। वरन् राष्ट्रहित सर्वोपरि होते हैं।
अतः अन्तर्राष्ट्रीय बदलाव के कारण प्रत्येक देश के लिए अनिवार्य है कि वह अपने आपको बदलाव के अनुसार ढाल ले। भारत ने भी विश्व व्यवस्था में स्वयं को ढाला है। रूस के साथ भारत के संबंध मित्रवत् एवं सहयोगपूर्ण हैं।

पर अपने विकास के लिए परोक्ष रूप से अमरीकी नीतियों का समर्थन भी करना पड़ रहा है। भारत अपने संबंध अमरीका से मजबूत एवम् बेहतर बना रहा है। पर रूस के साथ भी पहले की भांति अच्छे संबंध बनाए रखे।

2. स्मरणीय बिन्दू देखे।
3. स्मरणीय बिन्दू देखे।

समकालीन विश्व में अमरीकी वर्चस्व

स्मरणीय बिन्दु :-

- ★ अमेरिकी वर्चस्व की शुरूआत 1991 में हुई जब सोवियत संघ का विघटन हो गया तथा विश्व एक ध्रुवीय हो गया।
- ★ अगस्त 1990 में इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने अपने पड़ोसी देश कुवैत पर कब्जा कर लिया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इराक के विरुद्ध बल प्रयोग की अनुमति को अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश ने नई विश्व व्यवस्था की संज्ञा दी।
- ★ वर्चस्व (हेगेमनी) शब्द का अर्थ है सभी क्षेत्रों जैसे सैन्य, आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मात्र शक्ति केन्द्र होना।
- ★ अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन लगातार दो कार्यकालों (जनवरी 1993 से जनवरी 2001) तक राष्ट्रपति पद पर रहे। इन्होंने अमेरिका को घरेलू रूप से अधिक मजबूत किया और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र को बढ़ावा जलवायु परिवर्तन तथा विश्व व्यापार जैसे नरम मुद्दों पर ही ध्यान केंद्रित किया।
- ★ अमेरिका के सैन्य अभियान

सैन्य अभियान का नाम	अमेरिकी राष्ट्रपति	कब	विवरण / किसके विरुद्ध	परिणाम
1) ऑपरेशन डेजर्ट स्टार्म	जार्ज बुश सीनियर	1991	34 देशों की बहुराष्ट्रीय सेना द्वारा इराक के खिलाफ जिसने अपने पड़ोसी कुवैत पर अनाधिकृत कब्जा किया था। इसे प्रथम खाड़ी युद्ध, कम्प्यूटर युद्ध एवं विडियो गेम वार भी कहा गया।	कुवैत मुक्त कराया गया
2) ऑपरेशन इनफान्टाइट फ्रीडम	बिल क्लिंटन	1998	नैरोबी (केन्या) तथा दारे सलाम (तंजानिया) के अमेरिकी दूतावासों पर बमबारी के विरोध में सूडान एवं अफगानिस्तान में अलकायदा के ठिकानों पर कूज मिसाइलों से हमला।	अलकायदा को मुंह तोड़ जवाब
3) आपरेशन एल्ड्यूरेिंग फ्रीडम	जार्ज डब्ल्यू बुश	2001	9/11 की घटना के प्रतिक्रिया स्वरूप अलकायदा और अफगानिस्तान के तालिबानी शासन के विरुद्ध/विश्व में आतंकवाद के विरुद्ध विश्वव्यापी युद्ध	तालिबान की समाप्ति और अलकायदा का कमजोर पड़ना
4) ऑपरेशन इराकी फ्रीडम	जार्ज डब्ल्यू बुश	2003	संयुक्त राष्ट्र की अनुमति के बिना इराक पर आक्रमण/सुरक्षा परिषद् द्वारा आलोचना	सद्दाम हुसैन का अंत

-
- ★ 11 सितम्बर 2001 के दिन 19 अपहरणकर्ताओं द्वारा जिनका संबंध आतंकवादी गुट अलकायदा से माना गया, चार अमेरिकी व्यावसायिक विमानों पर कब्जा कर लिया। इनमें से दो विमानों को न्यूयार्क स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर से टकराया गया। इसे 9/11 की घटना कहा गया। इस हमले में लगभग तीन हजार लोग मारे गए। इसके विरोध में अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ विश्व व्यापी युद्ध छेड़ दिया।
 - ★ ऑपरेशन इराकी फ्रीडम को सैन्य और राजनीतिक धरातल पर असफल माना गया क्योंकि इसमें 3000 अमेरिकी सैनिक, बड़ी संख्या में इराकी सैनिक और लगभग 50000 निर्दोष नागरिक मारे गए।
 - ★ अमेरिकी सैन्य खर्च व सैन्य प्रौद्योगिकी की गुणवत्ता इतनी अधिक है कि किसी देश के लिए इस मामले में उसकी बराबरी कर पाना फिलहाल संभव नहीं है।
 - ★ अमेरिका की ढाँचागत ताकत जिसमें समुद्री व्यापार मार्ग (SLOC's) इंटरनेट आदि शामिल है इसके अलावा MBA की डिग्री और अमेरिकी मुद्रा डॉलर का प्रभाव इसके आर्थिक वर्चस्व को बढ़ा देते हैं।
 - ★ ब्रेटनवुड प्रणाली की संस्थाएँ अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) और विश्व बैंक पर भी अमेरिका का वर्चस्व है।
 - ★ नीली जींस, मैक्डोनाल्ड आदि अमेरिका के सांस्कृतिक वर्चस्व के उदाहरण हैं जिसमें विचारधारा, खानपान, रहन-सहन, रीतिरिवाज और भाषा के धरातल पर अमेरिका का वर्चस्व कायम हो रहा है। इसके अन्तर्गत जोर जबर्जस्ती से नहीं बल्कि रजामंदी से बात मनवायी जाती है।
 - ★ अमरीकी शक्ति के रास्ते में तीन मुख्य अवरोध हैं
 - 1) अमेरिका की संस्थागत बनावट, जिसमें सरकार के तीनों अंगों यथा व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका एक दूसरे के ऊपर नियंत्रण रखते हुए स्वतंत्रता पूर्वक कार्य करते हैं।
 - 2) अमरीकी समाज की प्रकृति उन्मुक्त है। यह अमेरिका के विदेशी सैन्य अभियानों पर अंकुश रखने में बड़ी भूमिका निभाती है।
 - 3) नाटो, इन देशों में बाजारमूलक अर्थव्यवस्था चलती है। नाटो में शामिल देश अमेरिका के वर्चस्व पर अंकुश लगा सकते हैं।
-

-
- ★ वर्चस्व से बचने के उपाय
- 1) बैंडबैगन नीति - इसका अर्थ है वर्चस्वजनित अवसरों का लाभ उठाते हुए विकास करना।
 - 2) अपने को छिपा लेने की नीति ताकि वर्चस्व वाले देशों की नजर न पड़े।
 - 3) राज्येतर संस्थाएँ जैसे स्वयंसेवी संगठन, कलाकार और बुद्धिजीवी मिलकर अमेरिका वर्चस्व का प्रतिकार करें।
- ★ **भारत अमेरिकी संबंध** : शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद भारत द्वारा उदारीकरण एवं वैश्वीकरण की नीति अपनाने के कारण महत्वपूर्ण हो गए हैं। भारत अब अमेरिका की विदेश नीति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है इसके प्रमुख लक्षण परिलक्षित हो रहे हैं।
- अमेरिका आज भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार।
 - अमेरिका के प्रत्येक राष्ट्रध्यक्ष का भारत से संबंध प्रगाढ़ करने हेतु भारत की यात्रा।
 - अमेरिका में बसे अनिवासी भारतीयों खासकर सिलिकॉन वैली में दबदबा।
 - सामरिक महत्व के भारत अमेरिकी असैन्य परमाणु समझौते का सम्पन्न होना।

एक अंकीय प्रश्न :-

1. अमेरिकी वर्चस्व की शुरूआत कब हुई ?
2. पेंटागन क्या है ?
3. IMF का शब्द विस्तार लिखो।
4. अमेरिकी वर्चस्व से बचने का कोई एक तरीका बताइयें।
5. वाक्य सही करके लिखो - एम.बी.ए. की डिग्री अमेरिका के सैन्य वर्चस्व को दर्शाती है।
6. 9/11 की घटना के लिए किस आतंकवादी गुट को जिम्मेवार माना गया।
7. प्रथम खाड़ी युद्ध कब हुआ ?
8. ऑपरेशन "डेजर्ट स्टार्म" नामक सैन्य अभियान का नेतृत्व किसने किया ?
9. आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए विश्वव्यापी युद्ध को किस नाम से जाना गया।

-
10. अमेरिकी नेतृत्व में कोअलिशन ऑफ वीलिंग्स (आकांक्षियों का महाजोट) किस देश के विरुद्ध बना ?
 11. कौन सा युद्ध वीडियो गेम वार के नाम से जाना गया ?
 12. बैंड वैगन नीति क्या है ?
 13. नई विश्व व्यवस्था क्या है ?
 14. ऑपरेशन इनफाइनाइट रीच किसके विरुद्ध चलाया गया ?

दो अंकीय प्रश्न :-

1. पहला बिजनेस स्कूल कब व कहाँ खुला ?
2. वर्चस्व (हेगेमनी) से आप क्या समझते हो ?
3. राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने अपने कार्यकाल के दौरान किन मुद्दों पर अधिक जोर दिया ?
4. प्रथम खाड़ी युद्ध किन दो पक्षों के बीच लड़ा गया ?
5. 9/11 की घटना से आप क्या समझते हो ?
6. 9/11 की घटना से आपके विचार में अमेरिकी सोच में क्या बदलाव आया ?
7. भारत और अमेरिका के बीच मित्रता दर्शाने वाले किन्ही दो तथ्यों को उजागर करो।
8. आज वैश्विक अर्थव्यवस्था डॉलरमयी है। टिप्पणी करो।
9. ऑपरेशन इसकी फ्रीडम के इराक पर किए गए हमले का वास्तविक मकसद क्या था ?
10. ऑपरेशन एन्डयूरिंग फ्रीडम के अन्तर्गत क्या-क्या कदम उठाए गए ?

चार अंकीय प्रश्न :-

1. अमेरिकी वर्चस्व का सैन्य तथा सांस्कृतिक संदर्भ में उल्लेख कीजिए।
2. 11 सितम्बर 2001 को संयुक्त राज्य अमेरिका पर आकतवाद हमला क्यों हुआ ? इस पर अमेरिका की प्रतिक्रिया क्या थी ?
3. अमेरिका के वर्चस्व से निबटने के विभिन्न उपायों पर चर्चा कीजिए ?

-
4. विश्व की अर्थव्यवस्था में अमेरिका का क्या स्थान है ? इसका उदाहरण सहित वर्णन करो।

पाँच अंकीय प्रश्न :-

1. दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें एवं संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
“कुछ लोग मानते हैं कि अमरीकी वर्चस्व का प्रतिकार कोई देश अथवा देशों का समूह नहीं कर पाएगा क्योंकि आज सभी देश अमरीकी ताकत के आगे वेबस हैं। ये लोग मानते हैं कि राज्येत्तर संस्थाएँ अमरीकी वर्चस्व के प्रतिकार के लिए आगे आएंगी। अमरीकी वर्चस्व को आर्थिक और सांस्कृतिक धरातल पर चुनौती मिलेगी।”
- 1) अमरीकी वर्चस्व का प्रतिकार कौन कर सकता है ? 1
 - 2) “राज्येत्तर संस्था” से क्या तात्पर्य है ? 2
 - 3) अमरीकी वर्चस्व का प्रतिकार किस प्रकार किया जा सकता है ? 2
2. निम्नलिखित अवतरण को ध्यान से पढ़िए से पढ़िए तथा संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ?
- 1992 में बिल क्लिंटन अमेरिका के राष्ट्रपति बने। क्लिंटन ने विदेश नीति की जगह घरेलू नीति को अपने चुनाव प्रचार का निशाना बनाया था। क्लिंटन 1996 में दुबारा चुनाव जीते और इस तरह वह आठ सालों तक राष्ट्रपति पद पर रहे। क्लिंटन के दौर में ऐसा जान पड़ता था कि अमेरिका ने अपने को घरेलू मामलों तक सीमित कर लिया है। विदेश नीति के मामले में क्लिंटन सरकार ने सैन्य शक्ति और सुरक्षा जैसी कठोर राजनीति की जगह लोकतंत्र के बढ़ावे, जलवायु परिवर्तन तथा विश्व व्यापार जैसे नरम मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित किया।
- 1) 1992 में राष्ट्रपति बने बिल क्लिंटन किस पार्टी के उम्मीदवार थे तथा उन्होंने किस उम्मीदवार को हराया ? 2
 - 2) क्लिंटन के चुनाव प्रचार के मुख्य मुद्दे क्या थे ? 2
 - 3) क्लिंटन ने किन मुद्दों को अपने कार्यकाल के दौरान उठाया ? 1



3. उपरोक्त कार्टून का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए एवं निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
- 1) यह बलिष्ठ सैनिक कौन से देश का प्रतिनिधित्व करता है? 1
 - 2) सैनिक की वर्दी पर इतने देशों के नाम क्यों लिखे गए हैं? 2
 - 3) यह कार्टून अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को क्या संदेश देता है? 2



4. उपरोक्त चित्र का अध्ययन कीजिए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए?
- 1) उपरोक्त चित्र किस महाशक्ति के प्रभाव को दर्शाता है? 1
 - 2) महाशक्ति के प्रभाव के किस रूप को आप यहाँ देख रहे हैं? 2
 - 3) इन प्रभावों को रोजमर्रा की जिन्दगी में आप किस राज्य में देखते हैं? 2

6 अंकीय प्रश्न :-

1. अमेरिकी वर्चस्व की राह में तीन अवरोध कौन से हैं? स्पष्ट करो?
2. अमेरिकी वर्चस्व को उसकी सैन्य शक्ति, ढाचागत वर्चस्व तथा सांस्कृतिक वर्चस्व के रूप में व्याख्या करो?
3. संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारत के संबंध किस प्रकार के होने चाहिए? इसके बारे में भारत के अंदर तीन विभिन्न दृष्टिकाणों का विश्लेषण कीजिए।
4. अमेरिका की उन्नत प्रौद्योगिकी भारतीय मेहनत का फल है। इस कथन के पक्ष में तर्क सहित विस्तारपूर्वक समझाइये?
5. क्या भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता भारत अमेरिकी संबंधों में मील का पत्थर है? अपने विचार तर्क सहित प्रस्तुत कीजिए।

1. अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. 1991 में, सोवियत संघ के विघटन के बाद।
2. अमेरिका का रक्षा मुख्यालय।
3. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष।
4. अपने को छिपा लेने की नीति।
5. एम.बी.ए. डिग्री अमेरिका के आर्थिक वर्चस्व को दर्शाती है।
6. अलकायदा
7. 1991 में
8. अमेरिकी जनरल नार्मन श्वार्जकॉव।
9. ऑपरेशन एन्ड्यूरिंग फ्रीडम।
10. इराक।
11. प्रथम खाड़ी युद्ध (1991)
12. वर्चस्व वाले देश का विरोध करने कि बजाय उसके तंत्र के अवसरों का लाभ उठाया।
13. संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इराक के खिलाफ सैन्य अभियान को इजाजत देना।
14. अलकायदा के विरुद्ध

2 अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया में वाहर्टन स्कूल के नाम से 1881 में। एम.बी. ए. के शुरूआती पाठ्यक्रम 1900 से आरम्भ हुए।
2. दूसरे के व्यवहार को प्रभावित या नियंत्रित करने की क्षमता, जिससे कि वह प्रत्येक बात मान ले, वर्चस्व कहलाता है।
3. लोकतंत्र को बढ़ावा, जलवायु परिवर्तन तथा विश्व व्यापार जैसे नरम मुद्दों पर जोर दिया।
4. इराक और अमेरिका द्वारा निर्देशित उप देशों की सेना के बीच।
5. 11 सितम्बर 2001 को 19 अपहरणकर्ताओं, जिनका संबंध अलकायदा से माना गया, ने विमानों का उपहरण करके दो को न्यूयार्क स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर से टकराया। इसे 9/11 की घटना कहते हैं।
6. आतंकवाद को विश्वव्यापी घटना अर्थात् अन्तर्राष्ट्रीय समस्या माना।
7.
 - 1) भारत और अमेरिका के मध्य असैन्य परमाणु करार।
 - 2) आतंकवाद को एक समस्या मानना।
8.
 - 1) विश्व व्यापार में अधिकतर विनिमय की मुद्रा अमेरिकी डॉलर है।
 - 2) विश्व व्यापार को नियंत्रित करने की अमेरिकी क्षमता को डालरमयी शब्द से इंगित किया गया है।
9.
 - 1) इराक के तेल भंडार पर नियंत्रण।
 - 2) इराक में अमेरिका की मनपसंद सरकार कायम करना।
10.
 - 1) अलकायदा और तालिबान को निशाना बनाया।
 - 2) संदेहास्पद लोगों को गिरफ्तार कर 'ग्वांतानामो वे' में रखा गया।

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. देखे स्मरणीय बिन्दु
2. पूरी दुनिया के लोगों तथा सरकारों का ध्यान आकर्षित करने के लिए तथा ऑपरेशन इनफाइनाइट रीच की प्रतिक्रिया स्वरूप।
- ★ अमेरिका ने इसके विरुद्ध विश्वव्यापी युद्ध छेड़ दिया।
- ★ सुरक्षा के नाम पर अमेरिका में प्रवेश करने वाले यहाँ तक कि छूट प्राप्त राजनयिकों को भी जांच के दायरे में ले लिया गया।

-
3. - बैंडवैगन नीति।
- अपने को छुपा लेने की नीति।
- मीडिया, स्वयंसेवी संगठन, बुद्धिजीवियों द्वारा सामूहिक प्रतिकार।
- शक्तिशाली एवं बड़े देशों यथा चीन, रूस तथा भारत द्वारा संयुक्त प्रयास द्वारा।
 4. - विश्व की अर्थव्यवस्था में अमेरिकी भागीदारी 28 प्रतिशत है।
- हर क्षेत्र में अमेरिका की कोई न कोई कम्पनी अग्रणी तीन कम्पनियों में से है।
- प्रमुख आर्थिक अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे IMF, विश्व बैंक तथा विश्व व्यापार संगठन पर अमेरिका का दबदबा।
- वर्ल्ड वेब वाइड या इंटरनेट पर अमेरिकी प्रभुत्व एवं MBA की डिग्री।

पाँच अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. 1) राज्येत्तर संस्थाएं
2) स्वयंसेवी संगठन, मीडिया व बुद्धिजीवी आदि।
3) ये संस्थाएं आपस में मिलकर विश्वव्यापी नेटवर्क बना सकती है। जिसमें अमेरिकी नागरिक भी शामिल हो सकते हैं।
2. 1) डेमोक्रेटिक पार्टी, जार्ज बुश सीनियर।
2) घरेलू रूप से अमेरिका को मजबूत बनाना।
3) लोकतंत्र के बढ़ावे, जलवायु परिवर्तन तथा विश्व व्यापार जैसे नरम मुद्दों पर अपना ध्यान केन्द्रित किया।
3. 1) अमेरिका।
2) ये नाम उन देशों के हैं जिन पर अमेरिका आक्रमण कर चुका है और महाशक्ति के रूप में अपना वर्चस्व दिखा चुका है।
3) वर्तमान में अमेरिका विश्व की एकमात्र महाशक्ति है और विश्व के किसी भी भाग में अपने हितों को आगे बढ़ा सकता है।
4. 1) सांस्कृतिक प्रभाव / वर्चस्व को।
2) वेशभूषा व खान-पान पर प्रभाव।

3) भाषा, संगीत, वेशभूषा व खानपान आदि में।

6 अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. — अमेरिका की संस्थागत बनावट।
— अमेरिकी समाज की उन्मुक्त प्रकृति।
— नाटो।
2. देखे स्मरणीय बिन्दु।
3. 1) भारत को अमेरिका से दूरी बनाए रखनी चाहिए और उसे अपनी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।
2) भारत को अमेरिकी वर्चस्व और आपसी समझ का यथा संभव अपने हित में लाभ उठाना चाहिए। अमेरिका का विरोध करना व्यर्थ होगा और अंततः भारत को क्षति पहुँचेगी।
3) भारत को विकासशील देशों का गठबंधन बनाने में नेतृत्व देना चाहिए।
4. 1) सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में भारत के कुल निर्यात का 65 प्रतिशत अमेरिका का जाता है।
2) वोर्डिंग के 35 प्रतिशत तकनीकी कर्मचारी भारतीय मूल के हैं।
3) 3 लाख भारतीय 'सिलिकन वैली में कार्यरत हैं।
4) उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की 15 प्रतिशत कम्पनियों की शुरुआत अमेरिका में बसे भारतीयों ने ही की है।
5. हाँ
— भारत को सामरिक बढ़त।
— ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति।
— परमाणु आपूर्ति समूह NSG द्वारा यूरेनियम की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
— विश्व राजनीति में भारत का कद बढ़ना एवं छवि में सुधार।
— भारत अमेरिकी संबंधों में प्रगाढ़ता
— अन्य विकसित देशों जैसे फ्रांस के साथ भी इसी प्रकार का समझौता करना।

सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र

- ★ शीतयुद्ध के अंत के बाद यूरोपीय संघ, आसियान तथा चीन अमरीकी प्रभुत्व को चुनौती देने वाले सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र के रूप में उभर रहे हैं।
- ★ अमरीका ने यूरोप की अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन के लिए बहुत मदद की थी। इसे मार्शल योजना के नाम से जानते हैं।
- ★ 1948 में मार्शल योजना के तहत यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन की स्थापना की गई। जिसके माध्यम से पश्चिमी यूरोप के देशों को आर्थिक मदद की गई।
- ★ 1957 में छः देशों - फ्रांस, पश्चिम जर्मनी, इटली, बेल्जियम, नीदरलैंड और लक्जमबर्ग ने रोम संधि के माध्यम से यूरोपीय आर्थिक समुदाय EEC और यूरोपीय एटमी ऊर्जा समुदाय का गठन किया।
- ★ जून 1979 में यूरोपीय पार्लियामेंट के गठन के बाद यूरोपीय आर्थिक समुदाय ने राजनीतिक स्वरूप लेना शुरू कर दिया था।
- ★ फरवरी 1992 में मास्ट्रिस्ट संधि के द्वारा यूरोपीय संघ का गठन हुआ।

यूरोपीय संघ के गठन के उद्देश्य :-

- एक समान विदेश व सुरक्षा नीति।
- आंतरिक मामलों तथा न्याय से जुड़े मामलों पर सहयोग।
- एक समान मुद्रा का चलन।
- वीजा मुक्त आवागमन।

उद्देश्यों की प्राप्ति :-

1. यूरोपीय संघ ने आर्थिक सहयोगवाली संस्था से बदलकर राजनैतिक संस्था का रूप ले लिया है।
2. यूरोपीय संघ एक विशाल राष्ट्र-राज्य की तरह कार्य करने लगा है।

-
3. इसका अपना झंडा, गान, स्थापना दिवस और अपनी एक मुद्रा है।
 4. अन्य देशों से संबंधों के मामले में इसने काफी हद तक साझी विदेश और सुरक्षा नीति बना ली है।
 5. यूरोपीय संघ का झंडा 12 सोने के सितारों के घेरे के रूप में वहाँ के लोगों की पूर्णता, समग्रता, एकता और मेलमिलाप का प्रतीक है।

यूरोपीय संघ को ताकतवार बनाने वाले कारक या विशेषताएँ :-

- 2005 में यह दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी और इसका सकल घरेलू उत्पादन अमरीका से भी ज्यादा था।
- इसकी मुद्रा यूरो, अमरीकी डॉलर के प्रभुत्व के लिए खतरा बन गई है।
- विश्व व्यापार में इसकी हिस्सेदारी अमेरिका से तीन गुना ज्यादा है।
- इसकी आर्थिक शक्ति का प्रभाव यूरोप, एशिया और अफ्रीका के देशों पर है।
- यह विश्व व्यापार संगठन के अंदर एक महत्वपूर्ण समूह के रूप में कार्य करता है।
- इसके दो सदस्य देश ब्रिटेन और फ्रांस सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य हैं। इसके चलते यूरोपीय संघ अमरीका समेत सभी मुल्कों की नीतियों को प्रभावित करता है।
- यूरोपीय संघ के दो देश ब्रिटेन और फ्रांस परमाणु शक्ति सम्पन्न हैं।
- अधिराष्ट्रीय संगठन के तौर पर यूरोपीय संघ आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक मामलों में दखल देने में सक्षम है।

यूरोपीय संघ की कमजोरियाँ :-

1. इसके सदस्य देशों की अपनी विदेश और रक्षा नीति है जो कई बार एक-दूसरे के खिलाफ भी होती हैं। जैसे-इराक पर हमले के मामले में।
2. यूरोप के कुछ हिस्सों में यूरो मुद्रा को लागू करने को लेकर नाराजगी है।
3. डेनमार्क और स्वीडन ने मास्ट्रिक्स संधि और साझी यूरोपीय मुद्रा यूरो को मानने का विरोध किया।
4. यूरोपीय संघ के कई सदस्य देश अमरीकी गठबंधन में थे।

दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन (आसियान) -

अगस्त 1967 में इस क्षेत्र के पाँच देशों इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस, सिंगापुर और थाईलैंड ने बैंकांक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करके 'आसियान' की स्थापना की।

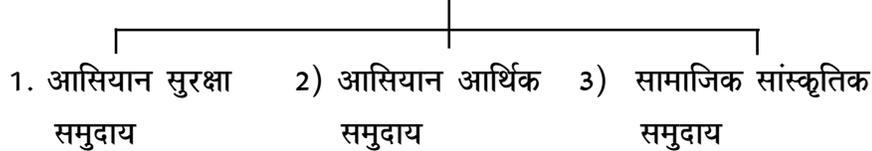
आसियान के मुख्य उद्देश्य :-

- 1) सदस्य देशों के आर्थिक विकास को तेज करना।
- 2) इसके द्वारा सामाजिक और सांस्कृतिक विकास हासिल करना।
- 3) कानून के शासन और संयुक्त राष्ट्र संघ के नियमों का पालन करके क्षेत्रीय शांति और स्थायित्व को बढ़ावा देना।

आसियान शैली :-

अनौपचारिक, टकरावरहित और सहयोगात्मक मेल-मिलाप का नया उदाहरण पेश करके आसियान ने काफी यश कमाया है। इसे ही 'आसियान शैली' कहा जाने लगा।

आसियान के प्रमुख स्तंभ



- ★ आसियान सुरक्षा समुदाय क्षेत्रीय विवादों को सैनिक टकराव तक न ले जाने की सहमति पर आधारित है।
- ★ आसियान आर्थिक समुदाय का उद्देश्य आसियान देशों का साझा बाजार और उत्पादन आधार तैयार करना तथा इस इलाके के सामाजिक और आर्थिक विकास में मदद करना है।
- ★ आसियान सामाजिक सांस्कृतिक समुदाय का उद्देश्य है कि आसियान देशों के बीच टकराव की जगह बातचीत और सहयोग को बढ़ावा दिया जाए।

आसियान की उपयोगिता या प्रासंगिकता :-

1. आसियान की मौजूदा आर्थिक शक्ति खासतौर से भारत और चीन जैसे तेजी

-
- से विकसित होने वाले एशियाई देशों के साथ व्यापार और निवेश के मामले में प्रदर्शित होती है।
2. आसियान ने निवेश, श्रम और सेवाओं के मामले में मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने पर भी ध्यान दिया है।
 3. अमरीका तथा चीन ने भी मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने में रूचि दिखाई है।
 4. 1991 के बाद भारत ने 'पूरब की ओर' की नीति अपनाई है।
 5. भारत ने आसियान के दो सदस्य देशों सिंगापुर और थाईलैंड के साथ मुक्त व्यापार का समझौता किया है।
 6. भारत आसियान के साथ भी मुक्त व्यापार संधि करने का प्रयास कर रहा है।
 7. आसियान की असली ताकत अपने सदस्य देशों, सहभागी सदस्यों और बाकी गैर-क्षेत्रीय संगठनों के बीच निरंतर संवाद और परामर्श करने की नीति में है।
 8. यह एशिया का एकमात्र ऐसा संगठन है जो एशियाई देशों और विश्व शक्तियों को राजनैतिक और सुरक्षा मामलों पर चर्चा के लिए मंच उपलब्ध कराता है।
 9. हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने आसियान देशों की यात्रा की तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर समझौते किए।

माओ के नेतृत्व में चीन का विकास :-

- 1949 की क्रांति के द्वारा चीन में साम्यवादी शासन की स्थापना हुई। शुरू में यहाँ साम्यवादी अर्थव्यवस्था को अपनाया गया था। लेकिन इसके कारण चीन को निम्नलिखित समस्याओं का सामना करना पड़ा-
- 1) चीन ने समाजवादी मॉडल खड़ा करने के लिए विशाल औद्योगिक अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अपने सारे संसाधनों को उद्योग में लगा दिया।
 - 2) चीन अपने नागरिकों को रोजगार, स्वास्थ्य सुविधा और सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ देने के मामले में विकसित देशों से भी आगे निकल गया लेकिन बढ़ती जनसंख्या विकास में बाधा उत्पन्न कर रही थी।
 - 3) कृषि परम्परागत तरीकों पर आधारित होने के कारण वहाँ के उद्योगों की जरूरत को पूरा नहीं कर पा रही थी।

चीन में सुधारों की पहल :-

- 1) चीन ने 1972 में अमरीका से संबंध बनाकर अपने राजनैतिक और आर्थिक एकांतवास को खत्म किया।
- 2) 1973 में प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने कृषि, उद्योग, सेवा और विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आधुनिकीकरण के चार प्रस्ताव रखे।
- 3) 1978 में तत्कालीन नेता देंग श्याओपेंग ने चीन में आर्थिक सुधारों और खुलेद्वार की नीति का घोषणा की।
- 4) 1982 में खेती का निजीकरण किया गया।
- 5) 1998 में उद्योगों का निजीकरण किया गया। इसके साथ ही चीन में विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्पेशल इकॉनामिक जोन-SEZ) स्थापित किए गए।
- 6) चीन 2001 में विश्व व्यापार संगठन में शामिल हो गया। इस तरह दूसरे देशों के लिए अपनी अर्थव्यवस्था खोलने की दिशा में चीन ने एक कदम और बढ़ाया है।

चीनी सुधारों का नकारात्मक पहलू :-

- 1) वहाँ आर्थिक विकास का लाभ समाज के सभी सदस्यों को प्राप्त नहीं हुआ।
- 2) पूँजीवादी तरीकों को अपनाए जाने से बेरोजगारी बढ़ी है।
- 3) वहाँ महिलाओं के रोजगार और काम करने के हालात संतोषजनक नहीं है।
- 4) गाँव व शहर के और तटीय व मुख्य भूमि पर रहने वाले लोगों के बीच आय में अंतर बढ़ा है।
- 5) विकास की गतिविधियों ने पर्यावरण को काफी हानि पहुँचाई है।
- 6) चीन में प्रशासनिक और सामाजिक जीवन में भ्रष्टाचार बढ़ा है।

चीन के साथ भारत के संबंध :-

विवाद के क्षेत्र :-

1. 1950 में चीन द्वारा तिब्बत को हड़पने तथा भारत चीन सीमा पर बस्तियाँ बनाने के फैसले से दोनों देशों के संबंध एकदम बिगड़ गये।

-
2. चीन ने 1962 में लद्दाख और अरुणचल प्रदेश पर अपने दावे को जबरन स्थापित करने के लिए भारत पर आक्रमण किया।
 3. चीन द्वारा पाकिस्तान को मदद देना।
 4. चीन भारत के परमाणु परीक्षणों का विरोध करता है।
 5. बांग्लादेश तथा म्यांमार से चीन के सैनिक संबंध को भारतीय हितों के खिलाफ माना जाता है।
 6. संयुक्त राष्ट्र संघ ने आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद पर प्रतिबंध लगाने वाले प्रस्ताव को पेश किया। चीन द्वारा वीटो पावर का प्रयोग करने से यह प्रस्ताव निरस्त हो गया।

सहयोग का दौर (क्षेत्र)

1. 1970 के दशक में चीनी नेतृत्व बदलने से अब वैचारिक मुद्दों की जगह व्यावहारिक मुद्दे प्रमुख हो रहे हैं।
2. 1988 में प्रधानमंत्री राजीव गाँधी ने चीन की यात्रा की जिसके बाद सीमा विवाद पर यथास्थिति बनाए रखने की पहल की गई।
3. दोनों देशों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में परस्पर सहयोग और व्यापार के लिए सीमा पर चार पोस्ट खोलने हेतु समझौते किए गए हैं।
4. 1999 से द्विपक्षीय व्यापार 30 फीसदी सालाना की दर से बढ़ रहा है।
5. विदेशों में ऊर्जा सौदा हासिल करने के मामलों में भी दोनों देश सहयोग द्वारा हल निकालने पर राजी हुए हैं।
6. वैश्विक धरातल पर भारत और चीन ने विश्व व्यापार संगठन जैसे अन्य अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठनों के संबंध में एक जैसी नीतियाँ अपनायी हैं।

एक अंकीय प्रश्न :-

- प्र01 मार्शल योजना के तहत 1948 में किस संगठन की स्थापना हुई ?
- प्र02 चीन में किस नेता ने और कब 'खुलेद्वार' की नीति अपनाई ?
- प्र03 चीन के किस प्रधानमंत्री के समय में आधुनिकीकरण के चार प्रस्ताव रखे गये ?

-
- प्र05 आसियान (ASEAN) का पूरा नाम लिखिए।
- प्र06 यूरोपीय संघ का गठन कब और किस संधि के द्वारा हुआ था ?
- प्र07 भारत ने आसियान के किन दो देशों के साथ मुक्त व्यापार का समझौता किया है ?
- प्र08 आसियान ने 'आसियान शैली' द्वारा किन दो देशों का टकराव समाप्त किया ?
- प्र09 'यूरो' मुद्रा को मानने का विरोध किन देशों ने किया ?
- प्र010 कब और किस संधि द्वारा यूरोपीय समुदाय के देशों के बीच सीमा नियंत्रण समाप्त किया गया ?
- प्र011 यूरोपीय संघ की मुद्रा का नाम लिखिए।
- प्र012 चीन ने भारत पर आक्रमण कब किया था ?
- प्र013 माओ के नेतृत्व में चीन में हुई क्रान्ति के बाद अपनाया गया आर्थिक मॉडल किस देश पर आधारित था ?

दो अंकीय प्रश्न :-

- प्र01 क्षेत्रीय संगठन का अर्थ बताइये ?
- प्र02 सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र से क्या अभिप्राय है ?
- प्र03 अपनी अर्थव्यवस्था सुधारने के लिए, चीन द्वारा उठाए गए किन्हीं दो कदमों का उल्लेख कीजिए।
- प्र04 आसियान के झंडे की विशेषताएँ बताइये।
- प्र05 मार्शल योजना क्या थी ?
- प्र06 आसियान के किन्हीं दो संस्थापक देशों का नाम लिखिए।
- प्र07 1970 के दशक में चीन ने कौन से दो नीतिगत निर्णय लिए ?
- प्र08 1973 में चीनी प्रधानमंत्री चाऊ एल लाई ने किन चार क्षेत्रों में आधुनिकीकरण के प्रस्ताव रखे ?
- प्र09 यूरोपीय संघ के झण्डे में 12 सितारों का क्या अर्थ है ?
- प्र010 चीन द्वारा अपनाई गई खुले द्वार की नीति क्या थी ?
- प्र011 तिथि के हिसाब से इन सबको क्रम दें ?
- 1) विश्व व्यापार संगठन में चीन का प्रवेश।

-
- 2) चीन में खेती का निजीकरण।
 - 3) खुलेद्वार की नीति।
 - 4) राजनैतिक और आर्थिक एकांतवास की समाप्ति।

प्र012 सुमेलित कीजिए।

- | | |
|---|------------------------|
| 1) यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन की स्थापना | क) डेनमार्क तथा स्वीडन |
| 2) बैंकॉक घोषणा द्वारा स्थापना | ख) फ्रांस व ब्रिटेन |
| 3) मुद्रा यूरो को मानने से इंकार | ग) मार्शल योजना |
| 4) संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य | घ) आसियान |

चार अंकीय प्रश्न :-

1. एक आर्थिक समुदाय के रूप में बने यूरोपीय संघ ने एक राजनीतिक संगठन का रूप कैसे ले लिया ?
2. आसियान समुदाय के किन्हीं दो स्तम्भों और उनके उद्देश्यों के बारे में बताएँ।
3. क्षेत्रीय संगठनों के बनाने के मुख्य उद्देश्य क्या है ?
4. बदली हुई चीनी अर्थव्यवस्था में व्याप्त किन्हीं चार कमियों पर प्रकाश डालिए।
5. भारत एवं चीन के सम्बन्धों में तनाव के चार पहलुओं का वर्णन कीजिए।
6. चीन के साथ भारत के सुधरते सम्बन्धों की व्याख्या कीजिए।
7. यूरोपीय संघ को क्या चीजे एक कमजोर क्षेत्रीय संगठन बनाती है ?
8. चीन की नई आर्थिक नीति ने किन चार तरीकों से चीन की अर्थव्यवस्था को लाभ पहुँचाया है ?
9. सत्ता के उभरते हुए वैकल्पिक केन्द्रों द्वारा विभिन्न देशों में समृद्धशाली अर्थव्यवस्थाओं का रूप देने में निभाई गई भूमिका की व्याख्या कीजिए।

पाँच अंकीय प्रश्न :-

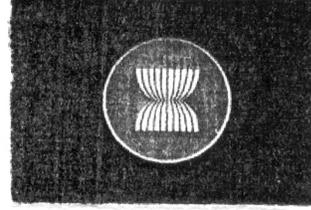
- प्र01 आसियान के संस्थापक देशों के नाम लिखिए तथा मानचित्र में इनकी स्थिति को दर्शाइए।
- प्र02 यूरोपीय संघ के मानचित्र पर पाँच पुराने व पाँच नये देशों को दर्शाइये तथा इनके नाम भी लिखिए।

प्र03 चित्र 'क' व चित्र 'ख' को ध्यानपूर्वक देखिए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ?

चित्र क



चित्र ख



- 1) चित्र 'क' व चित्र 'ख' में दर्शाए गए झंडे किस संगठन से सम्बन्धित है ?(1)
 - 2) चित्र क में बने 12 सितारे किसका प्रतीक है ? (2)
 - 3) चित्र ख में प्रतीक चिन्ह के रूप में धान की दस बालियाँ व वृत्त क्या संदेश देती है ? (2)
- प्र04 नीचे दर्शाए गए कार्टून का अवलोकन कीजिए एवं दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए।

- 1) कार्टून में साइकिल का प्रतीक क्या दर्शाता है ? 1
- 2) प्रस्तुत कार्टून में चीन की किस नीति को दर्शाया गया ? 2
- 3) चीन ने अपने आर्थिक विकास हेतु क्या-क्या किया ? 2

छ: अंकीय प्रश्न :-

1. चीनी अर्थव्यवस्था की उन्नति के लिए उत्तरदायी कारकों की व्याख्या कीजिए ?

-
2. यूरोपीय संघ एक अधिराष्ट्रीय संगठन के रूप में कैसे उभरा ?
 3. वैकल्पिक शक्ति केन्द्र के रूप में जापान किस प्रकार प्रभावकारी होगा।
 4. चीनी अर्थव्यवस्था की उन्नति का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
 5. “चीन तथा भारत बड़ी आर्थिक शक्तियों के रूप में उभर रहे हैं।” क्या आप इससे सहमत हैं ? कोई तीन तर्क देकर अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

उत्तर एक अंकिय

1. यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन।
2. दॅंग श्याओपेंग, 1978
3. चाऊ एनलाई
4. जापान
5. एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशंस (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संघ)
6. 1992, मास्ट्रिस्ट संधि द्वारा।
7. सिंगापुर और थाईलैंड।
8. कंबोडिया व पूर्वी तिमोर।
9. स्वीडन तथा डेनमार्क।
10. 1985, शांगेन संधि।
11. यूरो
12. अक्टूबर 1962
13. सोवियत संघ।

उत्तर द्वि अंकीय

1. क्षेत्रीय संगठन प्रभुसत्ता सम्पन्न देशों के स्वैच्छिक समुदायों की एक संधि है, जो निश्चित क्षेत्र के भीतर हो तथा उन देशों का सम्मिलित हित हो जिनका प्रयोजन उस क्षेत्र के संबंध में आक्रामक कार्यवाही न हो।
2. सोवियत संघ के विभाजन के बाद विश्व में अमेरिका का वर्चस्व कायम हो गया है। कुछ देशों के संगठनों का उदय सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र के रूप में हुआ

-
- है। ये संगठन अमरीका के प्रभुत्व को सीमित करेंगे क्योंकि ये संगठन राजनीतिक तथा आर्थिक रूप से शक्तिशाली हो रहे हैं।
3.
 - 1) आयात के स्थान पर घरेलू उत्पादों को अपनाया।
 - 2) खुले द्वार की नीति अपनाई।
 - 3) अमरीका के साथ आर्थिक संबंध स्थापित किए।
 - 4) खेती का निजीकरण।
 4. आसियान के प्रतीक चिन्ह में धान की दस बालियाँ दक्षिण पूर्व एशिया के दस देशों को इंगित करती हैं जो आपस में मित्रता और एकता के धागे से बंधे हैं। वृत्त आसियान की एकता का प्रतीक है।
 5. 1945 के बाद यूरोपीय देशों में मिलाप तथा अमरीका द्वारा शीतयुद्ध के दौरान अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन के लिए मदद।
 6. इण्डोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाइलैण्ड।
 7.
 - 1) 1972 में अमरीका से राजनीतिक व आर्थिक संबंध बनाए।
 - 2) 1978 में खुले द्वार की नीति की घोषणा की।
 8. कृषि, उद्योग, सेना और विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र।
 9. 12 सितारे पारम्परिक रूप से पूर्णता, समग्रता और एकता का प्रतीक माना जाता है।
 10. विदेशी पूँजी और प्रौद्योगिकी के निवेश से उच्चतर उत्पादकता को प्राप्त किया जाए।
 11.
 1. 4) 1972
 2. 3) 1978
 3. 2) 1982
 4. 1) 2001
 12.
 1. - ग
 2. - घ
 3. - क
 4. - ख
-

उत्तर चार अंकीय :-

1.
 - 1) यूरोपीय संघ एक राज्य की भाँति है जिसका अपना झण्डा, गान एवं स्थापना दिवस है।
 - 2) यूरोपीय संसद के गठन के कारण।
 - 3) सोवियत संघ के बाद 1992 में यूरोपीय संघ का गठन।
 - 4) एक मुद्रा, समान विदेश एवं सुरक्षा नीति, न्याय एवं घरेलू मामलों पर आपसी सहयोग।
2.
 - 1) सुरक्षा समुदाय - आसियान सुरक्षा समुदाय क्षेत्रीय विवादों को सैनिक टकराव तक न ले जाने की सहमति पर आधारित है।
 - 2) आर्थिक समुदाय का उद्देश्य आसियान देशों का साझा बाजार और उत्पादन आधार तैयार करना तथा इस क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में मदद करना है।
3.
 - 1) सदस्य देशों में एकता की भावना का मजबूत होना।
 - 2) क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा।
 - 3) सदस्यों के बीच आपसी व्यापार को बढ़ाना।
 - 4) क्षेत्र में शांति और सौहार्द को बढ़ाना।
 - 5) विवादों को आपसी बातचीत द्वारा निपटाना।
4. उत्तर स्मरणीय बिन्दुओं में देखें।
5. उत्तर स्मरणीय बिन्दुओं में देखें।
6. उत्तर स्मरणीय बिन्दुओं में देखें।
7.
 - 1) कभी-कभी सदस्य देशों द्वारा विदेश और रक्षानीति का एक दूसरे के खिलाफ प्रयोग करना।
 - 2) एक संविधान बनाने का प्रयास असफल।
 - 3) डेनमार्क व स्वीडन द्वारा मास्ट्रिस्ट संधि व यूरो का विरोध।
 - 4) कई सदस्य देश अमरीकी गठबंधन में थे।
8.
 - 1) जड़ता को समाप्त करके खुलेद्वार की नीति
 - 2) कृषि के निजीकरण से।
 - 3) व्यापार के नए नियम और नए विशेष आर्थिक क्षेत्रों के निर्माण द्वारा

-
- 4) ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निजी बचत का परिणाम बढ़ा।
9. ★ एक ध्रुवीय विश्व में अमेरिकी वर्चस्व को सीमित करने के लिए सत्ता के वैकल्पिक केन्द्रों का होना आवश्यक है।
- ★ यूरोपीय संघ, आसियान, गुटनिरपेक्ष आन्दोलन तथा दक्षेस जैसे वैकल्पिक केन्द्रों ने क्षेत्रीय स्तर पर अधिक शांतिपूर्ण एवं समृद्धशाली अर्थव्यवस्था का रूप देने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

उत्तर पाँच अंकीय :-

3. 1) यूरोपीय संघ व आसियान।
2) यूरोप के लोगों की एकता व मेलमिलाप का प्रतीक।
3) ये दस देश आपस में मित्रता और एकता के धागे से बंधे हैं। वृत्त आसियान की एकता का प्रतीक है।
4. 1) चीन की अर्थव्यवस्था।
2) चीन के दोहरेपन को -पूँजीवाद व समाजवाद।
3) खुलेद्वार की नीति, विशेष आर्थिक क्षेत्र का निर्माण, कृषि व उद्योग का निजीकरण।

छ: अंकीय उत्तर :-

2. ए) सबसे पुराना संगठन जो इसे स्थायित्व और प्रभावकारी बनाता है।
बी) समान राजनीतिक रूप जैसे-झंडा, गान, स्थापना दिवस और मुद्रा।
सी) यूरोपीय संघ की सहयोग की नीति।
डी) विश्व व्यापार में यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी अमरीका से तीन गुना अधिक हैं।
ई) इसके पास विश्व की दूसरी सबसे बड़ी सेना है। उसका रक्षा बजट अमेरिका के बाद सबसे अधिक है।
एफ) ब्रिटेन तथा फ्रांस संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य है।

-
3. जापान निम्न तथ्यों के द्वारा सत्ता का वैकल्पिक केन्द्र बन सकता है।
- 1) विश्व में उच्च प्रौद्योगिकी के लिए मशहूर है।
 - 2) इसकी अर्थव्यवस्था विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
 - 3) जापान विकसित देशों के समूह जी-8 में शामिल है।
 - 4) संयुक्त राष्ट्रसंघ के बजट में अंशदान के हिसाब से जापान दूसरा सबसे बड़ा देश है।
 - 5) राष्ट्रों के बीच विवादों को सुलझाने में बल प्रयोग अथवा धमकी से काम लेने के तरीके का जापान के लोग हमेशा के लिए त्याग करते हैं।
 - 6) जापान का सैन्य व्यय उसके सकल घरेलू उत्पाद का केवल 1 प्रतिशत है फिर भी सैन्य व्यय के लिहाज से विश्व में जापान का स्थान चौथा है।
4. **पक्ष में :-**
- 1) 1972 में राजनीतिक तथा आर्थिक एकांतवास की समाप्ति।
 - 2) कृषि, सेना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आधुनिकीकरण।
 - 3) खुले द्वार की नीति।
 - 4) कृषि तथा उद्योगों का निजीकरण।
- विपक्ष में :-**
- 1) सुधारों का लाभ सभी वर्गों को नहीं मिला।
 - 2) बेरोजगारी बढ़ी।
 - 3) महिलाओं के लिए रोजगार और काम के हालत ठीक नहीं है।
 - 4) पर्यावरण को नुकसान हुआ।
 - 5) भ्रष्टाचार बढ़ा है।
- 5.★ वैश्विक स्तर पर चीन एक बड़ी आर्थिक शक्ति बन चुका है। जापान, अमरीका, रूस के साथ अपने मतभेदों को कुछ हद तक सुलझा लिया है।
- ★ लैटिन अमेरिका व अफ्रीकी देशों में निवेश।
 - ★ विश्व व्यापार संगठन का सदस्य।
 - ★ वैश्विक चुनौतियों के अनुकूल भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को ढाला है।

समकालीन दक्षिण एशिया

- भारत दक्षिण एशिया का प्रमुख देश है। इसके पड़ोसी पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका तथा मालदीव इस क्षेत्र के अन्य देश हैं।
- अफगानिस्तान तथा म्यांमार को भी कई बार इस क्षेत्र का देश मान लिया जाता है।
- चीन को दक्षिण एशिया का देश नहीं माना जाता।
- उत्तर की विशाल हिमालय पर्वत श्रृंखला, दक्षिण का हिंद महासागर, पश्चिम का अरब सागर और पूरब में मौजूद बंगाल की खाड़ी दक्षिण एशिया को भौगोलिक विशिष्टता प्रदान करते हैं।
- दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों में एक ही राजनीतिक प्रणाली नहीं है:-
 - ★ भारत और श्रीलंका में आजादी के बाद से लोकतंत्र है।
 - ★ पाकिस्तान और बांग्लादेश में कभी लोकतंत्र और कभी सैन्य शासन रहा है।
 - ★ नेपाल में 2006 तक संवैधानिक राजतंत्र था और बाद में लोकतंत्र की बहाली हुई है।
 - ★ भूटान में राजतंत्र है।
 - ★ मालदीव सन् 1968 तक सल्तनत हुआ करता था। अब यहाँ लोकतंत्र है।
- दक्षिण एशिया के लोग लोकतंत्र को अच्छा मानते हैं और प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र की संस्थाओं का समर्थन करते हैं।
- दक्षिण एशिया के लोकतंत्र के अनुभवों से लोकतंत्र के बारे में प्रचलित यह भ्रम टूट गया कि 'लोकतंत्र सिर्फ विश्व के धनी देशों में फल-फूल सकता है।'
- पाकिस्तान की राजनीतिक व्यवस्था में सेना बहुत प्रभावशाली है। यही कारण है कि यहाँ बार-बार सैन्य शासन लोकतंत्र को कुचलता रहा है। ऐसा ही बांग्लादेश में भी हुआ है।

-
- सर्वप्रथम देश की बागडोर जनरल अयूब खान ने ली फिर जनरल याहिया खान तत्पश्चात जनरल जिया-उल-हक और 1999 में जनरल परवेज मुशर्रफ ने जनता द्वारा निर्वाचित सरकार को हटाकर सैनिक शासन की स्थापना की।
 - कुछ समय के लिए अवश्य जुल्फिकार अली भूट्टो, बेनजीर भूट्टो तथा नवाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान में लोकतांत्रिक सरकार कार्यरत रही। वर्तमान में नवाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान में लोकतांत्रिक सरकार कायम है।
 - नेपाल में लम्बे समय तक राजा और लोकतंत्र समर्थकों में जद्दोजहद चलती रही है। अब वहाँ कि राजनीति में माओवादी भी बहुत प्रभावी हो गये हैं।
 - नेपाल में राजा की सेना, लोकतंत्र समर्थको और माओवादियों के बीच लम्बे त्रिकोणीय संघर्ष का परिणाम यह रहा कि नेपाल के द्वारा वर्तमान में अपनाए गए संविधान के तहत खड्ग प्रसाद शर्मा ओली अक्टूबर 2015 से नेपाल के नए प्रधानमंत्री है।
 - श्रीलंका को 1948 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई। श्रीलंका एक सफल लोकतंत्र और सामाजिक, आर्थिक क्षेत्रों अपनी अच्छी स्थिति के बावजूद सिंहली और तमिल समुदायों के जातीय संघर्ष का शिकार रहा है। सिंहली श्रीलंका के मूल निवासी थे तथा तमिल जो भारत से जाकर श्रीलंका जा बसे।
 - यह संघर्ष मुख्य रूप से तमिलों द्वारा श्रीलंका में अलग राष्ट्र की मांग एवं संसाधनों पर अधिकार के लिए था, वहीं दूसरी ओर सिंहली समुदाय द्वारा लगातार उनकी इस मांग का विरोध किया जाता रहा।
 - मई 2009 में श्रीलंकाई सेना द्वारा लिट्टे (LTTE) प्रमुख प्रभाकरन के मारे जाने के पश्चात श्री लंका में वर्षों से चले आ रहे गृह युद्ध की समाप्ति हुई।
 - दक्षिण एशिया के दो बड़े देशों भारत और पाकिस्तान के आपसी संबंध शुरू से ही तनावपूर्ण है इनके बीच 1947-48, 1965, 1971 तथा 1999 में सैन्य संघर्ष हो चुके हैं।
 - दक्षिण एशियाई देशों में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसकी अन्य सभी देशों से सीमाएं लगती है। इसके कारण भारत के इन देशों के साथ कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं तो बहुत से क्षेत्रों में सहयोग भी।
 - दक्षिण एशियाई देशों ने आपस में सहयोग के लिए सन् 1985 में दक्षेस

(SAARC- साउथ एशियन एसोशियन फॉर रिजनल कोऑपरेशन) की स्थापना की।

- 2005 में 13वें सार्क शिखर सम्मेलन ढाका में अफगानिस्तान को सार्क में शामिल करने पर सहमति बनी। 2007 के 14वें शिखर सम्मेलन (नई दिल्ली) में अफगानिस्तान पहली बार सार्क शिखर सम्मेलन में शामिल हुआ।
- वैश्वीकरण के दौर में हुए सार्क सम्मेलनों में जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबन्धन एवं आतंकवाद की समाप्ति संबंधी तथा इस क्षेत्र में व्यापार एवं विकास को बढ़ावा देने हेतु कई समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं।
- व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौता (SAFTA) पर 2004 में हस्ताक्षर हुए तथा यह 1 जनवरी 2006 से प्रभावी हो गया।
- सार्क का 18वाँ शिखर सम्मेलन 26-27 नवम्बर 2014 को नेपाल की राजधानी काठमांडू में सम्पन्न हुआ जिसका विषय शांति एवं समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध एकजुटता था।
- भारत के अपने पेड़ोसी देशों के साथ जिनमें पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश एवं श्रीलंका प्रमुख हैं, इनमें से यदि पाकिस्तान को छोड़ दिया जाये तो बाकी राष्ट्रों के साथ भारत के संबंध कमोबेश मधुर बने हुए हैं।

एक अंक वाले प्रश्न :-

1. दक्षिण एशिया के एक देश का नाम लिखिए जिसमें राजतंत्र हैं।
2. नेपाल में कब तक संवैधानिक राजतंत्र था ?
3. दक्षेस (SAARC) की स्थापना कब की गई ?
4. श्रीलंका की महत्वपूर्ण समस्या क्या है ?
5. सियाचिन विवाद किन दो देशों के बीच है ?
6. दक्षिण एशिया का वह कौन सा देश है जिसकी स्वतंत्रता में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ?
7. फरक्का विवाद किन दो देशों के मध्य रहा है ?

-
8. दक्षेस का मुख्यालय कहाँ है ?
 9. आपके अनुसार 21वीं शताब्दी में भारत पाकिस्तान में तनाव का प्रमुख कारण क्या है ?
 10. श्रीलंका को कब स्वतंत्रता प्राप्त हुई ?
 11. श्रीलंका में किन दो जातियों के मध्य संघर्ष रहा ?
 12. किस देश को आठवे सदस्य के रूप में और कब दक्षेस SAARC का सदस्य बनाया गया ?

दो अंक वाले प्रश्न :-

1. दक्षिण एशिया में सफल लोकतंत्र वाले दो देशों के नाम लिखिए।
2. दक्षिण एशिया से क्या अभिप्राय हैं ?
3. भारत और पाकिस्तान के बीच हुए किन्हीं दो समझौतों का उल्लेख किजिए।
4. दक्षिण एशिया के उन दो देशों के नाम लिखिए जिनमें लोकतंत्र व सैन्य शासन रहा है।
5. मालदीव में किस प्रकार की शासन प्रणाली है ?
6. भारत ने परमाणु परीक्षण कब-कब किए ?
7. ऐसे दो देशों के नाम लिखिए जिनके साथ भारत का नदी जल बँटवारे के मुद्दे पर विवाद रहा है ?

चार अंक वाले प्रश्न :-

1. पाकिस्तान में लोकतंत्र को कमजोर करने वाले कारण लिखिए।
2. नेपाल में लोकतंत्र की स्थापना पर टिप्पणी लिखिए।
3. दक्षेस SAARC के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।
4. भारत पाकिस्तान क्षेत्र की किन्हीं चार सामान्य समस्याओं का उल्लेख करें।
6. भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध सामान्य करने की दिशा में हुए समझौतों पर प्रकाश डालिये।
7. ऐसे दो दो मसलों के नाम बताएँ जिन पर भारत-बांग्लादेश के बीच आपसी

सहयोग और आपसी असहमति है।

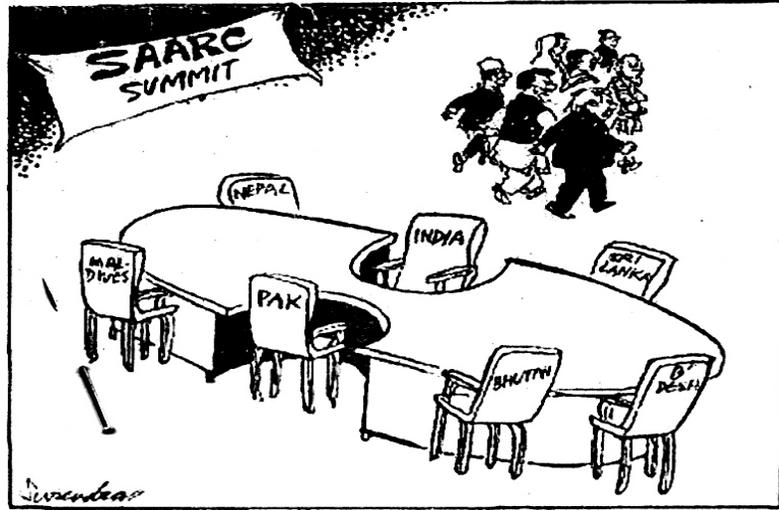
8. SAARC, SAFTA, LTTE एवं IPKF का पूरा नाम लिखे।

पाँच अंक वाले प्रश्न :-

1. मानचित्र में दक्षिण एशिया के देशों को चिन्हित कीजिए।
2. नीचे दिए गए अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
शीतयुद्ध के बाद दक्षिण एशिया में अमरीकी प्रभाव तेजी से बढ़ा है। अमरीका ने शीतयुद्ध के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों से अपने संबंध बेहतर किए हैं। वह भारत पाक के बीच लगातार मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। दोनों देशों में आर्थिक सुधार हुए हैं और उदार नीतियाँ अपनाई गई हैं। इससे दक्षिण एशिया में अमरीकी भागीदारी ज्यादा गहरी हुई है। अमरीका में दक्षिण एशियाई मूल के लोगों की संख्या अच्छी-खासी है। फिर, इस क्षेत्र की जनसंख्या और बाजार का आकार भी भारी भरकम है। इस कारण इस क्षेत्र की सुरक्षा और शांति के भविष्य से अमरीका के हित भी बंधे हुए हैं।
 - 1) शीतयुद्ध के बाद भारत-पाकिस्तान में क्या बदलाव आए हैं ?
 - 2) दक्षिण एशिया में अमरीका की दिलचस्पी के क्या कारण हैं ?
 - 3) बीसवीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में भारत पाकिस्तान के आपसी युद्ध का क्या कारण था ?
3. निम्न अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें -
आजादी के बाद से श्रीलंका की राजनीति पर बहुसंख्यक सिंहली समुदाय के हितों की नुमाइंदगी करने वालों का दबदबा रहा है। ये लोग भारत छोड़कर श्रीलंका आ बसी एक बड़ी तमिल आबादी के खिलाफ हैं। तमिलों का बसना श्रीलंका के आजाद होने के बाद भी जारी रहा। सिंहली राष्ट्रवादियों का मानना था कि श्रीलंका में तमिलों के साथ कोई रियायत नहीं बरती जानी चाहिए क्योंकि श्रीलंका सिर्फ सिंहली लोगों का है। तमिलों के प्रति उपेक्षा भरे बरताव से एक उग्रतमिल राष्ट्रवाद की आवाज बुलन्द हुई। 1983 के बाद से उग्र तमिल संगठन 'लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) श्रीलंकाई सेना

के साथ सशस्त्र संघर्ष कर रहा है। इसने 'तमिल ईलम' यानी श्रीलंका के तमिलों के लिए एक अलग देश की माँग की है। श्रीलंका के उत्तर-पूर्वी हिस्से पर लिट्टे का नियंत्रण है।

- 1) श्रीलंका का पुराना नाम क्या है ?
 - 2) श्री लंका में किन दो जातियों के मध्य संघर्ष रहा ?
 - 3) जातीय संघर्ष के दो प्रमुख कारण क्या रहे ?
4. प्रस्तुत कार्टून को देखें एव दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें -



यह कार्टून क्षेत्रीय सहयोग की प्रगति में भारत और पाकिस्तान की भूमिका के बारे में क्या बताता है ?

- 1) यह कार्टून किस संगठन के सम्मेलन को दिखा रहा है ?
- 2) संगठन में शामिल किन्हीं दो देशों के नाम बताए।
- 3) कार्टून में दो कुर्सियों की अवस्थिति बाकियों से अलग क्यों दर्शायी गयी है ?

छ: अंक वाले प्रश्न :-

1. भारत-पाकिस्तान संबंधों पर प्रकाश डालिये।
2. श्रीलंका के जातीय संघर्ष का उल्लेख कीजिए।
3. दक्षिण एशिया के अपेक्षाकृत छोटे देशों के भारत के प्रति आशंका भरे व्यवहार के क्या कारण हैं ?

-
4. दक्षिण एशिया के देशों के बीच आर्थिक सहयोग की राह तैयार करने में दक्षेस (सार्क) की भूमिका और सीमाओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें। दक्षिण एशिया की बेहतररी में दक्षेस (सार्क) ज्यादा बड़ी भूमिका निभा सके, इसके लिए आप क्या सुझाव देंगे ?

एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तर संकेत :-

1. भूटान
2. सन् 2006
3. सन् 1985
4. सिंहली -तमिल जातीय संघर्ष
5. भारत-पाकिस्तान
6. बांग्लादेश
7. भारत-बांग्लादेश
8. काठमांडू
9. आतंकवाद
10. 1948
11. सिंहली एवं तमिल
12. अफगानिस्तान को 2005 में सदस्य बनाया गया।

दो अंक वाले प्रश्नों के उत्तर संकेत :-

1. — भारत
— श्रीलंका
2. भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका एवं मालदीव को दक्षिण एशिया के देश माना जाता है। कुछ लोग अफगानिस्तान एवं म्यांमार को भी इस क्षेत्र में सम्मिलित करते हैं।
3. — ताशकंद समझौता
— शिमला समझौता
4. — पाकिस्तान

-
- ताशकंद समझौता 1966
 - शिमला समझौता 1972
 - लाहौर बस यात्रा 1999 इत्यादि
7. भारत एवं बांग्लादेश के मध्य सहयोग के मसले :
- 1) बांग्लादेश भारत की 'पूरब की ओर देखो' नीति का हिस्सा।
 - 2) प्राकृतिक आपदा के पूर्व प्रबंधन तथा पर्यावरण के मसले पर सहयोग।
- भारत एवं बांग्लादेश के मध्य असहयोग के मसले :
- 1) गंगा व ब्रह्मपुत्र नदी जल बंटवारे को लेकर मतभेद
 - 2) भारत, बांग्लादेश से अवैध आप्रवास पर नाखुश।

पाँच अंक वाले प्रश्नों के उत्तर संकेत :-

1. कृप्या मानचित्र में कीजिए ।
2. क) 1) आपसी संबंध सुधारने के प्रयास किये हैं।
2) आर्थिक सुधार किए हैं।
3) उदार नीतियाँ अपनाई।
ख) 1) अमरीका में दक्षिण एशियाई मूल के लोगों की अच्छी खासी संख्या।
2) यहाँ का बड़ा बाजार
ग) कारगिल मुद्दा।
3. 1) सिलोन
2) सिंहली एवं तमिल।
3) तमिलों द्वारा श्रीलंका में विशेष अधिकारों एवं अलग देश की मांग।
4. 1) दक्षेस सम्मेलन।
2) भूटान, नेपाल आदि।
3) ये दो कुर्सियों इसके दो सदस्यों भारत और पाकिस्तान की विशेष स्थिति तथा इसमें छाए रहने वाले इन दोनों देशों के द्विपक्षीय मुद्दों की ओर ध्यान आकृष्ट कटती है।

छ: अंक वाले प्रश्नों के उत्तर संकेत :-

1. — भारत और पाकिस्तान में सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक समरूपताएँ
 - भारत-पाकिस्तान संघर्ष :-
 - ★ 1947-48, 1965, 1971 और 1999 में सैन्य संघर्ष
 - ★ कश्मीर मुद्दा
 - ★ हथियारों की होड़
 - ★ आतंकवाद
 - ★ सियाचिन ग्लेशियर विवाद
 - ★ सरक्रीक विवाद इत्यादि
 - भारत-पाकिस्तान सहयोग की संभावना वाले क्षेत्र।
 - ★ सांस्कृतिक (फिल्म, गाने, नाटक इत्यादि)
 - ★ खेल क्षेत्र (क्रिकेट, हॉकी इत्यादि)
 - ★ व्यापार (कपास, प्याज, सॉफ्टवेयर इत्यादि)
 - गरीबी उन्मूलन, विकास, लोकतंत्र की दृढ़ता इत्यादि की लिए दोनों देशों में सहयोग वृद्धि की आवश्यकता इत्यादि।
2. — बहुसंख्यक सिंहली और अल्पसंख्यक तमिल समुदायों में संघर्ष।
 - तमिलों को अधिकार दिलवाने के प्रयास
 - उग्र तमिलों द्वारा LTTE का गठन
 - श्रीलंका सरकार द्वारा सख्ती
 - 1987 में राजीव-जयवर्धने समझौता
 - श्रीलंका में भारतीय शांति सेना (IPKF)
 - नार्वे की मध्यस्थता में शांति स्थापना के प्रयास इत्यादि।
3. — विशाल आकार
 - भौगोलिक विशिष्टता
 - अत्यधिक जनसंख्या

-
- विशालकाय अर्थव्यवस्था
 - बड़ी सैन्य शक्ति
 - प्रौद्योगिकी (तकनीक) में बाकी से आगे
 - अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान।
 - भारत में बारे में दुष्प्रचार (चीन, पाकिस्तान, पश्चिमी मीडिया आदि द्वारा)
4. 1985 में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन का एक क्षेत्रीय मंच शांति के लिए तैयार किया गया। सार्क के देशों ने दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये, जो दक्षिण एशिया को मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। SAFTA (साफ्टा) के द्वारा सीमाओं के आर-पार मुक्त व्यापार की अनुमति ने इस क्षेत्र में शांति तथा सहयोग के नए युग का सूत्रपात किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न समयों पर सार्क द्वारा किये जाने वाले सम्मेलानों में राष्ट्रों के मध्य विवादों का निपटारा करने का प्रयास किया जाता है।
- सीमाएँ :- कुछ देशों का यह मानना है कि भारत 'साफ्टा' को आधार बनाकर दक्षिण एशिया के समस्त देशों के घरेलु बाजार पर अपना कब्जा जमा लेना चाहता है।
- सुझाव:- 1) दक्षिण राष्ट्रों को भय एवं आशंका को दूर करने के लिए विश्वास बहाली की प्रक्रिया अपनानी चाहिए।
- 2) आपसी विवादों को बातचीत द्वारा हल करना चाहिए।
- 3) आर्थिक विकास को प्रमुख मुद्दा बनाना चाहिए।

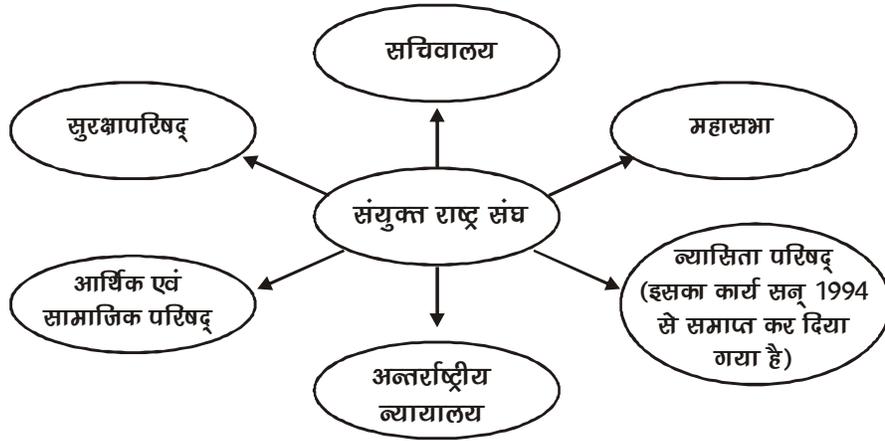
अंतर्राष्ट्रीय संगठन

- ★ जिस प्रकार किसी क्षेत्र की समस्या के हल के लिये क्षेत्रीय संगठनों की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार विभिन्न देशों के मध्य समस्या समाधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की आवश्यकता होती है।

अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की आवश्यकता

1. अंतर्राष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण हल।
 2. युद्धों की रोकथाम में सहायक।
 3. विश्व के आर्थिक विकास में सहायक।
 4. प्राकृतिक आपदा, महामारी से निपटना।
 5. अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना।
 6. वैश्विक तापवृद्धि से निपटना।
- ★ प्रथम विश्व युद्ध के बाद युद्ध रोकने के लिए बनी संस्था राष्ट्रसंघ (लीग-आफ-नेशनस) के असफल होने के कारण एवं 1939 से 1945 तक चले द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा स्थापित करने के लिए पुनः एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता महसूस की गई। अतः 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ UNO की स्थापना की गई। स्थापना के समय संयुक्त राष्ट्र संघ में 51 सदस्य थे, भारत भी इसके संस्थापक सदस्यों में शामिल था। मई 2013 तक इसके सदस्यों की संख्या 193 हो गयी है। 193वाँ सदस्य दक्षिणी सूडान है।

- ★ **संयुक्त राष्ट्र संघ के अंग :-**



अंगों के नाम	सदस्य संख्या	मुख्यालय	उद्देश्य
सुरक्षा परिषद्	5 स्थायी + 10 अस्थायी	न्यूयार्क	शान्ति एवं सुरक्षा कायम रखना। सैन्य कार्यवाही करना।
महासभा	193	न्यूयार्क	सदस्य प्रवेश व निलम्बन एवं बजट पारित करना।
ट्रस्टीशिप काउंसिल	14	न्यूयार्क	विशेष क्षेत्रों की सामाजिक, आर्थिक उन्नति 1994 में पलाऊ के स्वतंत्र होने पर स्थगित।
अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय	15 न्यायाधीश	लेग	देशों के पारस्परिक विवाद आपसी झगड़े क्षेत्रीय व सीमा विवाद पर विचार।
सचिवालय	महासचिव + अन्य कर्मचारी	न्यूयार्क	संयुक्त राष्ट्र के नित्य कार्यों का संचालन
आर्थिक एवं सामाजिक परिषद्	57	न्यूयार्क	आर्थिक, सामाजिक, शिक्षा स्वास्थ्य पर विचार कर महासभा को रिपोर्ट भेजेगा।

- ★ इसका सबसे शक्तिशाली अंग सुरक्षा परिषद् है इससे कुल 15 सदस्य हैं इसमें पांच स्थायी सदस्य (अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन) तथा दस अस्थायी सदस्य हैं जो दो वर्षों की अवधि के लिए चुने जाते हैं। स्थायी सदस्यों को वीटो (निषेधाधिकार) की शक्ति प्राप्त है।
- ★ शीत युद्ध के बाद से ही संयुक्त राष्ट्र में इसके ढाँचे एवं कार्य करने की प्रक्रिया दोनों में सुधार की मांग जोर पकड़ने लगी। सुरक्षा परिषद् में स्थायी व अस्थायी

-
- सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर बल दिया गया। इसके अतिरिक्त गरीबी, भूखमरी, बीमारी, आतंकवाद पर्यावरण मसले एवं मानवाधिकार आदि मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को ओर अधिक सक्रिय बनाने पर बल दिया गया।
- ★ महासचिव संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रतिनिधि होता है। वर्तमान महासचिव का नाम बान-की-मून है जो कि दक्षिण कोरिया से है। 1971 के बाद इस पद पर बैठने वाले पहले एशियाई है।
 - ★ भारत संयुक्त राष्ट्र संघ के कार्यक्रमों में अपना योगदान लगातार देता रहा है। चाहे वह शांति सुरक्षा का विषय हो, निःशस्त्रीकरण हो, दक्षिण कोरिया संकट हो, स्वेज नहर का मामला हो या इराक का कुवैत पर आक्रमण हो। इसके अतिरिक्त, मानवाधिकारों की रक्षा, उपनिवेशवाद व रंगभेद का विरोध तथा शैक्षणिक आर्थिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भारत की भूमिका बनी रहती है।
 - ★ संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत का पक्ष।
 - आबादी के दृष्टिकोण से बड़ा राष्ट्र।
 - स्थिर लोकतंत्र व मानवाधिकारों के प्रति निष्ठा।
 - उभरती हुई आर्थिक ताकत।
 - संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में लगातार योगदान।
 - शांति बहाली में भारत का योगदान।
 - ★ संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रमुख एजेंसियाँ
 - 1) विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)
 - 2) संयुक्त राष्ट्र, शैक्षिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)
 - 3) संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF)
 - 4) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)
 - 5) संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (UNHRC)
 - 6) संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (UNHCR)
 - 7) संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (UNCTAD)

-
- ★ संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य एवं सिद्धान्त
 - 1) अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति व सुरक्षा को बनाये रखना।
 - 2) राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ाना।
 - 3) आपसी सहयोग द्वारा आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा मानवीय ढंग की अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं को हल करना।
 - 4) अंतर्राष्ट्रीय संधियों एवं अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को सम्मानपूर्वक लागू करवाना।
 - 5) राष्ट्रों की प्रादेशिक अखंडता और राजनीति स्वतंत्रता का आदर करना।

 - ★ संयुक्त राष्ट्र संघ को एक ध्रुवीय विश्व में अधिक प्रासंगिक बनाने के उपाय।
 - 1) शांति संस्थापक आयोग का गठन।
 - 2) मानवाधिकार परिषद की स्थापना।
 - 3) सहस्राब्दि विकास लक्ष्य को प्राप्त करने पर सहमति।
 - 4) एक लोकतंत्र कोष का गठन।
 - 5) आतंकवाद के सभी रूपों की भर्त्सना।
 - 6) न्यासिता परिषद की समाप्ति।

 - ★ आज एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था में जब अमेरिका का वर्चस्व पूरे विश्व पर हो चुका है तो ऐसे में संयुक्त राष्ट्र संघ भी अमेरिकी ताकत पर पूर्णरूप से अंकुश नहीं लगा सकता, क्योंकि अमेरिका का इसके बजट में योगदान अधिक है, इसके अतिरिक्त इसका मुख्यालय भी अमेरिकी भू-क्षेत्र पर स्थित है। परन्तु इसके बावजूद संयुक्त राष्ट्रसंघ वो मंच है जहाँ अमेरिका से शेष विश्व के देश वार्ता करके उसपर नियंत्रण रखने का प्रयास कर सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ व गैर सरकारी संगठन :-

संयुक्त राष्ट्र संघ के अतिरिक्त कई अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएँ एवं गैर सरकारी संगठन हैं जो निरन्तर अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में लगे हैं जैसे :-

- 1) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) .. वैश्विक स्तर पर वित्त व्यवस्था की देख-रेख एवं वित्तीय तथा तकनीकी सहायता मुहैया कराना।

-
- 2) विश्व बैंक (WB) - मानवीय विकास (शिक्षा, स्वास्थ्य) कृषि और ग्रामीण विकास, पर्यावरण सुरक्षा, आधारभूत ढाँचा तथा सुशासन के लिए काम करता है।
 - 3) विश्व व्यापार संगठन (WTO) - यह अंतर्राष्ट्रीय संगठन वैश्विक व्यापार के नियमों को तय करता है।
 - 4) अंतर्राष्ट्रीय आण्विक उर्जा एजेंसी (IAEA) - यह संगठन परमाण्विक उर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने और सैन्य उद्देश्यों में इसके इस्तेमाल को रोकने की कोशिश करता है।
 - 5) एमनेस्टी इंटरनेशनल :- यह एक स्वयंसेवी संगठन है। यह पूरे विश्व में मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अभियान चलाता है।
 - 6) ह्यूमन राइट्स वॉच :. यह स्वयंसेवी संगठन भी मानवाधिकारों की वकालत और उनसे संबंधित अनुसंधान करने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवी संगठन है।
 - 7) अन्तर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस सोसायटी :- यह सोसायटी युद्ध और आंतरिक हिंसा के सभी पीड़ितों की सहायता तथा सशस्त्र हिंसा पर रोक लगाने वाले नियमों को लागू करने का प्रयास करता है।
 - 8) ग्रीनपीस :- 1971 के स्थापित ग्रीन पीस फाउण्डेशन विश्व समुदाय को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु कानून बनाने के लिए दबाव डालने का कार्य करती है।
★ हालांकि संयुक्त राष्ट्र संघ में थोड़ी कमियाँ अवश्य हैं, लेकिन बिना इसके दुनिया और बदहाल होगी। संयुक्त राष्ट्र संघ एवं उपरोक्त वर्णित सभी आर्थिक संस्थाओं एवं गैर सरकारी संगठनों ने पारस्परिक निर्भरता को बढ़ाया है। जिससे की संस्थाओं की उत्तरदायित्वता भी बढ़ती जा रही है। इसलिए आने वाली सरकारों को संयुक्त राष्ट्र एवं इन अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के समर्थन एवं उपयोग के तरीके तलाशने होंगे।

— **एक अंक वाले प्रश्न :-**

- 1) संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना कब हुई ?
- 2) संयुक्त राष्ट्र संघ की घोषणापत्र पर कितने देशों ने हस्ताक्षर किये ?
- 3) भारत UNO का सदस्य कब बना ?
- 4) वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य देशों की संख्या कितनी है ?
- 5) UNO के वर्तमान महासचिव का नाम बताइये।
- 6) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय कहाँ स्थित है ?
- 7) IAEA का विस्तृत रूप लिखे।
- 8) संयुक्त राष्ट्र संघ का सबसे जाना पहचान पद..... का है।
- 9) संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रमुख उद्देश्य बताइये।
- 10) विश्व व्यापार संगठन की स्थापना कब हुई ?
- 11) प्रथम विश्व युद्ध के बाद, युद्ध रोकने के लिए कौन सा अंतर्राष्ट्रीय संगठन बनाया गया ?
- 12) UNHRC का विस्तृत रूप लिखे।
- 13) विश्व बैंक की औपचारिक स्थापना कब हुई ?

दो अंकों वाले प्रश्न :-

- 1) निषेधाधिकार किसे कहते हैं ?
- 2) विश्व बैंक के कोई दो मुख्य कार्य बताइए।
- 3) सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के नाम लिखिये।
- 4) मानवाधिकारों की रक्षा में सक्रिय दो स्वयं सेवी संगठन कौन से हैं ?
- 5) विश्व व्यापार संगठन के कोई दो कार्य बताइए।
- 6) सुम्मेलित किजिए :-
 1. 24 अक्टूबर 1945 ए) अटलांटिक चार्टर
 2. 10 दिसम्बर 1948 बी) माल्टा सम्मेलन
 3. फरवरी 1945 सी) संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना
 4. अगस्त 1941 डी) मानवाधिकारों की घोषणा

7) सुम्मेलित किजिए -

- | | | |
|------------------------------|-----|-----------------------------|
| 1. रेडक्रॉस सोसाइटी | ए) | विश्व व्यापार नियम |
| 2. एमेनेस्टी इंटरनेशनल | बी) | युद्ध का आपदा पीड़ित सहायता |
| 3. विश्व व्यापार संगठन | सी) | आर्थिक उन्नति व ऋण देना |
| 4. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष | डी) | मानवाधिकार रक्षा |

8) UNO के प्रतीक चिन्ह पर टिप्पणी करें।

9) UNO के विभिन्न अंगों के नाम लिखे।

10) ऐसे किन्हीं दो अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों को पहचानियें जिन्हें सुलझाना किसी एक देश के लिए संभव नहीं है।

11) पारस्परिक निर्भरता किसे कहते हैं ?

12) विश्व में अन्तर्राष्ट्रीय संगठन होने के किन्हीं दो लाभों का उल्लेख करें।

चार अंक वाले प्रश्न :-

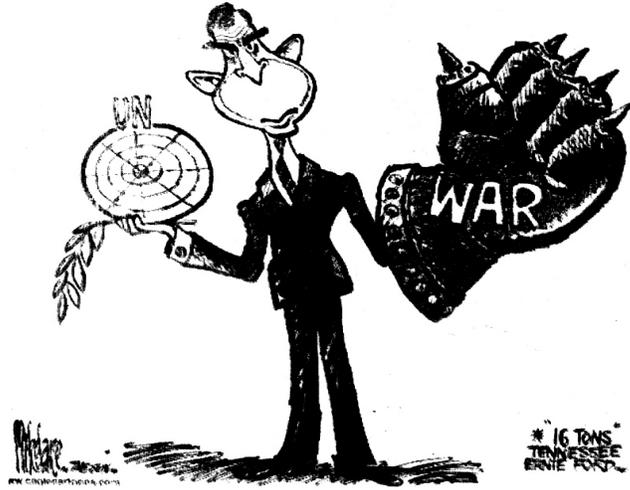
1. बदलती परिस्थितियों में प्रभावी एवं सुचारु ढंग से कार्य करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रक्रिया व ढाँचे में सुधार के कौन-कौन से प्रस्ताव सुझाये गये हैं ?
2. संयुक्त राष्ट्र संघ अमेरिकी वर्चस्व का सामना करने में असफल सिद्ध हुआ है। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ?
3. सुरक्षा परिषद के कार्य बताइये।
4. भारत के नागरिक के रूप में सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के पक्ष का समर्थन आप कैसे करेंगे ? अपने प्रस्ताव का औचित्य सिद्ध करें।
5. एमेनेस्टी इंटरनेशनल क्या है ? इसके कोई दो कार्य बताएँ।
6. संयुक्त राष्ट्र के मुख्य सिद्धांतों का वर्णन करें।

पाँच अंक वाले प्रश्न :-

1.

अगर बाएँ हाथ
से बात नहीं
समझोगे

तो बाएँ हाथ
से समझायी
जाएगी



- 1) प्रस्तुत कार्टून में दिखाया गया व्यक्ति किस देश को इंगित कर रहा है? (1)
- 2) कार्टून में दिखाए व्यक्ति के दोनों हाथ में क्या दिखाया गया है और वो किस चीज का प्रतीक है? (2)
- 3) दाये हाथ से बात नहीं समझोगे तो बायें हाथ से समझायी जायेगी। (2)
इस व्यक्तव्य का आशय अपने शब्दों में स्पष्ट करें।

2.



-
- 1) यह चिन्ह किस संस्था या संगठन से संबंधित है ? 1
 - 2) इस चित्र में किसका मानचित्र है ? 2
 - 3) दिए गए चित्र में किसकी पत्तियाँ हैं ? ये पत्तियाँ किस बात का प्रतीक हैं ? 2

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें :-
“पहले विश्वयुद्ध ने दुनिया को इस बात के लिए जगाया कि झगड़ों के निपटारे के लिए एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। इसके परिणाम स्वरूप ‘लीग ऑफ नेशंस’ का जन्म हुआ। शुरूआती सफलताओं के बावजूद यह संगठन दूसरा विश्वयुद्ध न रोक सका। पहले की तुलना में इस महायुद्ध में कहीं ज्यादा लोग मारे गए और घायल हुए।”

- 1) द्वितीय विश्व युद्ध कब समाप्त हुआ ? 1
- 2) संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना कब और क्यों की गई ? 2
- 3) इस प्रकार के संगठनों का निर्माण क्यों किया जाता है ? 2

छ: अंकों वाले प्रश्न :-

1. अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों की आवश्यकता स्पष्ट करें।
2. संयुक्त राष्ट्र संघ को और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए कौन-कौन से कदम उठाने का निर्णय लिया गया है ?
3. संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के योगदान पर चर्चा कीजिये।
4. बदलते परिवेश में सुरक्षा परिषद में सुधारों की आवश्यकता क्यों महसूस हो रही है ?
5. संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख उद्देश्यों का वर्णन कीजिए। इन उद्देश्यों को कैसे पूरा किया जा सकता है ?
6. वैश्विक राजनीति में अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं एवं संगठन किस हद तक लोकतांत्रिक व जवाबदेह हैं ?

एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. 24 अक्टूबर 1945

-
2. 51 देशों ने।
 3. 30 अक्टूबर 1945
 4. 193
 5. बान-की मून।
 6. हेग-नीदरलैंड
 7. अन्तर्राष्ट्रीय अणुविक उर्जा ऐजेन्सी।
 8. महासचिव
 9. विश्व में शांति एवं सुरक्षा की स्थापना।
 10. 1995 में।
 11. राष्ट्र संघ (लीग ऑफ नेशन्स)
 12. यूनाइटेड नेशन्स ह्यूमन राइट्स कमीशन।
 13. 1945

दो अंको वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. सुरक्षा परिषद का कोई भी स्थायी सदस्य सुरक्षा परिषद द्वारा लिए जाने वाले निर्णय को रोक सकता है, यही वीटो का अधिकार है।
2. 1) कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए काम करता है।
2) सदस्य देशों को अनुदान के लिए काम करता है।
3. ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका, रूस, चीन।
4. 1) ऐमेनेस्टी इण्टरनेशनल।
2) ह्यूमन राइट्स वॉच।
5. 1) वैश्विक व्यापार के नियमों को तय करना।
2) सदस्य देशों के बीच मुक्त व्यापार की राह आसान बनाना।
6. 1) सी
2) डी
3) बी
4) ए
7. 1) बी

-
- 2) डी
 - 3) ए
 - 4) सी
8. जैतून की पत्तियों के बीच विश्व का मानचित्र, जैतून की पत्तियाँ विश्व शांति का संकेत देती है।
 9. सुरक्षा परिषद्, महासभा, सचिवालय, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय, आर्थिक व सामाजिक परिषद्, न्यासिता परिषद्।
 10. वैश्विक तापवृद्धि व आतंकवाद।
 11. देशों के बीच विभिन्न मुद्दों पर आपसी निर्भरता ही 'पारस्परिक निर्भरता' कहलाती है।
 12. क) अंतर्राष्ट्रीय संगठन युद्ध और शांति के मसलों में मदद करते हैं।
ख) अंतर्राष्ट्रीय संगठन 'ग्लोबल वार्मिंग' जैसे महत्वपूर्ण प्रश्नों का समाधान मिलकर ढूँढने का प्रयास करते हैं।

चार अंको वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1.
 - 1) सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाना।
 - 2) वीटो पावर (निषेधाधिकार) की समाप्ति।
 - 3) विकसित देशों के प्रभाव को समाप्त करना।
 - 4) कार्यप्रणाली को ज्यादा लोकतांत्रिक बनाना।
2. अमेरिकी वर्चस्व का सामना करने में संयुक्त राष्ट्र के असफल होने के कारण:-
 - 1) अमेरिका सबसे बड़ा वित्तीय योगदान देने वाला देश।
 - 2) UNO का मुख्यालय अमेरिका के भू क्षेत्र में स्थित है।
 - 3) UNO में अधिकतर कर्मचारी अमेरिका के हैं।
 - 4) कोई प्रस्ताव अपने या साथी राष्ट्रों के हितों के अनुकूल न होने पर अपने वीटो से रोक सकता है।उपरोक्त तथ्यों के बावजूद अमेरिका से वार्ता करने एवं उसपर दबाव बनाने के लिए UNO एक मंच के रूप में अवश्य उपलब्ध है।

-
3. सुरक्षा परिषद के मुख्य कार्य निम्नलिखित है :-
 - 1) विश्व में शांति स्थापित करना।
 - 2) किसी भी देश द्वारा भेजी गयी शिकायत पर विचार करना।
 - 3) अपने निर्णयों को लागू करवाने की कार्यवाही करना।
 - 4) झगड़ों का निपटारा करना।
 4. स्मरणीय बिन्दु देखें।
 - 5) ऐमेनेस्टी इण्टरनेशनल मानवाधिकारों की रक्षा करने वाला एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है। यह संगठन मानवाधिकारों की रक्षा से जुड़ी रिपोर्ट तैयार और प्रकाशित करता है। उसकी ये रिपोर्ट मानवाधिकारों से संबंधित अनुसंधान और तरफदारी में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
 6. स्मरणीय बिन्दु देखें।

पाँच अंको वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. अमेरिका।
2. व्यक्ति के दाएँ हाथ में संयुक्त राष्ट्र का प्रतीक चिन्ह जो कि शांति का प्रतीक है तथा बाएँ हाथ में पंजा जो युद्ध का प्रतीक है, दिखाया गया है।
3. इस कथन का आशय यह है कि अमेरिका का कहना है कि यदि कोई देश उसकी बात को शांतिपूर्वक तरीके से नहीं मानेगा तो उसे युद्ध का सामना करना पड़ेगा।
 2. 1) संयुक्त राष्ट्र संघ।
 - 2) विश्व का मानचित्र।
 - 3) जैतून की पत्तियाँ है, तथा ये पत्तियाँ विश्व शांति का प्रतीक है।
3. 1) सन 1945 में।
- 2) 30 अक्टूबर 1945, विश्व में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए।
- 3) ताकि भविष्य में किसी भी भयानक युद्ध को रोककर विश्व में शांति और सुरक्षा को बनाये रखा जा सके।

छ: अंको वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. स्मरणीय बिन्दु देखें।
2. स्मरणीय बिन्दु देखें।
3. स्मरणीय बिन्दु देखें।
4. स्मरणीय बिन्दु देखें।
5. निम्नलिखित कारणों से सुरक्षा परिषद में सुधारों की आवश्यकता महसूस हो रही है:-
 - 1) सुरक्षा परिषद अब राजनैतिक वास्तविकताओं की नुमाइंदगी नहीं करती।
 - 2) इसके फैसलों पर पश्चिमी मूल्यों व हितों का प्रभाव दिखता है।
 - 3) सुरक्षा परिषद् में बराबर का प्रतिनिधित्व नहीं है।
 - 4) इसके फैसलों पर चंद देशों का दबदबा है, विशेषकर उन देशों का जो संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में ज्यादा योगदान देते हैं।
6. अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं का लोकतांत्रिक एवं उनकी जवाबदेयता के पक्ष में तर्क:-
 - 1) महासभा में विश्व के सभी राष्ट्रों की समान सदस्यता।
 - 2) आर्थिक विकास के लिए कई ईकाईयाँ स्थापित।
 - 3) राष्ट्रों में लोकतंत्र की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र निरन्तर तत्पर।
 - 4) संगठन की ईकाईयाँ मानवाधिकारों की रक्षा के प्रति कार्यरत।
 - 5) मानव विकास (शिक्षा, चिकित्सा) आदि पर बल।
 - 6) पर्यावरण की रक्षा पर बल।

उपरोक्त तथ्यों के बावजूद संयुक्त राष्ट्र में कुछ राष्ट्रों का निरन्तर दबदबा बना रहता है। चाहे वो सुरक्षा परिषद् के आकार को न बढ़ाने का निर्णय हो अथवा सुरक्षा परिषद् में वीटो का प्रयोग हो, ये कुछ तथ्य हैं जो संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं के लोकतांत्रिक होने पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं।

समकालीन विश्व में सुरक्षा

- ★ सुरक्षा का अर्थ है मानव जीवन में व्याप्त खतरों को दूर करना ताकि मनुष्य शांतिपूर्ण जीवनयापन कर सकें।
- ★ सुरक्षा की विभिन्न धारणाओं को दो भागों में रखा गया है - पारम्परिक व अपारम्परिक।
- ★ पारम्परिक अवधारणा के दो भाग हैं - बाहरी व आन्तरिक।
- ★ बाहरी सुरक्षा की पारम्परिक अवधारणा के अन्तर्गत -
 - खतरे का स्रोत कोई दूसरा, मुल्क होता है जो सैन्य हमले की धमकी देकर सम्प्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखण्डता जैसे किसी देश के केन्द्रीय मूल्यों के लिए खतरा पैदा करता है।
 - सुरक्षा नीति का सम्बन्ध युद्ध की आशंका को रोकने में होता है। जिसे अपरोध कहा जाता है।
 - देश शक्ति संतुलन अपने पक्ष में रखने के लिए सैन्य शक्ति के साथ आर्थिक व प्रौद्योगिक ताकत बढ़ाने में लगे रहते हैं।
 - किसी देश अथवा गठबंधन की तुलना में अपनी ताकत का असर बढ़ाने के लिये देश गठबंधन बनाते हैं। गठबंधन राष्ट्रीय हितों पर आधारित होते हैं। राष्ट्रीय हित बदलने पर गठबंधन भी बदल जाते हैं।
- ★ सुरक्षा के पारम्परिक तरीके हैं - निशस्त्रीकरण, अस्त्र नियंत्रण तथा विश्वास की बहाली।
- ★ पारम्परिक सुरक्षा की आन्तरिक अवधारणा के अन्तर्गत देश के अन्दर आन्तरिक शान्ति और कानून व्यवस्था आती है। एशिया एवं अफ्रीका के नव स्वतंत्र देशों के सामने-आन्तरिक सैन्य संघर्ष, अलगाववादी आन्दोलन और गृहयुद्ध की समस्याएँ रही हैं।
- ★ सुरक्षा की अपारम्परिक धारणा सैन्य खतरों के साथ-साथ मानव अस्तित्व पर

-
- आने वाले खतरों से सम्बद्ध है।
- ★ सुरक्षा की अपारम्परिक धारणा के अन्तर्गत मानवीय अस्तित्व पर चोट करने वाले व्यापक खतरों और आशंकाओं को शामिल किया जाता है जैसे - अकाल, महामारी, वैश्विक तापवृद्धि व आतंकवाद आदि।
 - ★ सुरक्षा की अपारम्परिक धारणा के दो पक्ष हैं - मानवता की सुरक्षा व विश्व सुरक्षा।
 - ★ सुरक्षा की अपारम्परिक धारणा के अन्तर्गत विश्व की सुरक्षा के समक्ष प्रमुख प्रमुख खतरे हैं क) आतंकवाद ख) मानव अधिकार ग) वैश्विक निर्धनता घ) शरणार्थियों की समस्या ड) बीमारियाँ जैसे- एड्स, बर्ड फ्लू एवं सार्स (सीवियर एक्ज्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम - SARS)
 - ★ सहयोग मूलक सुरक्षा की अवधारणा अपारम्परिक खतरों से निपटने के लिए सैन्य संघर्ष के बजाए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग से रणनीतियाँ तैयार करने पर बल देती हैं। यद्यपि अन्तिम उपाय के रूप में बल प्रयोग किया जा सकता है।
 - ★ सहयोग मूलक सुरक्षा में विभिन्न देशों के अतिरिक्त अन्तर्राष्ट्रीय संगठन (संयुक्त राष्ट्र संघ, विश्व बैंक आदि), स्वयंसेवी संगठन (रेडक्रास, एमनेस्टी इण्टरनेशनल आदि), व्यावसायिक संगठन व प्रसिद्ध हस्तियाँ (जैसे नेल्सन मंडेला, मदर टेरेसा आदि) शामिल हो सकती हैं।
 - ★ भारत की सुरक्षा रणनीति के चार घटक हैं -
 - क) अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत करना।
 - ख) अन्तर्राष्ट्रीय नियमों व संस्थाओं को मजबूत करना।
 - ग) देश की आन्तरिक सुरक्षा समस्याओं को निबटने की तैयारी।
 - घ) अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना।

एक अंकीय प्रश्न :-

1. सुरक्षा से क्या अभिप्राय है ?
2. अपरोध किसे कहते हैं ?
3. NPT का शब्द विस्तार लिखिए।

-
4. साल्ट SALT का शब्द विस्तार लिखिए।
 5. स्टार्ट START का शब्द विस्तार लिखिए।
 6. उत्तरी गोलार्द्ध व दक्षिणी गोलार्द्ध के देशों में प्रमुख अंतर क्या है ?
 7. निशस्त्रीकरण से सम्बन्धित कोई एक संधि का उदाहरण दीजिए।
 8. अस्त्र नियंत्रण से सम्बन्धित कोई एक संधि का उदाहरण दीजिए।

द्विअंकीय प्रश्न :-

1. पारम्परिक सुरक्षा से क्या अभिप्राय है ?
2. आतंकवाद से क्या तात्पर्य है ?
3. शक्ति संतुलन से आप क्या समझते हैं ?
4. विश्व की सुरक्षा के खतरे के दो नए स्रोत बताइए।
5. सहयोगमूलक सुरक्षा से क्या तात्पर्य है ?
6. आन्तरिक रूप से विस्थापित जन से क्या तात्पर्य है ? किसी एक उदाहरण से स्पष्ट कीजिए।
7. किन्हीं दो आतंकवादी संगठनों के नाम लिखिए।
8. अप्रवासी व शरणार्थी में क्या अंतर है ?

चार अंकीय प्रश्न :-

1. भारत की सुरक्षा रणनीति के प्रमुख घटकों का उल्लेख कीजिए ?
2. वैश्विक निर्धनता किस प्रकार मानवता के लिए एक गम्भीर खतरा है ?
3. किन्हीं दो सुरक्षा के पारम्परिक तरीके को उदाहरण सहित बताइए।
4. शक्ति संतुलन क्या है ? कोई देश इसे कैसे कायम करता है ?
5. मिलान कीजिए -

शरणार्थी	—	सैन्य शक्ति के संदर्भ में बाहरी व आन्तरिक खतरों से सुरक्षा
आन्तरिक विस्थापित जन	—	दलाई लामा
परम्परागत सुरक्षा	—	कश्मीरी पंडित
गैर परम्परागत सुरक्षा	—	मानव सुरक्षा व विश्व सुरक्षा।

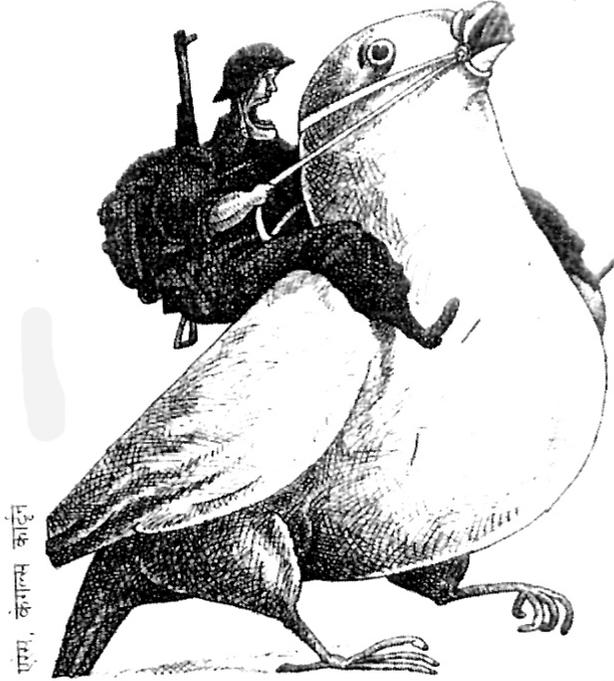
पाँच अंकीय प्रश्न :-

1. चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए एवं निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।



- क) इस कार्टून में किस देश को दर्शाया गया है ?
- ख) इस कार्टून में क्या विरोधाभास दिखाया गया है ?
- ग) क्या हमारे देश की स्थिति इस देश के समान ही है ?

2. चित्र का अध्ययन करके दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -



- क) चित्र में दर्शाया गया कबूतर किस बात का प्रतीक है ?
ख) सैनिक कबूतर की सवारी कर क्या संदेश दे रहा है ?
ग) शांति सेना का उद्देश्य क्या है ? भारत ने किस देश में शान्ति सेना भेजी थी ?

3. नीचे दिए गए अवतरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

“सिर्फ राज्य ही नहीं व्यक्तियों और समुदायों या कहें कि समूची मानवता को सुरक्षा की जरूरत है। यद्यपि इस बात पर मतभेद है कि ठीक-ठाक ऐसे कौन से खतरे हैं, जिनसे व्यक्तियों को बचाया जाना चाहिए। संकीर्ण अर्थों में व्यक्तियों और समुदायों को खून-खराबे से बचाना मानवता की सुरक्षा है, जबकि व्यापक अर्थों में यह ‘अभाव से मुक्ति’ और ‘भय से मुक्ति है।”

-
- 1) लेखक सुरक्षा की किस अवधारणा को इंगित कर रहा है ? 1
 - 2) सुरक्षा से क्या तात्पर्य है ? 2
 - 3) मानवता की सुरक्षा के समक्ष किन्हीं चार खतरों के नाम लिखिए। 2

छः अंकीय प्रश्न :-

1. बाह्य सुरक्षा की पारम्परिक धारणा में क्या अभिप्राय है ? इस प्रकार की सुरक्षा के किन्हीं दो तत्वों का वर्णन कीजिए।
2. आन्तरिक व बाह्य सुरक्षा की पारम्परिक धारणाओं से क्या अभिप्राय है ?
3. देश के सामने फिलहाल जो खतरे मौजूद हैं उनमें परमाण्विक हथियार का सुरक्षा अथवा अपरोध के लिए बड़ा सीमित उपयोग रह गया है। इस कथन का विस्तार करें।
4. भारतीय परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए किस किस्म की सुरक्षा को वरीयता दी जानी चाहिए - पारम्परिक या अपारम्परिक ? अपने तर्क की पुष्टि में आप कौन से उदाहरण देंगे ?

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. खतरे से आजादी
2. युद्ध की आशंका को रोकना।
3. परमाणु अप्रसार संधि (Nuclear Nonproliferation Treaty)
4. स्ट्रेटिजिक आर्म्स लिमिटेशन ट्रीटी
5. स्ट्रेटिजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी
6. उत्तरी गोलार्ध के अधिकतर देश विकसित हैं जबकि दक्षिणी गोलार्ध के अधिकतर देश विकासशील अथवा अल्प विकसित।
7. 1972 की जैविक हथियार संधि
8. 1972 की एंटी बैलेस्टिक मिसाइल संधि।

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. सैनिक हमले जिसका स्रोत कोई दूसरा देश होता है, जो सैनिक हमले की

-
- धमकी देकर किसी देश के केन्द्रीय मूल्यों जैसे सम्प्रभुता, स्वतंत्रता एवं क्षेत्रीय अखण्डता आदि के लिए खतरा पैदा करता है।
2. इसका आशय राजनीतिक खून खराबे से है जो जानबूझकर व बिना किसी कारण निर्दोषों को निशाना बनाता है।
 3. शक्ति संतुलन वह व्यवस्था है, जिसमें निरन्तर प्रयास रहता है कि कोई देश शक्तिशाली बन वर्तमान संतुलन को बिगाड़ न दे।
 4. मानवाधिकार, आतंकवाद, वैश्विक निर्धनता आदि कोई दो।
 5. अपारम्परिक खतरों से निपटने के लिए सैन्य संघर्ष के बजाए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग से रणनीति तैयार करना।
 6. वे प्रवासी जो अपना घर छोड़कर अपने ही देश की सीमाओं में रहते हैं 'आन्तरिक विस्थापित जन' कहलाते हैं। जैसे - जम्मू-कश्मीर राज्य से कश्मीरी पंडित, जो देश के अन्य भागों में रहने को विवश हैं।
 7. अलकायदा, हिजबुल मुजाहिदीन, आई.एस.आई.एस. आदि (कोई दो)
 8. आप्रवासी अपनी मर्जी से स्वदेश छोड़ते हैं जबकि शरणार्थी युद्ध, प्राकृतिक आपदा अथवा राजनीतिक उत्पीड़न के कारण स्वदेश छोड़ने पर मजबूर होते हैं।

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. क) सैन्य क्षमता मजबूत करना
ख) अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं का सम्मान
ग) आन्तरिक सुरक्षा समस्या से निपटना
घ) आर्थिक मजबूती
2. क) आर्थिक असमानता ख) अप्रवास ग) शरणार्थी आदि प्रमुख कारक (विस्तारपूर्वक)
3. निशस्त्रीकरण - 1992 की रासायनिक हथियार संधि
अस्त्र नियंत्रण - 1972 की एंटी बैलेस्टिक मिसाइल संधि
विश्वास की बहाली - एक दूसरे देश में सूचनाओं का आदान-प्रदान (कोई दो)

-
4. शक्ति संतुलन वह व्यवस्था है जिसमें निरन्तर प्रयास रहता है कि कोई देश शक्तिशाली बनकर वर्तमान संतुलन को बिगाड़ न दे।
- ★ अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाकर
 - ★ आर्थिक और प्रौद्योगिकी की ताकत बढ़ाकर
5. शरणार्थी — दलाईलामा
 परम्परागत सुरक्षा — सैन्य शक्ति के संदर्भ में बाहरी व आन्तरिक खतरों से सुरक्षा।
 गैर परम्परागत सुरक्षा — मानव सुरक्षा व विश्व सुरक्षा
 आन्तरिक विस्थापितजन — कश्मीरी पंडित

पाँच अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. क) अमेरिका
 ख) सुरक्षा पर भारी भरकम खर्च जबकि शान्ति से जुड़े मामलों पर कम खर्च।
 ग) बिल्कुल नहीं। हमारा रक्षा खर्च बहुत कम है, अमेरिका की तुलना में।
2. क) शान्ति का
 ख) शान्ति सेना।
 ग) शान्ति सेना का उद्देश्य किसी देश की कानून व्यवस्था में स्थिरता लाना होता है। श्रीलंका, काँगो आदि देशों में।
3. क) सुरक्षा की अपारम्परिक अवधारणा
 ख) खतरे से आजादी
 ग) गरीबी, बीमारियाँ, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद आदि।

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

- 1 ★ बाह्य सुरक्षा की पारम्परिक धारणा :
 किसी देश को सबसे बड़ा खतरा सैन्य खतरा माना जाता है।
 ★ बाह्य सुरक्षा के तत्व :
 1) बाहरी आक्रमण के विरुद्ध अपनी रक्षा करना अथवा उसे रोकना।
 2) युद्ध को टालना।
 3) शक्ति संतुलन / गठबंधन बनाना।

2. **आन्तरिक सुरक्षा की पारम्परिक धारणा :-**

पारम्परिक सुरक्षा की अवधारणा आन्तरिक सुरक्षा से जुड़ी हुई है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद पृथ्वी पर सर्वाधिक शक्तिशाली देशों की आन्तरिक सुरक्षा कमोवेश सुनिश्चित थी। 1945 के बाद अमरीका व सोवियत संघ में एकता दिखाई देती थी और वे अपनी सीमाओं में शान्ति की अपेक्षा कर सकते थे। यूरोप में अधिकांश शक्तिशाली देशों के समक्ष अपनी सीमाओं में कोई चुनौती नहीं थी।

बाह्य सुरक्षा की पारम्परिक धारणा -

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद का समय शीतयुद्ध का समय था, जिसमें अमरीका के नेतृत्व में पश्चिमी गठबंधन के सामने सोवियत संघके नेतृत्व में पूर्वी गठबंधन था। दोनों को एक दूसरे से सैनिक आक्रमण का खतरा था। कुछ यूरोपीय शक्तियों को अपने उपनिवेशों में स्वतंत्रता की माँग करने वाले लोगों की हिंसा के प्रति चिन्ता थी।

3. ★ नित नये खतरे विश्व के समक्ष आ रहे हैं जैसे - वैश्विक तापवृद्धि, महामारियाँ, गरीबी आदि।
- ★ आकाल, महामारियाँ व प्राकृतिक आपदाएं से मरने वालों की संख्या युद्ध, आतंकवाद से मरने वालों की तुलना में अधिक है।
- ★ परमाणु हथियार अकाल, महामारियाँ व प्राकृतिक आपदाओं को रोकने में सक्षम नहीं हैं।
4. भारतीय संदर्भ में दोनों ही खतरे समान रूप से गम्भीर हैं।
- ★ भारत को 1947-48, 1965, 1971 व 1999 में पाकिस्तान के हमले का सामना करना पड़ा जबकि 1962 में चीन ने भारत पर हमला किया।
- ★ कश्मीर व पूर्वोत्तर के राज्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमावर्ती होने के कारण अति संवेदनशील हैं।
- ★ भारत अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं की मजबूती व वैश्विक सहयोग का पक्षधर है।
- ★ गरीबी, कुपोषण, महामारियाँ व आतंकवाद आदि से भारत जूझ रहा है।

पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन

- ★ पर्यावरण :- परि (ऊपरी) + आवरण (वह आवरण जो बनस्पति तथा जीव जन्तुओं को ऊपर से ढके हुए है।
प्राकृतिक संसाधन - प्रकृति से प्राप्त मनुष्य के उपयोग के साधन।
- ★ वर्तमान वैश्विक राजनीति में पर्यावरण का हास एक गंभीर समस्या एवं चिन्तन का विषय बनकर उभरा है, जिसका मुख्य कारण कृषि भूमि की कमी, चारागाह एवं मत्स्य भंडार का अपक्षय, जलीय प्रदूषण एवं जल की कमी, वनों की कटाई जिसके कारण समाप्त होती जैव विविधता, ओजोन परत की हानि तथा समुद्र तटीय इलाकों में बढ़ता प्रदूषण है।
- ★ पर्यावरण के हास एवं प्राकृतिक विनाश से संबंधित समस्या सर्वप्रथम एक विद्वत् समूह - 'क्लब और रोम' ने 1972 में लिमिट्स-टू-ग्रोथ नामक प्रकाशित एक पुस्तक में प्रकट की।
- ★ संयुक्त राष्ट्र संघ पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) सहित अनेक अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों ने पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं पर सम्मेलन कराये, और इस विषय पर अध्ययन को बढ़ावा देना शुरू किया।
- ★ पृथ्वी सम्मेलन (Earth Summit) - 1992 में संयुक्त राष्ट्र संघ का पर्यावरण और विकास के मुद्दे पर केन्द्रित सम्मेलन ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में हुआ। इसे पृथ्वी सम्मेलन अथवा रियो सम्मेलन भी कहा जाता है।
- ★ पृथ्वी सम्मेलन में उत्तरी गोलार्द्ध (विकसित) देशों की चिन्ता का मुख्य विषय जहाँ ओजोन परत का क्षय एवं वैश्विक ताप (Global Warming) था, वहीं दक्षिणी गोलार्द्ध (विकासशील) देशों की चिन्ता का मुख्य विषय यह था कि अपना विकास तथा पर्यावरण सुरक्षा के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाये।

-
- ★ रियो सम्मेलन में विकास के कुछ तौर-तरीके सुझाए गए जिसे “एजेण्डा-21 कहा गया। इसके अन्तर्गत ‘टिकाऊ विकास’ की प्रक्रिया ऐसी हो जिससे पर्यावरण को कोई क्षति न पहुँचे तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए भी संसाधन बचे रहे।
 - ★ सांझी संपदा :- सांझी संपदा उन संसाधनों को कहते हैं जिन पर किसी एक का नहीं बल्कि पूरे समुदाय का अधिकार होता है। जैसे संयुक्त परिवार का चूल्हा, चारागाह, मैदान, कुआँ या नदी। इसी तरह विश्व के कुछ हिस्से हैं जिन पर किसी एक देश का अधिकार नहीं है बल्कि उनका प्रबंधन साझे तौर पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा किया जाता है। इन्हें ‘वैश्विक संपदा’ या ‘मानवता की सांझी विरासत’ कहा जाता है। इसमें पृथ्वी का वायुमंडल अंटार्कटिका, समुद्री सतह और बाहरी अंतरिक्ष शामिल है इस दिशा में कुछ महत्वपूर्ण समझौते जैसे अंटार्कटिका संधि (1959) मांट्रियल न्यायाचार (1987) और अंटार्कटिका पर्यावरणीय न्यायाचार (1991) हो चुके हैं।
 - ★ वैश्विक सांझी संपदा की सुरक्षा को लेकर भी विकसित एवं विकासशील देशों का मत भिन्न है। विकसित देश इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सभी देशों में बराबर बाँटने के पक्ष में है। परन्तु विकासशील देश दो आधारों पर विकसित देशों की इस नीति का विरोध करते हैं, पहला यह कि सांझी संपदा को प्रदूषित करने में विकसित देशों की भूमिका अधिक है दूसरा यह कि विकासशील देश अभी विकास की प्रक्रिया में हैं। अतः सांझी संपदा की सुरक्षा के संबंध में विकसित देशों की जिम्मेदारी भी अधिक होनी चाहिए तथा विकासशील देशों की जिम्मेदारी कम की जानी चाहिए।
 - ★ सांझी संपदा की सुरक्षा के संबंध में तीन प्रयास अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किये गये हैं :-
 - 1) रियो घोषणा पत्र (1992) - धरती की परिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए विभिन्न देश आपस में सहयोग करेंगे।
 - 2) UNFCCC (1992) - इस संधि को स्वीकार करने वाले देश अपनी क्षमता के अनुरूप पर्यावरण अपक्षय में अपनी हिस्सेदारी के आधार पर सांझी परंतु अलग-अलग जिम्मेदारियाँ निभाते हुए पर्यावरण की सुरक्षा करेंगे।

-
- 3) क्योटो प्रोटोकॉल (1997):- इसके अंतर्गत औद्योगिक देशों के लिए ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।
- ★ भारत ने भी पर्यावरण सुरक्षा के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपना योगदान दिया है :-
- 1) 2002 क्योटो प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर एवं उसका अनुमोदन।
 - 2) 2005 में जी-8 देशों की बैठक में विकसित देशों द्वारा की जा रही ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी पर जोर।
 - 3) नेशनल ऑटो-फ्यूल पॉलिसी के अंतर्गत वाहनों में स्वच्छ ईंधन का प्रयोग।
 - 4) 2001 में उर्जा संरक्षण अधिनियम पारित किया।
 - 5) 2003 में बिजली अधिनियम में नवीकरणीय उर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया गया।
 - 6) भारत में बायोडीजल से संबंधित एक राष्ट्रीय मिशन पर कार्य चल रहा है।
 - 7) भारत SAARC के मंच पर सभी राष्ट्रों द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा पर एक राय बनाना चाहता है।
 - 8) भारत में पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए 2010 में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (NGT) की स्थापना की गई।
 - 9) भारत विश्व का पहला देश है जहाँ अक्षय उर्जा के विकास के लिए अलग मन्त्रालय है।
 - 10) कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन में प्रति व्यक्ति कम योगदान (अमेरिका 16 टन, जापान 8 टन, चीन 06 टन तथा भारत 01.38 टन।
- ★ पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर विभिन्न देशों की सरकारों के अतिरिक्त विभिन्न भागों में सक्रिय पर्यावरणीय कार्यकलाओं ने अन्तर्राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तर पर कई आंदोलन किये हैं जैसे :-
- 1) दक्षिणी देशों मैक्सिको, चिले, ब्राजील, मलेशिया, इण्डोनेशिया, अफ्रीका और भारत के वन आंदोलन।
 - 2) ऑस्ट्रेलिया में खनिज उद्योगों के विरोध में आन्दोलन।

-
- 3) थाइलैण्ड, दक्षिण-अफ्रीका, इण्डोनेशिया, चीन तथा भारत में बड़े बाँधों के विरोध में आंदोलन जिनमें भारत का नर्मदा बचाओ आंदोलन प्रसिद्ध है।
- ★ संसाधनों की भू-राजनीति :- यूरोपीय देशों के विस्तार का मुख्य कारण अधीन देशों का आर्थिक शोषण रहा है। जिस देश के पास जितने संसाधन हों उसकी अर्थव्यवस्था उतनी ही मजबूत होगी।
- 1) इमारती लकड़ी :- पश्चिम के देशों ने जलपोतो के निर्माण के लिए दूसरे देशों के वनों पर कब्जा किया ताकि उनकी नौसेना मजबूत हो और विदेश व्यापार बढ़े।
- 2) तेल भण्डार :- विश्व युद्ध के बाद उन देशों का महत्व बढ़ा जिनके पास यूरेनियम और तेल जैसे संसाधन थे। विकसित देशों ने तेल की निर्बाध आपूर्ति के लिए समुद्री मार्गों पर सेना तैनात की।
- 3) जल :- पानी के नियन्त्रण एवं बँटवारे को लेकर लड़ाईयाँ हुईं। जार्डन नदी के पानी के लिए चार राज्य दावेदार हैं इजराइल, जार्डन, सीरिया एवं लेबनान।
- ★ मूलवासी :- संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1982 में ऐसे लोगों को मूलवासी बताया जो मौजूदा देश में बहुत दिनों से रहते चले आ रहे थे तथा बाद में दूसरी संस्कृति या जातियों ने उन्हें अपने अधीन बना लिया, भारत में 'मूलवासी' के लिए जनजाति या आदिवासी शब्द का प्रयोग किया जाता है 1975 में मूलवासियों का संगठन World Council of Indigeneous People बना।
- ★ मूलवासियों की मुख्य माँग यह है कि इन्हें अपनी स्वतंत्र पहचान रखने वाला समुदाय माना जाए, दूसरे आजादी के बाद से चली आ रही परियोजनाओं के कारण इनके विस्थापन एवं विकास की समस्या पर भी ध्यान दिया जाए।

एक अंक वाले प्रश्न :-

1. "रियो सम्मेलन" कब हुआ ?
2. "वैश्विक साझी संपदा" से क्या अभिप्राय है ?
3. "क्योटो प्रोटोकॉल" क्या है ?

-
4. वैश्विक ताप वृद्धि (ग्लोबल वार्मिंग) किसे कहते हैं ?
 5. 'मूल वासी' किसे कहते हैं ?
 6. UNFCCC का पूर्ण रूप लिखें।
 7. UNEP का पूर्ण रूप बतायें।
 8. विश्व जलवायु के सम्बन्ध में अंटार्कटिका महाद्वीप की क्या भूमिका है ?
 9. उन दो देशों के नाम बताओ, जिनको क्योटो प्रोटोकॉल की बाध्यताओं से अलग रखा गया।
 10. वायुमण्डल में ग्रीन हाऊस गैस बढ़ने से क्या प्रभाव होता है ?
 11. जलवायु परिवर्तन और विश्व की तापवृद्धि का क्या कारण है ?
 12. विश्व का पहला बाँध विरोधी आन्दोलन कहा हुआ था ?
 13. भारत में मूलवासी किस नाम से जाने जाते हैं ?
 14. अंटार्कटिका किस देश के अधीन है ?
 15. प्रदूषण किसे कहते हैं ?
 16. वैश्विक तापवृद्धि को प्रभावित करने वाली गैसों के नाम लिखिये।

दो अंक वाले प्रश्न :-

1. धारणीय या टिकाऊ विकास से क्या अभिप्राय है ?
2. 'एजेण्डा-21' क्या है ?
3. रियो सम्मेलन के किन्हीं दो परिणामों का उल्लेख कीजिए।
4. उत्तर-दक्षिण विभेद क्या है ?
5. भारत और चीन को क्योटो प्रोटोकॉल की बाध्यताओं से छूट देने का क्या कारण था ?
6. पर्यावरण की कृषि सम्बन्धी दो समस्या क्या हैं ?
7. किन दो देशों ने अंटार्कटिका पर अपना दावा पेश किया ?
8. समुद्र तटीय क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ने के क्या कारण हैं ?
9. धरती के ऊपरी वायुमंडल में क्या परिवर्तन आ रहे हैं ?
10. मूलवासियों के अस्तित्व को सबसे बड़ा खतरा क्या है ?

-
11. पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं का अध्ययन राजनीति विज्ञान में किसलिए किया जाता है ?
 12. विश्व की सांझी सम्पदा के आकार में निरन्तर कमी के कोई दो कारण लिखिये।
 13. भारत के दो बांध विरोधी आन्दोलन बताइये।
 14. भारत में मूलवासियों के हितों के लिए क्या उपाय किये गये ?

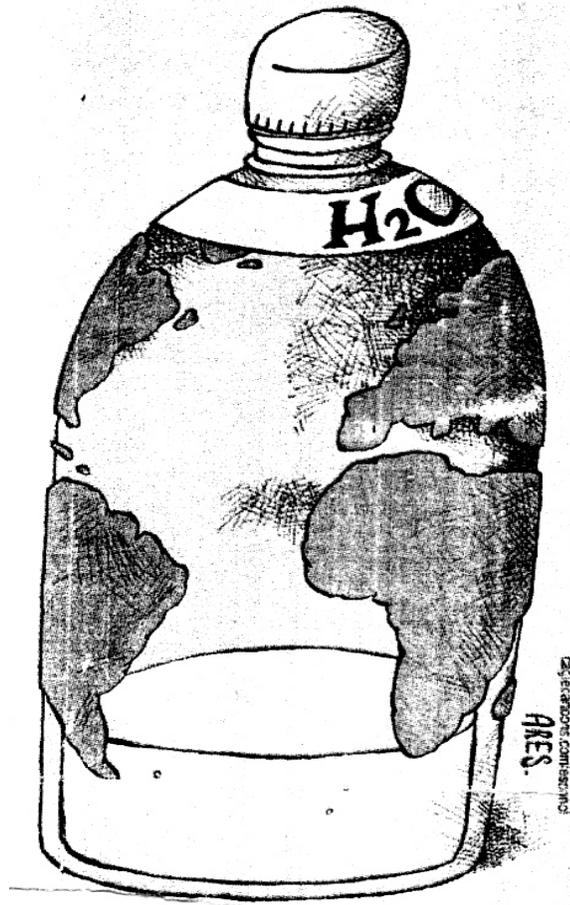
चार अंकीय प्रश्न :-

1. बाँध विरोधी आन्दोलनों की प्रमुख चिन्तार्यें किन मुद्दों पर रही ?
2. विश्व में उभरे पर्यावरण आन्दोलन के कोई चार कारण लिखिये।
3. विश्व की सांझी विरासत का क्या अर्थ है ? इसका दोहन और प्रदूषण कैसे होता है।
4. सांझी संपदा की सुरक्षा के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किये गये प्रयासों की विवेचना कीजिए।
5. पर्यावरण संरक्षण के सन्दर्भों में सांझी जिम्मेदारी लेकिन अलग-अलग भूमिका के विषय में भारतीय दृष्टिकोण क्या है ?
6. प्राकृतिक वनों का क्या महत्व है ?
7. पर्यावरण आन्दोलन एक या अनेक को स्पष्ट कीजिए।
8. मूलवासी कौन है ? उनके अधिकारों पर टिप्पणी कीजिए।
9. टिकाऊ विकास क्या है ? इसको कैसे लागू किया जा सकता है ?
10. 'रियो सम्मेलन' की व्याख्या कीजिए।

पांच अंको वाले प्रश्न :-

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
“विश्व के कुछ भागों में साफ पानी की कमी हो रही है। साझे जल संसाधन को लेकर पैदा मतभेद 21वीं सदी में फसाद की जड़ साबित होगी। इस जीवनदायी संसाधन को लेकर हिंसक संघर्ष होने की सम्भावना है”
 - 1) विश्व के कुछ भागों में साफ पानी की कमी क्यों है ?
 - 2) साझे संसाधन से आपका क्या अभिप्राय है ?

3) दो जीवनदायी संसाधनों के नाम लिखिए।



2. दिये गये कार्टून को देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।
- 1) पृथ्वी पर पानी की मात्रा ज्यादा होने के बावजूद कार्टून में पानी के विस्तार को कम क्यों दिखाया गया है ?
 - 2) पानी विश्व राजनीति का मुद्दा किस प्रकार है ?
 - 3) ऐसे कोई दो देशों के नाम बताइये जहाँ पानी के लिए संघर्ष हुआ।



3. दिये गये कार्टून को देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
 - 1) धनी देश गरीब देशों के पुनः निर्माण के बदले क्या मांग रहे है ?
 - 2) बीसवीं सदी की अर्थव्यवस्था किस संसाधन पर आधारित है ?
 - 3) वर्तमान समय में वैश्विक राजनीतिक संघर्ष का क्या कारण है ?
 - 4) विश्व के किन भागों में तेल के भण्डार है ?



नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

श्रेणी के देशों को इंगित करते हैं ?

प्रयत्न करने के लिए विभिन्न देशों की भागीदारी
किस प्रकार से प्रयास किये गये।

भारत और गरीब देशों के नजरिए में क्या अंतर

राष्ट्रीय स्तर पर किये गये प्रयासों की विवेचना

भारत द्वारा उठाए गए कदमों की विवेचना

की चिन्ता अपरिहार्य है। स्पष्ट करें

-
4. विश्व में पर्यावरण प्रदूषण के क्या कारण हैं और इसका संरक्षण कैसे किया जा सकता है? विचार प्रकट करें।
 5. “सांझी जिम्मेदारी लेकिन अलग-अलग भूमिकाएँ से क्या अभिप्राय है? हम इस विचार को कैसे लागू कर सकते हैं?”
 6. पृथ्वी को बचाने के लिए जरूरी है कि विभिन्न देश सुलह और सहकार की नीति अपनाएँ, पर्यावरण के सवाल पर उत्तरी और दक्षिणी देशों के बीच जारी वार्ताओं की रोशनी में इस कथन की पुष्टि करें।

एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तर:-

1. 1992 में
2. वैश्विक साझी संपदा उन संसाधनों को कहते हैं, जिन पर किसी एक का नहीं बल्कि पूरे वैश्विक समुदाय का अधिकार होता है।
3. क्योटो प्रोटोकॉल जापान के शहर में हुए एक समझौते का नाम है जिसमें ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन की कमी के लक्ष्य निर्धारित किए गए।
4. पर्यावरण प्रदूषण से विश्व के बढ़ते तापमान को ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं।
5. मूलवासी ऐसे लोगों के वंशज हैं जो किसी स्थान पर आदिकाल से रहते आ रहे हैं।
6. यूनाइटेड नेशन फ्रेमवर्क कन्वेंशन फॉर क्लाइमेट चेंज।
7. यूनाइटेड नेशन इनवायरमेंट प्रोग्राम।
8. विश्व जलवायु को सन्तुलित रखता है।
9. चीन और भारत।
10. ग्रीन हाऊस गैसें ओजोन परत को नुकसान पहुँचाती हैं।
11. बढ़ता औद्योगिकरण
12. 1980 के दशक में ऑस्ट्रेलिया में फ्रैंकलीन नदी पर इसके वन को बचाने के लिए।
13. अनुसूचित जनजाति या आदिवासी।
14. यह विश्व की साझी संपदा है यह किसी के अधीन नहीं।
15. वह तत्व है जो पर्यावरण को हानि पहुँचाता है।

16. कार्बन डाईऑक्साइड, मिथेन, हाइड्रो-फ्लोरो कार्बन, नाईट्रोऑक्साईड आदि।

दो अंको वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. विकास का वो पैमाना जिससे पर्यावरण को क्षति न पहुँचे तथा संसाधन आने वाली पीढ़ियों के लिए भी बचे रहे, टिकाऊ विकास कहलाता है।
2. रियो सम्मेलन में विकास के कुछ तौर-तरीके सिखाये गये इसे ही एजेण्डा-21 कहा गया।
3. 1) ग्लोबल वार्मिंग मुख्य चिन्ता के विषय के रूप में उभरा।
2) टिकाऊ विकास पर जोर।
4. उत्तर (विकसित) तथा दक्षिण (विकासशील) दोनों ही राष्ट्रों का विकास का पैमाने में अन्तर है। वहीं जहाँ विकसित देश यह मानते हैं कि पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेदारी सबकी बराबर है वहीं विकासशील देशों का मानना है कि चूँकि इसको प्रदूषित विकसित देशों ने ज्यादा किया है तो इसकी जिम्मेदारी भी उनकी ज्यादा होनी चाहिए।
5. क्योंकि ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन में इनका योगदान अधिक नहीं था।
6. 1) कृषि योग्य भूमि में कमी।
2) भूमि की उर्वराशक्ति में कमी।
7. ब्रिटेन, अर्जेटिना, चिली, नार्वे, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड।
8. ए) तटीय इलाकों में सघन बसावट।
बी) तटीय जमीनी क्रियाकलाप।
9. ओजोन परत में छेद जिसके कारण मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को खतरा हुआ।
10. जंगल गायब हो रहे हैं तथा वन्य जीवन जन्तुओं की संख्या घट रही है।
11. राजनीतिक सत्ता बल प्रयोग कर उन लोगों को दण्ड दे सकती है जो प्रदूषण फैलाते हैं।
12. अंधाधुंध दोहन, बढ़ती जनसंख्या
13. नर्मदा बचाओ आन्दोलन, टिहरी आन्दोलन।
14. 1) संवैधानिक सुरक्षा (विशेष प्रावधान)

2) आरक्षण।

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1.
 - 1) नदियों को बचाना
 - 2) नदियों एवं उनकी घाटियों का ज्यादा टिकाऊ एवं न्याय संगत प्रबंधन।
 - 3) वनों को बचाना।
 - 4) विस्थापन की समस्या
 - 5) प्राकृतिक सन्तुलन के लिए।

2.
 - 1) विकासशील देशों में वनों की तीव्र कटाई
 - 2) जैव विविधता को खतरा।
 - 3) कम्पनियों द्वारा संसाधनों का स्वार्थपूर्ण दोहन।
 - 4) बहुउद्देशीय परियोजनाओं का दुष्परिणाम।

3. ऐसी संपदा जिस पर किसी एक व्यक्ति या समुदाय का अधिकार नहीं वरन् संपूर्ण वैश्विक समुदाय का अधिकार हो, वैश्विक साझी संपदा कहलाती है।
— दोहन एवं प्रदूषण के कारण :-
 - 1) निजीकरण
 - 2) गहनतर खेती
 - 3) आबादी की वृद्धि
 - 4) परिस्थितिकी तंत्र की गिरावट।
 - 5) कार्बन गैसों का अत्याधिक उत्सर्जन।

4. स्मरणीय बिन्दु देखें।
5. भारत का विचार है कि ग्रीन हाऊस गैसों की उत्सर्जन दर में कमी करने की अधिक जिम्मेदारी विकसित देशों की है, क्योंकि इन देशों ने लम्बी अवधि तक इन गैसों का ज्यादा उत्सर्जन किया है तथा विलासिता एवं आवश्यकता में

-
- अन्तर होना चाहिए।
6. 1) जलवायु सन्तुलन 2) जलचक्र सन्तुलन
3) जैव विविधता बरकरार 4) धरती बंजर होने से बचाव।
 7. स्मरणीय बिन्दु देखें।
 8. स्मरणीय बिन्दु देखें।
 9. 1) अपरिग्रह की भावना (आवश्यकताओं में कमी)
2) आवश्यकता अनुसार उत्पादन करना।
3) प्राकृतिक सह अस्तित्व।
4) प्राकृतिक साधनों का उचित एवं पूर्ण प्रयोग।
 10. स्मरणीय बिन्दु देखें।

पांच अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. 1) विश्व के हर भाग में साफ पानी समान मात्रा में उपलब्ध नहीं है।
2) प्रकृति की वह वस्तु जिस पर सबका समान अधिकार हों
3) जल और वायु।
2. 1) क्योंकि विश्व में स्वच्छ पानी की कमी हो रही है।
2) क्योंकि पानी एक साझा संसाधन है।
3) इजरायल, जार्डन, सीरिया।
3. 1) पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक संसाधन।
2) पेट्रोलियम तेल पर।
3) तेल।
4) पश्चिम एशिया और मध्य एशिया।
4. 1) उत्तरी गोलार्द्ध (विकसित) तथा दक्षिणी गोलार्द्ध (विकासशील) देशों के।
2) रियो घोषणा पत्र (1992), UNFCCC (1992), क्योटो प्रोटोकॉल (1997)।
3) जहाँ धनी देशों का मानना है कि पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर सभी देश की जिम्मेदारी बराबर होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर विकासशील अर्थात् निर्धन

देशों का मानना है कि पर्यावरण को प्रदूषित करने में भूमिका विकसित देशों की ज्यादा, अतः जिम्मेवारी भी विकसित देशों की सुनिश्चित की जानी चाहिए।

छ: अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. स्मरणीय बिन्दु देखें।
2. स्मरणीय बिन्दु देखें।
3. निम्न कारणों से वैश्विक राजनीति में पर्यावरण की चिन्ता अपरिहार्य है :-
 - 1) बढ़ता प्रदूषण 2) ओजोन परत में छेद 3) स्वच्छ पेयजल की कमी।
 - 4) जैव विविधता को खतरा 5) उपजाऊ जमीन, मत्स्य भंडार, चारगाह का तेजी से घटना 6) जल चक्र गड़बड़ाने का खतरा 7) प्राकृतिक संसाधनों का दोहन 8) जनसंख्या विस्फोट।
4. विश्व में पर्यावरण प्रदूषण के उत्तरदायी कारक :-
 - 1) जनसंख्या वृद्धि 2) वनों की कटाई 3) उपभोक्ता वादी संस्कृति को बढ़ावा 4) संसाधनों का अत्याधिक दोहन 5) औद्योगिकीकरण को बढ़ावा।
 - 6) परिवहन के अत्यधिक साधन।

संरक्षण के उपाय :- 1) जनसंख्या नियंत्रण 2) वन संरक्षण
3) पर्यावरण मित्र तकनीक का प्रयोग 4) प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित प्रयोग। 5) परिवहन के सार्वजनिक साधनों का प्रयोग 6) जन जागरूकता कार्यक्रम 7) अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग।

5. “साझी जिम्मेदारी भूमिकाएँ अलग-अलग :- स्मरणीय बिन्दु देखें।
विचार को लागू करने के उपाय :-
 - 1) पर्यावरण संरक्षण हेतु अंतर्राष्ट्रीय कानून विकासशील देशों के अनुकूल हो।
 - 2) पर्यावरण संरक्षण हेतु संयुक्त कोष।
 - 3) व्यक्तिगत, क्षेत्रीय, राजकीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास।

-
- 4) साझी संपदा तथा संसाधनों पर अनुसंधान कार्य।
- 6
- 1) पर्यावरण के मसले पर सभी देशों की बराबर भागीदारी होनी चाहिए।
 - 2) UNFCCC के तहत विकासशील देशों को गैस उत्सर्जन कम करने की बाध्यता से मुक्त रखा जाये।
 - 3) संयुक्त राष्ट्र संघ के अंतर्गत एक मंच पर सभी राष्ट्रों द्वारा संयुक्त प्रयास किया जाये।

वैश्वीकरण

स्मरणीय बिन्दु :-

- ★ वैश्वीकरण का अर्थ है वस्तुओं, पूँजी, श्रम और विचारों का विश्व के एक हिस्से से दूसरे अन्य हिस्से में मुक्त प्रवाह।
- ★ वैश्वीकरण को भूमण्डलीयकरण भी कहते हैं और यह एक बहुआयामी अवधारणा है। यह न तो केवल आर्थिक परिघटना है और न ही सिर्फ सांस्कृतिक या राजनीतिक परिघटना।
- ★ वैश्वीकरण के कारण :-
 - 1) उन्नत प्रौद्योगिकी एवं विश्वव्यापी पारस्परिक जुड़ाव जिस कारण आज विश्व एक वैश्विक ग्राम बन गया है।
 - 2) टेलीग्राफ, टेलीफोन, माइक्रोचिप, इंटरनेट एवं अन्य सूचना तकनीकी साधनों ने विश्व के विभिन्न भागों के बीच संचार की क्रांति कर दिखाई है।
 - 3) पर्यावरण की वैश्विक समस्याओं जैसे सुनामी, जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापवृद्धि से निपटने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग।
- ★ **वैश्वीकरण की विशेषताएँ :-**
 - 1) पूँजी, श्रम, वस्तु एवं विचारों का गतिशील एवं मुक्त प्रवाह।
 - 2) पूँजीवादी व्यवस्था, खुलेपन एवं विश्व व्यापार में वृद्धि।
 - 3) देशों के बीच आपसी जुड़ाव एवं अन्तः निर्भरता।
 - 4) विभिन्न आर्थिक घटनाएँ जैसे मंदी और तेजी तथा महामारियों जैसे एंथ्रेक्स, इबोला, HIV AIDS, स्वाइन फ्लू जैसे मामलों में वैश्विक सहयोग एवं प्रभाव।
- ★ **वैश्वीकरण के उदाहरण :-**
 - विभिन्न विदेशी वस्तुओं की भारत में उपलब्धता।

-
- युवाओं को कैरियर के विभिन्न नए अवसरों का मिलना।
 - किसी भारतीय का अमेरिकी कैलेंडर एवं समयानुसार सेवा प्रदान करना।
 - फसल के खराब हो जाने से कुछ किसानों द्वारा आत्म-हत्या कर लेना।
 - अनेक खुदरा (रिटेल) व्यापारियों को डर है कि रिटेल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) लागू होने से बड़ी रिटेल कम्पनियाँ आयेंगी और उनका रोजगार छिन जायेगा।
 - लोगों के बीच आर्थिक असमानता में वृद्धि।
ये उदाहरण सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रकृति के हो सकते हैं।
 - ★ वैश्वीकरण के प्रभाव मुख्यतः तीन प्रकार के हैं राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक।
 - ★ वैश्वीकरण के राजनीतिक प्रभाव।
 - 1) वैश्वीकरण से राज्य की क्षमता में कमी आई है। राज्य अब कुछेक मुख्य कार्यों जैसे क़ूनन व्यवस्था बनाना तथा सुरक्षा तक ही सीमित है। अब बाजार आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं का मुख्य निर्धारक है।
 - 2) राज्य की प्रधानता बरकरार है तथा उसे वैश्वीकरण से कोई खास चुनौती नहीं मिल रही।
 - 3) इस पहलू के अनुसार वैश्वीकरण के कारण अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के बूते राज्य अपने नागरिकों के बारे में सूचनाएँ जुटा सकते हैं और कारगर ढंग से कार्य कर सकते हैं। अतः राज्य अधिक ताकतवर हुए हैं।
 - ★ **वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव :-**
 - 1) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्वबैंक एवं विश्व व्यापार संगठन जैसे - अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा आर्थिक नीतियों का निर्माण। इन संस्थाओं में धनी, प्रभावशाली एवं विकसित देशों का प्रभुत्व।
 - 2) आयात प्रतिबंधों में अत्यधिक कमी।
 - 3) पूंजी के प्रवाह से पूंजीवादी देशों को लाभ परन्तु श्रम के निर्बाध प्रवाह न होने के कारण विकासशील देशों को कम लाभ।
 - 4) विकसित देशों द्वारा वीजा नीति द्वारा लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध।

5) वैश्वीकरण के कारण सरकारें अपने सामाजिक सरोकारों से मुंह मोड़ रही है उसके लिए सामाजिक सुरक्षा कवच की आवश्यकता है।

★ वैश्वीकरण के आलोचक कहते हैं कि इससे समाजों में आर्थिक असमानता बढ़ रही है।

वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभाव

- 1) सांस्कृतिक समरूपता द्वारा विश्व में पश्चिमी संस्कृतियों को बढ़ावा।
- 2) खाने-पीने एवं पहनावे में विकल्पों की संख्या में वृद्धि।
- 3) लोगों में सांस्कृतिक परिवर्तनों पर दुविधा।
- 4) संस्कृतियों की मौलिकता पर बुरा असर।
- 5) सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण जिसमें प्रत्येक संस्कृति कहीं ज्यादा अलग और विशिष्ट हो रही है।

★ भारत और वैश्वीकरण :-

- आजादी के बाद भारत ने संरक्षणवाद की नीति अपनाकर अपने घरेलू उत्पादों पर जोर दिया ताकि भारत आत्मनिर्भर रहे।
- 1991 में लागू नई आर्थिक नीति द्वारा भारत वैश्वीकरण के लिए तैयार हुआ और खुलेपन की नीति अपनाई।
- आज वैश्वीकरण के कारण भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.5 प्रतिशत वार्षिक की दर से बढ़ रही है। जो 1990 में 5.5 प्रतिशत वार्षिक थी।
- भारत के अनिवासी भारतीय विदेशों में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं।
- भारत के लोग कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर में अपना वर्चस्व स्थापित करने में कामयाब रहे हैं।
- आज भारतीय लोग वैश्विक स्तर पर उच्च पदों पर आसीन होने में सफल हुए हैं।

★ वैश्वीकरण का विरोध :-

- वामपंथी विचारक इसके विभिन्न पक्षों की आलोचना करते हैं।

-
- राजनीतिक अर्थों में उन्हें राज्य के कमजोर होने की चिंता है।
 - आर्थिक क्षेत्र में वे कम से कम कुछ क्षेत्रों में आर्थिक निर्भरता एवं संरक्षणवाद का दौर कायम करना चाहते हैं।
 - सांस्कृतिक संदर्भ में इनकी चिंता है कि परंपरागत संस्कृति को हानि होगी और लोग अपने सदियों पुराने जीवन मूल्य तथा तौर तरीकों से हाथ धो देंगे।
 - वर्ल्ड सोशल फोरम (WSF) नव उदारवादी वैश्वीकरण के विरोध का एक विश्वव्यापी मंच है इसके तहत मानवाधिकार कार्यकर्ता, पर्यावरणवादी मजदूर, युवा और महिला कार्यकर्ता आते हैं।
 - 1999 में सिएटल में विश्व व्यापार संगठन की मंत्री-स्तरीय बैठक का विरोध हुआ जिसका कारण आर्थिक रूप से ताकतवर देशों द्वारा व्यापार के अनुचित तौर-तरीकों के विरोध में हुआ।

1 अंकीय प्रश्न :-

1. वैश्वीकरण क्या है ?
2. वैश्वीकरण का एक सकारात्मक प्रभाव लिखो ?
3. भारत ने नई आर्थिक नीति कब अपनाई ?
4. WSF का शब्द विस्तार लिखो।
5. नीली जींस का विश्वभर में प्रचलन वैश्वीकरण का कौन सा प्रभाव है ?
6. वामपंथी दल वैश्वीकरण के किस प्रभाव की अधिक आलोचना करते हैं ?
7. विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था किस देश की है ?
8. भारतीय अर्थव्यवस्था में 1990 में आर्थिक वृद्धि दर क्या थी ?

दो अंकीय प्रश्न :-

1. सामाजिक सुरक्षा कवच से आप क्या समझते हो ?
2. कोई दो महत्वपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थानों के नाम लिखो।
3. संचार के क्षेत्र में तीन क्रांतिकारी साधनों के नाम लिखो।
4. वैश्वीकरण में किसका मुक्त प्रवाह होता है ?

5. विकसित देशों की वीजा नीति क्या है, बताइए ?
6. संरक्षणवाद क्या है ?
7. वैश्वीकरण के दो नकारात्मक प्रभाव बताइएँ ?
8. मैकडोनाल्डीकरण का क्या अर्थ है ?
9. वर्ल्ड सोशल फोरम के तहत कौन-कौन से समूह वैश्वीकरण का विरोध कर रहे हैं ?
10. विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वैश्वीकरण पर क्या प्रभाव पड़ा ?

4 अंकीय प्रश्न :-

1. वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव बताइएँ ?
2. सांस्कृतिक समरूपता एवं सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण में अंतर स्पष्ट करो।
3. वैश्वीकरण का भारत पर क्या प्रभाव पड़ा ? स्पष्ट करो।
4. वैश्वीकरण के विरोध और इस बारे में बनी राजनीतिक सहमति पर भारत के परिपेक्ष्य में चर्चा करो।
5. वैश्वीकरण की कोई चार विशेषताएँ बताइए।
6. वैश्वीकरण के कारण राज्य की क्षमता में कमी आती है, समझाइये।
7. विश्वव्यापी “पारस्परिक जुड़ाव” क्या है ? इसके कौन कौन से घटक हैं ?

5 अंकीय प्रश्न :-

1.



-
- 1) दिए गए कार्टून में कल और आज से कार्टूनिस्ट का क्या अर्थ है ? 1
 - 2) “चीन और भारत के लोग तुम्हारी नौकरी खा जायेंगे” इस वाक्य का क्या अर्थ है ? 2
 - 3) इस कार्टून के संदर्भ में आऊटसोर्सिंग का अर्थ स्पष्ट करो ? 2

2. निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ?
 भारत में वैश्वीकरण का विरोध कई इलाकों से हो रहा है। आर्थिक वैश्वीकरण के खिलाफ वामपंथी तेवर की आवाजें राजनीतिक दलों की तरफ से उठी हैं। तो इंडियन सोशल फोरम जैसे मंचों से भी। औद्योगिक श्रमिक और किसानों के संगठनों ने बहुराष्ट्रीय नियमों के प्रवेश का विरोध किया है। कुछ वनस्पतियों मसलन ‘नीम’ को अमेरिकी और यूरोपीय फर्मों ने पेटेंट कराने के प्रयास किए। इसका भी कड़ा विरोध हुआ।

- 1) वामपंथी राजनीतिक दलों ने वैश्वीकरण का विरोध क्यों किया ? 2
- 2) इंडियन सोशल फोरम जैसा वैश्विक संगठन कौन सा है ? 1
- 3) पेटेंट से आप क्या समझते हो ? 2

6 अंकीय प्रश्न :-

1. वैश्वीकरण ने भारत को कैसे प्रभावित किया है और भारत कैसे वैश्वीकरण को प्रभावित कर रहा है ?
2. क्या आप इस तर्क से सहमत हैं कि वैश्वीकरण से सांस्कृतिक विभिन्नता बढ़ रही है ?
3. वैश्वीकरण के मुख्यता तीन प्रकार कौन से हैं ? विवेचना करो ?

1 अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. वस्तुओं, पूँजी, श्रम एवं विचारों का एक देश से अन्यो में मुक्त प्रवाह वैश्वीकरण कहलाता है।
2. कम्पनियों में प्रतियोगिता का भाव होने से ग्राहक को उन्नत वस्तु कम मूल्य पर

मिलना तथा वस्तुओं में चुनाव के अधिक विकल्पों की मौजूदगी।

3. 1991 में
4. विश्व सामाजिक फोरम (World Social Forum)
5. सांस्कृतिक प्रभाव।
6. आर्थिक प्रभाव।
7. अमेरिका।
8. 5.5 प्रतिशत वार्षिक।

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, साफ-सफाई एवं नौकरी की सुविधा सरकार द्वारा उपलब्ध करवाना सामाजिक सुरक्षा कवच कहलाता है।
2. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और विश्व व्यापार संगठन आदि।
3. टेलीग्राफ, टेलीफोन और माइक्रोचिप।
4. पूंजी, विचार, वस्तु एवं श्रम का मुक्त प्रवाह।
5. विकासशील देशों के लोगों को वीजा देने के नियमों में सख्ती ताकि अधिक संख्या में आकर लोग विकसित देशों में नौकरियाँ न हासिल कर ले।
6. 1991 से पहले अपने घरेलू उत्पादों को बचाने एवं एकाधिकार बनाएँ रखने हेतु विदेशी कम्पनियों पर प्रतिबंध लगाना संरक्षणवाद कहलाता है।
7. सरकार ने गरीबों एवं वंचितों के कल्याण कार्यों से अपने हाथ खींच लिए।
— विकासशील देशों की संस्कृतियों का पश्चिमीकरण।
8. इसमें विभिन्न देशों की संस्कृति पर पश्चिमी संस्कृति हावी हो जाती है।
9. मानवाधिकार कार्यकर्ता, पर्यावरणविद्, महिलाएँ एवं मजदूर।
10. इसके विकास के कारण विश्व में पारस्परिक जुड़ाव एवं पारस्परिक निर्भरता बढ़ी।

4 अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

- 1 - समान व्यापारिक तथा श्रम कानूनों द्वारा संतुलित आर्थिक विकास।
- पश्चिमी देशों द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के नियमों का निर्धारण।

-
- बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से घरेलू एवं लघु उद्योगों को नुकसान।
 - प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI), विनिवेश जैसे आर्थिक सुधारों का पूरे विश्व में लागू होना।
2. सांस्कृतिक समरूपता का अर्थ है पश्चिमी संस्कृति का पूरे विश्व में फैलना ताकि वह एक वैश्विक संस्कृति का रूप ले सके।
 - सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण में विभिन्न संस्कृतियाँ दूसरी संस्कृतियों की अच्छी बातों को अपनी संस्कृति में शामिल करती है जिस कारण प्रत्येक संस्कृति अनूठी बन रही है।
 3. तीव्र आर्थिक विकास, नये अवसरों की उपलब्धता, घरेलू उद्योगों में नई चुनौतियों का उभार, विश्व राजनीति में भारत का महत्वपूर्ण स्थान।
 4. - 1991 में शुरू हुए आर्थिक सुधारों का वामपंथी एवं दक्षिणपंथी विचारधारा वाले दलों द्वारा विरोध करना।
 - वामपंथी दलों ने राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पक्ष पर अधिक विरोध किया।
- राजनीतिक सहमति :-** 1991 के बाद चाहे किसी भी दल का शासन हो।
- आर्थिक सुधार,** उदारीकरण व खुलेपन की नीति बिना रुकावट जारी है।
5. - उदार पूंजीवादी व्यवस्था को बढ़ावा।
 - आपसी जुड़ाव से हितों में समानता।
 - आपसी जुड़ाव से संस्कृतियों में अन्तः क्रिया।
 - प्रवाह में गतिशीलता।
 6. - कल्याणकारी राज्य का स्थान उदारवादी राज्य ने लिया।
 - अहस्तक्षेप की नीति से राज्य के कार्य क्षेत्र में कमी।
 - राज्य का मुख्य कार्य सुरक्षा, कानून व्यवस्था और विदेशी संबंधों तक सीमित।
 - आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं का प्रमुख निर्धारक बाजार है न कि राज्य।
 7. - विश्व के सभी देश सूचना एवं संचार तंत्र के विकास द्वारा नजदीक हुए।

-
- पारस्परिक निर्भरता एवं पारस्परिक सहयोग।
 - घटक * इंटरनेट, टेलीफोन, टेलीग्राफ, माइक्रोचिप इत्यादि।

5 अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1.
 - 1) कल का अर्थ वैश्वीकरण से पूर्व तथा आज का अर्थ वैश्वीकरण के बाद की वर्तमान स्थिति।
 - 2) वैश्वीकरण के कारण भारत और चीन के लोगों द्वारा विकसित देशों में नौकरी के अवसरों को प्राप्त करना जिस कारण विकसित देशों में बेरोजगारी का स्तर बढ़ा।
 - 3) आऊटसोर्सिंग का अर्थ है किसी कार्य का ठेका अन्य कम्पनी को देना। इसका मुख्य कारण कीमत में कमी तथा वस्तु की गुणवत्ता में मानक का इस्तेमाल।
2.
 - 1) क्योंकि वैश्वीकरण पूंजीवाद का प्रसार है और वामपंथी विचारधारा पूंजीवाद के खिलाफ।
 - 2) विश्व सोशल फोरम (WSF)
 - 3) बौद्धिक सम्पदा अधिकार जिसमें कोई खोज, नवाचार इत्यादि को अपने नाम पर रजिस्टर्ड करवाना, पेटेंट कहलाता है।

6 अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. वैश्वीकरण का भारत पर प्रभाव
 - * तीव्र आर्थिक विकास
 - * विश्व राजनीति में भारत का महत्वपूर्ण स्थान
 - * नये अवसरों की उपलब्धता।
 - * मजदूरों एवं किसानों की स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव
 - * घरेलू उद्योगों में नई चुनौतियों का उभार
 - * सांस्कृतिक वैभिन्नीकरण।
- भारत द्वारा वैश्वीकरण को प्रभावित करना।

-
- ★ सस्ते श्रम की बदौलत भारतीय कम्पनियों को Out-sourcing द्वारा अधिक काम।
 - ★ अत्यधिक युवा जनसंख्या एवं क्रय शक्ति में वृद्धि द्वारा विकसित देशों में भारत के प्रति आकर्षण।
 - ★ कम्प्यूटर एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से विकास कर अपना प्रभुत्व जमाना।

2. हाँ

- विभिन्न संस्कृतियों का मेल-जोल।
- विभिन्न देशों द्वारा अन्य देशों के त्यौहारों का आनंद उठाना।
- विभिन्न खान-पान की वस्तुओं द्वारा खाने में विकल्पों में बढ़ोत्तरी।
- नीली जींस तथा खादी कुर्ते का संयोग। आदि।

3.

- आर्थिक प्रभाव
- राजनीतिक प्रभाव
- सांस्कृतिक प्रभाव

राजनीति विज्ञान

कक्षा - बारहवीं

स्वतंत्र भारत में राजनीति

द्वितीय पुस्तक

भाग - 2

राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ

स्मरणीय बिन्दु :-

- ★ 14-15 अगस्त सन 1947 की मध्यरात्रि को हिन्दुस्तान आजाद हुआ। संविधान सभा के विशेष सत्र में प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 'भाग्यवधु से चिर-प्रतीक्षित भेंट या 'ट्रिस्ट विद् डेस्टिनी' के नाम से भाषण दिया।
- ★ आजादी की लड़ाई के समय दो बातों पर सबकी सहमति थी।
 - 1) आजादी के बाद देश का शासन लोकतांत्रिक पद्धति से चलाया जायेगा।
 - 2) सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए कार्य करेगी।
- ★ नए राष्ट्र की चुनौतियाँ :-

मुख्य तौर पर भारत के सामने तीन तरह की चुनौतियाँ थी।

 1. **एकता एवं अखडता की चुनौती -**

भारत अपने आकार और विविधता में किसी महादेश के बराबर था। यहाँ विभिन्न भाषा, संस्कृति और धर्मों के अनुयायी रहते थे, इन सभी को एकजुट करने की चुनौती थी।
 2. **लोकतंत्र की स्थापना -**

भारत ने संसदीय शासन पर आधारित प्रतिनिधित्वमूलक लोकतंत्र को अपनाया है। और भारतीय संविधान में प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकार तथा मतदान का अधिकार दिया गया है।
 3. **समानता पर आधारित विकास -**

ऐसा विकास जिससे सम्पूर्ण समाज का कल्याण हो, न कि किसी एक वर्ग का अर्थात् सभी के साथ समानता का व्यवहार किया जाए और सामाजिक रूप से वंचित वर्गों तथा धार्मिक सांस्कृतिक अल्पसंख्यक समुदायों को विशेष सुरक्षा दी जाए।

विभाजन :-

मुस्लिम लीग ने 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' को अपनाने के लिए तर्क दिया कि भारत किसी एक कौम का नहीं, अपितु 'हिन्दु और मुसलमान' नाम की दो कौमों का देश है। और इसी कारण मुस्लिम लीग ने मुसलमानों के लिए एक अलग देश यानी पाकिस्तान की माँग की।

- भारत के विभाजन का आधार धार्मिक बहुसंख्या को बनाया गया। जिसके कारण कई प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न हुईं जिनका विवरण निम्नलिखित है।
- क) मुसलमानों की जनसंख्या के आधार पर पाकिस्तान में दो इलाके शामिल होंगे पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान और इनके मध्य में भारतीय भू-भाग का बड़ा विस्तार रहेगा।
- ख) मुस्लिम-बहुल प्रत्येक इलाका पाकिस्तान में जाने को राजी नहीं था। पश्चिमोत्तर सीमाप्रांत के नेता खान-अब्दुल गफ्फार ख़ाँ जिन्हें 'सीमांत गांधी' के नाम से जाना जाता है, वह 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' के एकदम खिलाफ थे।
- ग) 'ब्रिटिश इंडिया' के मुस्लिम-बहुल प्रान्त पंजाब और बंगाल में अनेक हिस्से बहुसंख्यक गैर-मुस्लिम आबादी वाले थे। ऐसे में इन प्रान्तों का बँटवारा धार्मिक बहुसंख्या के आधार पर जिले या उससे निचले स्तर के प्रशासनिक हलके को आधार बनाकर किया गया।
- घ) भारत विभाजन केवल धर्म के आधार पर हुआ था। इसलिए दोनों ओर के अल्पसंख्यक वर्ग बड़े असमंजस में थे, कि उनका क्या होगा। वह कल से पाकिस्तान के नागरिक होंगे या भारत के।
- ङ) विभाजन की समस्या :-
भारत-विभाजन की योजना में यह नहीं कहा गया कि दोनों भागों से अल्पसंख्यकों का विस्थापन भी होगा। विभाजन से पहले ही दोनों देशों के बँटने वाले इलाकों में हिन्दु-मुस्लिम दंगे भड़क उठे। पश्चिमी पंजाब में रहने वाले अल्पसंख्यक गैर मुस्लिम लोगों को अपना घर-बार, जमीन-जायदाद छोड़कर अपनी जान बचाने के लिए वहाँ से पूर्वी पंजाब या भारत आना पड़ा।

और इसी प्रकार मुसलमानों को पाकिस्तान जाना पड़ा।

- च) विभाजन की प्रक्रिया में भारत की भूमि का ही बँटवारा नहीं हुआ बल्कि भारत की सम्पदा का भी बँटवारा हुआ।
- छ) आजादी एवं विभाजन के कारण भारत को विरासत के रूप में शरणार्थियों के पुनर्वास की समस्या मिली। लोगों के पुनर्वास को बड़े ही संयम ढंग से व्यावहारिक रूप प्रदान किया। शरणार्थियों के पुनर्वास के लिए सर्वप्रथम एक पुनर्वास मंत्रालय बनाया गया।

राज्यों का गठन :-

- ★ रजवाड़ों का विलय- स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले भारत दो भागों में बँटा हुआ था- ब्रिटिश भारत एवं देशी रियासत। इन देशी रियासतों की संख्या लगभग 565 थी।
- ★ रियासतों के शासकों को मनाने-समझाने में सरदार पटेल (गृहमंत्री) ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई और अधिकतर रजवाड़ों को उन्होंने भारतीय संघ में शामिल होने के लिए राजी किया था।
- ★ देशी रियासतों के बारे में तीन अहम बातें :-
 - 1) अधिकतर रजवाड़ों के लोग भारतीय संघ में शामिल होना चाहते थे।
 - 2) भारत सरकार कुछ इलाकों को स्वायत्तता देने के लिए तैयार थी जैसे-जम्मू कश्मीर।
 - 3) विभाजन की पृष्ठभूमि में विभिन्न इलाकों के सीमांकन के सवाल पर खींचतान जोर पकड़ रही थी और ऐसे में देश की क्षेत्रीय एकता और अखण्डता का प्रश्न सबसे महत्वपूर्ण हो गया था। अधिकतर रजवाड़ों के शासकों ने भारतीय संघ में अपने विलय के एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिये थे इस सहमति पत्र को 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन' कहा जाता है।
- ★ जूनागढ़, हैदराबाद, कश्मीर और मणिपुर की रियासतों का विलय बाकी रियासतों की तुलना में थोड़ा कठिन साबित हुआ।

1) हैदराबाद का विलय :-

हैदराबाद के शासक को 'निजाम' कहा जाता था। उन्होंने भारत सरकार के साथ नवंबर 1947 में एक साल के लिए यथास्थिति बहाल रहने का समझौता किया।

कम्युनिस्ट पार्टी और हैदराबाद कांग्रेस के नेतृत्व में किसानों और महिलाओं ने निजाम के खिलाफ आंदोलन शुरू किया। इस आंदोलन को कुचलने के लिए निजाम ने एक अर्द्ध-सैनिकबल (रजाकार) को लगाया। इसके जबाब में भारत सरकार ने सितंबर 1948 को सैनिक कार्यवाही के द्वारा निजाम को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया। इस प्रकार हैदराबाद रियासत का भारतीय संघ में विलय हुआ।

2) मणिपुर रियासत का विलय :-

मणिपुर की आंतरिक स्वायत्तता बनी रहे, इसको लेकर महाराजा बोधचंद्र सिंह व भारत सरकार के बीच विलय के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर हुए।

जनता के दबाव में निर्वाचन करवाया गया इस निर्वाचन के फलस्वरूप संवैधानिक राजतंत्र कायम हुआ।

मणिपुर भारत का पहला भाग है जहाँ सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के सिद्धांत को अपनाकर जून 1948 में चुनाव हुए।

राज्यों का पुनर्गठन :-

- ★ औपनिवेशिक शासन के समय प्रांतों का गठन प्रशासनिक सुविधा के अनुसार किया गया था, लेकिन स्वतंत्र भारत में भाषाई और सांस्कृतिक बहुलता के आधार पर राज्यों के गठन की माँग हुई।
- ★ भाषा के आधार पर प्रांतों के गठन का राजनीतिक मुद्दा कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन (1920) में पहली बार शामिल किया गया था।
- ★ तेलगुभाषी, लोगों ने माँग की कि मद्रास प्रांत के तेलुगुभाषी इलाकों को अलग करके एक नया राज्य आंध्र प्रदेश बनाया जाए।

- ★ आंदोलन के दौरान कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता पोट्टी श्री रामुलू की लगभग 56 दिनों की भूख-हड़ताल के बाद मृत्यु हो गई।
- ★ इसके कारण सरकार को दिसम्बर 1952 में आंध्र प्रदेश नाम से अलग राज्य बनाने की घोषण करनी पड़ी। इस प्रकार आंध्रप्रदेश भाषा के आधार पर गठित पहला राज्य बना।

राज्य पुनर्गठन आयोग (SRC) :-

- ★ 1953 में केन्द्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के भूतपूर्व न्यायाधीश फजल अली की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया। आयोग की प्रमुख सिफारिशें :-
- 1) त्रिस्तरीय (भाग A/B/C) राज्य प्रणाली को समाप्त किया जाए।
- 2) केवल 3 केन्द्रशासित क्षेत्रों (अंडमान और निकोबार, दिल्ली, मणिपुर) को छोड़कर बाकी के केन्द्रशासित क्षेत्रों को उनके नजदीकी राज्यों में मिला दिया जाए।
- 3) राज्यों की सीमा का निर्धारण वहाँ पर बोली जाने वाली भाषा होनी चाहिए।
- ★ इस आयोग ने अपनी रिपोर्ट 1955 में प्रस्तुत की तथा इसके आधार पर संसद में राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 पारित किया गया और देश को 14 राज्यों एवं 6 संघ शासित क्षेत्रों में बाँटा गया।

क्र.स.	मूल राज्य	नए राज्य बने	वर्ष
1	बम्बई	महाराष्ट्र, गुजरात	1960
2.	असम	नागालैंड	1963
3.	वृहत्तर पंजाब	हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब	1966
4.	असम	मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा	1972
5.	असम	मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश	1987
6.	उत्तर प्रदेश	उत्तराखण्ड	2000
	बिहार	झारखंड	
	मध्य प्रदेश	छत्तीसगढ़	
7.	आंध्र प्रदेश	तेलंगाना	2014

गोवा	—	1987
सिक्किम	—	1975

- ★ संघ शासित क्षेत्र जो बाद में राज्य बने -
मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा और गोवा आदि।

एक अंकीय प्रश्न :-

1. जवाहर लाल नेहरू के किस भाषण को भाग्यवधू से 'चिर प्रतीक्षित भेंट' के नाम से जाना जाता है ?
2. आजादी के बाद भारत के सामने पहली चुनौती क्या थी ?
3. जिन्ना ने द्वि-राष्ट्र सिद्धान्त का प्रतिपादन क्यों किया था ?
4. रजवाड़ों के शासकों और भारतीय संघ के मध्य जिस सहमतिपत्र पर हस्ताक्षर हुए, उसे क्या कहा जाता है ?
5. किस राज्य में पहली बार सार्वभौम वयस्क मताधिकार के सिद्धान्त को अपनाकर चुनाव हुए।
6. किस अधिवेशन के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मान लिया कि राज्यों का पुनर्गठन भाषा के आधार पर होगा ?
7. 'स्ट्रगल फॉर सरवाइवल' (जुलाई 1953) नामक कार्टून किस माहौल को दर्शाता है ?
8. भारत में आजादी के समय रजवाड़ों की संख्या कितनी थी ?
9. आंध्र-आंदोलन के दौरान किस नेता की मृत्यु भूख-हड़ताल से हुई थी ?
10. भारत में 1956 में भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन क्यों किया गया ?

द्वि अंकीय प्रश्न :-

1. आजादी की लड़ाई के समय किन दो बातों पर सभी सहमत थे ?
2. भारत की आजादी के समय राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ी दो बाधा कौन सी थी ?
3. महात्मा गांधी के अनुसार 15 अगस्त 1947 (कल) खुशी एवं गर्मी दोनों का दिन क्यों होगा ?

4. आजादी के समय देश के पूर्वी और पश्चिमी इलाकों में राष्ट्र-निर्माण की चुनौती के लिहाज से दो मुख्य अंतर क्या थे ?
5. भारत ने स्वतंत्रता के समय किन दो चुनौतियों का सामना किया ?

चार अंकीय प्रश्न :-

1. भारत के विभाजन की प्रक्रिया की किन्ही चार समस्याओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
2. फैज अहमद कौन थे ? संक्षेप में बताएँ।
3. रजवाड़ों के सन्दर्भ में 'इंस्ट्रुमेंट ऑफ एक्सेशन' का अर्थ स्पष्ट करें।
4. आजादी के बाद राष्ट्र-निर्माण की किन चुनौतियों को सफलता पूर्वक निपटाया गया ?



पाँच अंकीय प्रश्न :-

1. पिछले पृष्ठ पर दिए गए मानचित्र को ध्यान से देखें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।
 - 1) स्वतंत्र राज्य बनने से पहले निम्नलिखित राज्य किन मूल राज्यों के अंग थे-
 - क) अरूणाचल प्रदेश
 - ख) हिमाचल प्रदेश
 - ग) मेघालय
 - घ) तेलंगाना
 - 2) देश के विभाजन से प्रभावित दो राज्यों के नाम बताएँ ?
 - 3) दो ऐसे राज्यों के नाम बताएँ जो पहले संघ-शासित राज्य थे।

2. नीचे लिखे अवतरण को पढ़िए औ इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

“आंध्र प्रदेश के गठन के साथ ही देश के दूसरे हिस्सों में भी भाषाई आधार पर राज्यों को गठित करने का संघर्ष चल पड़ा। इन संघर्षों से बाध्य होकर सरकार ने राज्य पुनर्गठन आयोग बनाया। इस आयोग की रिपोर्ट के आधार पर 1956 में राज्य पुनर्गठन इस अधिनियम पास हुआ।

 - क) भाषाई आधार पर गठित पहले राज्य का नाम बताएँ। 1
 - ख) राज्य पुनर्गठन आयोग कब और क्यों गठित किया गया ? 2
 - ग) इस आयोग की मुख्य सिफारिशें लिखिए। 2

छः अंकीय प्रश्न :-

1. राज्य पुनर्गठन आयोग क्या था ? इसकी महत्वपूर्ण सिफारिशें क्या थी ?
2. रजवाड़ों को भारतीय संघ में शामिल करने के मूल आधार क्या थे ? इस कार्य में किसने भूमिका निभाई ?
3. स्वतंत्रता के समय भारत के समक्ष आई किन्हीं तीन चुनौतियों की व्याख्या कीजिए।
4. 1947 में भारत के विभाजन के किन्हीं दो कारणों की व्याख्या कीजिए। विभाजन के किन्हीं चार प्रमुख परिणामों का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर एक अंकीय :-

1. 1947 के 14-15 अगस्त की मध्यरात्रि को हिन्दुस्तान के आजाद होने पर नेहरू जी ने संविधान सभा के जिस विशेष सत्र को सम्बोधित किया था उसे ही इस नाम से जाना जाता है।
2. देश को एकता के सूत्र में बाँधना।
3. जिन्ना ने हिन्दुओं के लिए हिन्दुस्तान तथा मुसलमानों के लिए पाकिस्तान के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए द्वि-राष्ट्र सिद्धांत का प्रतिपादन किया।
4. 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन'
5. मणिपुर
6. नागपुर अधिवेशन (1920)
7. जब भाषायी आधार पर राज्य गठित करने की माँग जोर पकड़ रही थी।
8. आजादी के समय भारत में रजवाड़ों की संख्या 565 थी।
9. पोट्टी श्रीरामलू।
10. 1) आंदोलनों का दबाव
2) विविधता बचाये रखने के लिए।

उत्तर द्वि अंकीय :-

1. 1) शासन लोकतांत्रिक पद्धति से चलाया जायेगा।
2) सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए कार्य करेगी।
2. 1) पाकिस्तान से आए शरणार्थियों की पुनर्वास संबंधी चुनौती।
2) साम्प्रदायिक एकता की चुनौती।
3. महात्मा गाँधी के अनुसार 15 अगस्त 1947 खुशी का दिन इसलिए होना था क्योंकि भारत को आजादी मिलनी थी और गम का दिन इसलिए क्योंकि भारत के विभाजन के साथ-साथ हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच दंगे भी हो रहे थे।
4. क) पूर्वी क्षेत्र में सांस्कृतिक एवं आर्थिक संतुलन की समस्या थी। परन्तु पश्चिमी क्षेत्र में विकास की चुनौती थी।
ख) पूर्वी क्षेत्र भाषायी समस्या से जूझ रहा था जबकि पश्चिमी क्षेत्र में धार्मिक एवं जातिवादी समस्याएँ अधिक थी।

उत्तर चार अंकीय :-

- 1) 1) प्रांतों का विभाजन।
2) रियासतों का विलय।
3) विस्थापितों की समस्या।
4) खाद्यान्न संकट।
2. फ़ैज अहमद वामपंथी रूझान से जुड़े हुए थे। आजादी के बाद उन्हें पाकिस्तान में रहना पड़ा। लेकिन पाक शासन-तंत्र के साथ टकराव के कारण उन्हें लम्बी अवधि तक कारावास में रहना पड़ा। 'नक्से फरियादी' 'दस्त-ए-सबा' तथा 'जिंदगीनामा' उनके प्रमुख कविता संग्रह हैं।

उत्तर पाँच अंकीय :-

1. क) मूल राज्य नये राज्य
असम अरुणाचल प्रदेश
पंजाब हिमाचल प्रदेश
असम मेघालय
आंध्रप्रदेश तेलंगाना
- ख) पंजाब व बंगाल
- ग) गोवा, मणिपुर, मिजोरम आदि।

उत्तर छः अंकीय :-

2. क) रजवाड़ों के निवासी भारतीय संघ में शामिल होना चाहते थे।
ख) भारत सरकार का दृष्टिकाण लचीला था। वह कुछ क्षेत्रों को स्वायत्तता देने को भी राजी थी।
ग) राष्ट्र विभाजन की पृष्ठभूमि में, राष्ट्र की अखंडता तथा उसकी क्षेत्रीय सीमाओं के एकीकरण का सवाल सबसे अहम था।
सरदार पटेल जिन्हें 'लौह पुरुष' कहा जाता है, ने इस कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एक दल के प्रभुत्व का दौर

स्मरणीय बिन्दु :-

- ★ भारतीय नेताओं की स्वतन्त्रता आंदोलन के समय से ही लोकतंत्र में गहरी प्रतिबद्धता (आस्था) थी। इसलिए भारत ने आजादी के बाद लोकतंत्र का रास्ता अपनाया जबकि लगभग उसी समय आजाद हुए कई देशों में अलोकतांत्रिक शासन व्यवस्था कायम हुई।
- ★ 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के समय देश में अंतरिम सरकार थी। अब संविधान के अनुसार नयी सरकार के लिए चुनाव करवाने थे। जनवरी 1950 में चुनाव आयोग का गठन किया गया। सुकुमार सेन पहले चुनाव आयुक्त बने।
- ★ **चुनाव आयोग की चुनौतियाँ :-**
 - स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवानां
 - चुनाव क्षेत्रों का सीमांकन
 - मतदाता सूची बनाने के मार्ग में बाधाएं
 - अधिकारियों और चुनावकर्मियों को प्रशिक्षित करना।
 - कम साक्षरता के चलते मतदान की विशेष पद्धति के बारे में सोचना।
- ★ अक्टूबर 1951 से फरवरी 1952 तक प्रथम आम चुनाव हुए।
- ★ पहले तीन आम चुनावों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व रहा।
- ★ भारत में एक पार्टी का प्रभुत्व (कांग्रेस का) दुनिया के अन्य देशों में एक पार्टी के प्रभुत्व से इस प्रकार भिन्न रहा।
 - बाकी देशों में एक पार्टी का प्रभुत्व लोकतंत्र की कीमत पर कायम हुआ।
 - चीन, क्यूबा और सीरिया जैसे देशों में संविधान सिर्फ एक ही पार्टी को अनुमति देता है।

-
- म्यांमार, बेलारूस और इरीट्रिया जैसे देशों में एक पार्टी का प्रभुत्व कानूनी और सैन्य उपायों से कायम हुआ।
 - भारत में एक पार्टी का प्रभुत्व लोकतंत्र एवं स्वतंत्र निष्पक्ष चुनावों के होते हुए रहा है।
- ★ कांग्रेस के प्रथम तीन आम चुनावों में वर्चस्व / प्रभुत्व के कारण :-
- स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका
 - सुसंगठित पार्टी
 - सबसे पुराना राजनीतिक दल
 - पार्टी का राष्ट्र व्यापी नेटवर्क
 - प्रसिद्ध नेता
 - सबको समेटकर मेलजोल के साथ चलने की प्रकृति।
 - भारत की चुनाव प्रणाली।
- ★ कांग्रेस की प्रकृति एक सामाजिक और विचारधारात्मक गठबंधन की है। कांग्रेस में किसान और उद्योगपति, शहर के बाशिंदे और गाँव के निवासी, मज़दूर और मालिक एवं मध्य, निम्न और उच्च वर्ग तथा जाति सबको जगह मिली। कांग्रेस ने अपने अंदर क्रांतिकारी और शांतिवादी, कंजरवेटिव और रेडिकल, गरमपंथी और नरमपंथी, दक्षिणपंथी, वामपंथी और हर धारा के मध्यमार्गियों को समाहित किया।
- ★ कांग्रेस के गठबंधनी स्वभाव ने विपक्षी दलों के सामने मुश्किल खड़ी की और कांग्रेस को असाधारण ताकत दी। चुनावी प्रतिस्पर्धा के पहले दशक में कांग्रेस ने शासक-दल की भूमिका निभायी और विपक्षी की भी। इसी कारण भारतीय राजनीति के इस कालखंड को कांग्रेस-प्रणाली कहा जाता है।

प्रमुख विपक्षी दल :-

दल का नाम	स्थापना वर्ष/ विवरण	प्रमुख नेता	प्रमुख नीतियाँ
समाजवादी दल	1934 में कांग्रेस का एक गुट तथा 1948 में कांग्रेस से अलग नया दल बना।	जय प्रकाश नारायण अशोक मेहता, एम.एन.जोशी, राम मनोहर लोहिया आदि	लोकतांत्रिक समाजवाद में विश्वास
भारतीय साम्यवादी दल	1935 में कांग्रेस में एक समूह, दिसम्बर 1941 में कांग्रेस से अलग और 1964 में चीन युद्ध के कारण विभाजन	ए.के. गोपाल, एस.ए.डोग, पी.सी.जोशी, अजय घोष ई.एम.एस. नम्बूदरीपाद आदि	उत्पादन के साधनों पर सरकार का नियंत्रण, सार्वजनिक वितरण प्रणाली मजबूत, कृषको व मजदूर हितों का समर्थन, यूएसए एवं पश्चिमी देशों का विरोध
स्वतंत्र पार्टी	अगस्त 1959	सी. राजगोपालाचारी, के. एम.मुशी, एन जी, रंगा, मीनू मसानी आदि	सरकार का कम हस्तक्षेप, मुक्त अर्थव्यवस्था मुक्त बाजार, गुट निरपेक्षता की आलोचना, यूएसए से मित्रता, तिब्बत की आजादी
भारतीय जनसंघ	1951	श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीन दयाल उपाध्याय, बलराज मधोक, अटल बिहारी वाजपेयी लाल कृष्ण आडवाणी आदि	अखण्ड भारत, एकात्मक शासन, हिन्दी राष्ट्र भाषा, अनुच्छेद 370 का विरोध, समान नागरिक संहिता, परमाणु हथियार निर्माण, सरकार का कम हस्तक्षेप (एक देश, एक संस्कृति, एक राष्ट्र)

एक अंकीय प्रश्न :-

- निम्नलिखित वाक्य को सही करके पुनः लिखिये।
“भारतीय जनसंघ की स्थापना आचार्य नरेन्द्र देव ने की थी।”
- रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।
..... लोकसभा के प्रथम चुनाव में 16 स्थान जीतकर दूसरे स्थान पर दल रहा।
- स्वतंत्रता के बाद भारत में शासन की कौन सी व्यवस्था को अपनाया गया ?
- भारत के प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल कौन बने थे ?
- भारतीय जनसंघ ने किस विचार पर जोर दिया ?
- कांग्रेस का पहले आम चुनाव में चिह्न कौन सा था ?
- भारत में एक दल का प्रभुत्व किस राजनीतिक दल से सम्बन्धित रहा ?
- “राजनीति में नायक पूजा का भाव सीधे पतन की ओर ले जाता है” यह कथन किसने कहा है ?
- प्रथम आम चुनाव के अभियान, मतदान और मतगणना में कुल कितना समय लगा ?

-
10. 1957 में किस दल की अगुवाई में केरल प्रदेश में सरकार बनी ?
 11. प्रथम आम चुनाव में दूसरे नंबर पर वोट हासिल करने के लिहाज से कौन सा राजनीतिक दल रहा ?
 12. भारतीय राजनीति के किस कालखंड को 'कांग्रेस-प्रणाली' कहा जाता है ?
 13. किस समाजवादी नेता ने अंतरिम सरकार में शामिल होने के न्यौते को अस्वीकार कर दिया था ?

दो अंकीय प्रश्न :-

1. विश्व में सर्वप्रथम कब और कहाँ साम्यवादी दल की सरकार लोकतांत्रिक चुनावों के आधार पर बनी ?
2. भारत के चुनाव आयोग का गठन कब हुआ तथा प्रथम चुनाव आयुक्त कौन बनाये गये ?
3. किस नेता ने कांग्रेस पार्टी को एक सराय कहा और क्यों ?
4. लोकतंत्र में विपक्षी दल की भूमिका का वर्णन कीजिये।
5. कौन-कौन से देश एक पार्टी के प्रभुत्व वाले देश थे ?
6. स्वतंत्र पार्टी किन बातों के विरुद्ध थी ?
7. भारत में साम्यवादी दल की फूट (विभाजन) के क्या कारण थे ?
8. एक दल के प्रभुत्व से आपका क्या अभिप्राय है ?
9. ऐसे दो राज्यों के नाम लिखो जहाँ पर सन् 1952 से 1967 के दौरान कांग्रेस सत्ता में नहीं थी और कोई ऐसे राज्य बताओ जहाँ इस अवधि में कांग्रेस का शासन था।
10. "राजनीति समस्या नहीं अपितु समस्या का समाधान है" इस कथन का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
11. पहले तीन आम चुनावों में कांग्रेस पार्टी का प्रभुत्व किस प्रकार भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित करने में सहायक रहा ?
12. 1950 के दशक में विपक्षी दलों की लोकसभा व विधानसभा में भूमिका किस प्रकार थी ?

चार अंकीय प्रश्न :-

- 1) निम्नलिखित को सुमेलित कीजिये।

ए) एस.ए. डागे	1) भारतीय जनसंघ
बी) डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी	2) भारतीय साम्यवादी दल
सी) मीनू मसानी	3) प्रजा सोशलिस्ट पार्टी
डी) अशोक मेहता	4) स्वतंत्र पार्टी
2. भारत में एक दल की प्रधानता के कारणों का वर्णन करो।
3. समय के साथ-साथ कांग्रेस की प्रकृति में क्या परिवर्तन आया ?
4. कांग्रेस किन अर्थों में एक विचारधारात्मक गठबंधन थी ? उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।
5. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कांग्रेस व विपक्षी दलों के मध्य सम्बन्धों का उल्लेख कीजिए।
6. भारतीय जनसंघ व भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की विचारधारा में क्या अंतर था ?
7. प्रथम आम चुनाव को इतिहास का सबसे बड़ा जुआ की संज्ञा देकर क्यों आशंकाए व्यक्त की गई ?

पाँच अंकीय प्रश्न:-

1. प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

प्रथम आम चुनाव 1951 के अक्टूबर से 1952 के फरवरी तक सम्पन्न हुए। चुनाव, अभियान, मतदान और मतगणना में कुल छह महीने लगे। कुल मतदाताओं में आधे से अधिक ने मतदान के दिन अपना वोट डाला। हारने वाले उम्मीदवारों ने भी इन चुनाव परिणामों को निष्पक्ष बताया। सार्वभौमिक मताधिकार के इस प्रयोग ने आलोचकों का मुँह बंद कर दिया। हिन्दुस्तान टाइम्स ने लिखा - यह बात हर जगह मानी जा रही है कि भारतीय जनता ने विश्व के इतिहास में लोकतंत्र के सबसे बड़े प्रयोग को बखूबी अंजाम दिया।

-
- 1) प्रथम आम चुनाव की प्रक्रिया में छह महीनों का वक्त क्यों लगा ?
 - 2) सार्वभौमिक मताधिकार क्या है ?
 - 3) हिन्दुस्तान टाइम्स द्वारा की गई उपरोक्त टिप्पणी का क्या आशय है ?

2. नीचे दिए गए चित्र को देखकर निम्न प्रश्नों के उत्तर दे:-

- 1) यह चित्र किससे सम्बन्धित है ?
- 2) स्वतंत्र भारत के प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल कौन थे ?
- 3) चित्र में दिखाई दे रहे किन्हीं दो बैठे तथा पंक्ति में खड़े दो व्यक्तियों को पहचानिये।



3. अगले पृष्ठ पर दिए गए चित्र को देखकर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-
- 1) रसाकशी का खेल किनके मध्य चल रहा है ?
- 2) चित्र में विपक्षी दलों की स्थिति कमजोर क्यों नज़र आ रही है ?
- 3) चित्र में दिखाई दे रहे किन्हीं चार व्यक्तियों को पहचानिए ?



छ: अंकीय प्रश्न :-

1. प्रथम आम चुनाव (1952) से चौथे आम चुनाव (1967) से पूर्व तक की राजनीतिक व्यवस्था में कांग्रेस के प्रभुत्व के कारणों का वर्णन कीजिए।
2. पार्टियों के भीतर गठबन्धन तथा पार्टियों के बीच गठबंधन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
3. भारत में राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा को सशक्त बनाने वाले कारणों की विवेचना कीजिए।
4. भारत और मैक्सिको दोनों ही देशों में एक खास समय तक एक पार्टी का प्रभुत्व रहा। मैक्सिको में स्थापित एक पार्टी का प्रभुत्व कैसे भारत के एक पार्टी के प्रभुत्व से अलग था ?

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. डा. श्यामाप्रसाद मुखर्जी
2. भारतीय साम्यवादी दल
3. लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्था
4. सी. राजगोपालाचारी

-
5. एक देश एक संस्कृति एक राष्ट्र
 6. दो बैलों की जोड़ी
 7. कांग्रेस दल
 8. बी. आर. अम्बेडकर
 9. छह महीने
 10. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
 11. समाजवादी पार्टी
 12. सन् 1950
 13. जय प्रकाश नारायण

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. 1957 में भारत के केरल राज्य में विधान सभा चुनावों में।
2. जनवरी 1950, सुकुमार सेन।
3. डा. भीम राव अम्बेडकर, क्योंकि कांग्रेस के द्वार समाज के सभी वर्गों के लिए खुले थे राष्ट्रीय आन्दोलन के समय विभिन्न वर्गों एवं समुहों को अपने दल में मिला लिया था।
- 4) ए) सरकार की नीतियों की आलोचना
बी) सरकार की निश्कुशता पर अंकुश
सी) जनता को राजनीतिक शिक्षा
5. मैक्सिको, दक्षिण कोरिया, ताईवान
6. कृषि जमीन की हद्बन्दी, सहकारी खेती और खाद्यान्न के व्यापार पर सरकार के नियन्त्रण के विरुद्ध थी।
7. 1962 के भारत-चीन युद्ध के समय, दल के एक गुट ने चीन के आक्रमण को सही माना तथा एक गुट ने इसका विरोध किया तो परिणाम स्वरूप 1964 में सीपीआई में विभाजन हुआ।
8. देश की राजनीतिक व्यवस्था पर एक राजनीतिक दल का प्रभाव व प्रधानता।
9. जम्मू कश्मीर, केरल और पंजाब, उत्तर प्रदेश।
10. समाज में साधनों का उचित बंटवारा करने के लिए राजनीति ही सबसे उचित

माध्यम है। इस प्रकार राजनीति समस्या नहीं है समस्या का समाधान प्रस्तुत करती है।

11. 1) भारत में कांग्रेस पार्टी के प्रभुत्व की प्रकृति क्यूबा और चीन जैसे देशों में एक पार्टी के प्रभुत्व से अलग थी।
2) पहले तीन आम चुनावों में कांग्रेस के प्रभुत्व के बावजूद विपक्ष की आवाज को दबाया नहीं गया, बल्कि सम्मान दिया गया।
12. 1) विपक्षी दलों ने शासन व्यवस्था के लोकतांत्रिक चरित्र को बनाए रखा।
2) इन्होंने कांग्रेस पार्टी की नीतियों व व्यवहारों की सैद्धान्तिक आलोचना की।

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. सुमेलित ए) 4, बी) 1, सी) 2, डी) 3।
2. ए) कांग्रेस को सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व प्राप्त था।
बी) लगभग सारे विपक्षी दल कांग्रेस से निकले थे।
सी) कांग्रेस व विपक्षी दलों की नीतियों में समानता थी।
डी) राज्यों में गठबन्धन सरकारों का असफल होना।
3. ए) 20वीं सदी में कांग्रेस अमीरों व व्यापारियों का दबाव समूह, जिस पर अंग्रेजी बोलने वाले उच्च वर्ग का प्रभुत्व था।
बी) गांधी के आगमन से शहरी, ग्रामीण, पूंजीपति, मजदूर और विभिन्न जातियाँ, कांग्रेस के सदस्य बने।
सी) स्वतंत्रता प्राप्ति पर कांग्रेस इन्द्र धनुष के समान विविध (वर्ग, जाति, धर्म व भाषा) प्रतिनिधि वाली पार्टी थी।
4. ए) कांग्रेस में अनेक विचारधाराओं को मानने वाले लोग शामिल थे।
उदाहरण - शान्तिवादी व क्रान्तिवादी
बी) इसमें लोग अपने गुटों में रहते हुए भी शामिल हो सकते थे।
सी) कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का गठन भी कांग्रेस के भीतर हुआ।
डी) इनका नेतृत्व किसी एक वर्ग, जाति या पेशे तक सीमित नहीं था।

-
5. ए) विपक्ष की मौजूदगी नाम मात्र की परन्तु शासन के लोकतांत्रिक चरित्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका।
बी) कांग्रेस पार्टी की नीति गत आलोचना।
सी) कांग्रेस पार्टी के अन्दर शक्ति संतुलन।
डी) सत्ता पक्ष व विपक्ष में पारस्परिक सम्मान का भाव

6. **भारतीय जनसंघ :-**

- 1) एक देश, एक संस्कृति और एक राष्ट्र का विचार।
- 2) भारतीय संस्कृति और परम्परा के आधार पर आधुनिक प्रगतिशील और ताकतवर भारत की कल्पना।
- 3) भारत व पाकिस्तान को मिलाकर अखण्ड भारत का पक्षधर
- 4) अंग्रेजी को हटाकर हिन्दी को राजभाषा बनाने के लिए आन्दोलन किया।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी:-

- 1) 1951 में हिंसक क्रान्ति का रास्ता त्यागा। आम चुनावों में भागीदारी।
- 2) 1964 में विभाजन हुआ। चीन समर्थकों ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी नाम से दल बनाया।
- 3) 1947 में सत्ता के हस्तान्तरण को सच्ची आज़ादी नहीं माना। तेलंगाना में हिंसक विद्रोह को बढ़ावा दिया।
- 4) ए. के. गोपालन, एस.ए.डॉंगे, ई.एम.एस नम्बूदरीपाद, पी.सी.जोशी आदि प्रमुख नेता। पूंजीवाद के विरोधी।

7. ए) मतदाताओं की विशाल संख्या।
बी) गरीब व निरक्षर मतदाता।
सी) चुनाव हेतु संसाधनों की कमी
डी) प्रशिक्षित चुनाव कर्मियों का अभाव।

लोकतंत्र हित में अलग-अलग विचार धाराओं को मानने वाले दल आम सहमति के मुद्दों पर मिली जुली सरकार बनाते हैं परन्तु अपने दल की नीतियाँ नहीं बदलते।

3. ए) संवैधानिक प्रावधान
बी) स्वतंत्र चुनाव आयोग
सी) स्वतंत्र प्रेस
डी) स्वतंत्र न्यायापालिका
ई) बहुदलीय व्यवस्था
एफ) दबाव एवम् हित समूह
4. ए) मैक्सिको में इंस्टीट्यूशनल रिवोल्यूशनरी पार्टी (पीआरआई) ही विजयी रही। बाकी पार्टियाँ बस नाम मात्र की थीं ताकि शासक दल को वैधता मिलती रहे।
बी) चुनाव के नियम शासक दल के अनुरूप तय किये गये।
सी) शासक दल ने चुनावों में अक्सर हेर फेर तथा धांधली की।
डी) भारत में एक दल के प्रभुत्व के पीछे कांग्रेस पार्टी को राष्ट्रीय आन्दोलन की विरासत मिलना था।
ई) कांग्रेस पार्टी का सांगठनिक ढाँचा मजबूत तथा व्यापक था।
एफ) विपक्षी दलों का संगठन कमजोर था।
जी) “सर्वाधिक मत से जीत प्रणाली” ने भी कांग्रेस पार्टी के प्रभुत्व में भूमिका निभाई थी।

नियोजित विकास की राजनीति

स्मरणीय बिन्दु :-

- ★ आजादी के बाद लगभग सभी इस बात पर सहमत थे कि भारत के विकास का अर्थ आर्थिक संवृद्धि और आर्थिक सामाजिक न्याय दोनों ही हैं।
- ★ इस बात पर भी सहमति थी कि आर्थिक विकास और सामाजिक-आर्थिक न्याय को केवल व्यवसायी, उद्योगपति व किसानों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। सरकार को प्रमुख भूमिका निभानी होगी।
- ★ आजादी के वक्त 'विकास' का पैमाना पश्चिमी देशों को माना जाता था। आधुनिक होने का अर्थ था पश्चिमी औद्योगिक देशों की तरह होना।
- ★ विकास के दो मॉडल थे पहला-उदारवादी - पूँजीवादी मॉडल तथा दूसरा-समाजवादी मॉडल। भारत ने मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल, जिसमें सार्वजनिक व निजी क्षेत्र दोनों के गुणों का समावेश था, अपनाया।
- ★ आजादी के आन्दोलन के दौरान नेताओं में सहमति बन गयी थी कि गरीबी मिटाने और सामाजिक-आर्थिक पुर्नवितरण के काम का मुख्य जिम्मा आजाद भारत की सरकार का होगा।
- ★ कृषि अथवा उद्योग किसे प्राथमिकता मिले, इस पर मतभेद थे।
- ★ 1944 में उद्योगपतियों के एक समूह ने देश में नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने का एक प्रस्ताव तैयार किया। इसे बाम्बे प्लान कहा जाता है। बाम्बे प्लान की मंशा थी कि सरकार औद्योगिक तथा अन्य आर्थिक निवेश के क्षेत्र में बड़े कदम उठाए।
- ★ योजना आयोग की स्थापना मार्च, 1950 में भारत सरकार के एक प्रस्ताव द्वारा की गई। प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष बने।
- ★ सोवियत संघ की तरह भारत के योजना आयोग ने भी पंचवर्षीय योजनाओं का रास्ता चुना।

-
- ★ पंचवर्षीय योजना से तात्पर्य था कि अगले पाँच सालों के लिए सरकार की आमदनी और खर्च की योजना होगी।
 - ★ प्रथम पंचवर्षीय योजना (1951-56) में ज्यादा जोर कृषिक्षेत्र पर था। इसी योजना के अन्तर्गत बाँध और सिंचाई के क्षेत्र में निवेश किया गया। भागड़ा-नांगल परियोजना इनमे से एक थी।
 - ★ द्वितीय पंचवर्षीय योजना (1956-61) में उद्योगों के विकास पर जोर दिया गया। सरकार ने देसी उद्योगों को संरक्षण देने के लिए आयात पर भारी शुल्क लगाया। इस योजना के योजनाकार पी.सी. महालनोबीस थे।
 - ★ विकास का केरल मॉडल - केरल में विकास और नियोजन के लिए अपनाए गए इस मॉडल में शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमि सुधार, कारगर खाद्य-वितरण और गरीबी उन्मूलन पर जोर दिया जाता रहा है।
 - ★ जे.सी. कुमारप्पा जैसे गाँधीवादी अर्थशास्त्रीयों ने विकास की वैकल्पिक योजना प्रस्तुत की, जिसमें ग्रामीण औद्योगीकरण पर ज्यादा जोर था।
 - ★ चौधरी चरण सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था के नियोजन में कृषि को केन्द्र में रखने की बात प्रभावशाली तरीके से उठायी।
 - ★ भूमि सुधार के अन्तर्गत जमींदारी प्रथा की समाप्ति, जमीन के छोटे छोटे टुकड़ों को एक साथ करना (चकबंदी) और जो काश्तकार किसी दूसरे की जमीन बटाई पर जोत-बो रहे थे, उन्हें कानूनी सुरक्षा प्रदान करने व भूमि स्वामित्व सीमा कानून का निर्माण जैसे कदम उठाए गए।
 - ★ 1960 के दशक में सूखा व अकाल के कारण कृषि की दशा बंद से बंदतर हो गयी। खाद्य संकट के कारण गेहूँ का आयात करना पड़ा।

हरित क्रांति

- ★ सरकार ने खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए एक नई रणनीति अपनाई, जो कि हरित क्रान्ति के नाम से जानी जाती है। अब उन इलाकों पर ज्यादा संसाधन लगाने का निर्णय किया, जहाँ सिंचाई सुविधा मौजूद थी, तथा किसान समृद्ध थे।
- ★ सरकार ने उच्च गुणवत्ता के बीज, उर्वरक, कीटनाशक और बेहतर सिंचाई

सुविधा बड़े अनुदानित मूल्य पर मुहैया कराना शुरू किया। उपज को एक निर्धारित मूल्य पर खरीदने की गारन्टी दी। इन संयुक्त प्रयासों को ही हरित क्रान्ति कहा गया। भारत में हरित क्रान्ति के जनक एम.एस.स्वामीनाथन को कहा जाता है।

- ★ इसके कारण गेहूँ की पैदावार में बढ़ोत्तरी हुई व पंजाब हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे इलाके समृद्ध हुए।
- ★ इसका नकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि क्षेत्रीय व सामाजिक असमानता बढ़ी।
- ★ हरित क्रान्ति के कारण गरीब किसान व बड़े भूस्वामी के बीच अंतर बढ़ा जिससे वामपंथी संगठनों का उभार हुआ। मध्यम श्रेणी के भू-स्वामित्व वाले किसानों का उभार हुआ।

श्वेत क्रान्ति :-

- ★ 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर वर्गीज कुरियन ने गुजरात सहकारी दुग्ध एवं विपरण परिसंघ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 'अमूल' की शुरूआत की। इसमें गुजरात के 25 लाख दूध उत्पादक जुड़े। इस मॉडल के विस्तार को ही श्वेत क्रान्ति कहा गया।
- ★ प्रमुख कृषि क्रान्ति व उनके उद्देश्य -

हरित क्रान्ति	—	खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना
श्वेत क्रान्ति	—	दुग्ध उत्पादन बढ़ाना
पीली क्रान्ति	—	तिलहन उत्पादन बढ़ाना।
नील क्रान्ति	—	मत्स्य उत्पादन बढ़ाना।
- ★ पंचवर्षीय योजनाएँ :-

पंचवर्षीय योजनाएं	अवधि	उद्देश्य
प्रथम	1951-56	कृषि विकास
द्वितीय	1956-61	औद्योगिक विकास
तृतीय	1961-66	खाद्यान्न आत्मनिर्भरता, बेरोजगारी उन्मूलन
चौथी	1969-74	उत्पादन वृद्धि, आर्थिक स्थिरता

पांचवी	1974-79	आत्मनिर्भरता, निर्धनता दूर करना।
छठी	1980-85	उर्जा संसाधन विकास, कमजोर वर्ग की हित पूर्ति
सातवीं	1985-90	खाद्य उत्पादन, आधुनिकीकरण, ग्रामीण विकास
आठवीं	1992-97	रोजगार, स्वास्थ्य, साक्षरता
नौवीं	1997-2002	सामाजिक न्याय, 6.5 प्रतिशत आर्थिक विकास
दसवीं	2002-2007	सामाजिक-औद्योगिक विकास तथा 7 प्रतिशत आर्थिक विकास
ग्यारहवीं	2007-2012	उर्जा, रोजगार, 9 प्रतिशत विकास
बारहवीं	2012-2017	8 प्रतिशत आर्थिक विकास

- ★ 01 जनवरी 2015 से योजना आयोग के स्थान पर नीति (NITI) आयोग अस्तित्व में आया है। जिसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं व उपाध्यक्ष अरविन्द्र पनगढ़िया हैं। नीति (NITI) का शब्द विस्तार है - National Institute for Transforming India.

एक अंकीय प्रश्न :-

1. द्वितीय पंचवर्षीय योजना का खाका किसने तैयार किया ?
2. 'इकॉनोमी ऑफ परमानेंस' के लेखक कौन थे ?
3. भारत में नियोजित विकास का प्रमुख लक्ष्य क्या था ?
4. जोनिंग शब्द से क्या अभिप्राय है ?
5. उड़ीसा में किस धातु के विशाल भण्डार उपलब्ध थे ?
6. स्वतंत्रता के समय भारत के नीति-निर्माता किस मॉडल से प्रभावित थे ?
7. मिल्क मेन ऑफ इंडिया के नाम से किसे जाना जाता है ?
8. इलाकाबंदी (जोनिंग) की नीति से बिहार पर क्या प्रभाव पड़ा ?
9. पी. सी. महालनोबीस कौन थे ?
10. हरित क्रान्ति का जनक किसको माना जाता है ?
11. नियोजन का एक लाभ लिखिए ?
12. श्वेत क्रान्ति से आपका क्या अभिप्राय है ?

-
13. स्वतंत्रता प्राप्ति के वर्षों में विकास का क्या अभिप्राय था ?
 14. हरित क्रान्ति से क्या तात्पर्य है ?
 15. पंचवर्षीय योजना का मॉडल भारत में किस देश से प्रेरित होकर अपनाया गया ?

दो अंकीय प्रश्न :-

1. बाम्बे प्लान क्या था ?
2. विकास का केरल मॉडल क्या था ?
3. ऑपरेशन फ्लड का प्रमुख उद्देश्य क्या था ?
4. हरित क्रान्ति की शुरुआत किस परिस्थिति में की गई ?
5. भूमि सुधार के अन्तर्गत उठाए गए किन्हीं दो कदमों का उल्लेख कीजिए।
6. द्वितीय पंचवर्षीय योजना किस प्रकार प्रथम पंचवर्षीय योजना से भिन्न थी ?
7. 'जोनिंग' के कोई दो परिणामों का उल्लेख कीजिए।
8. भारत की अर्थव्यवस्था को मिश्रित अर्थव्यवस्था क्यों कहते हैं ?
9. भारत के लिए विकास पश्चिमी देशों से किस प्रकार भिन्न था ?
10. पंचवर्षीय योजना अपनाने से भारत को क्या लाभ हुआ ?
11. ऐसे दो राज्यों के नाम लिखिए जहाँ HYV (High Yiedling Variety) बीजों का प्रयोग हुआ ?

चार अंकीय प्रश्न :-

1. वामपंथ व दक्षिण पंथ में क्या अन्तर हैं ?
2. मिश्रित अर्थव्यवस्था की आलोचना किस आधार पर की गई ?
3. योजना आयोग के मुख्य कार्यों का वर्णन कीजिए।
4. भारत में खाद्यान्न संकट के क्या परिणाम हुए ?
5. स्वतंत्रता के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की कौन सी समस्याएँ थी।
6. भारत की मिश्रित अर्थव्यवस्था के मॉडल के मुख्य परिणामों का परीक्षण कीजिए।
7. सुमेलित कीजिए :-

- | | |
|---------------------|-----------------|
| अ) चौधरी चरण सिंह | 1) औद्योगीकरण |
| ब) पी.सी. महालनोबीस | 2) इलाकाबन्दी |
| स) वर्गीज कुरियन | 3) किसान नेता |
| द) बिहार का अकाल | 4) सहकारी डेयरी |

पाँच अंकीय प्रश्न :-

- निम्नलिखित पंक्तिया पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
 “आजादी के बाद के पहले दशक में इस सवाल पर खूब बहस हुई उस वक्त लोग-बाग विकास की बात आते ही पश्चिम का हवाला देते थे कि विकास की पैमाना पश्चिमी मुल्क हैं।”
 ए) आजादी के समय विकास के कितने मॉडल प्रचलित थे ?
 बी) आजादी के समय भारत ने विकास का कौन सा मॉडल अपनाया ?
 सी) विकास का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
-

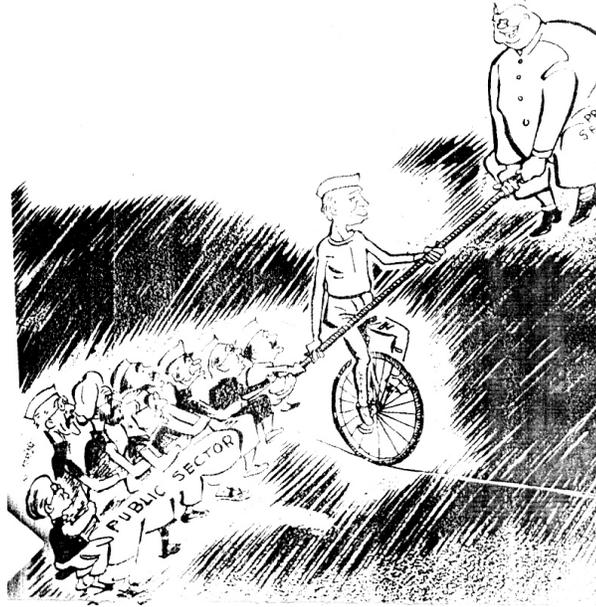


दिए एक कार्टून के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

- इस कार्टून में वक्ता (नेता) कौन व्यक्ति है ?
- कार्टून में लोग क्या प्रदर्शित कर रहे हैं ?

3) कार्टून किस योजना की बात कर रहा है ? और इसके मुख्य उद्देश्य क्या हैं ?

3.



- 1) प्रस्तुत चित्र में किस विवाद को इंगित किया गया है ? 2
- 2) इस विवाद का समाधान किस प्रकार किया गया ? 1
- 3) दोनों पक्ष की ओर से एक-एक तर्क दीजिए ? 2

छ: अंकीय प्रश्न :-

1. स्वतंत्रता के पश्चात भारत में अपनाए जाने वाले आर्थिक विकास के मॉडल से सम्बन्धित सहमति तथा असहमति के विभिन्न क्षेत्रों का परीक्षण कीजिए।
2. भारत के आर्थिक विकास की बुनियाद (नींव) एवं भूमिसुधारों की दिशा में नियोजित विकास के परिणामों का आकलन कीजिए।
3. स्वतंत्रता के बाद से लागू पंचवर्षीय योजनाओं की क्या उपलब्धियाँ रही वर्णन कीजिए।
4. हरित क्रान्ति के सकारात्मक और नकारात्मक परिणामों का वर्णन कीजिए।
5. आजादी प्राप्ति के बाद से भारत का विकास हो रहा है परन्तु फिर भी राष्ट्रीय एकीकरण के कुछ मुद्दे हल करना अभी बाकी है, उल्लेख कीजिए।

-
6. हरित क्रान्ति में उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए ?

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. पी. सी. महालनोबीस
2. जे. सी. कुमारप्पा
3. आर्थिक विकास व सभी नागरिकों की भली।
4. इलाकाबंदी की नीति
5. लौह अयस्क
6. समाजवादी मॉडल
7. वर्गीज कुरियन
8. खाद्यान्न की उपलब्धता में कमी
9. दूसरी पंचवर्षीय योजना के योजनाकार, प्रसिद्ध अर्थशास्त्री
10. एम. एस. स्वामीनाथन
11. समय सीमा के भीतर उद्देश्य प्राप्त करना।
12. दूध व दूध से बनी वस्तुओं का उत्पादन बढ़ाना।
13. सबका समान विकास
14. खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना।
15. सोवियत संघ

दो अंकीय प्रश्न के उत्तर :-

1. 1944 में उद्योगपतियों के समूह द्वारा देश में नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने हेतु तैयार किया गया प्रस्ताव।
2. इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमिसुधार आदि पर जोर दिया गया।
3. दुग्ध उत्पादकों को उत्पादन व विपणन के एक राष्ट्रव्यापी तंत्र से जोड़ा गया।
4. सूखा व अकाल के कारण उत्पन्न खाद्य संकट, गेहूँ आयात व विदेशी मदद खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका की।
5. जमींदारी प्रथा की समाप्ति व काश्तकारों को कानूनी सुरक्षा।
6. प्रथम पंचवर्षीय योजना कृषि आधारित, जबकि द्वितीय उद्योग आधारित थी।

-
- पहली पंचवर्षीय योजना का मूलमंत्र था धीरज लेकिन दूसरी योजना की कोशिश तेज गति से संरचनात्मक बदलाव करने की थी।
7. विभिन्न राज्यों के बीच खाद्यान्न का व्यापार नहीं हो पा रहा था। बिहार (अकालग्रस्त) में खाद्यान्न उपलब्धता में भारी गिरावट आयी थी।
 8. 'क्योंकि भारत में पूँजीवादी व समाजवादी मॉडल दोनों के मिले-जुले मॉडल के गुण हैं।
 9. भौतिक प्रगति के साथ-साथ वैज्ञानिक सोच तथा आर्थिक सामाजिक न्याय पर भी जोर।
 10. तेजी से आर्थिक विकास व खाद्य पदार्थ में वृद्धि।
 11. पंजाब व आन्ध्रप्रदेश।

चार अंकीय प्रश्न के उत्तर :-

1. वामपंथ - गरीब व पिछड़े सामाजिक समूह का पक्षधर
लोक कल्याणकारी सरकारी नीति का समर्थक
दक्षिणपंथ - खुली आर्थिक प्रतिस्पर्धा एवं बाजार मूलक अर्थव्यवस्था, अर्थव्यवस्था में गैर जरूरी हस्तक्षेप का विरोधी।
2.
 - ★ निजी क्षेत्र को बढ़ावा नहीं
 - ★ घरेलू बाजार प्रतिस्पर्धाविहीन हो गया
 - ★ शिक्षा व चिकिस्ता में कम खर्च।
 - ★ राज्य के हस्तक्षेप के कारण एक नये मध्य वर्ग का उदय
3.
 - ★ देश के संसाधनों व पूँजी का अनुमान लगाना
 - ★ विकास की योजना बनाना
 - ★ विकास की प्राथमिकता निश्चित करना।
 - ★ विकास योजना के बाधक कारकों का पता लगाना।
 - ★ प्रगति की योजना का मूल्यांकन करना।
4.
 - ए) गेहूँ की आयात करना पड़ा।
 - बी) विदेशी मदद (USA) स्वीकार करनी पड़ी।
 - सी) खाद्यान्न आत्मनिर्भरता प्रदान करने की प्राथमिकता निश्चित की गई

-
- डी) सरकार के विरुद्ध असंतोष बढ़ा
ई) जनता का नियोजन से अविश्वास बढ़ा।
5. ए) कमजोर अर्थव्यवस्था
बी) प्रतिव्यक्ति निम्न आय
सी) निम्न जीवर स्तर
डी) कृषि का प्रभुत्व
ई) कृषि एवं उद्योगों का कम उत्पादन
6. ए) कृषि व्यापार व उद्योगों का अधिकांश भाग निजी हाथों में छोड़ दिया गया।
बी) राज्य द्वारा निर्मित मुख्य भारी उद्योगों ने औद्योगिक ढाँचे, नियमित, व्यापार व कृषि में हस्तक्षेप किया। इससे निजी व सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में वृद्धि हुई और इसने भावी विकास का आधार बनाया।
7. अ) 3), ब) 1, स) 4, द) 2

पाँच अंकीय प्रश्न के उत्तर :-

1. ए) पूंजीवादी व समाजवादी मॉडल
बी) मिश्रित अर्थव्यवस्था
सी) आधुनिक व औद्योगिक होना।
2. 1) जवाहर लाल नेहरू
2) लोग अकाल और भुखमरी की स्थिति दर्शाते हैं
3) पंचवर्षीय योजना की बात हो रही है जिसका उद्देश्य कृषि व औद्योगिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना है, परन्तु जनता को केवल आश्वासन ही दिये।
3. 1) सार्वजनिक व निजी क्षेत्र का विवाद
2) मिश्रित अर्थव्यवस्था के द्वारा
3) सार्वजनिक क्षेत्र - आधारभूत ढाँचा प्रदान करना।
4) निजी क्षेत्र - बाजार अर्थव्यवस्था का पक्षधर।

छ: अंकीय प्रश्न के उत्तर :-

1. सहमति के क्षेत्र :-

- 1) भारत के विकास का अर्थ आर्थिक वृद्धि तथा सामाजिक न्याय होना चाहिए।
- 2) विकास के मुद्दे को केवल व्यापारियों, उद्योगपतियों व किसानों पर ही नहीं छोड़ा जा सकता है। अपितु सरकार को एक प्रमुख भूमिका निभानी चाहिये।
- 3) गरीबी उन्मूलन तथा सामाजिक व आर्थिक वितरण के काम को सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी माना गया।

असहमति के क्षेत्र :-

- 1) सरकार द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका पर असहमति।
- 2) यदि आर्थिक वृद्धि से असमानता हो तो न्याय की जरूरत से जुड़े महत्व पर असहमति।
- 3) उद्योग बनाम कृषि तथा निजी बनाम सार्वजनिक क्षेत्र के जुड़े मुद्दे पर असहमति।

3. आर्थिक विकास :-

- 1) विकास की बड़ी परियोजनायें जैसे भांखड़ा नांगल बाँध और हीराकुण्ड बाँध का निर्माण सिंचाई और विद्युत उत्पादन के लिए किया गया।
- 2) बड़े उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र में बनाए गए। जैसे स्टील प्लांट, तेल शोधक कारखाने आदि।
- 3) ढांचागत सुविधाओं में सतत सुधार जैसे परिवहन और संचार इत्यादि में।

भूमि सुधार :-

- 1) जमींदारी व्यवस्था का उन्मूलन तथा भूमि सुधारो को लागू किया गया।
- 2) हरित क्रान्ति के माध्यम से खाद्यान्नों के उत्पादन में वृद्धि।
- 3) सरकार ने किसानों से उनके उत्पादन को उचित मूल्य पर खरीदने की गारंटी दी।

-
3. ए) भारत के भविष्य की बुनियाद मजबूत
बी) भूमि सुधार प्रक्रिया आरम्भ।
सी) राष्ट्रीय आय में वृद्धि।
डी) सामाजिक न्याय स्थापित।
ई) साक्षरता में वृद्धि
एफ) उत्पादन में आत्मनिर्भरता।
4. **सकारात्मक परिणाम -**
- 1) खाद्यान्नों में आत्म निर्भरता
 - 2) ग्रामीण आय में वृद्धि।
 - 3) खाद्यान्न आयात न होने पर विदेशी मुद्रा भण्डार बढ़ा
 - 4) औद्योगीकरण की प्रक्रिया तेज।
 - 5) रोजगार के अवसर बढ़े।

नकारात्मक परिणाम :-

- 1) क्षेत्रीय असमानता बढ़ी।
 - 2) छोटे किसान एवं कृषि मजदूरों को लाभ नहीं।
 - 3) अमीर गरीब का अन्तर बढ़ा।
 - 4) वामपंथी दलों की गतिविधियाँ तेज।
5. ए) निरक्षरता बी) दरिद्रता
सी) जातिवाद डी) भाषावाद
6. स्मरणीय बिन्दु में।

भारत के विदेश संबंध

स्मरणीय बिन्दु :-

- भारत की विदेश नीति पर देश के पहले प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री पं जवाहर लाल नेहरू की अमिट छाप है। नेहरू जी की विदेश नीति के तीन मुख्य उद्देश्य थे।
 - 1) संघर्ष से प्राप्त सम्प्रभुता को बचाए रखना।
 - 2) क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखना।
 - 3) तेज गति से आर्थिक विकास करना।

- भारत की विदेश नीति के मुख्य तत्व :-
 - 1) गुटनिरपेक्षता
 - 2) वसुधैव कुटुम्ब की धारणा
 - 3) अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में स्वतंत्रता पूर्वक एवं सक्रिय भागीदारी निभाना।
 - 4) पंचशील :- 29 अप्रैल 1954 को भारत के प्रधानमंत्री पं नेहरू तथा चीन के प्रमुख चाऊ एन लाई के बीच द्विपक्षीय समझौता जिसके अग्रलिखित पांच बिन्दु हैं :-
 - ए) एक दूसरे के विरुद्ध आक्रमण न करना।
 - बी) एक दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना।
 - सी) एक दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता का आदर करना।
 - डी) समानता और परस्पर मित्रता की भावना।
 - ई) शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व
 - 5) निशस्त्रीकरण
 - 6) अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण हल।
 - 7) साम्राज्यवाद का विरोध इत्यादि।

-
- नेहरू जी गुटनिरपेक्षता द्वारा आगे बढ़ना चाहते थे परन्तु डॉ. अम्बेडकर का मत था कि हमें अमेरिका के प्रति झुकाव वाली विदेश नीति बनानी चाहिए क्योंकि वह लोकतंत्र का बड़ा हिमायती है।
 - बांडुंग सम्मेलन :-
प्रथम एफ्रो-एशियाई एकता सम्मेलन इंडोनेशिया के शहर बांडुंग में 1955 में हुआ। यह नेहरू जी की एशियाई एवं अफ्रीकी नव स्वतंत्र देशों की एकता का प्रयास था। यही 1961 में बेलग्रेड में गुटनिरपेक्ष आंदोलन के रूप में स्थापित हुआ।
 - ★ बांडुंग सम्मेलन की दूसरी बैठक 2005 में इसकी 50वीं वर्षगांठ पर हुई जिससे 106 देशों ने भाग लिया।
तीसरा बांडुंग सम्मेलन 2015 में 60वीं जयंती पर हुआ जिसमें 109 देशों ने भाग लिया।
 - ★ भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाते हुए 1956 में मिस्त्र के खिलाफ ब्रिटेन के हमले का विरोध किया जो स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण करने के खिलाफ था।

-- **भारत-चीन संबंध**

- ★ 1949 में चीनी क्रांति के बाद चीन की कम्युनिस्ट सरकार को मान्यता देने वाला भारत पहले देशों में एक था। नेहरू जी ने चीन से अच्छे संबंध बनाने की पहल की। उप-प्रधानमंत्री एवं तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने आशंका जताई कि चीन भारत पर आक्रमण कर सकता है। नेहरू जी का मत इसके विपरित यह था कि इसकी संभावना नहीं है।
- ★ जब 1950 में चीन ने तिब्बत पर अपना नियंत्रण जमा लिया। तिब्बती जनता ने इसका विरोध किया। भारत ने इसका खुला विरोध नहीं किया। तिब्बती धार्मिक नेता दलाई लामा ने अपने अनुयायियों सहित भारत से राजनीतिक शरण मांगी और 1959 में भारत ने उन्हें राजनीतिक शरण दे दी। चीन ने भारत के इस कदम को अपने अंदरूनी मामलों में दखलंदाजी माना।
- ★ चीन और भारत के मध्य विवाद का दूसरा बड़ा कारण सीमा-विवाद था। चीन,

-
- जम्मू-कश्मीर के लद्दाख वाले हिस्से के अक्साई-चीन और अरूणाचल प्रदेश के अधिकतर हिस्सों पर अपना अधिकार जताता है।
- ★ 1962 में चीन ने भारत पर हमला कर दिया। भारतीय सेना ने इसका कड़ा प्रतिरोध किया। परन्तु चीनी बढ़त रोकने में नाकामयाब रहे। आखिरकार चीन ने एक तरफा युद्ध विराम घोषित कर दिया।
 - ★ चीन से हारकर भारत की खासकर नेहरू जी की छवि को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत नुकसान हुआ।
 - ★ 1962 के बाद भारत-चीन संबंधों को 1976 में राजनयिक संबंध बहाल कर शुरू किया गया।
 - ★ 1979 में श्री अटल बिहारी वाजपेयी (विदेश मंत्री) तथा श्री राजीव गांधी ने 1962 के बाद पहले प्रधानमंत्री के तौर पर चीन की यात्रा की परन्तु चीन के साथ व्यापारिक संबंधों पर ही ज्यादा चर्चा हुई।
 - ★ 2003 में भी अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री के तौर पर चीन की यात्रा की जिसमें प्राचीन सिल्करूट (नाथूला दर्रा) को व्यापार के लिए खोलने पर सहमति हुई जो 1962 से बंद था। इससे यह मान्यता भी मिली कि चीन सिक्किम को भारत का अंग मानता है।
 - ★ चीन द्वारा अरूणाचल प्रदेश में अपनी दावेदारी जताने, पाकिस्तान से चीन की मित्रता एवं भारत के खिलाफ चीनी मदद से भारत चीन संबंध खराब होते हैं। चीन और भारत सीमा विवाद सुलझाने के लिए प्रयत्नशील है।
 - ★ सन् 2014 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत का दौरा किया। इसमें मुख्य समझौता कैलाश मानसरोवर यात्रा हेतु वैकल्पिक सुगम सड़क मार्ग खोलना था।
 - ★ मई 2016 में भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी चीन यात्रा पर गए हैं यह यात्रा चीन द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ में पाकिस्तान के आतंकवादी अजहर मसूद के पक्ष में वीटो करने तथा परमाणु आपूर्ति समूह (एनएसजी) द्वारा यूरेनियम की भारत को आपूर्ति से पहले चीन द्वारा भारत को एनपीटी पर हस्ताक्षर करने के लिए बाध्य करने जैसे जटिल मुद्दों की छाया में हो रही है।

-- भारत-पाकिस्तान संबंध

- ★ भारत विभाजन (1947) द्वारा पाकिस्तान का जन्म हुआ। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध शुरू से ही कड़वे रहे हैं। कश्मीर मुद्दे पर 1947 में ही दोनों देशों की सेनाओं के बीच छाया-युद्ध छिड़ गया। इसी छाया युद्ध में पाकिस्तान ने कश्मीर के एक बड़े भाग पर अनाधिकृत कब्जा जमा लिया।
- ★ सरक्रीक रेखा, सियाचिन ग्लेशियर, सीमापार आतंकवाद और कश्मीर दोनों के मध्य विवाद के मुख्य कारण हैं।
- ★ 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता में दोनों के बीच सिंधु नदी जलसंधि की गई। इस पर पं नेहरू और जनरल अयूब ख़ाँ ने हस्ताक्षर किए। विवादों के बावजूद इस संधि पर ठीक-ठाक अमल रहा है।
- ★ 1965 में पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री ने “जय जवान, जय किसान” का नारा दिया। इस समय भारत में अकाल की स्थिति भी थी। हमारी सेना लाहौर के नजदीक तक पहुँच गई थी।
- ★ संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) के हस्तक्षेप से युद्ध समाप्त हुआ। 1966 में ताशकंद समझौता हुआ जिसमें भारत की ओर से श्री लाल बहादुर शास्त्री और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल अयूब ख़ाँ ने हस्ताक्षर किए।
- ★ 1970 में पाकिस्तान के पहले आम चुनावों में पश्चिमी पाकिस्तान में पीपीपी के जुल्फिकार अली भुट्टो जबकि पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में अवामी लीग के शेख-मुजीबुर्रहमान (बंग-बंधु) विजयी हुए। दोनों भागों में संस्कृति एवं भाषा को लेकर गंभीर मतभेद थे। अवामी लीग ने एक परिसंघ बनाने की मांग रखी।
- ★ पाकिस्तान द्वारा पूर्वी पाकिस्तान में दमन के विरोध में जनता ने विद्रोह कर दिया। शेख मुजीब गिरफ्तार कर लिए गए। 80 लाख बांग्लादेशी शरणार्थी भारत में घुस आए। प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी ने इस मुक्ति संग्राम को अपना नैतिक एवं भौतिक समर्थन दिया।
- ★ 1971 में पाकिस्तान को चीन तथा अमेरिका से मदद मिली। इस स्थिति में

श्रीमति इंदिरा गांधी ने सोवियत संघ के साथ 20 वर्षीय मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किए।

- ★ 1971 में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ पूर्णव्यापी युद्ध छेड़ दिया। भारत विजयी हुआ। पाकिस्तानी सेना ने 90000 सैनिकों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। नये देश बांग्लादेश का उदय हुआ।
- ★ 1972 में शिमला समझौता हुआ इस पर भारत की ओर से प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी और पाकिस्तान की ओर से जुल्फिकार अली भुट्टो ने हस्ताक्षर किए।
- ★ 1999 में भारत ने पाकिस्तान से संबंध सुधारने की पहल करते हुए दिल्ली-लाहौर बस सेवा शुरू की परन्तु पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ कारगिल संघर्ष छेड़ दिया।
- ★ कारगिल में अपने को मुजाहिद्दीन कहने वालों ने सामरिक महत्व के कई इलाकों जैसे द्रास, माश्कोह, वतालिक आदि पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने बहादुरी से अपने इलाके खाली करा लिए।

-- **भात का परमाणु कार्यक्रम**

- ★ मई 1974 में पोखरण में भारत ने अपना पहला परमाणु परीक्षण किया फिर मई 1998 में पोखरण में ही भारत ने पाँच परमाणु परीक्षण कर स्वयं को परमाणु सम्पन्न घोषित कर दिया। इसके तुरंत बाद पाकिस्तान ने भी परमाणु परीक्षण कर स्वयं को परमाणु शक्ति घोषित कर दिया।
- ★ इन परीक्षणों के कारण क्षेत्र में एक नए प्रकार का शक्ति संतुलन बन गया। दोनों देशों पर अमेरिका सहित कई देशों ने आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए।
- ★ भारत ने 1968 की परमाणु अप्रसार संधि एवं 1995 की “व्यापक परीक्षण निषेध संधि CTBT” पर हस्ताक्षर नहीं किए क्योंकि भारत इन्हें भेदभावपूर्ण मानता है।

-- **भारत की परमाणु नीति**

- ★ भारत शांतिपूर्ण कार्यों हेतु परमाणु शक्ति का प्रयोग करेगा।

-
- ★ भारत अपनी सुरक्षा आवश्यकतानुसार परमाणु हथियारों का निर्माण करेगा।
 - ★ भारत परमाणु हथियारों का प्रयोग पहले नहीं करेगा।
 - ★ परमाणु हथियारों को प्रयोग करने की शक्तिसर्वोच्च राजनीतिक सत्ता के हाथ होगी।
 - ★ भारतीय विदेश नीति के बारे में राजनीतिक दल थोड़े बहुत मतभेदों के अलावा राष्ट्रीय अखण्डता, अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा की सुरक्षा तथा राष्ट्रीय हितों के मसलों पर व्यापक सहमति है।
 - ★ 1991 में शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद विदेश नीति का निर्माण अमेरिका द्वारा पोषित उदारिकरण व वैश्वीकरण को ध्यान में रखकर किया जाने लगा तथा क्षेत्रीय सहयोग को भी विशेष महत्व दिया गया।

1 अंकीय प्रश्न :-

1. भारत की विदेश नीति की कोई दो विशेषताएँ बताइयें ?
2. जवाहर लाल नेहरू ने पंचशील की घोषणा कब की ?
3. भारत द्वारा गुट निरपेक्षता की नीति अपनाए जाने का क्या कारण था ?
4. भारत चीन युद्ध कब हुआ ?
5. 'नेफा' किस राज्य को कहा जाता है ?
6. NPT का शब्द विस्तार लिखो ?
7. भारत ने 1959 में किसे राजनीतिक शरण दी ?
8. भारत ने अपना प्रथम परमाणु परीक्षण कब और कहाँ किया ?
9. बंगबंधु उपनाम से किसे जाना जाता है ?
10. बांग्लादेश कब अस्तित्व में आया ?
11. NATO का शब्द विस्तार लिखो ?
12. भारत ने अपना दूसरा परमाणु परीक्षण कब और कहाँ किया ?
13. कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र संघ ने कब अपनी 'विवादित क्षेत्र' सूची से निकाल दिया ?

2 अंकीय प्रश्न :-

1. पंचशील समझौते पर किन नेताओं ने हस्ताक्षर किए ?
2. भारत-चीन के मध्य विवाद के कोई दो विषयों का उल्लेख करो ?
3. ताशकंद समझौता किन दो देशों के मध्य हुआ और कब ?
4. भारत और पाकिस्तान के मध्य सिंधु नदी जल बंटवारा संधि कब हुई। इस संधि में किसने मध्यस्थता की भूमिका निभाई ?
5. भारत ने CTBT पर हस्ताक्षर करने से क्यों मना कर दिया ?
6. शिमला समझौते पर किन नेताओं ने हस्ताक्षर किए ?
7. भारत ने एक बीस वर्षीय संधि किस देश के साथ और क्यों की ?
8. पाकिस्तान के किस जनरल ने 1971 में भारतीय सेनाओं के समक्ष आत्मसमर्पण किया ? उनके साथ कितने सैनिक थे ?
9. भारत चीन के मध्य प्राचीन सिल्क रूट व्यापार के लिए खोल दिया गया ? यह कौन सा रूट है ?
10. शिमला समझौते के कोई दो प्रमुख प्रावधान बताइए ?

चार अंकीय प्रश्न :-

1. भारत की विदेशनीति पर नेहरू जी का क्या प्रभाव है बताइए ?
2. पंचशील के कोई चार सिद्धांत बताओ ?
3. 1962 के भारत चीन युद्ध का भारत के विकास पर क्या प्रभाव पड़ा ?
4. भारत के परमाणु कार्यक्रम की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।
5. विदेश नीति के मसले पर सभी दलों में एक सर्वसहमति है। टिप्पणी करो ?
6. सही मिलान करो।

कॉलम (क)

- 1) 1950-64 के दौरान भारत की विदेश नीति का लक्ष्य
- 2) पंचशील

कॉलम (ख)

- ए) तिब्बती धार्मिक नेता जो सीमा पार करके भारत चले आए।
- बी) श्रेत्रीय अखंडता और सम्प्रभुता की रक्षा तथा आर्थिक विकास

6 अंकीय प्रश्न :-

1. किसी राष्ट्र का राष्ट्रीय नेतृत्व किस तरह उस राष्ट्र की विदेश नीति को प्रभावित करता है ? भारत की विदेश नीति से कोई दो उदाहरण देते हुए संक्षेप में व्याख्या कीजिए।
2. 1977 के पश्चात् विश्व राजनीति में आए नाटकीय बदलावों का भारत की विदेश नीति पर पड़े प्रभावों का वर्णन करो।
3. भारत-चीन संबंधों में मतभेद और सहमति के बिन्दु बताइए।
4. भारत की विदेश नीति के मुख्य सिद्धांत बताइए।

1 अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. गुट निरपेक्षता और पंचशील
2. 1954 में
3. विश्व में चल रही गुटबाजी में न पड़कर स्वतन्त्रतापूर्वक विकास करने के लिए गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाई।
4. 1962
5. अरुणाचल प्रदेश को
6. परमाणु अप्रसार संधि।
7. तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को
8. 1974 में राजस्थान के पोखरण में
9. शेख मुजीबुर्रहमान
10. 1971
11. उत्तर अटलांटिक संधि संगठन
12. 1998 में राजस्थान के पोखरण में पाँच परमाणु परीक्षण।
13. 2010

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. भारत के प्रधानमंत्री पं जवाहर लाल नेहरू और चीन के प्रमुख चाऊएन लाई।
2. तिब्बत, अरुणाचल प्रदेश सहित पूर्वोत्तर भारत में सीमा विवाद।

-
3. भारत और पाकिस्तान 1966
 4. 1960, विश्व बैंक
 5. क्योंकि भारत मानता है कि यह संधि भेदभाव पूर्व है।
 6. भारत की ओर से तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी और पाकिस्तान की ओर से जुल्फिकार अली भुट्टो ने।
 7. 1971 में सोवियत संघ के साथ क्योंकि भारत अमेरिका चीन और पाकिस्तान की धुरी तोड़ना चाहता था।
 8. जनरल अब्दुल्ला खान नियाजी। इसके साथ 90000 सैनिकों ने भी आत्मसमर्पण किया।
 9. सिक्किम और तिब्बत के मध्य नाथूला दर्रा द्वारा।
 10. विवादों का शांतिपूर्ण समाधान, बल प्रयोग नहीं, LOC को मान्यता, संचार साधनों की स्थापना।

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. गुटनिरपेक्षता, पंचशील, क्षेत्रीय अखंडता और तेज गति से आर्थिक विकास।
2. देखे स्मरणीय बिंदु।
3. — भारत की अन्तर्राष्ट्रीय छवि को नुकसान।
— राष्ट्रीय स्वाधिमान की क्षति।
— अनावश्यक आर्थिक दबाव।
— राजनीतिक अस्थिरता।
4. — 1940 के दशक में होमी जहाँगीर भाभा के निर्देशन में शुरूआत।
— 1974 में पहला तथा 1998 में दूसरा परमाणु परीक्षण पोखरण में।
— NPT और CTBT का विरोध।
— परमाणु नीति की घोषणा एवं शांतिपूर्ण कार्यों के लिए परमाणु शक्ति का प्रयोग।
5. देखे स्मरणीय बिन्दु।
6. 1) बी 2) सी 3) डी 4) ए
7. स्वयं उत्तर दें।

5 अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1.
 - 1) गुट निरपेक्षता की नीति
 - 2) पं जवाहर लाल नेहरू
 - 3) भारतीय जनसंघ, स्वतंत्र पार्टी तथा डॉ. भीमराव अम्बेडकर।
ये अमेरिका से नजदीकियाँ बढ़ाने के पक्षधर थे।
2.
 - 1) भारतीय सेना विजयी रही और लाहौर के नजदीक तक पहुँच गई थी।
 - 2) 1966
 - 3) 1965 में देश में भयंकर अकाल पड़ा। इससे पूर्व 1962 में चीन से हारने के बाद रक्षा क्षेत्र पर अधिक ध्यान देना पड़ा। 1965 की लड़ाई से अर्थव्यवस्था पर अत्याधिक बोझ पड़ गया।

6 अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1.
 - नेतृत्व करने वाले दल की विचारधारा का प्रभाव।
 - दल के ऐतिहासिक चरित्र का प्रभाव।
 - नेहरू जी द्वारा गुटनिरपेक्षता की नीति का पालन करना।
 - प्रधानमंत्री श्री राजीवगांधी द्वारा पड़ोसी देशों से संबंध सामान्य बनाना।
 - वाजपेयी द्वारा परमाणु नीति की घोषणा।
2.
 - जनता पार्टी सरकार द्वारा सच्ची गुटनिरपेक्षता नीति का पालन।
 - सोवियत संघ के प्रति झुकाव का अंत।
 - चीन व अमेरिका के साथ संबंधों में सुधार।
 - क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने पर जोर।
 - सैन्य हितों के स्थान पर आर्थिक हितों पर जोर।
 - 1990 के दशक में अमेरिका समर्थित नीतियों की आलोचना।
3. मतभेद :- सीमा विवाद, पाकिस्तान को भारत विरोधी गतिविधियों में समर्थन, तिब्बत विवाद आदि।
सहमति :- पर्यावरण मुद्दों पर विकसित देशों के खिलाफ, WTO में विकासशील देशों का पक्ष, आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति।
4. देखे स्मरणीय बिन्दु

कांग्रेस प्रणाली: चुनौतियाँ व पुर्नस्थापना

चुनौतियाँ :-

1. राजनैतिक उत्तराधिकार की चुनौती

1964 के मई में जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद लाल बहादुर शास्त्री 1966 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। शास्त्री जी का 10 जनवरी 1966 को ताशकंद में निधन हो गया। शास्त्री जी की मृत्यु के बाद मोरारजी देसाई व इंदिरा गांधी के मध्य राजनैतिक उत्तराधिकारी के लिये संघर्ष हुआ व इंदिरा गाँधी को प्रधानमंत्री बनाया गया। सिंडिकेट ने इंदिरा गाँधी को अनुभवहीन होने के बावजूद प्रधानमंत्री बनाने में समर्थन दिया, यह मान कर वे दिशा निर्देशन के लिये सिंडिकेट पर निर्भर रहेंगी।

नेतृत्व के लिये प्रतिस्पर्धा के बावजूद पार्टी में सत्ता का हस्तांतरण बड़े शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया।

2. चौथा आम चुनाव 1967 :-

मानसून की असफलता, व्यापक सूखा, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी, निर्यात में गिरावट तथा सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी से देश में आर्थिक संकट की स्थिति।

- विपक्षी दलों ने जनता को लामबंद करना शुरू कर दिया ऐसी स्थिति में अनुभवहीन प्रधानमंत्री का चुनावों का सामना करना भी एक बड़ी चुनौती थी।
- चुनावों के नतीजों को राजनैतिक भूकम्प का संज्ञा दी गयी। कांग्रेस 9 राज्यों (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, पं.बंगाल, उड़ीसा, मद्रास व केरल) में सरकार नहीं बना सकी। ये राज्य भारत के किसी एक भाग में स्थित नहीं थे।

- #### 3. कांग्रेस का विभाजन :-
- सिंडिकेट व इंदिरा गांधी के मध्य बढ़ते मतभेद व राष्ट्रपति चुनाव (1969) में इंदिरा गांधी समर्थित उम्मीदवार वी.वी. गिरी की जीत व कांग्रेस के अधिकारिक उम्मीदवार एन.सजीव रेड्डी की हार से कांग्रेस

को 1969 में कांग्रेस को विभाजन की चुनौती झेलनी पड़ी। कांग्रेस (आर्गनाइजेशन) व कांग्रेस (रिक्विजिनिस्ट) में विभाजित हो गयी।

4. 1971 के चुनावों में इंदिरा गांधी ने अपने जनाधार की खोयी हुयी जमीन को पुनः प्राप्त करते हुये, गरीबी हटाओ के नारे से कांग्रेस को एक बार पुनः स्थापित कर दिया।

स्मरणीय बिन्दु

- ★ लाल बहादुर शास्त्री 1964 से 1966 तक प्रधानमंत्री रहे।
इस अवधि में देश ने दो चुनौतियों का सामना किया
- 1965 का भारत-पाकिस्तान युद्ध
- खाद्यान्न का संकट (मानसून की असफलता से)
- ★ इन चुनौतियों से निपटने के लिये शास्त्री जी ने 'जय जवान जय किसान का नारा दिया।
- ★ 1965 के युद्ध की समाप्ति के सिलसिले में 1966 में सोवियत संघ के ताशकंद (वर्तमान में उज्बेकिस्तान की राजधानी) में भारत व पाकिस्तान के मध्य ताशकंद समझौता हुआ। ताशकंद समझौते पर भारत की तरफ से लाल बहादुर शास्त्री व पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद अयूब खान ने हस्ताक्षर किये।
- ★ 1960 के दशक को खतरनाक दशक भी कहा जाता है क्योंकि इस दौरान भारत ने दो युद्धो (1962 भारत चीन तथा 1965 में भारत व पाकिस्तान के मध्य) का सामना किया तथा देश में मानसून की असफलता से सूखे की स्थिति।
- ★ चौथे आम चुनाव के दौरान देश की आर्थिक स्थिति डॉवाडोल थी, मँहगाई बढ़ गयी थी, बढ़ती बेरोजगारी खाद्यान्न की कमी के चलते जन विरोध धीरे-धीरे उग्र रूप धारण करने लगा।
- ★ जो दल अपने कार्यक्रम व विचारधाराओं के धरातल पर एक दूसरे से अलग थे, एकजुट हुये तथा उन्होंने सीटों के मामले में चुनावी तालमेल करते हुये एक कांग्रेस विरोधी मोर्चा बनाया। समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया ने इस रणनीति को गैर-कांग्रेसवाद का नाम दिया।

-
- ★ चुनावों के जनादेश को 'राजनैतिक भूकम्प' की संज्ञा दी गयी क्योंकि कांग्रेस पहली बार चुनाव हारी थी। उसे प्राप्त वोटों के प्रतिशत व सीटों की संख्या में कमी आयी थी।
 - ★ 1967 के चुनावों से राज्यों में गठबंधन की परिघटना सामने आयी। गैर कांग्रेसी पार्टियों ने एक जुट होकर SVD (संयुक्त विधायक दल) बनाया। पंजाब में बनी SVD की सरकार को "Popular United Front" कहा गया।
 - ★ दल बदल - जब कोई जन प्रतिनिधि किसी खास दल के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीत जाये व चुनाव जीतने के बाद उस दल को छोड़कर दूसरे दल में शामिल हो जाये तो इसे दल-बदल कहते हैं।
 - ★ 1967 के चुनावों के बाद कांग्रेस के एक विधायक (हरियाणा) ग्यालाल ने एक पखवाड़े में तीन बार पार्टी बदली, उनके ही नाम पर 'आयाराम-गयाराम' का जुमला बना। यह जुमला दल बदल की अवधारणा से संबंधित हैं।
 - ★ कांग्रेस के भीतर प्रभावशाली व ताकतवर नेताओं के समूह को अनौपचारिक तौर पर सिंडिकेट कहा जाता था। इस समूह के नेताओं का पार्टी के संगठन पर नियंत्रण था।

सिंडिकेट के नेता

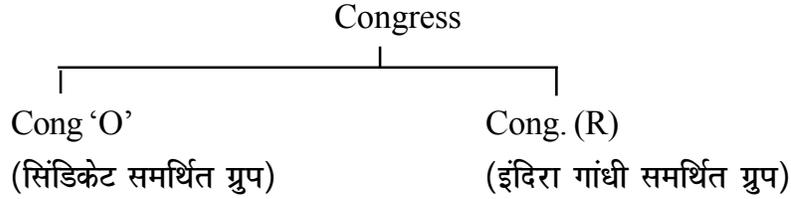
राज्य

- | | |
|---|-------------------|
| 1. के. कामराज
(Mid day Meal शुरू कराने के लिये प्रसिद्ध) | मद्रास |
| 2. एस. के. पाटिल | बम्बई (मुंबई) शहर |
| 3. के.एस. निज लिंगप्पा | मैसूर (कर्नाटक) |
| 4. एन. सजीव रेड्डी | आंध्र प्रदेश |
| 5. अतुल्य घोष | पश्चिम बंगाल |

- ★ 1969 का राष्ट्रपति चुनाव - डा. जाकिर हुसैन की मृत्यु के बाद, सिंडिकेट ने तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष एन. संजीव रेड्डी को कांग्रेस पार्टी का उम्मीदवार घोषित कर दिया। इंदिरा गांधी ने तत्कालीन उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरि को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति पद के लिये नामांकन भरवा दिया।

इंदिरागांधी ने अंतरात्मा की आवाज पर वोट देने के लिये कहा, वी.वी. गिरी चुनाव जीत गये।

- ★ 1969 में राष्ट्रपति पद के चुनावों के बाद कांग्रेस का विभाजन हो गया।



- ★ देसी रियासतों का विलय भारतीय संघ में करने से पहले सरकार ने रियासतों के तत्कालीन शासक परिवार को निश्चित मात्रा में निजी संपदा रखने का अधिकार दिया तथा सरकार की तरफ से कुछ विशेष भत्ते देने का भी आश्वासन दिया। यह दोनों (निजी संपदा व भत्ते) इस बात को आधार मान कर तय की जायेगी कि उस रियासत का विस्तार, राजस्व व क्षमता कितनी है। इस व्यवस्था को प्रिवी पर्स कहा गया)
- ★ इंदिरा गांधी ने 1967 के चुनावों की खोई जमीन प्राप्त करने के लिये दस सूत्रीय कार्यक्रम अपनाये इसमें बैंको का राष्ट्रीयकरण, खाद्यान्न का सरकारी वितरण, भूमि सुधार आदि शामिल थे।
- ★ 1971 के चुनावों में गैर-साम्यवादी तथा गैर-कांग्रेसी विपक्षी पार्टियों ने चुनावी गठबंधन 'ग्रैंड अलायंस' बनाया।
- ★ इंदिरा गांधी ने सकारात्मक कार्यक्रम रखा व गरीबी हटाओ का नारा दिया। ग्रैंड अलायंस ने 'इंदिरा हटाओ' का नारा दिया।
- ★ इंदिरा गांधी ने प्रिंसी पर्स की समाप्ति पर चुनाव अभियान में जोर दिया।
- ★ चुनाव परिणाम

कांग्रेस 'आर' व सी.पी. आई	—	375 सीट
गठबंधन	—	352 कांग्रेस R+23 कप्युनिस्ट पार्टी
कांग्रेस 'O'	—	16 सीट
ग्रैंड अलायंस	—	40 से भी कम सीट

-
- ★ कांग्रेस प्रणाली का पुनर्स्थापन
 - अब कांग्रेस पूर्णतया अपने सर्वोच्च नेता की लोकप्रियता पर अधारित थी।
 - कांग्रेस अब विभिन्न मतों व हितों को एक साथ लेकर चलने वाली पार्टी नहीं थी।
 - यह कुछ सामाजिक वर्गों जैसे गरीब, महिला, दलित, आदिवासी व अल्पसंख्यकों पर निर्भर थी।
 - इंदिरा गांधी ने कांग्रेस को पुनर्स्थापित तो कर दिया परन्तु कांग्रेस प्रणाली की प्रकृति को बदलकर।
 - पार्टी का सांगठनिक ढाँचा भी अपेक्षाकृत कमजोर था।
- Politics of Garibi Hatao - 'गरीबी हटाओ' का नारा तथा इससे जुड़ा कार्यक्रम इंदिरा गांधी की राजनैतिक रणनीति थी। इसके सहारे वे अपने लिये देशव्यापी राजनीतिक समर्थन की बुनियाद तैयार करना चाहती थी। इससे इंदिरा गांधी ने वंचित तबको खासकर भूमिहीन किसान, दलित और आदिवासी, अल्पसंख्यक, महिला और बेरोजगार नौजवानों के बीच अपने समर्थन का आधार तैयार करने की कोशिश की। परिणाम स्वरूप 1971 के चुनावों में पूर्णबहुमत प्राप्त किया।

एक अंक वाले प्रश्न :-

1. 'जय जवान-जय किसान' का नारा किसने दिया ?
2. ताशकंद समझौता किन देशों के मध्य हुआ ?
3. इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनवाने में किसने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी ?
4. इंदिरा गाँधी प्रधानमंत्री बनने से पूर्व किस राजनीतिक पद पर कार्यरत थी ?
5. किस गैर कांग्रेसी दल को किसी राज्य में पूर्ण बहुमत मिला ?
6. 1967 के चुनाव परिणामों ने किस प्रकार की राजनीति को जन्म दिया ?
7. 'दोपहर का भोजन' स्कूली बच्चों के लिये यह योजना किसने लागू की ?
8. 1969 के राष्ट्रपति पद के चुनाव के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष कौन थे ?
9. गैर-कांग्रेसवाद' यह नाम किस नेता द्वारा दिया गया ?
10. कांग्रेस में विभाजन कब हुआ ?

-
11. 1967 के चुनावों में दूसरी बड़ी पार्टी कौन सी थी ?
 12. नेहरू की मृत्यु के पश्चात् भारत का प्रधानमंत्री कौन बना ?

दो अंक वाले प्रश्न :-

1. 1960 के दशक को खतरनाक दशक क्यों कहा जाता है ?
2. शास्त्री जी के समय देश को किन दो समस्याओं का सामना करना पड़ा ?
3. ग्रैंड अलायंस से क्या अभिप्राय है ?
4. प्रिवी पर्स से आप क्या समझते हो ?
5. ताशकंद समझौता क्या था ?
6. दल बदल से आप क्या समझते हो ?
7. 1969 के राष्ट्रपति चुनावों में कांग्रेस 'O' तथा कांग्रेस 'R' के उम्मीदवारों का नाम बतायें।
8. कांग्रेस के समक्ष आयी उत्तराधिकार की चुनौती के प्रश्न पर लोगों की क्या आशंकार्यें थी ?
9. दो कारण बताये, जिनकी वजह से कांग्रेस 'R' 1971 के चुनावों में विजयी रही।
10. 'सिंडीकेट' का क्या अर्थ है ?
11. गैर कांग्रेसवाद क्या है ?
12. चौथे आम चुनाव को राजनैतिक भूकम्प की संज्ञा क्यों दी गयी ?
13. राजनैतिक गठबंधन क्या है ? भारत में इसकी शुरुआत कब हुई ?

चार अंक वाले प्रश्न :-

1. निम्न का संबंध किससे है :-
 - 1) जय जवान जय किसान
 - 2) गरीबी हटाओ
 - 3) इंदिरा गाँधी
 - 4) आयाराम गयाराम
2. निम्न शब्दों का पूर्ण रूप लिखो -
 - 1) P.V.F. 2) S.V.D. 3) CWC 4) D.M.K.
3. चौथे आम चुनाव के समय भारत की क्या स्थिति थी ?
4. निम्नलिखित का मेल कीजिये -

-
- ए) सिंडीकेट - कोई निर्वाचित प्रतिनिधि जिस पार्टी के टिकट से चुनाव जीता हो, उस पार्टी को छोड़कर दूसरे दल में चला जाये।
- बी) दल बदल - लोगों का ध्यान आकर्षित करने वाला मनभावन मुहावरा
- सी) नारा - कांग्रेस व इसकी नीतियों के विरुद्ध अलग-अलग विचारधाराओं की पार्टियों का एकजुट होना।
- डी) गैरकांग्रेसवाद - कांग्रेस के भीतर ताकतवर व प्रभावशाली नेताओं का समूह।
5. 1970 के दशक में इंदिरा गाँधी की सरकार क्यों लोकप्रिय थी ?
6. 1969 के राष्ट्रपति चुनाव पर टिप्पणी लिखें।
7. 'कांग्रेस प्रणाली' के पुनःस्थापन से आप क्या समझते हैं ?

पाँच अंक वाले प्रश्न :-

कार्टून पेज नं. 91



- प्र01 यह कार्टून किस वर्ष से संबंधित है ? तथा किस अवधारणा से संबंधित है ?
- प्र02 आयाराम गयाराम की टिप्पणी किस व्यक्ति के संबंध में की गयी ?
- प्र03 भारतीय राजनीति पर इस अवधारणा के प्रभाव बताइये।
2. निम्नलिखित अवतरण पढ़िये तथा नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये -
 “चुनावों के परिणामों से कांग्रेस को राष्ट्रीय व प्रान्तीय स्तर पर धक्का लगा। तत्कालीन राजनैतिक पर्यवेक्षको ने चुनाव परिणामों को ‘राजनैतिक भूकम्प’ की संज्ञा दी। कांग्रेस जैसे-तैसे लोकसभा में तो बहुमत प्राप्त कर चुकी थी,

लेकिन उसको प्राप्त मतों के प्रतिशत तथा सीटों की संख्या में भारी गिरावट आई थी। अब से पहले कांग्रेस को कभी न तो इतने कम वोट मिले थे और न ही इतनी कम सीटें मिली थी। इंदिरा गांधी के मंत्रिमण्डल के आधे से अधिक मंत्री चुनाव हार गये थे।

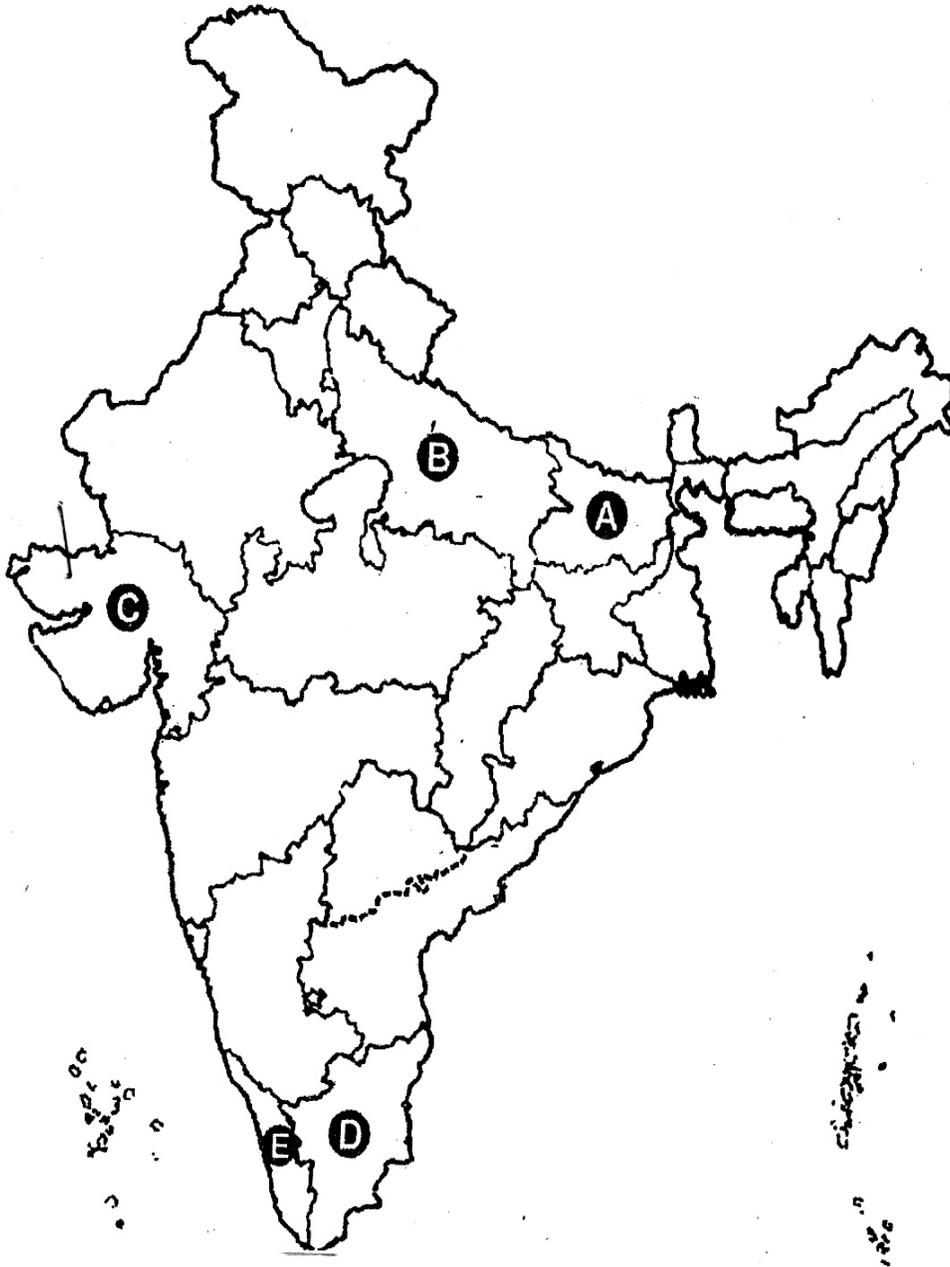
- प्र0 1 उपयुक्त वर्णन किस आम चुनाव के बारे में है ?
- प्र02 चार प्रमुख नेताओं के नाम बताइये जो चुनाव हार गये थे।
- प्र03 किन्हीं दो राज्यों के नाम बताइये जहाँ कांग्रेस को विधान सभा में बहुमत प्राप्त हुआ था।

प्र03 मानचित्र

भारत का राजनैतिक मानचित्र (1967 के विधानसभा चुनाव परिणाम)

- 1) ऐसे दो राज्य जहाँ 1967 में कांग्रेस को बहुमत प्राप्त नहीं हुआ।
 - 2) ऐसे दो राज्य जहाँ कांग्रेस को बहुमत प्राप्त हुआ।
 - 3) एक राज्य जहाँ 'पापुलर यूनाईटेड फ्रंट' की सरकार बनी।
- प्र04 भारत के दिये गये मानचित्र में पाँच राज्यों को A,B,C,D,E द्वारा दर्शाया गया है, दी गयी जानकारी के आधार पर उन्हें पहचानिये तथा उनके सही नाम, प्रयोग की गयी जानकारी की क्रम संख्या तथा संबंधित अक्षर को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिये -
- ए) वह राज्य जहाँ से भारत के प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल सी. राजागोपालाचारी का संबंध था।
- बी) वह राज्य जहाँ ई.एम.एस. नम्बूरीपाद ने पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनाई।
- सी) वह राज्य जहाँ केन्द्रीय खाद्य एवम् कृषि मंत्री (1952-54) रफी अहमद किदवई रहते थे।
- डी) 1965-67 के बीच सर्वाधिक विकराल खाद्य संकट को झेलने वाला राज्य।
- ई) डेयरी सहकारी आंदोलन के माध्यम से देश में श्वेत क्रान्ति लाने वाला राज्य

भारत का राजनैतिक मानचित्र



5. कार्टून



उस का नाम बताइये।
देखाया गया है ?

छे गये प्रश्नों के उत्तर

स्तांत्रिक पार्टी संगठन
रूआती दशकों में एक
का मंच थी। नयी व
हज चुनावी विमर्श में
यह नहीं था कि उसी
के दशक के शुरूआती

सालों में अपनी बड़ी चुनावी जीत के जश्न के बीच कांग्रेस एक राजनैतिक

संगठन के तौर पर मर गयी।

-- सुदीप्त कविराज

- प्र01 लेखक के अनुसार नेहरू व इंदिरा गाँधी द्वारा अपनायी गयी रणनीतियों में क्या अंतर था ?
- प्र02 लेखक ने क्यों कहा है कि सत्तर के दशक में कांग्रेस मर गयी ?
- प्र03 कांग्रेस पार्टी में आये बदलावों का असर दूसरी पार्टियों पर किस तरह पड़ा ?

छः अंक वाले प्रश्न :-

1. कांग्रेस में 1969 में हुये विभाजन के कारण स्पष्ट कीजिये।
2. 1960 के दशक से आरंभ हुई दल-बदल की राजनीति से भारतीय राजनीति आज भी त्रस्त है, इस बात को ध्यान में रखते हुये दल-बदल के कुप्रभावों की चर्चा कीजिये।
3. कांग्रेस प्रणाली की पुनर्स्थापना के पश्चात बनी कांग्रेस तथा पहली कांग्रेस किन अर्थों में अलग प्रकृति की थी, स्पष्ट कीजिये।
4. 1967 के आम चुनाव के समय भारत की आर्थिक व राजनैतिक स्थिति का वर्णन करे।

एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. लाल बहादुर शास्त्री
2. भारत व पाकिस्तान
3. सिंडीकेट
4. सूचना व प्रसारण मंत्री
5. मद्रास (अब तमिलनाडु) में द्रविड मुनेत्र कड़गम की सरकार बनी।
6. इन चुनावों ने गठबंधन की राजनीति को जन्म दिया।
7. के. कामराज
8. एस. निजलिंगप्पा
9. समाजवादी नेता - राममनोहर लोहिया।
10. 1969 में।

-
11. स्वतंत्र पार्टी
 12. लाल बहादुर शास्त्री।

दो अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. ए) मानसून की असफलता से सूखे की स्थिति
बी) 1962 में चीन के साथ युद्ध तथा 1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध।
इसीलिये 1960 के दशक को खतरनाक दशक कहा जाता है।
2. 1) मानसून की असफलता से भयंकर सूखा।
2) 1965 का भारत पाकिस्तान युद्ध
3. स्मरणीय बिन्दु देखें।
4. 1966 में भारत व पाकिस्तान के मध्य हुआ।
ए) दोनों देश एक दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे।
बी) विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाया जायेगा
5. स्मरणीय बिन्दु देखें।
6. स्मरणीय बिन्दु देखें।
7. कांग्रेस 'O' - एन. संजीव रेड्डी
कांग्रेस 'R' - वी. वी. गिरी
8. लोगों को डर था कि बाकी नव स्वतंत्र देशों की तरह भारत भी राजनीतिक
उत्तराधिकार का प्रश्न लोकतांत्रिक ढंग से हल नहीं कर पायेगा, सेना का
हस्तक्षेप बढ़ जायेगा।
9. 1) गरीबी हटाओ का नारा
2) 1971 के भारत पाक युद्ध में भारत की विजय।
10. स्मरणीय बिन्दु देखें।
11. कांग्रेस को सत्ता से हटाने के लिये विरोधी पार्टियों द्वारा बनायी गयी रणनीति।
12. क्योंकि इन चुनावों में कांग्रेस पहली बार एक-साथ कई राज्यों में सत्ता से बाहर
हो गयी थी।
13. विभिन्न राजनैतिक दलों द्वारा चुनाव पूर्व अथवा चुनाव के बाद किया गया

आपसी समझौता राजनैतिक गठबंधन कहलाता है, जिसका उद्देश्य सरकार का निर्माण करना होता है। भारत में इसकी शुरुआत 1967 के बाद हुई।

चार अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. ए) लाल बहादुर शास्त्री बी) इंदिरा गाँधी
सी) ग्रैंड अलायंस डी) गयालाल
2. PUF - पापुलर यूनाईटेड फ्रंट
SVD - संयुक्त विधायक दल
CWC - कांग्रेस वर्किंग कमेटी
DMK - द्रविड़ मुनेत्र कड़गम
3. — आर्थिक संकट
— असफल मानसून, सूखा, खेती की उपज में कमी, खाद्यान्न संकट
— विदेशी मुद्रा भंडार में कमी
— सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी
4. सिंडीकेट - कांग्रेस के भीतर ताकतवर व प्रभावशाली नेताओं का समूह
दल-बदल- कोई निर्वाचित जन-प्रतिनिधि जिस पार्टी के टिकट से जीता है।
उस पार्टी को छोड़कर अगर दूसरे दल में चला जाये।
नारा - लोगों का ध्यान आकर्षित करने वाला एक मनभावन मुहावरा।
गैर कांग्रेसवाद - कांग्रेस व इसकी नीतियों के खिलाफ अलग-अलग विचारधाराओं की पार्टियों का एकजुट होना।
5. — 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की विजय
— गरीबी हटाओ की राजनीति
— प्रिवी पर्स की समाप्ति
— गरीबों, भूमिहीन किसानों व वंचितों की रक्षक
— बैंको का राष्ट्रीयकरण
— भूमि सुधार
6. स्मरणीय बिन्दु देखें।
7. 1971 के आम चुनावों में इन्दिरा गाँधी द्वारा कांग्रेस को पुनः बहुमत के साथ

सत्ता में लाने का प्रयास किया गया। जिसके लिये इंदिरा गाँधी ने विभिन्न लोककल्याणकारी कार्यक्रमों की शुरुआत की। परिणाम स्वरूप चुनावों में कांग्रेस पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आयी।

पाँच अंक वाले प्रश्नों के उत्तर:-

1. ए) यह कार्टून 1967 के चुनावों से संबंधित है। तथा दलबदल की अवधारणा से संबंधित है
बी) यह टिप्पणी हरियाणा के कांग्रेसी विधायक 'गयालाल' के लिये की गयी है, जिन्होंने 15 दिनों में 3 बार पार्टी बदली।
सी) 'दल-बदल' को रोकने के लिये संविधान में संशोधन किया गया। अब दल बदलने के स्थान पर दलों का विभाजन प्रारम्भ हो गया है। विभाजित दल के नेता अपनी कार्य सिद्धि के लिये किसी भी दल के साथ गठजोड़ करने के लिये तैयार रहते हैं।
2. ए) यह 1967 के आम चुनाव के विजय में है।
बी) के. कामराज, एस.के. पाटिल, अतुल्य घोष, के.बी. सहाय
सी) गुजरात, मध्य प्रदेश
3. ए) उत्तर प्रदेश, बिहार
बी) गुजरात, मध्य प्रदेश
सी) पंजाब
4. ए) मद्रास बी) केरल सी) उत्तर प्रदेश
डी) बिहार ई) गुजरात
5. 1) 1969 का राष्ट्रपति चुनाव।
2) वी. वी. गिरी।
3) क्योंकि यह लड़ाई वास्तविक रूप से इंदिरा गाँधी एवम् सिण्डीकेट के बीच थी न कि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच।
6. 1) इंदिरा गाँधी की नीतियाँ अत्यंत केन्द्रीकृत व अलोकतांत्रिक थी। जबकि नेहरू की नीतियाँ संघीय, लोकतांत्रिक तथा विचारधाराओं के समन्वय की थी।

-
- 2) क्योंकि कांग्रेस के मूलभूत सिद्धान्तों को इंदिरा गाँधी द्वारा नष्ट कर दिया गया था।
 - 3) कांग्रेस पार्टी में आये बदलावों के फलस्वरूप दूसरी पार्टियों में कांग्रेस विरोधी एकजुटता बढ़ी तथा कांग्रेस विरोधी आंदोलन प्रारम्भ हो गये।

छ: अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :-

1. — 1969 का राष्ट्रपति चुनाव
- बैंको का राष्ट्रीयकरण तथा प्रिवी पर्स जैसे मुद्दों पर तत्कालीन वित्त मंत्री मोरारजी देसाई से मतभेद
- सिंडीकेट व युवा तुर्कों में मतभेद
- इंदिरा गाँधी की समाजवादी नीतियाँ
- इंदिरा गाँधी का कांग्रेस से निष्कासन
- इंदिरा गाँधी द्वारा सिंडीकेट को महत्व न देना
- दक्षिण पंथी व वामपंथी विषय पर कलह
2. — राष्ट्रीय हितों की अवहेलना
- राजनैतिक अस्थिरता
- अवसरवादिता को बढ़ावा
- मतदाताओं से विश्वासघात
- प्रशासन में ढील-अलोकतांत्रिक
- राजनीति में मतदाताओं की बढ़ती उदासीनता
3. स्मरणीय बिन्दु देखें।
4. भारत की राजनैतिक व आर्थिक स्थिति अत्यन्त दयनीय थी -
 - गंभीर खाद्यान्न संकट
 - विदेशी मुद्रा भण्डार में कमी।
 - औद्योगिक उत्पादन तथा निर्यात में कमी।
 - सैन्य खर्चों में बढ़ोत्तरी।
 - देश में बंद तथा हड़ताल की स्थिति।
 - व्यापक जन-असंतोष
 - आर्थिक विकास व नियोजन की कमी।

लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट

1) **आर्थिक कारक:-**

- ★ गरीबी हटाओं का नारा कुछ खास नहीं कर पाया था।
- ★ बांग्लादेश के संकट से भारत की अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ बढ़ा था।
- ★ अमेरिका ने भारत को हर तरह की सहायता देनी बंद कर दी थी।
- ★ अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों के बढ़ने से विभिन्न चीजों की कीमतें बहुत बढ़ गई थी।
- ★ औद्योगिक विकास की दर बहुत कम हो गयी थी।
- ★ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी बहुत बढ़ गई थी।
- ★ सरकार ने खर्चे कम करने के लिए सरकारी कर्मचारियों का वेतन रोक दिया था।

(2) **छात्र आंदोलन :-**

- ★ गुजरात के छात्रों ने खाद्यान्न, खाद्य तेल तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती हुई कीमतें तथा उच्च पदों पर व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ जनवरी 1974 में आंदोलन शुरू किया।
- ★ मार्च 1974 में बढ़ती हुई कीमतों, खाद्यान्न के अभाव, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ बिहार में छात्रों ने आंदोलन शुरू कर दिया।
- ★ जय प्रकाश नारायण (जेपी) ने इस आंदोलन का नेतृत्व दो शर्तों पर स्वीकार किया।
 - (क) आंदोलन अहिंसक रहेगा।
 - (ख) यह बिहार तक सीमित नहीं रहेगा, अतिपु राष्ट्रव्यापी होगा।
- ★ जयप्रकाश नारायण ने सम्पूर्ण क्रांति द्वारा सच्चे लोकतंत्र की स्थापना की बात की थी।

-
- ★ जेपी ने भारतीय जनसंघ, कांग्रेस (ओ), भारतीय लोकदल, सोशलिस्ट पार्टी जैसे गैर-कांग्रेसी दलों के समर्थन से 'संसद-मार्च' का नेतृत्व किया था।
 - ★ इंदिरा गांधी ने इस आंदोलन को अपने प्रति व्यक्तिगत विरोध से प्रेरित बताया था।

★ **नक्सलवादी आंदोलन:-**

- ★ इसी अवधि में संसदीय राजनीति में विश्वास न रखने वाले कुछ मार्क्सवादी समूहों की सक्रियता बढ़ी।
- ★ इन समूहों ने मौजूदा राजनीतिक प्रणाली और पूँजीवादी व्यवस्था को समाप्त करने के लिए हथियार और राज्य विरोधी तरीकों का सहारा लिया।
- ★ 1967 में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के लोगों के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के नक्सलवादी इलाके के किसानों ने हिंसक विद्रोह किया था, जिसे नक्सलवादी आंदोलन के रूप में जाना जाता है।
- ★ 1969 में चारू मजूमदार के नेतृत्व में सी पी आई (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) पार्टी का गठन किया गया। इस पार्टी ने क्रांति के लिए गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनायी।
- ★ नक्सलियों ने धनी भूस्वामियों से बलपूर्वक जमीन छीनकर गरीब और भूमिहीन लोगों को दी।
- ★ वर्तमान में 9 राज्यों के 100 से अधिक पिछड़े आदिवासी जिलों में नक्सलवादी हिंसा जारी है।

इनकी माँगे निम्नलिखित हैं:-

- (1) इन इलाकों के लोगो को उपज में हिस्सा, पट्टे की सुनिश्चित अवधि और उचित मजदूरी जैसे बुनियादी हक दिये जाए।
- (2) जबरन मजदूरी, बाहरी लोगो द्वारा संसाधनों का दोहन तथा सूदखोरों द्वारा शोषण से इन लोगो को मुक्ति मिलनी चाहिए।

(5) **रेल हड़ताल:-**

- ★ जार्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में बनी राष्ट्रीय समिति ने रेलवे कर्मचारियों की सेवा

-
- तथा बोनस आदि से जुड़ी माँगों को लेकर 1974 में हड़ताल की थी।
- ★ सरकार में हड़ताल को असंवैधानिक घोषित किया और उनकी माँगों स्वीकार नहीं की।
 - ★ इससे मजदूरों, रेलवे कर्मचारियों, आम आदमी और व्यापारियों में सरकार के खिलाफ असंतोष पैदा हुआ।

(5) न्यायपालिका के संघर्ष:-

- ★ सरकार के मौलिक अधिकारों में कटौती, संपत्ति के अधिकार में काँट-छोट और नीति-निर्देशक सिद्धांतों को मौलिक अधिकारों पर ज्यादा शक्ति देना जैसे प्रावधानों को सर्वोच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया।
- ★ सरकार ने जे:एम. शैलट, के.एस. हेगड़े तथा ए.एन. ग्रोवर की वरिष्ठता की अनदेखी करके ए.एन.रे. को सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करवाया।
- ★ सरकार के इन कार्यों से प्रतिबद्ध न्यायपालिका तथा नौकरशाही की बातें होने लगी थी।

★ आपातकाल की घोषणा:-

- ★ 12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी के 1971 के लोकसभा चुनाव को असंवैधानिक घोषित कर दिया।
- ★ 24 जून 1975 को सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के फैसले पर स्थगनादेश सुनाते हुए, कहा कि अपील का निर्णय आने तक इंदिरा गांधी सांसद बनी रहेगी परन्तु मंत्रिमंडल की बैठकों में भाग नहीं लेगी।
- ★ 25 जून 1975 को जेपी के नेतृत्व में इंदिरा गांधी के इस्तीफे की माँग को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान में राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह की घोषणा की। इंदिरा गांधी के इस्तीफे की माँग की।
- ★ जेपी ने सेना, पुलिस और सरकारी कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे सरकार के अनैतिक और अवैधानिक आदेशों का पालन न करें।

★ 25 जून 1975 की मध्यरात्रि में प्रधानमंत्री ने अनुच्छेद 352 (आंतरिक गडबडी होने पर) के तहत राष्ट्रपति से आपातकाल लागू करने की सिफारिश की।

★ **आपातकाल के परिणाम:-**

- ★ विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया।
- ★ प्रेस पर सेंसरशिप लागू कर दी गयी।
- ★ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध।
- ★ धरना, प्रदर्शन और हड़ताल पर रोक।
- ★ नागरिकों के मौलिक अधिकार निष्प्रभावी कर दिये गये।
- ★ सरकार ने निवारक नजरबंदी कानून के द्वारा राजनीतिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।
- ★ इंडियन एक्सप्रेस और स्टेट्स मैन अखबारों को जिन समाचारों को छापने से रोका जाता था, वे उनकी खाली जगह में छोड़ देते थे।
- ★ 'सेमिनार' और 'मेनस्ट्रीम' जैसी पत्रिकाओं ने प्रकाशन बंद कर दिया था।
- ★ कन्नड़ लेखक शिवराम कारंत तथा हिन्दी लेखक फणीश्वरनाथ रेणु ने आपातकाल के विरोध में अपनी पदवी सरकार को लौटा दी।

★ 42 वें संविधान संशोधन (1976) द्वारा अनेक परिवर्तन किए गये जैसे प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के निर्वाचन को अदालत में चुनौती न दे पाना तथा विधायिका के कार्यकाल को 5 साल से बढ़ाकर 6 साल कर देना आदि।

★ **आपातकाल पर बहस**

पक्ष :-

- बार-बार धरना प्रदर्शन और सामूहिक कार्यवाही से लोकतंत्र बाधित होता है।
- विरोधियों द्वारा गैर-संसदीय राजनीति का सहारा लेना।
- सरकार के प्रगतिशील कार्यक्रमों में अड़चन पैदा करना।
- भारत की एकता के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय साजिश रचना।

-
- इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लागू करने के कदम का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI) ने समर्थन दिया।

विपक्ष :-

- लोकतंत्र में जनता को सरकार का विरोध करने का अधिकार होता है।
- विरोध- आंदोलन ज्यादातर समय अहिंसक और शांतिपूर्ण रहें।
- गृह मंत्रालय ने उस समय कानून व्यवस्था की चिंता जाहिर नहीं की।
- संवैधानिक प्रावधानों का दुरुपयोग निजी स्वार्थ हेतु किया गया।

★ आपातकाल के दौरान किए गए कार्य

- बीस सूत्री कार्यक्रम में भूमि सुधार, भू-पुनर्वितरण, खेतिहर मजदूरों के पारिश्रमिक पर पुनः विचार, प्रबंधन में कामगारों की भागीदारी, बंधुआ मजदूरी की समाप्ति आदि जनता की भलाई के कार्य शामिल थे।
- विरोधियों को निवारक नज़र बड़ी कानून के तहत बंदी बनाया गया।
- मौखिक आदेश से अखबारों के दफ्तरों की बिजली काट दी गई।
- दिल्ली में झुग्गी बस्तियों को हटाने तथा जबरन नसबंदी जैसे कार्य किये गये।

★ आपातकाल के सबक

- 1) आपातकाल के दौरान भारतीय लोकतंत्र की ताकत ओर कमजोरियाँ उजागर हो गई थी, लेकिन जल्द ही कामकाज लोकतंत्र की राह पर लौट आया। इस प्रकार भारत से लोकतंत्र को विदा कर पाना बहुत कठिन है।
- 2) आपातकाल की समाप्ति के बाद अदालतों ने व्यक्ति के नागरिक अधिकारों की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाई है तथा इन अधिकारों की रक्षा के लिए कई संगठन अस्तित्व में आये हैं।
- 3) संविधान के आपातकाल के प्रावधान में 'आंतरिक अशान्ति' शब्द के स्थान पर 'सशस्त्र विद्रोह' शब्द को जोड़ा गया है। इसके साथ ही आपातकाल की घोषणा की सलाह मंत्रिपरिषद् राष्ट्रपति को लिखित में देगी।
- 4) आपातकाल में शासक दल ने पुलिस तथा प्रशासन को अपना राजनीतिक

औजार बनाकर इस्तेमाल किया था। ये संस्थाएँ स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं कर पाई थी।

★ **आपातकाल के बाद की राजनीति**

- जनवारी 1977 में विपक्षी पार्टियों ने मिलकर जनता पार्टी का गठन किया।
- कांग्रेसी नेता बाबू जगजीवन राम ने “कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी” दल का गठन किया, जो बाद में जनता पार्टी में शामिल हो गया।
- जनता पार्टी ने आपातकाल की ज्यादतियों को मुद्दा बनाकर चुनावों को उस पर जनमत संग्रह का रूप दिया।
- 1977 के चुनाव में कांग्रेस को लोकसभा में 154 सीटें तथा जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों को 330 सीटें मिली।
- आपातकाल का प्रभाव उत्तर भारत में अधिक होने के कारण 1977 के चुनाव में कांग्रेस को उत्तर भारत में ना के बराबर सीटें प्राप्त हुईं।
- जनता पार्टी की सरकार में मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री तथा चरण सिंह व जगजीवनराम दो उपप्रधानमंत्री बने।
- जनता पार्टी के पास किसी दिशा, नेतृत्व व एक साझे कार्यक्रम के अभाव में यह सरकार जल्दी ही गिर गई।
- 1980 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 353 सीटें हासिल करके विरोधियों को करारी शिकस्त दी।

★ **शाह आयोग :-**

आपातकाल की जाँच के लिए जनता पार्टी की सरकार द्वारा मई 1977 में सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जे. सी. शाह की अध्यक्षता में एक जाँच आयोग की नियुक्ति की गई।

शाह आयोग द्वारा एकत्र किए गए प्रामाणिक तथ्य -

- क) आपातकाल की घोषणा का निर्णय केवल प्रधानमंत्री का था।
- ख) सामाचार पत्रों के कार्यालयों की बिजली बंद करना पूर्णतः अनुचित था।

-
- ग) प्रधानमंत्री के निर्देश पर अनेक विपक्षी राजनीतिक नेताओं की गिरफ्तारी गैर-कानूनी थी।
- घ) मीसा (MISA) का दुरुपयोग किया गया था।
- ड) कुछ लोगों ने अधिकारिक पद पर न होते हुए भी सरकारी काम-काज में हस्तक्षेप किया था।

नागरिक स्वतंत्रता संगठनों का उदय -

- नागरिक स्वतंत्रता एवं लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लोगों के संघ का उदय अक्टूबर, 1976 में हुआ।
- इन संगठनों ने न केवल आपातकाल बल्कि सामान्य परिस्थितियों में भी लोगों को अपने अधिकारों के प्रति सतर्क रहने के लिए कहा है।
- 1980 में नागरिक स्वतंत्रता एवं लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लोगों के संघ का नाम बदलकर 'नागरिक स्वतंत्रताओं के लिए लोगों का संघ' रख दिया गया।
- गरीबी सहभागिता, लोकतन्त्रीकरण तथा निष्पक्षता से सम्बन्धित चिन्ताओं के सन्दर्भ में भारतीय नागरिक स्वतंत्रता संगठनों (CLOS) ने अनेक क्षेत्रों में संगठित होकर कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (एक अंकीय)

1. सम्पूर्ण क्रांति का लक्ष्य क्या था ?
2. प्रेस सेंसरशिप से क्या अभिप्राय है ?
3. शाह आयोग की स्थापना कब और क्यों की गई थी ?
4. किस संविधान संशोधन के द्वारा विधायिका के कार्यकाल को 5 से बढ़ाकर 6 वर्ष किया गया
5. आपातकाल के दौरान गरीबों के हित के लिए किस कार्यक्रम की घोषणा की गई ?
6. 'कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी' पार्टी किसके नेतृत्व में बनी ?
7. किस साम्यवादी दल ने आपातकाल के दौरान कांग्रेस पार्टी का साथ दिया था ?

-
8. किन दो लेखकों ने लोकतंत्र के दमन के विरोध में अपनी पदवियाँ सरकार को लौटा दी थी ?
 9. 25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा किस राष्ट्रपति ने की थी ?

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (दो अंकीय)

1. आपातकाल के दौरान किन दो संगठनों पर प्रतिबंध लगाया गया था ?
2. 1974 के गुजरात तथा बिहार के छात्रों ने किन मुद्दों पर आंदोलन छेड़ा था।
3. नक्सलवादी आंदोलन ने किन कार्यों को सही ठहराया ?
4. 42वें संविधान संशोधन द्वारा किए गए किन्हीं दो मुख्य बदलावों का उल्लेख करें।
5. 1977 के चुनावों में जनता पार्टी के जीतने के किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए ?
6. आपातकाल और इसके आसपास की अवधि को क्यों संवैधानिक संकट की अवधि के रूप में देखा जाता है ?
7. निम्नलिखित में मेल बढ़ाए।

क) आपातकाल की घोषणा	1) जय प्रकाश नारायण
ख) लोकतंत्र बचाओ	2) चारू मजूमदार
ग) सी पी आई (एम एल)	3) जनता पार्टी
घ) सच्चे लोकतंत्र की स्थापना	4) फखरुद्दीन अली अहमद
8. रेल हड़ताल कब और किस प्रमुख मांग को लेकर हुई थी ?
9. शाह आयोग की नियुक्ति कब और क्यों की गई थी ?
10. निवारक नजरबंदी से आप क्या समझते हैं ?

चार अंकीय प्रश्न

1. आपातकाल के पहले न्यायपालिका एवं सरकार के आपसी रिश्ते में किस

-
- प्रकार के तनाव आए ?
2. 1975 के आपातकाल ने किस प्रकार भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को लाभान्वित किया ?
 3. भारतीय जनतंत्र को आपातकाल के रूप में क्या सबक मिला ?
 4. जून 25, 1975 को भारत में आन्तरिक आपातकाल की घोषणा के पीछे क्या कारण थे ?
 5. लोकनायक जयप्रकाश नारायण का भारतीय राजनीति में क्या योगदान रहा ?

पाँच अंकीय प्रश्न :-

1. निम्नलिखित अवतरण को पढ़ें और इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें।
लोकतंत्र के नाम पर खुद लोकतंत्र की राह रोकने की कोशिश की जा रही है। वैधानिक रूप से निर्वाचित सरकार को काम नहीं करने दिया जा रहा। आंदोलनों से माहौल सरगर्म है और इसके नतीजतन हिंसक घटनाएँ हो रही हैं। एक आदमी तो इस हद तक आगे बढ़ गया है कि वह हमारी सेना को विद्रोह और पुलिस को बगावत के लिए उकसा रहा है। विघटनकारी ताकतों का खुला खेल जारी है।
- | | |
|--|---|
| क) यह अवतरण किसके भाषण का अंश है ? | 1 |
| ख) अवतरण में “एक आदमी तो इस हद तक बढ़ गया है। किसके बारे में कहा गया है। और उन्होंने क्या नारा दिया था ? | 2 |
| ग) देश का माहौल किन कारणों की वजह से खराब हो रहा था ? | 2 |
2. नीचे दिए गये कार्टून का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए तथा निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।



- क) कार्टूनिस्ट ने किस घटना को दर्शाने का प्रयास किया है? 1
- ख) आम लोगों के साथ कौन-कौन से चार नेता खड़े हुए हैं? 2
- ग) सत्तारूढ़ दल कौन सा था, उसकी हार के दो कारण बताओ। 2

छ: अंकीय प्रश्न

1. किन्हीं चार परिस्थितियों का वर्णन कीजिए जिनके कारण 1975 में आपातकालीन स्थिति की घोषणा की गई।
2. 25 जून, 1975 को भारत में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा क्यों की गई? इस आपातकाल के किन्हीं तीन परिणामों का विश्लेषण कीजिए।
3. आपातकाल से मिलने वाले किन्हीं तीन सबको का विश्लेषण कीजिए।
4. आपातकाल में सरकार के द्वारा शक्तियों का दुरुपयोग किया गया था, इस कथन के पक्ष में तर्क दें।

उत्तर (एक अंकीय)

1. सच्चे लोकतंत्र की स्थापना।
2. समाचार पत्रों में कुछ भी छापने से पहले सरकारी अनुमति लेकर अखबारों को छापना प्रैस सेंसरशिप कहलाता है।
3. मई 1977 में, आपातकाल के दौरान की गई कार्यवाही तथा सत्ता के दुरुपयोग की जाँच के लिए।
4. 42वें
5. बीस सूत्रीय कार्यक्रम की।
6. बाबू जगजीवन राम।
7. सी पी आई (भारतीय साम्यवादी जल)
8. कन्नड़ लेखक शिवराम कारंत और हिन्दी लेखक फनीश्वर नाथ। 'रेणु'।
9. फखरुद्दीन अली अहमद।

उत्तर दो अंकीय

1. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर एस एस) और जमात-ए-इस्लामी।
2. क) खाद्यान्न की कमी, खाद्य तेल तथा अन्य वस्तुओं की बढ़ती कीमते
ख) बेरोजगारी तथा उच्च पदों पर जारी भ्रष्टाचार।
3. क) धनी भूस्वामियों से जमीन छीनकर गरीब और भूमिहीन लोगों को देना।
ख) राजनीतिक लक्ष्य हासिल करने के लिए हिंसक साधनों के इस्तेमाल की दलील दी।
4. क) प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के निर्वाचन को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती।
ख) विधायिका का कार्यकाल 5 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष किया गया।
5. क) आपातकाल की घोषणा और कांग्रेस की कार्यगुजारी।
ख) विपक्षी दलों का एक होना।
6. संसद और न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र को लेकर छिड़ा संवैधानिक संघर्ष आपातकाल के मूल में था। सरकार के पास बहुमत होने के बावजूद लोकतंत्र को ठप्प करने का फैसला लिया तथा संवैधानिक शक्तियों का आपातकाल के

-
- दौरान दुरुपयोग हुआ।
7. क — 4)
ख — 3)
ग — 2)
घ — 1
8. मई 1974 में , बोनस और सेवा से जुड़ी शर्तों को लेकर की गई।
9. जे.सी. शाह की अध्यक्षता में मई 1977 में, आपातकाल के दौरान की गई कारवाई तथा सत्ता के दुरुपयोग, अतिचार और कदाचार के विभिन्न आरोपों के विविध पहलुओं की जाँच करने के लिए की गई।
10. निवारक -नजरबंदी -
मुख्यतया किसी अपराध में संलग्न व्यक्ति को ही गिरफ्तार किया जाता है परंतु कभी जब किसी व्यक्ति के स्वतंत्र रहने पर उसके द्वारा अपराध किए जाने की आशंका होती है तो उसे बंदी बना लिया जाता है। इसी को निवारक नजरबंदी कहते हैं।

उत्तर चार अंकीय

1. सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार के कई कार्यों को संविधान के विरुद्ध माना। कांग्रेस न्यायालय के इस रवैये को लोकतंत्र के सिद्धांतों और संसद की सर्वोच्चता के विरुद्ध मानने लगी। इस दल का आरोप था कि न्यायालय एक यथास्थिति वाली संस्था है, और यह गरीबों की कल्याणकारी योजनाओं को लागू होने से रोक रही है।
2. 1) विपक्षी नेताओं ने एकजुट होकर जनता पार्टी बनाई।
2) 1977 में स्वतंत्र निष्पक्ष चुनाव हुए तथा इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस को जनता ने हार का मुँह दिखाया।
3) आपातकाल के दौरान किए गये अनुचित संवैधानिक संशोधन बदल दिए गए।
4) विपक्ष अब आलोचना करने के लिए स्वतंत्र था।

-
3. आपतकाल के बाद संविधान में व्यापक संशोधन किए गए। अब आपातकाल 'सशस्त्र विद्रोह' की स्थिति में ही लगाया जा सकता है ऐसा तभी हो सकता है जब मंत्रिमंडल लिखित रूप में राष्ट्रपति को ऐसा परामर्श दे।
आपातकाल में भी न्यायालयों के पास नागरिक अधिकारों की रक्षा करने की भूमिका सक्रिय रहेगी और नागरिक अधिकारों की रक्षा तत्परता से होने लगी।
4. क) सरकार को विपक्षी दल उसकी नीतियों के अनुसार शासन नहीं चलाने दे रहे। वे बार-बार धरना प्रदर्शन, सामूहिक कार्यवाही, राष्ट्रव्यापी आंदोलन की धमकियाँ देकर देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।
ख) सारी ताकत कानून-व्यवस्था की बहाली पर लगानी पड़ती है। षड़यंत्रकारी ताकतें सरकार के प्रगतिशील कार्यक्रमों में अड़गे डाल रही थी।
ग) विपक्षी दल सेना, पुलिस कर्मचारियों तथा लोगों को सरकार के विरुद्ध भड़का रहे हैं। इसलिए सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की।
5. लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी) गाँधीवादी विचारधारा के साथ-साथ समाजवाद तथा मार्क्सवाद से भी प्रभावित थे। इन्होंने भारत छोड़ो तथा विनोबा भावे के भूदान आंदोलन में बढ़चढ़कर भाग लिया था। इन्होंने नागा विद्रोहियों से सुलह तथा कश्मीर में शांति स्थापना के प्रयास किए। चंबल के डकैतों से सरकार के समक्ष आत्मसमर्पण कराया। इंदिरा द्वारा लगाई गई, जून 1975 की आपातकाल के घोर विरोधी के रूप में प्रतीक बन गए थे। उन्होंने सम्पूर्ण क्रांति का नारा देकर सच्चे लोकतंत्र की स्थापना का आह्वान किया। उन्होंने जनता पार्टी के गठन में अहम भूमिका निभाई।

उत्तर (पाँच अंकीय)

1. क) इंदिरा गाँधी।
ख) जय प्रकाश नारायण, सम्पूर्ण क्रांति।
ग) 1) बार-बार धरना प्रदर्शन और सामूहिक कार्यवाहियों द्वारा।
2) लगातार गैर-संसदीय राजनीति के द्वारा अस्थिरता पैदा करना।

-
2. क) 1977 के चुनावों में कांग्रेस की हार तथा जनता पार्टी की जीत को दर्शाने का प्रयास किया गया है।
- ख) जगजीवन राम, मोरारजी देसाई, चरण सिंह और अटलबिहारी वाजपेयी आदि।
- ग) आपातकाल लागू करना।
- प्रेस सेंसरशिप
 - मीसा (MISA)
 - 42वाँ संविधान संशोधन
- सत्तारूढ़ दल कांग्रेस दल था।

उत्तर छ: अंकीय

1. क) गरीबी हटाओ का नारा अपना प्रभाव खोता जा रहा था।
- ख) 1972-73 में मानसून के विफल होने से कृषि की पैदावार में भारी गिरावट।
- ग) 1973 में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ने से भारतीय अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ा।
- घ) रेलवे कर्मचारियों की हड़ताल।
- ड) गुजरात और बिहार के छात्र आंदोलन।
- च) श्रीमती इंदिरा गांधी के निर्वाचन को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अवैध घोषित कर दिया गया था।
- छ) सरकार की गलत नीतियों के कारण जनता में आक्रोश पनपा।
2. भारत में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा निम्न कारणों से की गई थी।
- 1) इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इंदिरा गांधी के 1971 के लोकसभा चुनाव को अवैध घोषित कर देनां
 - 2) सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उच्च-न्यायालय के फैसले पर स्थगनादेश देना।
 - 3) जे पी द्वारा राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत करना।
- आपातकाल के निम्न परिणाम हुए।
- क) मौलिक अधिकारों का स्थगन।

-
- ख) राजनीतिक नेताओं की गिरफ्तारी।
ग) प्रेस की आजादी पर रोक।
घ) हड़तालों पर प्रतिबन्ध।
ङ) पुलिस और प्रशासन का दुरुपयोग।
3. आपातकाल से निम्नलिखित तीन सबक मिले -
क) संविधान के विवादपूर्ण अनुच्छेदों में संशोधन।
ख) भारत में लोकतंत्र की नींव का और मजबूत होना।
ग) आपातकाल के बाद न्यायालय व नागरिकों का अधिकारों के प्रति ज्यादा सचेत होना।
घ) पुलिस और प्रशासन का निष्पक्ष रूप से काम करना।
4. छात्र स्मरणीय बिन्दुओं की सहायता से उत्तर लिखें।

जन आंदोलन का उदय

- ★ जो आंदोलन किसी राजनैतिक दल के सहयोग द्वारा शुरू किये जाते हैं उन्हें दल आधारित आंदोलन कहते हैं। जैसे आंध्र प्रदेश में किसानों द्वारा तेलंगना आंदोलन (कम्युनिस्ट पार्टी) तिभागा आंदोलन, नक्सलवादी आंदोलन।
- ★ जो आंदोलन स्वयंसेवी संगठनों, स्थानीय लोगों, छात्रों द्वारा किसी समस्या से पीड़ित होने के कारण शुरू किये जाते हैं, उन्हें राजनैतिक दलों से स्वतंत्र जन आंदोलन कहते हैं। जैसे - दलित पैथर्स, ताड़ी विरोधी आंदोलन

चिपको आंदोलन - (पर्यावरण आंदोलन)

- 1973 में उत्तराखण्ड में शुरू
- वन विभाग ने खेती बाड़ी के औजार बनाने के लिये पेड़ों (अंगू) की कटाई से इंकार किया।
- जबकि खेल-सामग्री के विनिर्माता को व्यवसायिक इस्तेमाल के लिये जमीन का आबंटन।
- महिलाओं व समस्त ग्रामवासियों द्वारा पेड़ों की कटाई का विरोध।
- महिलायें पेड़ों की कटाई के विरोध में पेड़ों से चिपक गयी।

माँगें

- स्थानीय लोगों का जल, जंगल, जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर कारगर नियंत्रण।
- सरकार लघु उद्योगों के लिये कम कीमत पर सामग्री उपलब्ध कराये।
- क्षेत्र के पारिस्थितिकी संतुलन को नुकसान पहुँचाये बिना विकास सुनिश्चित करे।
- महिलाओं ने शराबखोरी की लत के खिलाफ भी आवाज उठायी।

परिणाम :-

- सरकार ने 15 सालो के लिये हिमालयी क्षेत्र में पेड़ों की कटाई पर रोक लगा दी।

प्रमुख नेता :- सुन्दरलाल बहुगुणा

- बाद के वर्षों में देश के विभिन्न भागों में उठे जन आंदोलन का प्रतीक।
- महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

दलित पैन्थर्स :-

- दलित समुदाय की पीड़ा व आक्रोश की अभिव्यक्ति महाराष्ट्र में 1972 में शिक्षित दलित युवाओं ने 'दलित पैन्थर्स' नामक संगठन बना कर की।

माँगे :-

- जाति आधारित असमानता तथा भौतिक संसाधनों के मामले में अपने साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ लड़ना।
- आरक्षण के कानून व सामाजिक न्याय की नीतियों का कारगर क्रियान्वयन की माँग।
- दलित महिलाओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार का विरोध।
- भूमिहीन किसानों, मजदूरों व सारे वंचित वर्ग को उनके अधिकार दिलवाना।
- दलितों में शिक्षा का प्रसार

दलित पैन्थर्स की गतिविधियाँ:-

- अनेको साहित्यिक रचनायें लिखी। रचनात्मक व सृजनात्मक ढंग से अपनी लड़ाई लड़ी।
- दलित युवकों ने आगे बढ़कर अत्याचारों का विरोध किया।

परिणाम :-

- सरकार ने 1989 में कानून बनाकर दलितों पर अत्याचार करने वालों के लिये कठोर दण्ड का प्रावधान किया।
- दलित पैन्थर्स के राजनीतिक पतन के बाद बामसेफ (Backward and Minority Employees Federation) का निर्माण

भारतीय किसान यूनियन (BKU)

- 1988 के जनवरी में उत्तर प्रदेश के मेरठ में BKU के सदस्य किसानों ने धरना दिया। (महेन्द्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में)

माँगें

- बिजली की दर में की गयी बढ़ोत्तरी का विरोध
- गन्ने व गेहूँ के सरकारी मूल्यों में बढ़ोतरी की माँग
- कृषि उत्पादों के अन्तर्राष्ट्रीय आवाजाही पर लगी पाबंदिया हटाने की माँग।
- गारंटीशुदा बिजली आपूर्ति
- किसानों के लिये पेंशन का प्रावधान।
- किसानों के बकाया कर्ज माफ

कार्यवाही / शैली / गतिविधियाँ

- धरना, रैली, प्रदर्शन, जेल भरो आदि कार्यवाहियों से सरकार पर दबाव बनाया।

विशेषताएँ

- BKU ने किसानों की लामबंदी के लिये जातिगत जुड़ाव का इस्तेमाल किया।
- अपनी संख्या के दम पर राजनीति में एक दबाव समूह की भाँति सक्रिय।
- आंदोलन की सफलता के पीछे इसके सदस्यों की राजनीति, मोलभाव की क्षमता थी क्योंकि ये नकदी फसल उपजाते थे।
- अपने क्षेत्र की चुनावी राजनीति में इसके सदस्यों का रसूख था। महाराष्ट्र का शेतकारी संगठन व कर्नाटक का रैयतकारी संगठन किसान संगठनों के जीवन्त उदाहरण हैं।

ताड़ी विरोधी आंदोलन

- शराब विरोधी आंदोलन की शुरूआत आंध्रप्रदेश के नैल्लौर जिले के दुबरगंटा गाँव में हुआ।
- लगभग 5000 गाँवों की महिलाओं ने आंदोलन में भाग लिया।
- नैल्लौर जिले में ताड़ी की बिक्री की नीलामी 17 बार रद्द हुई।

-
- 'ताड़ी की बिक्री बंद करो' का नारा लगाया।

माँगे

- शराब की वजह से स्वास्थ्य खराब हो गया था, आर्थिक कठिनाई हो रही थी
- अतः ताड़ी की बिक्री का विरोध- घरेलू हिंसा, महिलाओं पर हो रहे अत्याचार, तथा लैंगिक भेदभाव का विरोध।
- दहेज प्रथा का विरोध

परिणाम

- कई राज्यों में शराबबंदी लागू
- घरेलू हिंसा व महिला अत्याचारों के विरुद्ध कठोर नियम।
- महिलाओं की माँग पर स्थानीय निकायों में आरक्षण लागू। (73वें तथा 74वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा)

नेशनल फिशवर्कर्स फोरम (NFF)

- मछुआरों की संख्या के लिहाज से भारत का विश्व में दूसरा स्थान।
- सरकार द्वारा बॉटम ट्राऊलिंग (व्यवसायिक जहाजों को गहरे समुद्र में मछली मारने की इजाजत) से मछुआरों की आजीविका पर प्रश्न चिन्ह
- बाध्य होकर मछुआरों में NFF बनाया।
- 2002 में NFF द्वारा विदेशी कंपनियों को मछली मारने का लाइसेंस जारी करने के विरोध में राष्ट्र व्यापी हड़ताल की गयी।
- पारिस्थितिकी की रक्षा व मछुआरों के जीवन को बचाने के लिये अनेक कानूनी लड़ाईयाँ लड़ी।
- विश्व के समधर्मा संगठनों से हाथ मिलाया।

नर्मदा बचाओ आंदोलन

- नर्मदा घाटी विकास परियोजना में मध्य प्रदेश, गुजरात, व महाराष्ट्र से गुजरने वाली नर्मदा व सहायक नदियों पर 30 बड़े, 135 मझोले तथा 300 छोटे बाँध बनाने का प्रस्ताव।

लाभ

- गुजरात के बहुत बड़े हिस्से सहित तीनों राज्यों में पीने के पानी, सिंचाई तथा बिजली उत्पादन की सुविधा।

-
- कृषि की उपज में गुणात्मक सुधार।
 - बाढ़ व सूखे की आपदाओं पर अंकुश।

विरोध

- इन परियोजनाओं का लोगों के पर्यावास, आजीविका, संस्कृति तथा पर्यावरण पर बुरा प्रभाव।
- परियोजना के कारण हजारों लोग बेघर (245 गाँव के डूब के क्षेत्र में आने हैं। 2.5 लाख लोग बेघर)

माँगे

- परियोजना से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित सभी लोगों का समुचित पुर्नवास।
- परियोजना की निर्णय प्रक्रिया में स्थानीय समुदायों की भागीदारी।
- जल, जंगल, जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर उनका प्रभावी नियन्त्रण।
- बाँधों के निर्माण में आ रही भारी लागत का सामाजिक नुकसान के संदर्भ में मूल्यांकन किया जाये।

आंदोलन से जुड़े प्रमुख नेता/ व्यक्ति

मेधा पाटेकर, आमिर खान

परिणाम

- इस आंदोलन के परिणाम स्वरूप केन्द्र सरकार ने 2003 में राष्ट्रीय पुर्नस्थापन नीति की घोषणा की।

सूचना का अधिकार (RTI)

- ★ आंदोलन की शुरुआत 1990 में MKSS (मजदूर किसान शक्ति संगठन) ने की (राजस्थान के दौसा जिले की भीम तहसील में)
- ★ ग्रामीणों ने प्रशासन से अपने वेतन व भुगतान के बिल उपलब्ध कराने को कहा।
- ★ उन्हें दी गयी मजदूरी में हेरा फेरी हुई थी।
- ★ आंदोलन के दबाव में राजस्थान सरकार ने कानून बनाया कि जनता को

-
- पंचायत के दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्त करने की अनुमति है।
 - ★ पंचायतों के लिये बजट, लेखा, खर्च, नीतियों व लाभार्थियों के बारे में सार्वजनिक घोषणा करना अनिवार्य।
 - ★ 1996 में MKSS ने दिल्ली में सूचना के अधिकार को लेकर राष्ट्रीय समिति का गठन किया।
 - ★ 2004 में सूचना के अधिकार के विधेयक को सदन में रखा गया।
 - ★ जून 2005 में विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली।

मंडल आयोग की रिपोर्ट का क्रियान्वयन व उसके परिणाम

मण्डल आयोग का गठन बी.पी. मण्डल (बिंदेश्वरी प्रसाद मण्डल) की अध्यक्षता में 1979 में किया गया था। इसका उद्देश्य भारतीय समाज के विभिन्न तबकों के बीच शैक्षिक तथा सामाजिक पिछड़ेपन की व्यापकता का पता लगाना था। आयोग ने 1980 को अपनी सिफारिशें दी।

1. अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) को केन्द्र सरकार की नौकरियों में 27% आरक्षण।
2. शिक्षण संस्थानों में आरक्षण
3. पिछड़ापन वर्ग की स्थिति सुधारने के लिये भूमि सुधार।

क्रियान्वयन का परिणाम

आरक्षण के विरोध में उत्तर भारत के शहरों में व्यापक हिंसक प्रदर्शन हुए। इसमें छात्रों द्वारा हड़ताल, धरना, प्रदर्शन, सरकारी संपत्ति को नुकसान आदि शामिल थे। परन्तु इस विरोध का सबसे अहम पहलू बेरोज़गार युवाओं व छात्रों द्वारा आत्मदाह तथा आत्महत्या जैसी घटनायें थी। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र राजीव गोस्वामी द्वारा सरकार के फैसले के खिलाफ सर्वप्रथम आत्मदाह का प्रयास किया गया। विरोधियों का तर्क था कि जातिगत आधार पर आरक्षण समानता के अधिकार के खिलाफ है। तमाम विरोधों के बावजूद 1993 में तत्कालीन प्रधानमंत्री वी. पी. सिंह द्वारा ये सिफारिशें लागू कर दी गयीं।

जन आंदोलन के सबक

- इन आंदोलनों का उद्देश्य दलीय राजनीति की खामियों को दूर करना।
- सामाजिक आंदोलनों ने समाज के उन नये वर्गों की सामाजिक आर्थिक समस्याओं को अभिव्यक्ति दी जो अपनी समस्याओं को चुनावी राजनीति के जरिये हल नहीं कर पा रहे थे।
- जनता के क्षोभ व समाज के गहरे तनावों को सार्थक दिशा दे कर लोकतंत्र की रक्षा की।
- सक्रिय भागीदारी के नये प्रयोग ने लोकतंत्र के जनाधार को बढ़ाया।
- जनता को जागरूक किया तथा लोकतांत्रिक राजनीति को बेहतर ढंग से समझने में मदद।

निष्कर्ष :-

ये आंदोलन लोकतंत्र के लिये खतरा नहीं होते, बल्कि लोगों में लोकतंत्र के प्रति विश्वास जागृत करते हैं। इनका उद्देश्य दलीय राजनीति की खामियों को दूर करना होता है। अतः इन्हें समस्या के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिये।

एक अंक वाले प्रश्न

1. चिपको आंदोलन की शुरूआत कहाँ पर हुई?
2. ताड़ी विरोधी आंदोलन का प्रमुख नारा बतायें।
3. मेधा पाटेकर किस जन आंदोलन से जुड़ी हैं?
4. नामदेव ढसाल के प्रसिद्ध कवि हैं?
5. दलित पैथर्स के पतन के बाद उत्पन्न रिक्त स्थान की पूर्ति किस संगठन रूप लिखे।
6. NFF का विस्तृत रूप लिखें।
7. सूचना का अधिकार विधेयक कब पारित हुआ?
8. जन आंदोलन से आपका क्या अभिप्राय है?
9. हाल ही में किस राज्य ने पूर्ण शराबबंदी लागू की है?
10. नर्मदा सागर बाँध किस राज्य में है?

-
11. भारतीय किसान यूनियन का प्रभाव किन राज्यों में अधिक था ?
 12. सूचना के अधिकार का नेतृत्व किस संगठन ने किया ?
 13. किस संविधान संशोधन के माध्यम से महिलाओं को स्थानीय निकायों में आरक्षण प्रदान किया गया है ?

दो अंक वाले प्रश्न

1. भारतीय किसान यूनियन की दो माँगे बतायें।
2. दलित पैथर्स की मुख्य गतिविधियाँ बतायें।
3. निम्नलिखित को सही कर पुनः लिखें -
“सूचना का अधिकार संबंधी विधेयक सदन के पटलपर 2002 में रखा गया तथा जनवरी 2005 में इस विधेयक को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली।
4. BAMCEF तथा BKU का विस्तृत रूप लिखें।
5. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो
एक आंदोलन जो के नाम से जाना जाता है, नर्मदा नदी पर के निर्माण के विरुद्ध है।
6. दल आधारित तथा राजनैतिक दलों से स्वतंत्र आंदोलनों में अंतर स्पष्ट कीजिये।
7. उड़ीसा के आदिवासी जिलों में, उद्योग लगाने से आदिवासियों तथा पर्यावरणविदों के किस प्रकार के डर थे ?

चार अंक वाले प्रश्न :-

1. चिपको आंदोलन कब शुरू हुआ ? पर्यावरण संरक्षण में इसका क्या योगदान है ?
2. आंध्र प्रदेश में चले शराब विरोधी आंदोलन ने देश का ध्यान किन गंभीर मुद्दों की तरफ खींचा ?
3. दलित पैथर्स की प्रमुख माँगे कौन सी थी ?

4. मिलान कीजिये -

आंदोलन	प्रमुख नेता
1. नर्मदा बचाओ आंदोलन	— महेन्द्र सिंह टिकैत
2. ताड़ी विरोधी आंदोलन	— नामदेव ढसाल
3. भारतीय किसान यूनियन	— मेधा फटेकर
4. दलित पैथर्स	— देबागुंटा रोसम्मा

5. भारतीय सरकार की किस कार्यवाही से मछुआरों के जीवन पर एक बड़ा संकट खड़ा हो गया ?

6. भारतीय समाज के किन वर्गों को इन आंदोलनों ने एकजुट किया ?

पाँच अंक वाले प्रश्न

1. प्र01 यह चित्र किस आंदोलन से संबंधित है ?

प्र02 महिलाओं ने पेड़ को क्यों पकड़ा हुआ है ?

प्र03 किस वृक्ष की कटाई का विरोध किया जा रहा था ?



-
2. निम्नलिखित अवतरण को पढ़ें और इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें :

... लगभग सभी नए सामाजिक आंदोलन नयी समस्याओं जैसे-पर्यावरण का विनाश, महिलाओं की बदहाली, आदिवासी संस्कृति का नाश और मानवाधिकारों का उल्लंघन... के समाधान को रेखांकित करते हुए उभरे। इनमें से कोई भी अपनेआप में समाजव्यवस्था के मूलगामी बदलाव से जुड़ा नहीं था। इस अर्थ में ये आंदोलन अतीत की क्रांतिकारी विचारधाराओं से एकदम अगल हैं। लेकिन, ये आंदोलन बड़ी बुरी तरह बिखरे हुए हैं और यही इनकी कमजोरी है। .. सामाजिक आंदोलनों का एक बड़ा दायरा ऐसी चीजों की चपेट में है कि वह एक ठोस तथा एकजुट जन आंदोलन का रूप नहीं ले पाता और न ही वंचितों और गरीबों के लिए प्रासंगिक हो पाता है। ये आंदोलन बिखरे-बिखरे हैं, प्रतिक्रिया के तत्त्वों से भरे हैं, अनियत हैं और बुनियादी सामाजिक बदलाव के लिए इनके पास कोई फ्रेमवर्क नहीं है। 'इस' या 'उस' के विरोध (पश्चिम-विरोधी, पूँजीवाद विरोधी, 'विकास-विरोधी, आदि) में चलने के कारण इनमें कोई संगति आती हो अथवा दबे-कुचले लोगों और हाशिए के समुदायों के लिए ये प्रासंगिक हो पाते हों-ऐसी बात नहीं।

- क) नए सामाजिक आंदोलन और क्रांतिकारी विचारधाराओं में क्या अन्तर है ?
ख) लेखक के अनुसार सामाजिक आंदोलनों की सीमाएँ क्या-क्या हैं ?
ग) यदि सामाजिक आंदोलन विशिष्ट मुद्दों को उठाते हैं तो आप उन्हें 'बिखरा' हुआ कहेंगे या मानेंगे कि वे अपने मुद्दे पर कहीं ज्यादा केंद्रित हैं। अपने उत्तर की पुष्टि में तर्क दीजिए।

छ: अंक वाले प्रश्न

1. जन आंदोलन के सबक लिखिये।

अथवा

जन आंदोलनों ने लोकतंत्र के मार्ग में बाधा नहीं पहुँचायी बल्कि उसका विस्तार किया है। इस कथन की पुष्टि करते हुए जन आंदोलनों की सार्थकता पर

प्रकाश डालिये।

2. मण्डल कमीशन की सिफारिशें क्या थीं? सिफारिशों के क्रियान्वयन का क्या परिणाम हुआ?
3. बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना के तीन सकारात्मक तथा तीन नकारात्मक प्रभाव बताएँ।

एक अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. उत्तराखण्ड
2. ताड़ी की बिक्री बंद करो
3. नर्मदा बचाओ आंदोलन
4. मराठी
5. बामसेफ
6. नेशनल फिशवर्कस फोरम
7. 2005
8. समाज के विभिन्न समूह अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये जो आंदोलन चलाते हैं, उन्हें जन आंदोलन कहते हैं। यह लोगों के असंतोष की अभिव्यक्ति के माध्यम हैं।
9. बिहार
10. मध्य प्रदेश
11. पश्चिमी उत्तर-प्रदेश व हरियाणा
12. मजदूर किसान शक्ति संगठन
13. 73वाँ तथा 74वाँ संशोधन

दो अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. a) बिजली की दर में की गयी बढ़ोत्तरी का विरोध
b) किसानों के ऋण माफ करने की माँग।
2. a) अनेकों साहित्यिक रचनाओं द्वारा जातिगत अत्याचारों का विरोध।
b) भूमिहीन गरीब किसानों, मजदूरों व दलितों का संगठन बनाना व मंच

प्रदान करना।

3. “सूचना का अधिकार” संबंधी विधेयक सदन के पटल पर सन् 2004 में रखा गया तथा जून 2005 में विधेयक को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली।
4. a) बैकवर्ड एण्ड माइनोरिटी एम्पलाईज़ फेडरेशन
b) भारतीय किसान यूनियन
5. एक आंदोलन जो नर्मदा बचाओ आंदोलन के नाम से जाना जाता है, नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बांध के निर्माण के विरुद्ध है।
6. दल आधारित आंदोलन वह होते हैं जो राजनैतिक दलों के सहयोग से शुरू किये जाते हैं। जो आंदोलन स्थानीय लोगों व स्वयंसेवी संगठनों आदि के द्वारा शुरू किये जाते हैं, उन्हें दलों से स्वतंत्र आंदोलन कहते हैं।
7. आदिवासियों को विस्थापन तथा आजीविका का भय था तथा पर्यावरणविद् को पर्यावरण के प्रदूषण का भय था।

चार अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. स्मरणीय बिन्दु देखें।
2. अपराधीकरण - शराब की बिक्री के फलस्वरूप अपराध व राजनीति का गहरा संबंध हो गया था।
 - घरेलू हिंसा - शराब पीने के बाद घरेलू हिंसा में वृद्धि।
 - शारीरिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव
 - महिलाओं का शारीरिक व मानसिक शोषण
3. स्मरणीय बिन्दु देखें।
4. नर्मदा बचाओ आंदोलन — मेधा पाटेकर
ताड़ी विरोधी आंदोलन — देबागुंटा रोसम्मा
भारतीय किसान यूनियन — महेन्द्र सिंह टिकैत
दलित पैथर्स — नामदेव ढसाल।
5. स्मरणीय बिन्दु देखें।

-
6. समाज के उपेक्षित वर्ग, दलित, आदिवासी, ग्रामीण महिलायें, कृषक व मजदूर वर्ग।

पाँच अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

- प्र01 1) यह चित्र चिपको आंदोलन से संबंधित है।
- 2) महिलायें सरकार द्वारा खेल सामग्री के विनिर्माता को व्यवसायिक इस्तेमाल के लिये जमीन के आबंटन का विरोध कर रही हैं। पेड़ों को कटाई से बचाने के लिये महिलायें पेड़ों को अपनी बाहों में घेर कर खड़ी हो गयी।
- 3) अंगू के पेड़ों की कटाई का विरोध किया जा रहा था।

2. अवतरण

- 1) नये सामाजिक आंदोलन नयी समस्याओं जैसे पर्यावरण का विनाश, महिलाओं की बदहाल स्थिति, आदिवासी संस्कृति का नाश व मानवाधिकारों के उल्लंघन से संबंधित हैं जबकि क्रान्तिकारी विचारधारयें समाज व्यवस्था में मूलगामी परिवर्तन से संबंधित होती है।
- 2) यह सुसंगठित नहीं होते हैं न ही गरीबों व वंचितों के लिये प्रासंगिक हो सकते हैं क्योंकि इनके पास बदलाव के लिये कोई फ्रेमवर्क नहीं है।
- 3) विशिष्ट मुद्दों को उठाने के कारण अपने मुद्दे पर केन्द्रित कहना ज्यादा उचित होगा। उदाहरण नर्मदा बचाओं आंदोलन का प्रभाव उसी क्षेत्र के लोगों से संबंधित है, उसका प्रभाव केरल या कश्मीर के लोगों पर नहीं पड़ेगा। अतः समस्यायें सुलझाने के लिये इन आंदोलनों का विशिष्ट मुद्दों पर केन्द्रित होना आवश्यक है।

छः अंक वाले प्रश्न का उत्तर

1. स्मरणीय बिन्दु देखें

2. स्मरणीय बिन्दु देखें।

3. **सकारात्मक प्रभाव**

- सिंचाई के लिये जल की उपलब्धता
- बाढ़ व सूखे की समस्या से मुक्ति
- क्षेत्र का विकास

नकारात्मक प्रभाव

- स्थानीय लोगों के पुर्नवास की समस्या
- पर्यावरण को हानि
- आजीविका व संस्कृति पर बुरा असर

क्षेत्रीय आकांक्षायें

स्मरणीय बिन्दु

- ★ यूरोप के देशों में सांस्कृतिक विभिन्नता को राष्ट्र के लिए खतरा माना जाता है परन्तु भारत में विविधता की चुनौती से निपटने के लिए देश की आन्तरिक सीमाओं का पुनः निर्धारण किया गया है और सभी समुह के व्यक्तियों को अपनी संस्कृति बनाये रखने की अधिकार है।
 - ★ भारत में सन् 1980 के दशक को स्वायत्तता के दशक के रूप में देखा जाता है कई बार संकीर्ण स्वार्थों, विदेशी प्रोत्साहन आदि के कारण क्षेत्रीयता की भावना जब अलगाव का रास्ता पकड़ लेती है तो यह राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के लिए गम्भीर चुनौती बन जाती है।
 - ★ क्षेत्रीयता के प्रमुख कारण :-
 - धार्मिक विभिन्नता
 - सांस्कृतिक विभिन्नता
 - भौगोलिक विभिन्नता
 - राजनीतिक स्वार्थ
 - असंतुलित विकास
 - क्षेत्रीय राजनीतिक दल इत्यादि
- जम्मू एवम कश्मीर** - यहाँ पर तीन राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र शामिल हैं - जम्मू, कश्मीर और लद्दाख। कश्मीर का एक भाग अभी भी पाकिस्तान के कब्जे में है। और पाकिस्तान ने कश्मीर का भाग अवैध रूप से चीन को हस्तांतरित कर दिया है
- ★ स्वतंत्रता से पूर्व जम्मू कश्मीर में राजतन्त्रिय शासन व्यवस्था थी। यहां के राजा हरी सिंह ने इसको अलग स्वतंत्र देश घोषित किया तो पाकिस्तानी कबायलियों की घुसपैठ के कारण राजा ने भारत सरकार से सैनिक सहायता मांगी और

बदले में कश्मीर के भारत में विलय करने के लिए विलय पत्र पर हस्ताक्षर किये। तथा भारत ने संविधान के अनुच्छेद 370 के द्वारा विशेष राज्य का दर्जा प्रदान किया।

- ★ पाकिस्तान के उग्रवादी व्यवहार और कश्मीर के अलगावादियों के कारण यह क्षेत्र अशान्त बना हुआ है यहाँ के अलगावादियों की तीन मुख्य धाराये है -
1) कश्मीर को अलग राष्ट्र बनाया जाय 2) कश्मीर का पाकिस्तान में विलय किया जाय 3) कश्मीर भारत का ही भाग रहे परन्तु इसे और अधिक स्वायत्ता दी जाय।

पंजाब - 1920 के दशक में गठित अकाली दल ने पंजाबी भाषी क्षेत्र के गठन के लिए आन्दोलन चलाया जिसके परिणाम स्वरूप पंजाब प्रान्त से अलग करके सन् 1966 में हिन्दी भाषी क्षेत्र हरियाणा तथा पहाड़ी क्षेत्र हिमाचल प्रदेश बनाये गये।

- ★ अकालीदल से सन् 1973 के आनन्दपुर साहिब सम्मेलन में पंजाब के लिए अधिक स्वायत्तता की मांग उठी कुछ धार्मिक नेताओं ने स्वायत्त सिक्ख पहचान की मांग की और कुछ चरमपन्थियों ने भारत से अलग होकर खालिस्तान बनाने की मांग की।
- ★ ऑपरेशन ब्लू स्टार - सन् 1980 के बाद अकाली दल पर उग्रपन्थी लोगों का नियन्त्रण हो गया और इन्होंने अमृतसर के स्वर्ण मन्दिर में अपना मुख्यालय बनाया। सरकार ने जून 1984 में उग्रवादियों को स्वर्ण मन्दिर से निकालने के लिए सैन्य कार्यवाही (ऑपरेशन ब्लू स्टार) की।
- ★ इस सैन्य कार्यवाही को सिक्खों ने अपने धर्म, विश्वास पर हमला माना जिसका बदला लेने के लिए 31 अक्टूबर 1984 को इन्दिरा गांधी की हत्या की गई तो दूसरी तरफ उत्तर भारत में सिक्खों के विरुद्ध हिंसा भड़क उठी।
- ★ पंजाब समझौता - जुलाई 1985 में अकाली दल के अध्यक्ष हर चन्द सिंह लो गोवाल तथा राजीव गांधी के समझौते ने पंजाब में शान्ति स्थापना के प्रयास किये।

-
- पूर्वोत्तर भारत** - इस क्षेत्र में सात राज्य हैं भारत की 04 प्रतिशत आबादी रहती है। यहाँ की सीमायें चीन, म्यांमार, बांग्लादेश और भूटान से लगती हैं यह क्षेत्र भारत के लिए दक्षिण पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार है। संचार व्यवस्था एवं लम्बी अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा आदि समस्याये यहाँ की राजनीति को संवेदनशील बनाती है। पूर्वोत्तर भारत की राजनीति में स्वायत्तता की मांग, अलगाववादी आंदोलन तथा बाहरी लोगों का विरोध मुद्दे प्रभावी रहे हैं।
- ए) **स्वायत्तता की मांग** - आजादी के समय मणिपुर एवं त्रिपुरा को छोड़कर पूरा क्षेत्र असम कहलाता था जिसमें अनेक भाषायी जनजातिय समुदाय रहते थे इन समुदायों ने अपनी विशिष्टता को सुरक्षित रखने के लिए अलग-अलग राज्यों की मांग की।
- बी) **अलगाववादी आन्दोलन** - 1) मिजोरम - सन् 1959 में असम के मिजो पर्वतीय क्षेत्र में आये अकाल का असम सरकार द्वारा उचित प्रबन्ध न करने पर यहाँ अलगाववादी आन्दोलन उभारो।
- ★ सन् 1966 मिजो नेशनल फ्रंट (M.N.F.) ने लाल डेंगा के नेतृत्व में आजादी की मांग करते हुए सशस्त्र अभियान चलाया। 1986 में राजीव गांधी तथा लाल डेंगा के बीच शान्ति समझौता हुआ और मिजोरम पूर्ण राज्य बना।
- 2) **नागालैण्ड** - नागा नेशनल काउंसिल (N.N.C) ने अंगमी जापू फिजो के नेतृत्व में सन् 1951 से भारत से अलग होने और वृहत नागालैण्ड की मांग के लिए सशस्त्र संघर्ष चलाया हुआ है। कुछ समय बाद N.N.C में दोगुट एक इशाक मुइवा (M) तथा दुसरा खापलांग (K) बन गये। भारत सरकार ने सन् 2015 में N.N.C - M गुट से शान्ति स्थापना के लिए समझौता किया परन्तु स्थाई शान्ति अभी बाकी है।
- सी) **बाहरी लोगों का विरोध** - पूर्वोत्तर के क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ तथा भारत के दूसरे प्रान्तो से आये लोगों को यहाँ की जनता अपने रोजगार और संस्कृति के लिए खतरा मानती है।
- ★ 1979 से असम के छात्र संगठन आसू (AASU) ने बाहरी लोगों के विरोध में ये आन्दोलन चलाया जिसके परिणाम स्वरूप आसू और राजीव गांधी के बीच शान्ति समझौता हुआ सन् 2016 के असम विधान सभा चुनावों में भी

बांग्लादेशी घुसपैठ का प्रमुख मुद्दा था।

द्रविड आन्दोलन - दक्षिण भारत के इस आन्दोलन का नेतृत्व तमिलसमाज सुधारक ई.वी. रामास्वामी नायकर पेरियार ने किया। इस आन्दोलन ने उत्तर भारत के राजनीतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक प्रभुत्व, ब्राह्मणवाद व हिन्दी भाषा का विरोध तथा क्षेत्रीय गौरव बढ़ाने पर जोर दिया। इसे दूसरे दक्षिणी राज्यों में समर्थन न मिलने पर यह तमिलनाडु तक सिमट कर रह गया। इस आन्दोलन के कारण एक नये राजनीतिक दल - “द्रविड कषगम” का उदय हुआ यह दल कुछ वर्षों के बाद दो भागों (D.M.K. एवं A.I.D.M.K.) में बंट गया ये दोनों दल अब तमिलनाडु की राजनीति में प्रभावी हैं।

सिक्किम का विलय :- आजादी के बाद भारत सरकार ने सिक्किम के रक्षा व विदेश मामले अपने पास रखे और राजा चोग्याल को आन्तरिक प्रशासन के अधिकार दिये। परन्तु राजा जनता की लोकतान्त्रिक भावनाओं को नहीं संभाल सका और अप्रैल 1975 में सिक्किम विधान सभा ने सिक्किम का भारत में विलय का प्रस्ताव पास करके जनमत संग्रह कराया जिसे जनता ने सहमती प्रदान की। भारत सरकार ने प्रस्ताव को स्वीकार कर सिक्किम को भारत का 22वाँ राज्य बनाया।

गोवा मुक्ति :- गोवा दमन और दीव सोलहवीं सदी से पुर्तगाल के अधीन थे और 1947 में भारत की आजादी के बाद भी पुर्तगाल के अधीन रहे। महाराष्ट्र के समाजवादी सत्याग्रहियों के सहयोग से गोवा में आजादी का आन्दोलन चला दिसम्बर 1961 में भारत सरकार ने गोवा में सेना भेजकर आजाद कराया और गोवा दमन, दीव को संघ शासित क्षेत्र बनाया।

- ★ भारत का सर्वप्रथम जनमत संग्रह जनवरी 1967 में गोवा को महाराष्ट्र में शामिल होने या अलग बने रहने के लिए कराया गया और सन् 1987 में गोवा को राज्य बनाया गया।

आजादी के बाद से अब तक उभरी क्षेत्रीय आकांक्षाओं के सबक -

- क्षेत्रीय आकांक्षाये लोकतान्त्रिक राजनीति की अभिन्न अंग हैं।
- क्षेत्रीय आकांक्षाओं को दबाने की बजाय लोकतान्त्रिक बातचीत को अपनाना

अच्छा होता है।

- सत्ता की साझेदारी के महत्व को समझना।
- क्षेत्रीय असन्तुलन पर नियन्त्रण रखना।

एक अंकीय प्रश्न -

1. क्षेत्रीय आकांक्षाओं की उचित राजनीतिक अभिव्यक्ति किस शासन प्रणाली में होती है ?
2. भारत के किस क्षेत्र को सात बहनो का प्रदेश कहा जाता है ?
3. अकाली दल किस राज्य का क्षेत्रीय राजनीतिक दल है ?
4. भारत में हिन्दी विरोधी आन्दोलन किस क्षेत्र में चला ?
5. मिजो नेशनल फ्रंट के संस्थापक नेता कौन था ?
6. पंजाब के आतंकवाद को समाप्त करने के लिए भारत सरकार ने कौन सा सैन्य अभियान चलाया था ?
7. गोवा में कौन सी प्रमुख भाषा बोली जाती है ?
8. भारत में स्वायत्तता की मांग का दशक किसे माना जाता है ?
9. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के द्वारा जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाता है।
10. पेरियार के नाम से किस को जाना जाता है ?
11. राजनीतिक दल D.M.K. की स्थापना किसने की थी ?
12. जम्मू कश्मीर के कोई दो क्षेत्रों के नाम लिखिये।
13. क्षेत्रीय आकांक्षाओं के प्रति कौन सा तरीका अपनाया जाना चाहिए ?
14. आजादी के समय कश्मीर का शासक कौन था ?
15. गोवा दमन एवं दीव पुर्तगाल से कब स्वतन्त्र हुए ?
16. द्रविड आन्दोलन का नारा क्या था ?

दो अंकीय प्रश्न :-

1. पूर्वोत्तर भारत के किन्हीं चार राज्यों के नाम लिखिये।
2. पंजाब समझौता कब और किनके बीच हुआ ?

-
3. भारतीय संघ के नवनिर्मित 29 वे राज्य का नाम लिखिये तथा यह किस राज्य से बनाया गया है ?
 4. नेशनल कांग्रेस किस राज्य से सम्बन्धित राजनीतिक दल है वर्तमान में इस राज्य में किस दल की सरकार है ?
 5. ऑपरेशन ब्लू स्टार कब और कहाँ चलाया गया था ?
 6. उन चार देशों के नाम लिखिये जिनकी सीमाये भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से लगी हुई है।
 7. भारत सरकार ने जनता की इच्छा जानने के लिए सर्वप्रथम जनमत संग्रह कहाँ और क्यों कराया था ?
 8. कश्मीर और लद्दाख में किस-किस धर्म के लोगों की बहुलता है।
 9. असम का क्षेत्रीय राजनीतिक दल 'असमगण परिषद्' किन दलों को मिलाकर बनाया गया।
 10. पंजाब का विभाजन कब हुआ तथा कौन से नये राज्य बनाये गये।
 11. पूर्वोत्तर भारत का क्षेत्र संवेदनशील मानने के कोई दो कारण लिखिये।
 12. राज्य और उनके गठन के वर्षों का मिलान कीजिए

क) हरियाणा	1)	1986
ख) मेघालय, मणीपुर, त्रिपुरा	2)	1966
ग) नागालैण्ड	3)	1960
घ) अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम	4)	1972

चार अंकीय प्रश्न :-

1. क्षेत्रीयता (क्षेत्रवाद) के कारणों का उल्लेख कीजिए।
2. क्षेत्रवाद एवं पृथक्तावाद में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
3. पंजाब समझौते के प्रमुख प्रावधानों का वर्णन कीजिए।
4. पंजाब के अलग प्रान्त बनने पर भी अकाली दल अधिक लोकप्रिय क्यों नहीं हुआ ?
5. भारत में क्षेत्रीय असन्तोष को नियन्त्रित करने के सुझाव दीजिए।
6. स्वतन्त्रता के बाद देश में उत्पन्न तनाव और संघर्ष के क्या कारण रहे हैं ?

7. निम्नलिखित का मिलान कीजिए।

- | | |
|----------------------------|-----------------|
| क) लाल डेगा | 1) तमिलनाडु |
| ख) पेरियार | 2) जम्मू कश्मीर |
| ग) नेशनल कांफ्रेंस | 3) पंजाब |
| घ) आनन्दपुर साहिब प्रस्ताव | 4) मिजोरम |

8. निम्नलिखित का मिलान कीजिए।

- | अ | ब |
|---|------------------------|
| क्षेत्रीय आकाक्षाओं की प्रकृति | राज्य |
| क) सामाजिक धार्मिक पहचान के आधार पर राज्य का निर्माण। | 1) नागालैण्ड / मिजोरम |
| ख) भाषायी पहचान और केन्द्र के साथ तनाव। | 2) झारखण्ड / छत्तीसगढ़ |
| ग) क्षेत्रीय असन्तुलन के फलस्वरूप राज्य का निर्माण। | 3) पंजाब |
| घ) आदिवासी पहचान के आधार पर अलगावादी मांग। | 4) तमिलनाडु |

पाँच अंकीय प्रश्न

1. नीचे लिखे अवतरण को पढ़ें और इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें :

हजारिका का एक गीत..... एकता की विजय पर हैं, पूर्वोत्तर के सात राज्यों को इस गीत में एक ही माँ की सात बेटियाँ कहा गया है... मेघालय अपने रास्ते गई..... अरुणाचल भी अलग हुई और मिजोरम असम के द्वार पर दूल्हे की तरह दूसरी बेटि से ब्याह रचाने को खड़ा है... इस गीत का अंत असमी लोगों की एकता को बनाए रखने के संकल्प के साथ होता है और इसमें समकालीन असम में मौजूद छोटी-छोटी कौमों को भी अपने साथ एकजुट रखने की बात कहीं गई है..... करबी और मिजिंग भाई-बहन हमारे ही प्रियजन हैं।

-- संजीव बरूआ

-
- क) लेखक यहाँ किस एकता की बात कह रहा है ?
ख) पुराने राज्य असम से अलग करके पूर्वोत्तर के मुख्य राज्य क्यों बनाए गए ?
ग) पूर्वोत्तर के किन्हीं दो राज्यों के नाम लिखिए।

2. नीचे दिये गये अवतरण को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
“छः साल की सतत् अस्थिरता के बाद राजीव गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने ‘आसू’ के नेताओं के साथ बातचीत शुरू की। निसके परिणामस्वरूप एक समझौता हुआ”
- क) आसू (AASU) का शब्द विस्तार तथा आसू किस राज्य का संगठन है ? उसका नाम लिखिये।
ख) राजीव गाँधी तथा आसू के नेताओं के बीच समझौता कब हुआ ?
ग) आसू की दो प्रमुख मांगों को लिखिये।

छः अंकीय प्रश्न :-

1. “क्षेत्रीय मांगों का मानना और भाषा के आधार पर नये राज्यों का गठन करना एक लोकतान्त्रिक कदम के रूप में देखा जाता है” इस कथन को न्यायोचित सिद्ध करने के लिए तीन उपयुक्त तर्क दीजिए।
2. स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद से जम्मू कश्मीर की राजनीति सदैव विवादग्रस्त एवं संघर्ष युक्त रही है क्यों ? वर्णन कीजिए।
3. किन कारणों से भारतीय लोकतन्त्र की सफलता के लिए क्षेत्रवाद पर नियन्त्रण लगाना आवश्यक है ?
4. असम का आन्दोलन सांस्कृतिक स्वाभिमान और आर्थिक पिछड़ेपन की मिली जुली अभिव्यक्ति था इस कथन पर अपने मत प्रकट करे।
5. क्षेत्रीय आकांक्षाओं जैसे मुद्दों के आन्दोलनों से क्या सबक (सीख) लेनी चाहिए।

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली

-
2. पूर्वोत्तर क्षेत्र
 3. पंजाब का
 4. दक्षिण भारतीय राज्यों में
 5. लाल डेंगा
 6. ऑपरेशन ब्लू स्टार
 7. कोंकणी भाषा
 8. 1980 का दशक
 9. अनुच्छेद 370
 10. ई. वी. रामा स्वामी नायकर
 11. सी. अन्नादुराई
 12. ए) जम्मू बी) कश्मीर सी) लद्दाख डी) कोई दो
 13. दबाने के बजाय बातचीत का तरीका
 14. राजा हरि सिंह
 15. दिसम्बर 1961
 16. “उत्तर हर दिन बढ़ता जाय दक्षिण दिन-दिन घटता जाय”

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. मणीपुर, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा, नागालैण्ड, असम
2. जुलाई 1985, अकाली दल अध्यक्ष हर चन्द्र सिंह लोगोवाला व राजीव गांधी।
3. तेलंगाना, आन्ध्रप्रदेश से
4. जम्मू कश्मीर से / यहाँ वर्तमान में PDP (पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) तथा भारतीय जनता पार्टी की गठबन्धन सरकार है।
5. जून 1984 में। पंजाब में अमत्सर के स्वर्ण मन्दिर में
6. चीन, म्यामार, बांग्लादेश और भूटान।
7. जनवरी 1967 में। गोवा को महाराष्ट्र राज्य में मिलाने या स्वतन्त्र पहचान।
8. कश्मीर में इस्लाम तथा लद्दाख में बौद्ध लोगों की बहुलता है।
9. 1966 में (हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश)
11. पूरे भारत में अलग-थलग, जटिल सामाजिक संरचना, आर्थिक पिछड़ापन तथा

लम्बी अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखा- (कोई दो)

12. क) 2, घ) 4, ग) 3, घ) 1

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. स्मरणीय बिन्दु में
2. क्षेत्रवाद - क्षेत्रीय आधार पर राजनीतिक, आर्थिक एवं विकास सम्बन्धी मांग उठाना।
पृथक्तावाद - किसी क्षेत्र का देश से अलग होने की भावना होना या मांग उठाना।
- 3.-- चण्डीगढ़ पंजाब को दिया जायेगा।
 - पंजाब हरियाणा सीमा विवाद सुलझाने के लिए आयोग की नियुक्ति होगी।
 - पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के बीच राबी व्यास के पानी बंटवारे हेतु न्यायाधिकरण गठित किया जायेगा।
 - पंजाब में उग्रवाद प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया जायेगा।
 - पंजाब से विशेष सुरक्षा बल अधिनियम।
4. -- पंजाब के हिन्दुओं में अकाली दल का प्रभाव नहीं।
 - केन्द्र सरकार ने अकाली दल सरकार को बर्खास्त किया।
 - सिक्ख समुदाय भी वर्गों में बटा हुआ था।
 - दलित सिक्खों पर कांग्रेस का प्रभाव रहा है।
5. -- सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास।
 - भाषावाद की समस्या का समाधान।
 - राष्ट्रीय एकता का महत्व बताना।
 - क्षेत्रीय हितों के स्थान पर राष्ट्रीय हितों को प्रमुखता देना।
6. -- भाषा के आधार पर नये राज्यों के गठन की मांग
 - गैर हिन्दी भाषी क्षेत्रों में हिन्दी भाषा का विरोध।
 - जम्मू कश्मीर में स्वायत्तता का आन्दोलन।
 - जन जातिय आन्दोलन
 - अलगाववादी आन्दोलन।

-
7. क) 4, ख) 1, ग) 2, घ) 3
8. क) 3, ख) 4, ग) 2, घ) 1

पाँच अंकीय प्रश्नों के उत्तर

- 1 क) पूर्वोत्तर के सात राज्यों की एकता
ख) — क्षेत्रीय मांगों को पूरा करने के लिए
— पूर्वोत्तर के समुचित एवं संतुलित विकास हेतु।
ग) मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा, आदि (कोई दो)
2. क) AASU - All Assam Student Union, असम राज्य।
ख) सन् 1985 में
ग) बाहरी लोगों का विरोध, अपनी संस्कृति की रक्षा तथा गरीबी दूर करना।

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. कथन के पक्ष में तर्क -
ए) 60 वर्षों में भाषायी आधार पर बनने वाले राज्यों ने लोकतान्त्रिक राजनीति की प्रकृति को सकारात्मक और रचनात्मक बना दिया है।
बी) भाषायी आधार पर राज्यों के निर्माण से राज्यों की सीमाये निर्धारित करने में भाषा सभी के लिए एक समान आधार बन गई है।
सी) इससे देश विघटन होने के बजाय एकीकरण हुआ।
डी) लोगों की क्षेत्रीय आकांक्षायें पूरी हुई हैं लोगों को ताकत मिली है और लोकतंत्र सफल हुआ है लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अनेक क्षेत्रीय अपेक्षाओं को स्थान दिया जा रहा है (किन्हीं तीन की व्याख्या करें)
2. — कश्मीर के तीन सामाजिक आर्थिक क्षेत्र
— पाकिस्तानी सेना द्वारा कबाइलियों के रूप में आक्रमण
— अनुच्छेद 370 द्वारा विशेष राज्य

-
- गुलाम कश्मीर और अक्साई चीन का मामला
 - वहाँ अधिक स्वायत्तता की मांग
 - अलगाववादियों के दृष्टिकोण
 - पाकिस्तान द्वारा आतंकवादियों को बढ़ावा।
3. 1) राष्ट्र की एकता में बाधा
2) देश के सन्तुलित विकास में बाधा
3) केन्द्र व राज्य सरकारों के सम्बन्ध कटु
4) राज्यों के आपसी सम्बन्धों में दरार
5) हिंसात्मक आन्दोलन को बढ़ावा।
6) आर्थिक प्रगति में बाधा
7) राष्ट्रीय हितों की अनदेखी
4. ए) देश की मुख्य भूमि से भौगोलिक पृथक्ता तथा सांस्कृतिक पहचान का अहसास।
बी) आर्थिक पिछड़ापन।
सी) बाहरी लोगों (बांग्लादेशी, बंगाली एवं अन्य) की बढ़ती संख्या से स्थानीय लोगों में अनेक आशंकाएँ (डर) पैदा हो गई हैं जैसे—
1) संस्कृति को खतरा
2) राजनीतिक महत्व घटना
3) बेरोजगारी बढ़ना
4) व्यापार एवं व्यवसाय के अवसर घटना। आदि
5. स्मरणीय बिन्दु में

भारतीय राजनीति: नए बदलाव

स्मरणीय बिन्दु

- ★ 1984 में श्रीमति इंदिरा गाँधी की हत्या उससे उपजी सहानुभूति लहर में उनके पुत्र श्री राजीव गांधी 1984 में हुए चुनावों में विजयी हो कर प्रधानमंत्री बने। इन्हें 415 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त हुई।
- ★ 1989 के चुनावों के कांग्रेस 197 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी तो बनी परन्तु बहुमत प्राप्त न करने के कारण श्री राजीव गांधी ने सरकार बनाने से इंकार कर दिया।

1990 के बाद पांच प्रमुख बदलाव :-

- 1) कांग्रेस प्रणाली की समाप्ति, कांग्रेस मुख्य पार्टी रही परन्तु इसका प्रभुत्व नहीं रहा।
- 2) राष्ट्रीय राजनीति में मंडल मुद्दे का उदय।
- 3) नयी आर्थिक नीति
- 4) अयोध्या विवाद।
- 5) मई 1991 में राजीव गांधी की हत्या।

गठबंधन का युग :-

- कांग्रेस की हार के साथ भारत की दलीय व्यवस्था से उसका दबदबा खत्म हो गया और बहुदलीय शासन-प्रणाली का युग शुरू हुआ। अब केंद्र में गठबंधन सरकारों के निर्माण में क्षेत्रीय दलों का महत्त्व बढ़ गया।
- 1989 के चुनावों के बाद गठबंधन का युग आरंभ हुआ। इन चुनावों के बाद जनता दल और कुछ क्षेत्रीय दलों को मिलाकर बने राष्ट्रीय मोर्चे ने भाजपा और वाम मोर्चे के समर्थन से गठबंधन सरकार बनायी।

-
- 1996 में संयुक्त मोर्चा की सरकारें बनी। 1998 से 2004 तक राजग गठबंधन की सरकार रही। 2004-2014 तक संप्रग गठबंधन की सरकार रही। 2014 से लेकर अब तक राजग गठबंधन सत्ता में है।
 - गठबंधन सरकारों के उदय के मुख्य कारण :
 - 1) बहुदलीय व्यवस्था में छोटे दलों की बढ़ती ताकत
 - 2) राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का कमजोर होना या पूरे देश में पहुँच न होना।
 - 3) क्षेत्रीय दलों का प्रादुर्भाव एवं मजबूत होना।

मंडल मुद्दा :-

- 1977 में जनता पार्टी सरकार ने दूसरे 'पिछड़ा आयोग' का गठन किया। इसके अध्यक्ष बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल थे इसलिए इसे मंडल आयोग के नाम से जाना जाता है।
- मंडल आयोग की मुख्य सिफारिशें -
 - 1) अन्य पिछड़ा वर्ग OBC को सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण।
 - 2) भूमि सुधारों को पूर्णता से लागू करना।
- 1990 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री वी.पी. सिंह की सरकार ने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने की घोषणा की। इसके खिलाफ देश के विभिन्न भागों में मंडल विरोधी हिंसक प्रदर्शन हुए।

नई आर्थिक नीति :-

- 1991 में श्री पी.बी. नरसिम्हाराव के नेतृत्व वाली सरकार, जिसके वित्तमंत्री डा. मनमोहन सिंह थे, ने देश में नई आर्थिक नीति लागू की जिसे बाद में आने वाली सभी सरकारों ने जारी रखा। इस नीति में अर्थव्यवस्था के उदारीकरण और निजीकरण पर बल दिया गया।

सहमति के मुद्दे :-

- विभिन्न दलों में बढ़ती सहमति के मुद्दे निम्न हैं :-
- 1) नई आर्थिक नीति पर सहमति

-
- 2) पिछड़ी जातियों के राजनीतिक और सामाजिक दावों की स्वीकृति।
 - 3) क्षेत्रीय दलों की भूमिका एवं साझेदारी।
 - 4) विचारधारा की जगह कार्यसिद्धि पर जोर।

एक अंक वाले प्रश्न :-

1. नई आर्थिक नीति कब लागू की गई ?
2. भारतीय जनता पार्टी का गठन कब हुआ।
3. मंडल आयोग की मुख्य सिफारिश क्या थी ?
4. बहुजन समाज पार्टी की स्थापना में किसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी ?
5. गुजरात में साम्प्रदायिक दंगे कब भड़के ?
6. वर्तमान में केंद्र में किस राजनीतिक दल की सरकार चल रही है ?
7. भारतीय राजनीति में कब गठबन्धन सरकारों का युग (केन्द्र में) प्रारम्भ हुआ ?
8. 1984 में हुए आम चुनावों में कांग्रेस को कितनी सीटें मिली तथा कौन प्रधानमंत्री बना ?
9. कांग्रेस ने कब गठबन्धन राजनीति की हकीकत को समझ कर केन्द्रीय स्तर पर गठबन्धन कर सरकार बनाई ?
10. NDA का शब्द विस्तार लिखो
11. UPA का शब्द विस्तार लिखिए।

दो अंक वाले प्रश्न :-

1. गठबंधन सरकार से क्या अभिप्राय है ?
2. केंद्र में रही किन्हीं दो गठबन्धन सरकारों के उदाहरण दीजिए।
3. मंडल आयोग की नियुक्ति कब की गई, इसके अध्यक्ष कौन थे ?
4. मंडल आयोग की दो मुख्य सिफारिशें कौन सी थी ?
5. राष्ट्रीय मोर्चा में मुख्य घटक दल कौन सा था ? इस गठबंधन का मुख्य चुनावी मुद्दा क्या था ?
6. गठबंधन सरकारों की युग किस कारण आरम्भ हुआ ?
7. शाहबानों प्रकरण क्या था ?
8. भाजपा को 1986 में किन दो मुख्य घटनाओं के कारण उभरने का मौका

मिला।

9. बामसेफ का शब्द विस्तार एवं स्थापना वर्ष लिखिए।
10. बसपा के किन्हीं दो प्रमुख नेताओं के नाम लिखिए।

चार अंक वाले प्रश्न

1. मंडल मुद्दा क्या था ?
2. दिसंबर 1992 की अयोध्या घटना के क्या प्रभाव हुए ?
3. भारतीय जनता पार्टी के अभ्युदय पर टिप्पणी करें।
4. मिलान कीजिए -

ए) सर्वानुमति की राजनीति	1)	शाहबानो मामला
बी) जाति आधारित दल	2)	अन्य पिछड़ा वर्ग का उभार
सी) पर्सनस लॉ और लैंगिक न्याय	3)	गठबंधन सरकार
डी) क्षेत्रीय पार्टियों की बढ़ती ताकत	4)	आर्थिक नीतियों पर सहमति
5. गठबंधन राजनीति के दो सकारात्मक तथा दो नकारात्मक प्रभाव बताइये ?
6. जनता के सरोकार एवं भागीदारी से जुड़े कोई चार ऐसे मुद्दे बताइये जो जनता के अधिकारों एवं लोकतंत्र के विकास से जुड़े हैं ?
7. मिला करो :-

गठबंधन / नेता	कार्य
ए) UPA	1) स्वर्णिम चतुर्भुज
बी) NDA	2) मनरेगा
सी) श्री पी.वी. नरसिम्हाराव	3) मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करना।
डी) राष्ट्रीय मोर्चा	4) नई आर्थिक नीति
8. मिलान करो :-

क्षेत्रीय पार्टी	राज्य
ए) AIADMK	1) उड़ीसा
बी) शिवसेना	2) तमिलनाडु
सी) अकाली दल	3) पंजाब

-
4. श्री कांशीराम की।
 5. 2002
 6. राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन - NDA) की)
 7. 1989 के बाद से लोकसभा के चुनावों में कभी भी किसी एक पार्टी को 2014 तक पूर्ण बहुमत नहीं मिला। केन्द्र में 1989 से गठबंधन सरकारों का युग प्रारम्भ हो गया।
 8. 415, श्री राजीव गांधी
 9. 2004 में
 10. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन
 11. संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन
 12. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना।

दो अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. एक से अधिक राजनीतिक दलों द्वारा मिलकर सरकार बनाना।
2. 1989 की राष्ट्रीय मोर्चा सरकार।
1986 की संयुक्त मोर्चा सरकार आदि।
3. मंडल आयोग की नियुक्ति 1978 में जनता पार्टी सरकार द्वारा की गई थी। इसके अध्यक्ष बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल थे।
4. 1) अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) को सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण।
2) भूमि सुधार कानूनों को अमली जामा पहनाना।
5. जनता दल, बोफोर्स मुद्दा।
6. क्षेत्रीय दलों का उभार एवं राष्ट्रीय पार्टियों का कमजोर होना।
7. शाहबानों एक मुस्लिम महिला थी जिसने अपने पति से तलाक होने पर गुजारा भत्ता हासिल करने हेतु अदालत में अर्जी डाली तथा सर्वोच्च न्यायालय ने उसके हक में फैसला दिया। सरकार ने एक अधिनियम द्वारा इस फैसले को निरस्त कर दिया।
8. 1) शाहबानों केस
2) अदालत द्वारा अयोध्या स्थित विवादित स्थल का ताला खुलवाना।

-
9. बैकवर्ड एवं माइनोंरिटी क्लासेज एम्पलाइज फेडरेशन, 1978
10. — श्री कांशी राम, सुश्री मायावती

चार अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. — 1978 में जनता पार्टी सरकार द्वारा नियुक्ति
— अध्यक्ष बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल
— 1980 में सिफारिशें पेश की
— 1990 में अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण संबंधी सिफारिशों वी.पी. सिंह सरकार द्वारा लागू।
— सरकार के इस फैसले से उत्तर भारत के कई शहरों में हिंसक विरोध आदि।
2. — उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार बर्खास्त
— देश में सांप्रदायिक तनाव
— केंद्र सरकार द्वारा जांच आयोग की नियुक्ति
— ज्यादातर राजनीतिक दलों द्वारा घटना की निंदा आदि।
3. — 1980 में गठन
— 1980 और 1984 के चुनावों में खास सफलता नहीं
— 1986 के बाद हिन्दू राष्ट्रवाद के तत्त्वों पर जोर
— राम जन्म-भूमि मुद्दा
— 1996 में लोकसभा से सबसे बड़ी पार्टी बनी
— 1998 से 2004 तक भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकार
— 2014 से भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकार
— पूर्वोत्तर में भी 2016 में पहली बार सरकार का गठन इत्यादि
4. ए) 4
बी) 2
सी) 1
डी) 3
5. सकारात्मक - 1) क्षेत्रीय संतुलन में सहायक
2) विभिन्न दलों को प्रतिनिधित्व

-
- नकारात्मक - 1) राजनीतिक अस्थिरता
2) नीतियों में दृढ़ता की कमी
6. 1) सूचना का अधिकार
2) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा
3) फसल बीमा योजना
4) शिक्षा का अधिकार आदि
7. ए) 2
बी) 1
सी) 4
डी) 3
8. ए) 2
बी) 4
सी) 3
डी) 1

पांच अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. 1) 1989 में
2) — राष्ट्रीय मोर्चा सरकार (1989)
— संयुक्त मोर्चा सरकार (1996) आदि
3) ऐसी सरकार जिसके पास पूर्ण बहुमत न हो,
अल्पमत सरकार कहलाती है।

छः अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. स्मरणीय तथ्यों में देखें।
2. स्मरणीय तथ्यों में देखें।
3. पक्ष में तर्क :
1) 1984 के बाद पहली बार केन्द्र में किसी का दल को बहुमत प्राप्त हुआ।
2) अधिकतर क्षेत्रीय दलों की शक्ति में कीमत।
3) राष्ट्रीय दलों मुख्यतः कांग्रेस सहित UPA का सफाया।

विपक्ष में तर्क :-

- 1) पूर्ण बहुमत प्राप्त कर लेने के बाद भी भाजपा का NDA को साथ ले कर चलना।
 - 2) तीन क्षेत्रीय दलों यथा तृणमूल कांग्रेस, बीजू जनता दल और अन्नाद्रमुक का अपने-अपने राज्यों में पूर्ण वर्चस्व कायम।
 - 3) राज्य सभा के बिना गठबंधन यह सरकार फेल साबित होगी क्योंकि वहाँ बहुमत नहीं है।
4. — धारा 356 का दुरुपयोग कम हुआ।
— राज्यों में केन्द्र का हस्तक्षेप कम
— अधिकतर राज्यों में राष्ट्रीय दलों का कमजोर पड़ना इत्यादि
(कोई तीन)
5. 1) RTI एवं RTE लागू कर लोकतंत्र को परिपक्व करना।
2) खाद्य सुरक्षा बिल द्वारा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वालों को खाने का अधिकार देना।
3) मनरेगा द्वारा 100 दिनों तक रोजगार उपलब्ध कराना तथा रोजगार न होने की स्थिति में भत्ते की गारंटी। इससे गाँव से शहर की ओर पलायन रोकने में मदद मिली।
4) उच्च शैक्षिक संस्थानों में OBC को 27 प्रतिशत आरक्षण देकर आरक्षण राजनीति को बढ़ावा आदि।
6. 1) स्वच्छ भारत मिशन - ए) पूरे देश में स्वच्छता पर जोर
बी) गांधी जयंती पर विशेष सफाई अभियान
सी) स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का नारा आदि।
2) मेक इन इंडिया - ए) बहुराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय कम्पनियों को अपने उत्पाद भारत में बनाने हेतु प्रेरित करना।
बी) अधिक विदेशी मुद्रा
सी) रोजगार में वृद्धि का लक्ष्य।
डी) मैन्युफैक्चरिंग में भारत को आगे ले जाना।
ई) व्यापार में सुविधा बढ़ाना आदि।

राजनीति विज्ञान

निर्धारित समय 3 घंटे

अंक : 100

सामान्य निर्देश :-

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रश्न संख्या 1-5 तक प्रत्येक प्रश्न एक अंक का है। इन प्रश्नों का प्रत्येक 20 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
3. प्रश्न संख्या 6-10 तक प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। इन प्रश्नों का प्रत्येक 40 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
4. प्रश्न संख्या 11-16 तक प्रत्येक प्रश्न चार अंक का है। इन प्रश्नों का प्रत्येक 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. प्रश्न संख्या 17-21 तक प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का है। इन प्रश्नों का प्रत्येक 150 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 21 मानचित्र पर आधारित प्रश्न है। इसका उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।
7. प्रश्न संख्या 22 से 27 तक प्रत्येक प्रश्न छः अंकों का है। इन प्रश्नों का प्रत्येक 150 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

-
1. गुट-निरपेक्षता की रणनीति के माध्यम से जवाहरलाल नेहरू किन दो लक्ष्यों को प्राप्त कर लेना चाहते थे? 1
 2. दोनों में से अधिक अनिवार्य कौन सा है और क्यों- बड़े बाँधों का निर्माण अथवा इसका विरोध करने वाले पर्यावरण संबंधी आंदोलन? 1
 3. बर्लिन की दीवार से संबंधित निम्नलिखित कथनों में से कौन सा एक सही नहीं है? 1
- ए) यह पूँजीपति तथा साम्यवादी विश्व के बीच विभाजन का प्रतीक थी।
- बी) इसका निर्माण द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत पश्चात् किया गया।

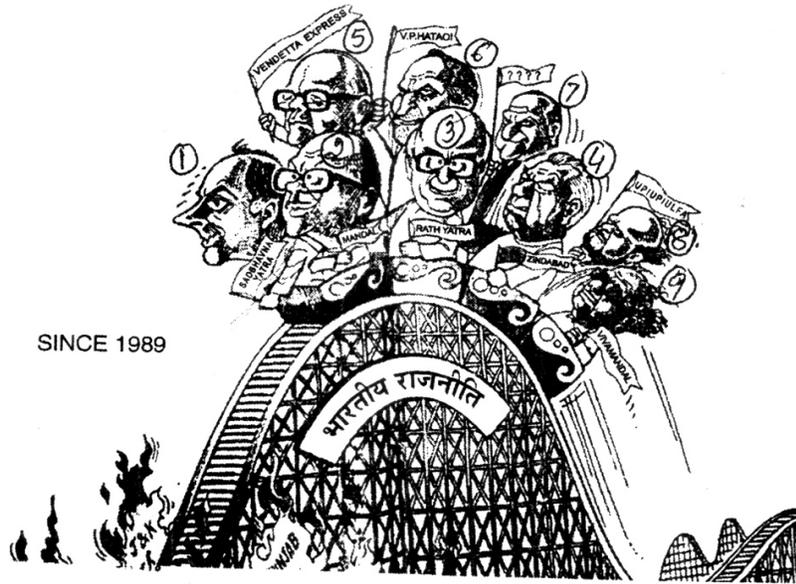
-
- सी) लोगों द्वारा इसे 9 नवम्बर, 1989 को तोड़ दिया गया।
- डी) यह जर्मनी के दोनों भागों के एकीकरण का प्रतीक था।
4. चिपको आंदोलन के सर्वाधिक अनूठे पहलू को उजागर कीजिए। 1
5. आसियान (ए.एस.ई.ए.एन.) की स्थापना क्यों की गई? 1
6. शीत युद्ध के काल में किन दो विचारधाराओं में तनाव चल रहा था और क्यों? 2
7. हालांकि 1950 के दशक में देश के शेष हिस्सों को भाषायी आधार पर पुनर्गठित किया गया था लेकिन पंजाब को 1966 तक प्रतीक्षा क्यों करनी पड़ी। 2
8. “स्वतंत्र भारत के नेता राजनीति को समस्या के रूप में नहीं देखते थे, वे राजनीति को समस्या के समाधान का उपाय मानते थे।” आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? 2
9. पूर्वोत्तर भारत का पुनर्गठन कैसे और कब तक पूरा किया गया? 2
10. निम्नलिखित का सही मिलान कीजिए: 2
- ए) राजनीतिक से प्रेरित विवादास्पद नियुक्ति 1) चारु मजूमदार
 बी) 1974 में रेलवे की हड़ताल का नेतृत्व किया 2) जयप्रकाश नारायण
 सी) नेहरू मंत्रिमंडल में शामिल होने से इंकार 3) जॉर्ज फर्नांडिस
 डी) पुलिस हिरासत में मौत 4) न्यायपूर्ति ए.एन.रे
11. चीन की अर्थव्यवस्था में तो सुधार हुआ है, परंतु वहाँ प्रत्येक चीनी को सुधारों का लाभ क्यों नहीं पहुँचा? कोई चार कारण स्पष्ट कीजिए। 4
12. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के प्रश्न पर कई देशों को एतराज क्यों है? स्पष्ट कीजिए। 4
13. पर्यावरण हानि की चुनौतियों से निपटने में, पर्यावरण आंदोलनों की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 4
14. कांग्रेस पार्टी की गठबंधनी प्रकृति ने, किस प्रकार कांग्रेस को असाधारण ताकत दी? 4

-
15. 1977 के चुनावों को जनता पार्टी ने किस प्रकार 1975 में लगाए गए आपातकाल के ऊपर जनमत संग्रह का रूप दे दिया? व्याख्या कीजिए। 4
16. भारत की मिश्रित अर्थव्यवस्था के मॉडल के प्रमुख परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 4
17. नीचे दिए गए अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िये और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5
- भारत ने जब अपना पहला परमाणु परीक्षण किया तो इसे उसने शांतिपूर्ण परीक्षण करार दिया। भारत का कहना था कि वह अणुशक्ति को सिर्फ शांतिपूर्ण उद्देश्यों में इस्तेमाल करने की अपनी नीति के प्रति दृढ़ संकल्प है। जिस वक्त परमाणु परीक्षण किया गया था वह दौर घरेलू राजनीति के लिहाज से बड़ा कठिन था। 1973 में अरब-इजराइल युद्ध हुआ था। इसके बाद पूरे विश्व में तेल के लिए हाहाकार मचा हुआ था। अरब राष्ट्रों ने तेल के दामों में भारी वृद्धि कर दी थी। भारत इस वजह से आर्थिक समस्याओं से घिर गया। भारत में मुद्रास्फीति बहुत ज्यादा बढ़ गई।
- 1) भारत ने अपना पहला परमाणु परीक्षण कब किया और क्यों?
 - 2) भारत ने जब परमाणु परीक्षण किया, उस काल को भारत की घरेलू राजनीति का, सबसे कठिन काल क्यों समझा जाता है?
 - 3) 1970 के दशक के प्रारंभ में घटित किस अंतर्राष्ट्रीय घटना के कारण भारत में मँहगाई बहुत बढ़ गयी थी?
18. दिए गए अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 5
- हर देश को पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की ओर पूरी तरह मुड़ना था। इसका मतलब था कि इस दौर की हर संरचना से पूरी तरह निजात पाना। 'शॉक थेरेपी' की सर्वोपरि मान्यता थी कि मिलिक्यत का सबसे प्रभावी रूप निजी स्वामित्व होगा। इसके अंतर्गत राज्य की संपदा के निजीकरण और व्यावसायिक
-

स्वामित्व के ढाँचे को तुरंत अपनाने की बात शामिल थी। सामूहिक 'फार्म' को निजी 'फार्म' में बदला गया और पूँजीवादी पद्धति से खेती शुरू हुई। इस संक्रमण में किसी भी वैकल्पिक व्यवस्था या 'तीसरे रूख' को मंजूर नहीं किया गया।

- 1) ऐसे दो देशों के नाम लिखिए जिन्हें अपनी व्यवस्था में पूरी तरह से परिवर्तन लाना था।
 - 2) सामूहिक फार्मों को निजी फार्मों में क्या बदला जाना था ?
 - 3) क्योंकि किसी तीसरे रास्ते की कोई सम्भावना नहीं थी, तो अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए पहले दो रास्ते कौन से थे ?
19. नीचे दिए गए कार्टून का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ?

5



- 1) दिए गए कार्टून से किन्हीं चार राष्ट्रीय नेताओं को पहचान कीजिए तथा प्रत्येक की क्रम संख्या भी लिखिए।
- 2) भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नेता नं 2 के कार्यकाल का सबसे विवादास्पद

मुद्दा क्या था ?

- 3) 1989 के लोक सभा निर्वाचन में क्रम संख्या एक के नेतृत्व वाले दल की स्थिति क्या थी ?

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 19 के स्थान पर हैं।

- (19.1) 1984 के लोक सभा निर्वाचन में किस दल ने सर्वाधिक सीटें जीतीं और किसे नेतृत्व में।
- (19.2) 1990 में राष्ट्रीय मोर्चा की सरकार ने कौन सा सर्वाधिक विवादास्पद निर्णय लिया ?
- (19.3) किस प्रधानमंत्री ने नए आर्थिक सुधारों की शुरुआत की तथा इसका क्या परिणाम निकला ?

20. दिए गए अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िये और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

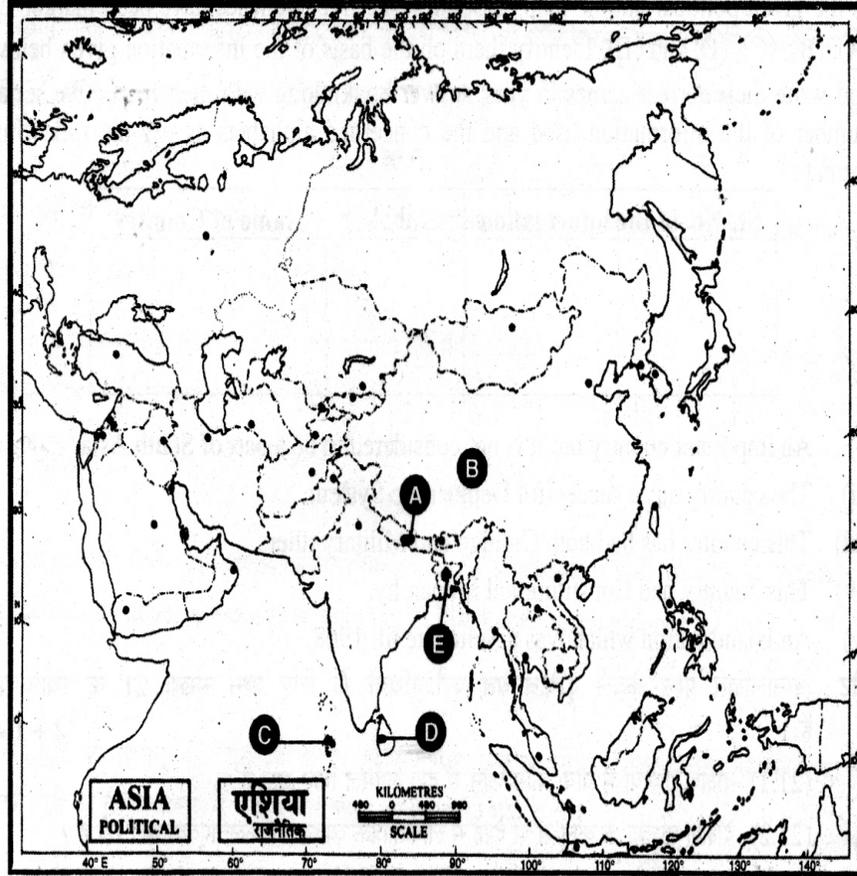
5

सबसे सीधा-सरल विचार यह है कि वैश्वीकरण के कारण राज्य की क्षमता यानी सरकारों को जो करना है उसे करने की ताकत में कमी आती है। पूरी दुनिया में कल्याणकारी राज्य की धारणा अब पुरानी पड़ गई है और इसकी जगह न्यूनतम हस्तक्षेपकारी राज्य ने ले ली है। राज्य अब कुछेक मुख्य कामों तक ही अपने को सीमित रखता है, जैसे कानून और व्यवस्था को बनाये रखना तथा अपने नागरिकों की सुरक्षा करना। इस तरह के राज्य ने अपने को पहले के कई ऐसे लोक-कल्याणकारी कामों से खींच लिया है जिनका लक्ष्य आर्थिक और सामाजिक कल्याण होता था। लोक कल्याणकारी राज्य की जगह अब बाजार आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं का प्रमुख निर्धारक है।

- 1) 'राज्य की क्षमता में कमी आना' एक उदाहरण द्वारा इन शब्दों का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।

- 2) 'कल्याणकारी राज्य' की धारणा का स्थान 'न्यूनतम हस्तक्षेपकारी राज्य' क्यों ले रहा है ?
- 3) बाज़ार किस प्रकार सामाजिक प्राथमिकताओं का मुख्य निर्धारक बन गया है ?

21.



ऊपर दिए गए दक्षिण एशिया के रेखा-मानचित्र में, पाँच देशों को A, B, C, D तथा E द्वारा दर्शाया गया है। नीचे दी गई जानकारी के आधार पर इनकी पहचान कीजिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में उनके सही नामों के साथ, प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या तथा संबंधित अक्षर भी नीचे दी गई तालिका के रूप में लिखिए।

5

प्रयोग की गई सूचना का क्रमांक	संबंधित अक्षर	देश का नाम

- 1) एक महत्वपूर्ण देश परंतु उसे दक्षिण एशिया का भाग नहीं समझा जाता।
- 2) इस देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था सफल रही है।
- 3) इस देश में सैनिक तथा असैनिक दोनों प्रकार के शासक रहे हैं।
- 4) वह देश जहाँ संवैधानिक राजतंत्र रहा है।
- 5) एक द्वीपीय राष्ट्र जो 1968 तक एक सल्तनत था।

नोट :- निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 21 के स्थान पर है।

5

- (21.1) दक्षिण एशिया में प्रायःकौन कौन से देश शामिल किए जाते हैं ?
- (21.2) दक्षिण एशिया के कौन से दो देशों में लोकतांत्रिक व्यवस्था सफलतापूर्वक चल रही है ?
- (21.3) दक्षेस (SAARC) तथा साफ्टा (SAFTA) के विस्तृत रूप लिखिए।

22. लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के पश्चात् इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनाने में सहायक परिस्थितियों का विश्लेषण कीजिए। इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में लोकप्रियता प्रदान करने वाली किन्हीं चार उपलब्धियों का उल्लेख कीजिए।

अथवा

25 जून, 1975 को भारत में आपात स्थिति की घोषणा किए जाने के लिए उत्तरदायी परिस्थितियों का विश्लेषण कीजिए।

23. “क्षेत्रीय माँगों को मानना और भाषा के आधार पर नए राज्यों का गठन

करना, एक लोकतांत्रिक कदम के रूप में देखा गया।' इस कथन को न्यायोचित सिद्ध करने के लिए कोई तीन उपयुक्त तर्क दीजिए। 6

अथवा

स्वतंत्रता के पश्चात् भारत में अपनाए जाने वाले आर्थिक विकास के मॉडल से संबंधित सहमति तथा असहमति के विभिन्न क्षेत्रों का परीक्षण कीजिए। 6

24. शीत युद्ध के पश्चात् आए ऐसे किन्हीं छः बदलावों का उल्लेख कीजिए जिनके कारण संयुक्त राष्ट्र की कार्यशैली को बेहतर बनाने के लिए सुधार लाना आवश्यक हो गया है। 6

अथवा

आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा की पारंपरिक धारणाओं से क्या अभिप्राय है? व्याख्या कीजिए। 6

25. संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारत के सम्बन्ध किस प्रकार के होने चाहिए? इसके बारे में, भारत के अंदर तीन विभिन्न दृष्टिकोणों का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

ऐसे किन्हीं तीन प्रमुख कारकों का मूल्यांकन कीजिए जो यूरोपीय संघ को आर्थिक सहयोग वाली संस्था से बदल कर एक राजनैतिक रूप देने के लिए उत्तरदायी हैं। 6

26. सोवियत संघ में सोवियत व्यवस्था की किन्हीं तीन सकारात्मक तथा तीन नकारात्मक विशेषताओं को उजाकर कीजिए।

अथवा

यह कहना कहाँ तक उचित है कि शीतयुद्ध के दौरान, अंतर्राष्ट्रीय गठबंधनों का निर्धारण महाशक्तियों की जरूरतों और छोटे देशों की लाभ हानि के गणित से होता था। व्याख्या कीजिए? 6

27. सरदार सरोवर परियोजना क्या है? यदि यह परियोजना सफल हो जाए, तो

इससे किन लाभों की अपेक्षा की जाती है? इससे संबंधित पुनराबंटन एवं पुनर्वास के मुद्दों का भी उल्लेख कीजिए।

अथवा

विविधताओं का सम्मान करते हुए, भारत में एकता को बनाए रखने के प्रयास में, अनेक ऐसे कठिन मुद्दे हैं, जिनसे निपटना अभी बाकी है। तनाव के ऐसे किन्हीं तीन मुद्दों का वर्णन कीजिए।

6

सीनियर स्कूल सर्टीफिकेट परीक्षा, मार्च - 2016
मूल्यांकन योजना-राजनीति विज्ञान
अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिन्दु
59/1/3

प्र0 1. 30	गुट-निरपेक्षता की रणनीति के माध्यम से जवाहरलाल नेहरू किन दो लक्ष्यों को प्राप्त कर लेना चाहते थे ? (i) कठिनाई से प्राप्त संप्रभुता की रक्षा । (ii) क्षेत्रीय अखण्डता और एकता को बनाए रखना । (iii) तीव्र आर्थिक विकास को बढ़ावा देना । (काई दो)	2x1= 1
प्र0 2. 30	दोनों में से अधिक अनिवार्य कौन सा है और क्यों - बड़े बाँधों का निर्माण अथवा इसका विरोध करने वाले पर्यावरण संबंधी आंदोलन ? परीक्षार्थी दिए हुए विकल्पों में से किसी एक के पक्ष में लिख सकता है -- परन्तु उसके उत्तर के साथ तर्क होना चाहिए। जैसे - <ul style="list-style-type: none">• विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए बांधों का निर्माण आवश्यक है अथवा• बाँधों का निर्माण लोगों के विस्थापन और पर्यावरण का निम्नीकरण करता है। अतः इसके विरुद्ध आंदोलन आवश्यक है।	1
प्र0 3. 30	बर्लिन की दीवार से संबंधित निम्नलिखित कथनों में से कौन सा एक सही नहीं है ? a. यह पूँजीपति तथा साम्यवादी विश्व के बीच विभाजन का प्रतीक थी। b. इसका निर्माण द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत पश्चात् किया गया। c. लोगों द्वारा इसे 9 नवम्बर, 1989 को तोड़ दिया गया। d. यह जर्मनी के दोनों भागों के एकीकरण का प्रतीक था। यह जर्मनी के दोनों भागों के एकीकरण का प्रतीक था।	1
प्र0 4. 30	घिपको आंदोलन के सर्वाधिक अनूठे पहलू को उजागर कीजिए। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अथवा अन्य कोई उपयुक्त उत्तर	1
प्र0 5. 30	आसियान (ए.एस.ई.ए.एन.) की स्थापना क्यों की गई ? आसियान (ए.एस.ई.ए.एन.) की स्थापना के कारण : (i) आर्थिक वृद्धि को तीव्र करने के लिए। (ii) सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के लिए। (iii) क्षेत्रीय शांति तथा स्थायित्व को बढ़ावा देने के लिए।	1

प्र० 6.	शीत युद्ध के काल में किन दो विचारधाराओं में तनाव चल रहा था और क्यों ?											
उ०	<ul style="list-style-type: none"> • जिन विचारधाराओं में तनाव चल रहा था वे हैं - <ul style="list-style-type: none"> i. समाजवाद ii. पूंजीवाद • अमेरिकी गुट पूंजीवाद का समर्थक था और सोवियत संघ के पूर्वी गठबंधन द्वारा समर्थित समाजवादी अर्थव्यवस्था के विरुद्ध था। 	1+1=2										
प्र० 7.	हालांकि 1950 के दशक में, देश के शेष हिस्सों को भाषायी आधार पर पुनर्गठित किया गया था, लेकिन पंजाब को 1966 तक प्रतीक्षा क्यों करनी पड़ी ?											
उ०	'पंजाबी सूबा' आंदोलन का नेतृत्व कमजोर था और इस आंदोलन को गैर सिक्खों और सिक्खों में भी कुछ जातियों का समर्थन प्राप्त नहीं था। पंजाब का यह आंदोलन अन्य राज्यों में हुए आंदोलनों जैसा मजबूत नहीं था।	2										
प्र० 8.	"स्वतंत्र भारत के नेता राजनीति को समस्या के रूप में नहीं देखते थे; वे राजनीति को समस्या के समाधान का उपाय मानते थे।" आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं ?											
उ०	परीक्षार्थी को उत्तर के पक्ष में तर्क/तथ्य/उदाहरण देना चाहिए। उदाहरण के लिए : स्वतंत्रता आंदोलन के अधिकांश नेताओं ने राजनीति को चुना और लोगों की समस्याएं हल करने के लिए सत्ता में आने का प्रयास किया। अथवा अन्य कोई उपयुक्त उत्तर	2										
प्र० 9.	पूर्वोत्तर भारत का पुनर्गठन कैसे और कब तक पूरा किया गया ? _____											
उ०	उत्तर-पूर्व राज्यों का पुनर्गठन लगभग 1972 में पूरा हो गया था, जैसे 1972 में आसाम में से एक क्षेत्र ले कर मेघालय बनाया गया। मणिपुर और त्रिपूरा भी इसी वर्ष अलग राज्य के रूप में उभरे। परन्तु अरुणाचल प्रदेश 1987 में बना जबकि नागालैण्ड 1963 में ही बन गया था।	2										
प्र० 10.	निम्नलिखित का सही मिलान कीजिए : <table style="width: 100%; border: none;"> <tr> <td style="text-align: center;">'A'</td> <td style="text-align: center;">'B'</td> </tr> <tr> <td>(a) राजनीति से प्रेरित विवादास्पद नियुक्ति</td> <td>(i) चारू मजूमदार</td> </tr> <tr> <td>(b) 1947 में रेलवे की हड़ताल का नेतृत्व किया</td> <td>(ii) जय प्रकाश नारायण</td> </tr> <tr> <td>(c) नेहरू मंत्रिमंडल में शामिल होने से इंकार</td> <td>(iii) जार्ज फर्नांडिस</td> </tr> <tr> <td>(d) पुलिस हिरासत में मौत</td> <td>(iv) न्यायमूर्ति ए. एन. रे.</td> </tr> </table>	'A'	'B'	(a) राजनीति से प्रेरित विवादास्पद नियुक्ति	(i) चारू मजूमदार	(b) 1947 में रेलवे की हड़ताल का नेतृत्व किया	(ii) जय प्रकाश नारायण	(c) नेहरू मंत्रिमंडल में शामिल होने से इंकार	(iii) जार्ज फर्नांडिस	(d) पुलिस हिरासत में मौत	(iv) न्यायमूर्ति ए. एन. रे.	
'A'	'B'											
(a) राजनीति से प्रेरित विवादास्पद नियुक्ति	(i) चारू मजूमदार											
(b) 1947 में रेलवे की हड़ताल का नेतृत्व किया	(ii) जय प्रकाश नारायण											
(c) नेहरू मंत्रिमंडल में शामिल होने से इंकार	(iii) जार्ज फर्नांडिस											
(d) पुलिस हिरासत में मौत	(iv) न्यायमूर्ति ए. एन. रे.											
उ०	<table style="width: 100%; border: none;"> <tr> <td>(a) (iv) न्यायमूर्ति ए. एन. रे.</td> </tr> <tr> <td>(b) (iii) जार्ज फर्नांडिस</td> </tr> <tr> <td>(c) (ii) जय प्रकाश नारायण</td> </tr> <tr> <td>(d) (i) चारू मजूमदार</td> </tr> </table>	(a) (iv) न्यायमूर्ति ए. एन. रे.	(b) (iii) जार्ज फर्नांडिस	(c) (ii) जय प्रकाश नारायण	(d) (i) चारू मजूमदार	4x½=2						
(a) (iv) न्यायमूर्ति ए. एन. रे.												
(b) (iii) जार्ज फर्नांडिस												
(c) (ii) जय प्रकाश नारायण												
(d) (i) चारू मजूमदार												

प्र० 11.	चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार तो हुआ है, परंतु वहाँ प्रत्येक चीनी को सुधारों का लाभ क्यों नहीं पहुँचा ? कोई चार कारण स्पष्ट कीजिए।	
उ०	यद्यपि चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार तो हुआ परन्तु प्रत्येक चीनी को इसका लाभ नहीं हुआ क्योंकि— i. बेरोज़गारी बढ़ गई थी। ii. कार्य स्थितियाँ अच्छी नहीं थीं। iii. पर्यावरणीय निम्नीकरण बढ़ गया था। iv. भ्रष्टाचार भी बढ़ रहा था।	4x1=4
प्र० 12.	संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के प्रश्न पर कई देशों को एतराज क्यों है? स्पष्ट कीजिए।	
उ०	i. पाकिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंध। ii. कुछ देश भारत की नाभिकीय क्षमता से भी चिंतित हैं। iii. चीन भी राजनीतिक कारणों से भारत के पक्ष में नहीं है। iv. यदि भारत को स्थान मिलता है तो अन्य विकासशील देश भी स्थाई सदस्यता की मांग कर सकते हैं। v. कुछ अन्य का मानना है कि अफ्रीका और दक्षिण अमरीका को भी प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। (कोई चार कारण)	4x1=4
प्र० 13.	पर्यावरण हानि की चुनौतियों से निपटने में, पर्यावरण आंदोलनों की भूमिका की व्याख्या कीजिए।	
उ०	पर्यावरण आंदोलनों की भूमिका i. इनमें से कुछ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं जबकि उनमें से अधिकांश स्थानीय स्तर पर काम करते हैं। ii. पूरे विश्व में ऐसे आंदोलन सर्वाधिक विविध, सक्रिय और शक्तिशाली हैं। iii. सामाजिक आंदोलनों से ही नई प्रकार की राजनीतिक कार्यशीलता उत्पन्न होती है या खोज ली जाती है। iv. ऐसे आंदोलनों से नए विचार और दीर्घकालिक दृष्टिकोण उत्पन्न होते हैं। जैसे— हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए ?	4
प्र० 14.	कांग्रेस पार्टी की गठबंधनी प्रकृति ने, किस प्रकार कांग्रेस को असाधारण ताकत दी ?	
उ०	i. 'गठबंधन' अपने में शामिल होने वालों की सहायता करता है और लगभग सभी मुद्दों पर संतुलन बनाने में सहायक होता है। ii. गठबंधन में आंतरिक अंतरों के प्रति काफी सहनशीलता होती है तथा विभिन्न समूहों और नेताओं के लक्ष्यों को स्थान दिया जाता है। iii. इससे कांग्रेस को अपने भीतर समानता रखने में सहायता मिली भले ही कोई एक समूह खुश नहीं था। iv. आंतरिक गुटबाजी कांग्रेस की ताकत सिद्ध हुई जबकि आमतौर पर यह कमजोरी होती है। अथवा अन्य कोई उपयुक्त बिंदु	4

प्र0 15.	1977 के चुनावों को जनता पार्टी ने किस प्रकार 1975 में लगाए गए आपातकाल के ऊपर जनमत संग्रह का रूप दे दिया ? व्याख्या कीजिए।	
उ0	जनता पार्टी ने 1977 के चुनावों को निम्नलिखित ढंग से जनमत संग्रह में बदला : (i) सभी विरोधी दलों ने कांग्रेस के विरुद्ध आपस में हाथ मिलाकर जनता के सामने दोनों में से किसी एक को चुनने का विकल्प रखा। (ii) जनता पार्टी ने लोकतंत्र की वकालत की तथा आपातकाल को लोकतंत्र की हत्या बताया। (iii) जयप्रकाश नारायण विपक्ष का चेहरा बन गया और जे. पी. एंव इन्दिरा के बीच एक को चुनने का विकल्प बन गया। (iv) जनता पार्टी ने लोगों को लोकतंत्र और तानाशाही के बीच किसी एक को चुनने का आह्वान किया।	4
प्र0 16.	भारत की मिश्रित अर्थव्यवस्था के मॉडल के मुख्य परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।	
उ0	भारत की मिश्रित अर्थव्यवस्था के मॉडल के मुख्य परिणाम : (i) कृषि, व्यापार और उद्योगों का अधिकांश भाग निजी हाथों में छोड़ दिया गया। (ii) राज्य द्वारा नियंत्रित मुख्य भारी उद्योगों ने औद्योगिक ढांचे, नियमित व्यापार और कृषि में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किया। इससे निजी और सार्वजनिक, दोनों क्षेत्रों में वृद्धि हुई और इसने भावी विकास को आधार किया।	4
प्र0 17.	दिए गए अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: भारत ने जब अपना पहला परमाणु परीक्षण किया तो इसे उसने शांतिपूर्ण परीक्षण करार दिया। भारत का कहना था कि वह अणुशक्ति को सिर्फ शांतिपूर्ण उद्देश्यों में इस्तेमाल करने की अपनी नीति के प्रति दृढ़ संकल्प है। जिस वक्त परमाणु परीक्षण किया गया था वह दौर घरेलू राजनीति के लिहाज से बड़ा कठिन था। 1973 में अरब-इजरायल युद्ध हुआ था। इसके बाद पूरे विश्व में तेल के लिए हाहाकार मचा हुआ था। अरब राष्ट्रों ने तेल के दामों में भारी वृद्धि कर दी थी। भारत इस वजह से आर्थिक समस्याओं से घिर गया। भारत में मुद्रास्फीति बहुत ज्यादा बढ़ गई। i. भारत ने अपना पहला परमाणु परीक्षण कब किया और क्यों ? ii. भारत ने जब परमाणु परीक्षण किया, उस काल को भारत की घरेलू राजनीति का, सबसे कठिन काल क्यों समझा जाता है ? iii. 1970 के दशक के प्रारंभ में घटित किस अंतर्राष्ट्रीय घटना के कारण भारत में महंगाई बहुत बढ़ गयी थी ? (i) मई 1974 में - आणविक ऊर्जा को शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए, प्रयोग करने के लिए। (ii) अरब - इजरायल युद्ध के कारण कीमतें बढ़ रही थीं। अतः भारत आर्थिक मोर्चे पर संकटों का मुकाबला कर रहा था। (iii) 1973 का अरब - इजरायल युद्ध।	
उ0		2+2+1=5
प्र0 18.	दिए गए अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-	

उ०	<p>हर देश को पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की ओर पूरी तरह मुड़ना था। इसका मतलब था कि इस दौर की हर संरचना से पूरी तरह निजात पाना। 'शॉक थेरेपी' की सर्वोपरि मान्यता थी कि मिलिक्यत का सबसे प्रभावी रूप निजी स्वामित्व होगा। इसके अंतर्गत राज्य की संपदा के निजीकरण और व्यावसायिक स्वामित्व के ढाँचे को तुरंत अपनाने की बात शामिल थी। 'सामूहिक फार्म' को 'निजी फार्म' में बदला गया और पूँजीवादी पद्धति से खेती शुरू हुई। इस संक्रमण में किसी भी वैकल्पिक व्यवस्था या 'तीसरे रूख' को मंजूर नहीं किया गया।</p> <p>i. ऐसे दो देशों के नाम लिखिए जिन्हें अपनी व्यवस्था में पूरी तरह से परिवर्तन लाना था।</p> <p>ii. सामूहिक फार्मों को निजी फार्मों में क्यों बदला जाना था ?</p> <p>iii. क्योंकि किसी तीसरे रास्ते की कोई सम्भावना नहीं थी, तो अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए पहले दो रास्ते कौन से थे ?</p> <p>(i) आर्मीनिया, जार्जिया, उज्बेकिस्तान अथवा सोवियत संघ के विघटन के बाद बना कोई अन्य देश। (कोई दो देश)</p> <p>(ii) राज्य नियंत्रित अर्थव्यवस्था की समाप्ति एवं निजीकरण और उदारीकरण के लागू होने के कारण।</p> <p>(iii) a) राज्य नियंत्रित अर्थव्यवस्था (समाजवाद) b) पूँजीवाद</p>	1+2+2=5
उ०	<p>प्र० 19. नीचे दिए गए कार्टून का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए तथा निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।</p> <p>i. दिए गए कार्टून से किन्हीं चार राष्ट्रीय नेताओं की पहचान कीजिए तथा प्रत्येक की क्रम संख्या भी लिखिए।</p> <p>ii. भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नेता न. 2 के कार्यकाल का सबसे विवादास्पद मुद्दा क्या था ?</p> <p>iii. 1989 के लोकसभा निर्वाचन में, क्रम संख्या एक के नेतृत्व वाले दल की स्थिति क्या थी ?</p> <p>i. 1 राजीव गांधी 2 वी. पी. सिंह 3 लाल कृष्ण आडवानी 4 देवी लाल 5 ज्योति बसु 6 चन्द्र शेखर 7 एन. टी. रामा राव 8 पी. के. मोहन्तो 9 के. करुणानिधि (कोई चार)</p> <p>ii. मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करना।</p>	

उ०	<p>iii. 1989 में पार्टी बुरी तरह प्रभावित हुई तथा स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं कर सकी। (415, सांसदों से घट कर 189 पर पहुँच गई थी)</p> <p>नोट:- निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 19 के स्थान पर हैं।</p> <p>19.1 1984 के लोकसभा निर्वाचन में किस दल ने सर्वाधिक सीटें जीतीं और किसके नेतृत्व में ?</p> <p>19.2 1990 में राष्ट्रीय मोर्चा की सरकार ने कौन सा सर्वाधिक विवादास्पद निर्णय लिया ?</p> <p>19.3 किस प्रधानमंत्री ने नए आर्थिक सुधारों की शुरुआत की तथा इसका क्या परिणाम निकला ?</p> <p>19.1 (i) कांग्रेस पार्टी (ii) राजीव गांधी के नेतृत्व में</p> <p>19.2 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करना।</p> <p>19.3 नए आर्थिक सुधार राजीव गांधी द्वारा लागू किए गए। इसने आर्थिक नीति की दिशा को यकायक बदल दिया।</p>	<p>2+1+2=5</p> <p>2+1+2=5</p>
उ०	<p>प्र० 20. दिए गए अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:</p> <p>सबसे सीधा-सरल विचार यह है कि वैश्वीकरण के कारण राज्य की क्षमता यानी सरकारों को जो करना उसे करने की ताकत में कमी आती है। पूरी दुनिया में कल्याणकारी राज्य की धारणा अब पुरानी पड़ गई है और इसकी जगह न्यूनतम हस्तक्षेपकारी राज्य ने ले ली है। राज्य अब कुछेक मुख्य कामों तक ही अपने को सीमित रखता है, जैसे कानून और व्यवस्था को बनाए रखना तथा अपने नागरिकों की सुरक्षा करना। इस तरह के राज्य ने अपने को पहले के कई ऐसे लोक-कल्याणकारी कामों से खींच लिया है जिनका लक्ष्य आर्थिक और सामाजिक-कल्याण होता था। लोक-कल्याणकारी राज्य की जगह अब बाजार आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं का प्रमुख निर्धारक है।</p> <p>i. 'राज्य की क्षमता में कमी आना' एक उदाहरण द्वारा इन शब्दों का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए।</p> <p>ii. 'कल्याणकारी राज्य' की धारणा का स्थान 'न्यूनतम हस्तक्षेपकारी राज्य' क्यों ले रहा है ?</p> <p>iii. बाजार किस प्रकार सामाजिक प्राथमिकताओं का प्रमुख निर्धारक बन गया है ?</p> <p>(i) वैश्वीकरण के कारण राज्य की क्षमता यानी सरकारों को जो काम करना है, उसे करने की ताकत में कमी आती है। आजकल विभिन्न देशों की सरकारों को पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियमों का पालन करना पड़ता है।</p> <p>(ii) निजीकरण के कारण अधिकांश आर्थिक गतिविधियां निजी क्षेत्र में आ गई हैं। राज्यों की भूमिका आर्थिक विकास में सहायता करना, कानून व्यवस्था को बनाए रखना तथा नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करना है।</p>	<p>2+2+1=5</p>

	(iii) बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ आर्थिक वृद्धि के क्षेत्र में आ गई हैं। उन्हें अपने उत्पाद बेचने के लिए बाजारों की तलाश है। अतः अब बाजार सामाजिक प्राथमिकताओं के निर्धारक बन गए हैं।																									
प्र० 21.	<p>दिए गए दक्षिण एशिया के रेखा-मानचित्र में, पाँच देशों को A, B, C, D तथा E द्वारा चिह्नित किया गया है। नीचे दी गई जानकारी के आधार पर इनकी पहचान कीजिए और उत्तरपुस्तिका में उनके सही क्रम संख्या तथा संबंधित अक्षर, नीचे दी गई तालिका के रूप में लिखिए।</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या</th> <th>संबंधित अक्षर</th> <th>देश का नाम</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>(i) से (v) तक</td> <td></td> <td></td> </tr> </tbody> </table> <p>i. एक महत्वपूर्ण देश परंतु उसे दक्षिण एशिया का भाग नहीं समझा जाता। ii. इस देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था सफल रही है। iii. इस देश में सैनिक तथा असैनिक दोनों प्रकार के शासक रहे हैं। iv. वह देश जहाँ संवैधानिक राजतंत्र रहा है। v. एक द्वीपीय राष्ट्र जो 1968 तक एक सल्तनत था।</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या</th> <th>संबंधित अक्षर</th> <th>देश का नाम</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>(i)</td> <td>B</td> <td>चीन</td> </tr> <tr> <td>(ii)</td> <td>D</td> <td>श्रीलंका</td> </tr> <tr> <td>(iii)</td> <td>E</td> <td>बांग्लादेश</td> </tr> <tr> <td>(iv)</td> <td>A</td> <td>नेपाल</td> </tr> <tr> <td>(v)</td> <td>C</td> <td>मालदीव</td> </tr> </tbody> </table> <p>नोट— निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 21 के स्थान पर है। 21.1 दक्षिण एशिया में प्रायः कौन-कौन से देश शामिल किए जाते हैं ? 21.2 दक्षिण एशिया के कौन से दो देशों में लोकतांत्रिक व्यवस्था सफलतापूर्वक चल रही है। 21.3 दक्षेस (SAARC) तथा साफ्टा (SAFTA) के विस्तृत रूप लिखिए।</p>	प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबंधित अक्षर	देश का नाम	(i) से (v) तक			प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबंधित अक्षर	देश का नाम	(i)	B	चीन	(ii)	D	श्रीलंका	(iii)	E	बांग्लादेश	(iv)	A	नेपाल	(v)	C	मालदीव	5x1=5
प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबंधित अक्षर	देश का नाम																								
(i) से (v) तक																										
प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	संबंधित अक्षर	देश का नाम																								
(i)	B	चीन																								
(ii)	D	श्रीलंका																								
(iii)	E	बांग्लादेश																								
(iv)	A	नेपाल																								
(v)	C	मालदीव																								
प्र० 22.	<p>लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के पश्चात्, इंदिरा गांधी को प्रधान मंत्री बनाने में सहायक परिस्थितियों का विश्लेषण कीजिए। इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में लोकप्रियता प्रदान करने वाली किन्हीं चार उपलब्धियों का उल्लेख कीजिए।</p>	2+1+2=5																								

<p>उ०</p>	<p>• इंदिरा गांधी को प्रधान मंत्री बनाने में सहायक परिस्थितियां :</p> <p>(i) इंदिरा गांधी लोकप्रिय पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुत्री थीं। (ii) वह 1958 में कांग्रेस अध्यक्ष बन गई थी। (iii) वह 1964-66 में शास्त्री जी के मंत्रीमंडल में सूचना मंत्री रह चुकी थीं। (कोई दो बिंदु)</p> <p>• इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में लोकप्रियता प्रदान करने वाली उपलब्धियां :</p> <p>(i) उसने 'गरीबी हटाओ' का लोकप्रिय नारा दिया था। (ii) उसने सार्वजनिक क्षेत्र की वृद्धि पर ध्यान दिया। (iii) उसने ग्रामीण भूमि की तथा शहरी सम्पत्ति की हदबन्दी की जिससे आर्थिक असमानता कम हो सके। (iv) उसने रज़वाड़ों को दी जाने वाली सुविधाएं कम कीं। (v) 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में निर्णायक जीत। (vi) 1974 में पहला आणविक विस्फोट। (कोई चार बिंदु)</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>25 जून, 1975 को भारत में आपात स्थिति की घोषणा किए जाने के लिए उत्तरदायी परिस्थितियों का विश्लेषण कीजिए।</p>	<p>2+4=6</p>
<p>उ०</p>	<p>आपातकाल लागू करने की परिस्थितियाँ:-</p> <p>(i) न्यायपालिका और राजनीतिक कार्यपालिका के बीच संघर्ष। (ii) वृद्धि दर में कमी और कीमतों का बढ़ना। (iii) बिहार और गुजरात में मंहगाई और भ्रष्टाचार के विरुद्ध छात्र आंदोलन। (iv) जॉर्ज फर्नांडीज़ के नेतृत्व में रेलवे हड़ताल। (v) रामलीला मैदान की विशाल रैली जहां जयप्रकाश नारायण ने कर्मचारियों से सरकार के अवैध आदेश न मानने का आग्रह किया। (vi) इलाहाबाद हाई कोर्ट का इंदिरा गांधी के चुनाव को रद्द करने का निर्णय।</p>	<p>6</p>
<p>प्र० 23</p> <p>उ०</p>	<p>"क्षेत्रीय भाषाओं को मानना और भाषा के आधार पर नए राज्यों का गठन करना, एक लोकतांत्रिक कदम के रूप में देखा गया।" इस कथन को न्यायोचित सिद्ध करने के लिए कोई तीन उपयुक्त तर्क दीजिए।</p> <p>कथन के समर्थन में तर्क :</p> <p>(i) 60 वर्षों में भाषायी आधार पर बनने वाले राज्यों ने लोकतांत्रिक राजनीति की प्रकृति को सकारात्मक और रचनात्मक बना दिया है। (ii) भाषायी आधार पर राज्यों के निर्माण से राज्यों की सीमाएं निर्धारित करने में भाषा सभी के लिए एक समान आधार बन गई है। (iii) इससे देश का विघटन के बजाय एकीकरण हुआ है। (iv) लोगों की क्षेत्रीय अपेक्षाएं पूरी हुई हैं, लोगों को ताकत मिली है और लोकतंत्र सफल हुआ है। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अनेक क्षेत्रीय अपेक्षाओं को स्थान दिया जा रहा है। (कोई तीन व्याख्या सहित)</p>	<p>3x2=6</p>

उ०	<p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>स्वतंत्रता के पश्चात भारत में अपनाए जाने वाले आर्थिक विकास के मॉडल से संबंधित सहमति तथा असहमति के विभिन्न क्षेत्रों का परिक्षण कीजिए।</p> <p>सहमति के क्षेत्र :</p> <p>(i) भारत के विकास का अर्थ आर्थिक वृद्धि एवं सामाजिक और आर्थिक न्याय होना चाहिए। (ii) विकास के मुद्दे को केवल व्यापारियों, उद्योगपतियों और किसानों पर ही नहीं छोड़ा जा सकता अपितु सरकार को एक प्रमुख भूमिका निभानी चाहिए। (iii) गरीबी उन्मूलन तथा सामाजिक और आर्थिक पुनर्वितरण के काम को सरकार की प्राथमिक जिम्मेवारी माना गया।</p> <p>असहमति के क्षेत्र :</p> <p>(i) सरकार द्वारा निर्माई जाने वाली भूमिका पर असहमति। (ii) यदि आर्थिक वृद्धि से भिन्नता हो तो न्याय की जरूरत से जुड़े महत्त्व पर असहमति। (iii) उद्योग बनाम कृषि तथा निजी बनाम सार्वजनिक क्षेत्र के मुद्दे पर असहमति।</p>	3+3=6
प्र० 24. उ०	<p>शीत युद्ध के पश्चात् आए ऐसे किन्हीं छः बदलावों का उल्लेख कीजिए जिनके कारण संयुक्त राष्ट्र संघ की कार्यशैली को बेहतर बनाने के लिए सुधार लाना आवश्यक हो गया है।</p> <p>शीत युद्ध के बाद आए बदलाव</p> <ol style="list-style-type: none"> i. सोवियत संघ विघटित हो चुका था। ii. अमरीका एकल महाशक्ति के रूप में उभरा। iii. रूस व अमरीका के बीच संबंध अधिक सहयोगपूर्ण हो गए। iv. एशिया की अर्थव्यवस्था में अप्रत्याशित दर से वृद्धि हो रही है। v. भारत और चीन तीव्र गति से विकास कर रहे हैं। vi. अनेक नए देश संयुक्त राष्ट्र के सदस्य बने। vii. विश्व के समक्ष बिल्कुल नए प्रकार की चुनौतियां जैसे नरसंहार, गृहयुद्ध, जातीय संघर्ष, आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण निम्नीकरण उत्पन्न हो गई हैं। <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा की पारंपरिक धारणाओं से क्या अभिप्राय है ? व्याख्या कीजिए।</p> <p>आंतरिक सुरक्षा की पारंपरिक धारणा</p> <p>पारम्परिक सुरक्षा की अवधारणा आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी हुई है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पृथ्वी पर सर्वाधिक शक्तिशाली देशों की आंतरिक सुरक्षा कमोबेश सुनिश्चित थी। 1945 के बाद अमरीका और सोवियत संघ में एकता दिखाई देती थी और वे अपनी सीमाओं में शांति की अपेक्षा कर सकते थे। यूरोप में अधिकांश शक्तिशाली देशों के समक्ष अपनी सीमाओं में कोई चुनौती नहीं थी।</p> <p>बाह्य सुरक्षा की पारंपरिक धारणा</p> <p>द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का समय शीत युद्ध का समय था, जिसमें अमरीका के नेतृत्व में पश्चिमी गठबंधन के सामने सोवियत संघ के नेतृत्व में पूर्वी गठबंधन था। दोनों गठबंधनों को एक दूसरे से</p>	6x1=6
		3x2=6

	सैनिक आक्रमण का खतरा था। कुछ यूरोपिय शक्तियों को अपने उपनिवेशों में स्वतंत्रता की मांग करने वाले लोगों की हिंसा के प्रति चिन्ता थी।	
प्र0 25.	संयुक्त राज्य अमरीका के साथ भारत के सम्बन्ध किस प्रकार के होने चाहिए। इसके बारे में, भारत के अंदर तीन विभिन्न दृष्टिकोणों का विश्लेषण कीजिए।	
उ0	<p>(i) भारत को अमरीका से अपनी दूरी बनाए रखनी चाहिए और उसे अपनी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।</p> <p>(ii) भारत को अमरीकी वर्चस्व और आपसी समझ का यथा संभव अपने हित में लाभ उठाना चाहिए। अमरीका का विरोध करना व्यर्थ होगा और अंततः भारत को क्षति पहुंचेगी।</p> <p>(iii) भारत को विकासशील देशों का गठबंधन बनाने में नेतृत्व देना चाहिए।</p> <p>अन्य कोई दृष्टिकोण</p> <p style="text-align: right;">(कोई तीन व्याख्या सहित)</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>ऐसे किन्हीं तीन प्रमुख कारकों का मूल्यांकन कीजिए जो यूरोपीय संघ को आर्थिक सहयोग वाली संस्था से बदल कर, एक राजनैतिक रूप देने के लिए उत्तरदायी हैं।</p>	3x2=6
उ0	<p>(i) 1949 में स्थापित यूरोपीय परिषद राजनीतिक सहयोग की दिशा में एक कदम बढ़ाना था।</p> <p>(ii) 1957 में यूरोपीय इकनामिक कम्युनिटी के गठन से राजनीतिक चर्चा शुरू हुई जिससे यूरोपीय पार्लियामेंट का गठन हुआ।</p> <p>(iii) सोवियत संगठन के विघटन ने यूरोप में इस प्रक्रिया को तेजी प्रदान की और 1992 में इस प्रक्रिया की परिणति यूरोपीय संघ के रूप में हुई।</p> <p>(iv) इसने अपना झंडा, स्थापना दिवस, गान और अलग मुद्रा को अपनाया।</p> <p>(v) विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के कारण इसका अपना राजनीतिक प्रभाव भी है।</p> <p style="text-align: right;">(कोई तीन व्याख्या सहित)</p>	3x2=6
प्र0 26.	सोवियत संघ व्यवस्था की किन्हीं तीन सकारात्मक तथा तीन नकारात्मक विशेषताओं को उजागर कीजिए।	
उ0	<p><u>सकारात्मक विशेषताएं :</u></p> <p>(i) सोवियत व्यवस्था अमेरीका को छोड़कर शेष पूरे विश्व से कहीं अधिक विकसित थी।</p> <p>(ii) सभी नागरिकों के लिए एक न्यूनतम जीवन स्तर सुनिश्चित था।</p> <p>(iii) सरकार द्वारा बुनियादी जरूरत की चीजों जैसे स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा, बच्चों की देखभाल तथा लोक कल्याण की अन्य चीजों को रियायती दर पर उपलब्ध करवाना।</p> <p>(iv) बेरोजगारी का न होना।</p> <p>अन्य कोई सकारात्मक विशेषता</p> <p style="text-align: right;">(कोई तीन विशेषताएं)</p> <p><u>नकारात्मक विशेषताएं :</u></p> <p>(i) व्यवस्था सत्तावादी थी और नौकरशाही का कड़ा शिकंजा था।</p> <p>(ii) लोकतंत्र की कमी और अनेक क्षेत्रों में स्वतंत्रता का न होना।</p>	

राजनीति विज्ञान

सैम्पल पेपर

निर्धारित समय 3 घंटे

अंक : 100

सामान्य निर्देश :-

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
 2. प्रश्न संख्या 1-5 तक प्रत्येक प्रश्न एक अंक का है। इन प्रश्नों का प्रत्येक 20 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
 3. प्रश्न संख्या 6-10 तक प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। इन प्रश्नों का प्रत्येक 40 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
 4. प्रश्न संख्या 11-16 तक प्रत्येक प्रश्न चार अंक का है। इन प्रश्नों का प्रत्येक 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
 5. प्रश्न संख्या 17-21 तक प्रत्येक प्रश्न पाँच अंक का है। इन प्रश्नों का प्रत्येक 150 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
 6. प्रश्न संख्या 21 मानचित्र पर आधारित प्रश्न है। इसका उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।
 7. प्रश्न संख्या 22 से 27 तक प्रत्येक प्रश्न छः अंकों का है। इन प्रश्नों का प्रत्येक 150 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
-

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र -

1. निम्न कथन के शुद्ध करके पुनः लिखिए -
'जापान संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों में से एक हैं'
2. NPT का शब्द विस्तार लिखिए।
3. रिक्त स्थान भरिये -
सुरक्षा से अभिप्राय से मुक्ति है।
4. ताड़ी आंदोलन किस राज्य में हुआ ?

-
5. आजादी के समय कश्मीर रिसासत के राजा कौन थे ?
 6. आजादी के बाद हुए विस्थापन के किन्हीं दो परिणामों का उल्लेख कीजिए।
 7. दक्षेस के किन्हीं दो सदस्य देशों के नाम लिखिए।
 8. भारत में पहला योजना आयोग कब गठित हुआ ? इसका अध्यक्ष कौन था ?
 9. शीतयुद्ध के अंत के कोई दो परिणाम लिखिए।
 10. वैश्वीकरण के दो सकारात्मक प्रभाव लिखिए।
 11. चीन को शक्तिशाली बनाने वाले कारकों का वर्णन कीजिए ?
 12. संयुक्त राष्ट्र संघ के किन्हीं चार अंगों का वर्णन करें।
 13. मूलवासी किसे कहते हैं ? उनकी कोई दो समस्याएं लिखिए ?
 14. स्वतंत्रता के बाद जिन रियासतों के विलय में समस्या आयी उनमें से किन्हीं दो का वर्णन करें।
 15. पहले तीन आम चुनावों में कांग्रेस के वर्चस्व के क्या कारण थे ?
 16. वर्तमान राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में विभिन्न राजनीतिक दलों में सहमति वाली चार बातें लिखिए।
 17. निम्नलिखित अवतरण को पढ़ें और उसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें :-
 1980 के दशक में अन्य पिछड़ा वर्गों के बीच लोकप्रिय ऐसे ही राजनीतिक समूहों को जनता दल ने एकजुट किया। राष्ट्रीय मोर्चा की सरकार ने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने का फैसला किया। इससे अन्य पिछड़ा वर्ग की राजनीति को सुगठित रूप देने में मदद मिली। नौकरी में आरक्षण के सवाल पर तीखे वाद-विवाद हुए और इन विवादों से 'अन्य पिछड़ा वर्ग' अपनी पहचान को लेकर ज्यादा सजग हुआ। जो इस तबके को लामबंद करना चाहते थे, उन्हें इसका फायदा हुआ।
- 1) मंडल आयोग की प्रमुख सिफारिश क्या थी ? 2
 - 2) मंडल आयोग के अध्यक्ष कौन थे ? 1
 - 3) मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने की घोषणा की क्या प्रतिक्रिया हुई ? 2

18. निम्नलिखित अवतरण को पढ़े और इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे :

य
शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद से भारत-चीन संबंधों में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। अब इनके संबंधों का राजनीतिक ही नहीं आर्थिक पहलू भी है। दोनों ही खुद को विश्व-राजनीति की उभरती शक्ति मानते हैं और दोनों ही एशिया की अर्थव्यवस्था और राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहेंगे।

- 1) भारत-चीन युद्ध कब हुआ ? 1
- 2) भारत-चीन के बीच मतभेद के किन्हीं दो मुद्दों का वर्णन करें। 2
- 3) शीतयुद्ध के अंत के बाद भारत-चीन संबंधों में क्या बदलाव आए है 2

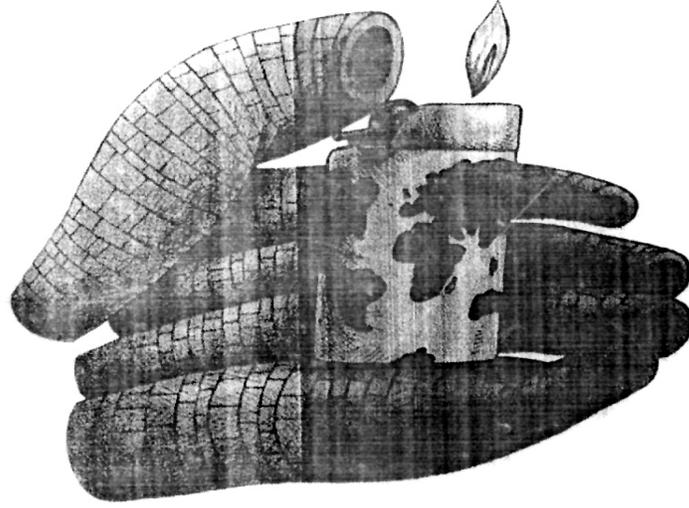
19. निम्नलिखित अवतरण को पढ़े और इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें:

विकास के दो जाने माने मॉडल थे, भारत ने उनमें से किसी को नहीं अपनाया। पूँजीवादी मॉडल में विकास का काम पूर्णतया निजी क्षेत्र के भरोसे होता है। भारत ने यह रास्ता नहीं अपनाया। भारत ने विकास व समाजवादी मॉडल भी नहीं अपनाया। जिसमें निजी संपत्ति को खत्म कर दिया जाता है और हर तरह के उत्पादन पर राज्य का नियंत्रण होता है। इन दोनों ही मॉडल की कुछ बातों को ले लिया गया और अपने देश में इन्हें मिले-जुले रूप में लागू किया गया।

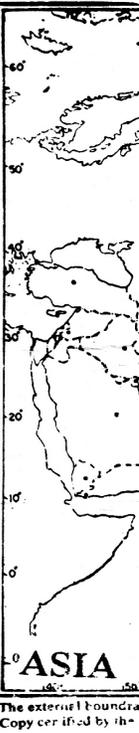
- 1) भारत के सामने आजादी के बाद विकास के कौनकौन से मॉडल थे ? 2
- 2) भारत द्वारा अपनाये गये मॉडल को क्या नाम दिया जाता है ? 1
- 3) विकास के समाजवादी मॉडल की दो विशेषताएँ लिखिए ? 2

20. नीचे दिये गये चित्र को देखकर दिये गये प्रश्नों के उत्तर دیجिए।

- 1) प्रस्तुत चित्र विश्व की किस समस्या को दर्शाया है ? 1
- 2) प्रस्तुत चित्र अंगुलिया किस बात को प्रदर्शित कर रही है। 2
- 3) प्रस्तुत चित्र में विश्व को लाईटर के रूप में क्यों दिखाया गया है 2



21. नीचे दिये गये एशिया के मानचित्र में दिये गये ABCD तथा E देशों को पहचानिए तथा उनके नाम लिखिए।



-
22. स्वतंत्रता के बाद उपस्थित राष्ट्र-निर्माण की चुनौतियों का वर्णन कीजिए
अथवा
आजादी के बाद के वर्षों में कांग्रेस एक विचारधारात्मक और सामाजिक गठबंधन थी। स्पष्ट कीजिए।
23. 1970 दशक के अंत में कांग्रेस में विभाजन के कारण क्या थे ?
अथवा
भारत-पाकिस्तान संबंधों पर प्रकाश डालिये।
24. बीकेयू क्या है ? इसको आंदोलन की प्रमुख मांगे कौन सी हैं ?
अथवा
भारतीय राजनीति में 1990 के बाद आए किन्हीं तीन बदलावों का उल्लेख कीजिए।
25. शॉक थेरेपी क्या थी ? इसके क्या परिणाम हुए ?
अथवा
अमरीका के सैन्य वर्चस्व का वर्णन कीजिए।
26. सुरक्षा की पारंपरिक धारणा क्या है ? इसके अंतर्गत सुरक्षा के लिए माने जाने वाले किन्हीं दो खतरों का वर्णन कीजिए।
अथवा
शीतयुद्ध के परिणामों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।
27. संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधार की आवश्यकता बताइए।
अथवा
वैश्वीकरण क्या है ? इसकी आलोचना क्यों दी जाती है ?